CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

सचित्र विश्वकोश

10 देश और निवासी

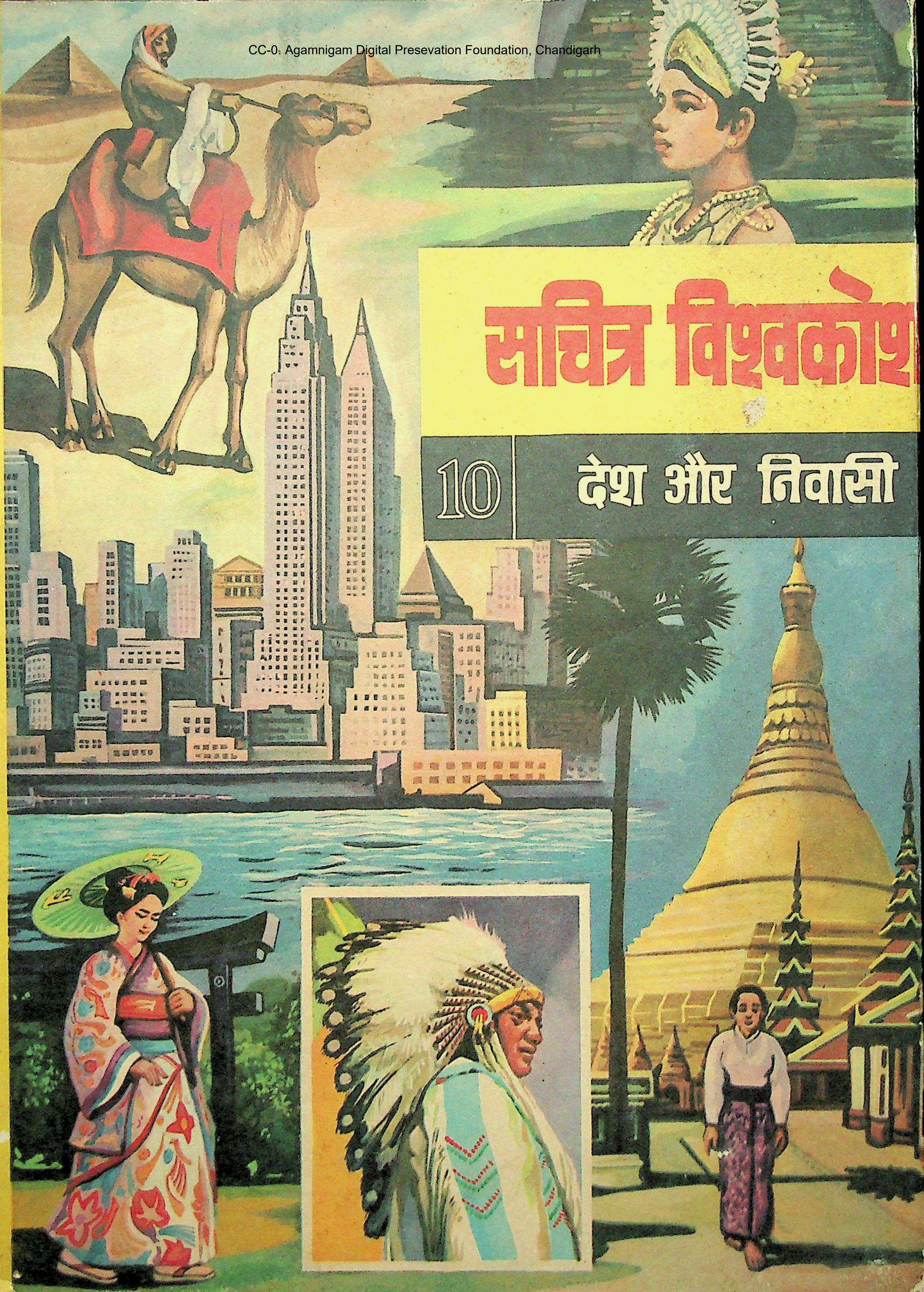

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अशोका स्टेशनर्स
फीरोज़ गांधी मार्ग, रायबरेली

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

10

सचित्र विश्वकोश

ज्ञान-विज्ञान की प्रामाणिक, तथ्यपूर्ण और नवीनतम जानकारी तथा दो हज़ार से अधिक रंगीन और दुर्लभ चित्रों से भरपूर दस सजिल्द और अपने-आपमें सम्पूर्ण खण्डों का अपने ढंग का अनूठा विश्वकोश

विशेषज्ञों द्वारा रचित तथा विश्व की अनेक भाषाओं में अनूदित 'गोल्डन बुक इन्साइक्लोपीडिया' का हिन्दी संस्करण

देश और निवासी

राजपाल एण्ड सन्ज़
कश्मीरी गेट, दिल्ली-6

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

भूमिका

विश्वकोश की उपयोगिता से सभी परिचित हैं। विश्वकोश के द्वारा आप किसी भी विषय के सम्बन्ध में प्रामाणिक और नवीनतम जानकारी आसानी से पा सकते हैं। आज के युग में विश्वकोश एक महत्त्वपूर्ण और बहुत उपयोगी संदर्भ पुस्तक (रेफरेन्स बुक) है जो विद्यार्थियों, विद्वानों और जनसाधारण सभी के लिए मूल्यवान है।

मुझे प्रसन्नता है कि 'गोल्डन बुक एनसाइक्लोपीडिया' पर आधारित यह 'सचित्र विश्वकोश' दस भागों में प्रकाशित हो रहा है। प्रत्येक खण्ड विषयानुसार है और अपने में पूर्ण है। 'गोल्डन बुक एनसाइक्लोपीडिया' अपनी प्रामाणिकता के लिए संसार-भर में प्रसिद्ध है और अनेक देशों में इसके अनुवाद प्रकाशित हो चुके हैं। हिन्दी में इस उपयोगी विश्वकोश का प्रकाशन बहुत ही सुन्दर रूप में हुआ है जिसके लिए प्रकाशक बधाई के पात्र हैं। प्रत्येक पृष्ठ पर चार-रंगे अनेक चित्र हैं और सबसे अच्छी बात यह है कि मात्र अनुवाद न होकर इसमें आवश्यकतानुसार भारतीयकरण भी किया गया है। मेरी सम्मति में ऐसा करने से इसकी उपयोगिता हिन्दी के पाठकों के लिए और भी बढ़ गई है। यह महत्त्वपूर्ण प्रकाशन, एक तरह से, शिक्षा के क्षेत्र में दो मित्र देशों के सहयोग का प्रतीक है।

एक अन्य विशेषता यह भी है कि इसमें भारत सरकार द्वारा निर्धारित टैक्नीकल शब्दावली का उपयोग किया गया है। मुझे आशा है, हिन्दी के विद्यार्थी और पाठक इससे पूरा लाभ उठाएंगे।

नई दिल्ली
अप्रैल, 1967

प्रेम किरपाल
शिक्षा-सचिव, भारत सरकार

प्रकाशकीय

'सचित्र विश्वकोश' की तैयारी में हमें अनेक भारतीय विद्वानों और वैज्ञानिकों का सहयोग मिला है। हम उन सबके प्रति आभार प्रकट करते हैं, विशेषतः श्री श्रीकान्त व्यास के प्रति, जिनकी देख-रेख में यह हिन्दी संस्करण संपादित हुआ है। आवरण-चित्र श्री आर० के० बोस ने बनाए हैं।

—प्रकाशक

मूल्य : सात रुपये

THE GOLDEN BOOK ENCYCLOPAEDIA
by Bertha Morris Parker

Published by arrangement with Golden Press, Inc. New York.
© Copyright 1959 by Golden Press, Inc.

प्रथम संस्करण © 1967, राजपाल एण्ड सन्ज
शिक्षा भारती प्रेस दिल्ली में मुद्रित

राज्य संग्रहालय पुस्तकालय, लखनऊ
क्रम 3825
प्रा 1-7-67
State Museum, Library, Lko.

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

सचित्र विश्वकोश

खण्ड 10

देश और निवासी, प्रमुख नगर

अपर वोल्टा (UPPER VOLTA) : पश्चिमी अफ्रीका में स्थित यह देश पश्चिम की ओर माली से सटा हुआ है। यह पहले फ्रांस के अधीन था, किंतु 1960 में पूर्ण स्वतंत्र हो गया। अपर वोल्टा फ्रेंच राष्ट्रकुल का सदस्य तो नहीं है, पर फ्रांस के साथ इसके घनिष्ठ सम्बन्ध हैं। यहां प्रेज़ीडेंट का शासन है। इसका क्षेत्रफल 1,05,900 वर्गमील और जनसंख्या 47,63,000 है। उआगाडोगो इसकी राजधानी है।

अफगानिस्तान (AFGHANISTAN) : यह पामीर पठार के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक स्वतन्त्र मुस्लिम राज्य है। इसके उत्तर में सोवियत संघ, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व में पाकिस्तान, पूर्व में चीन तथा भारत और पश्चिम में ईरान स्थित हैं। यह पहाड़ी इलाके वाला देश है। यहां के कुछ कबीले खूंख्वार और लड़ाकू होते हैं। कभी-कभी अफगानिस्तान को 'चट्टानों, पत्थरों और पुश्तैनी अदावतों का देश' कहा जाता है।

संसार का प्रसिद्ध दर्रा 'खैबर' इसी देश में स्थित है। कई हज़ार साल तक यह दर्रा भारत महाद्वीप के सिंहद्वार का काम करता रहा है।

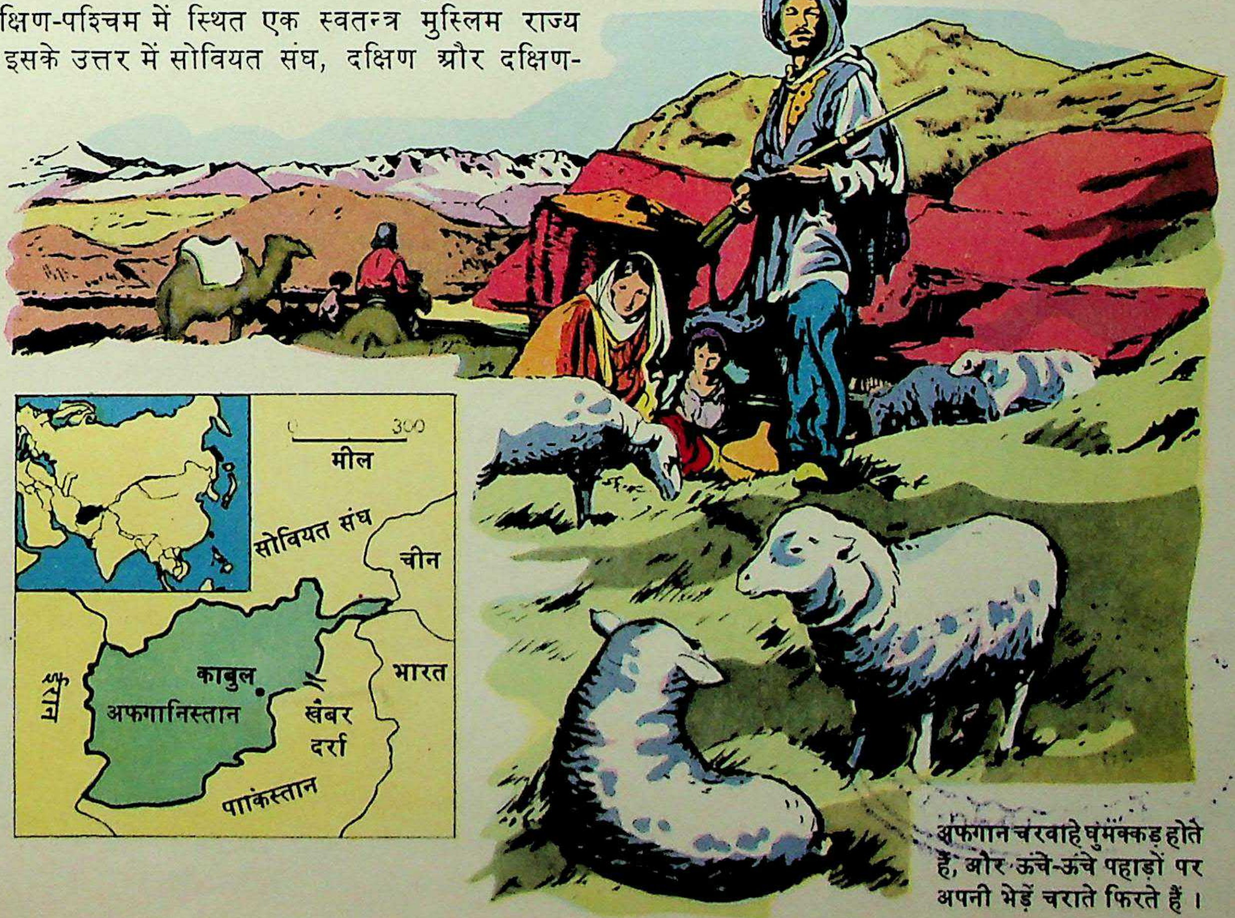

अफगान चरवाहे घुमक्कड़ होते हैं, और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर अपनी भेड़ें चराते फिरते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अफ़गानिस्तान मेवों और फलों का देश है। यहां के किसान तरह-तरह के फल और अनाज उगाते हैं। कुछ लोग कबीलों में रहते हैं। उनकी गुज़र-बसर भेड़ों की ऊन और मांस से होती है। देश की उत्तर-पश्चिमी सीमा पर तेल के कुएं भी हैं।

यहां रेलें नहीं हैं। कुछ सड़कें ऐसी हैं जिनपर मोटर-गाड़ियां चल सकती हैं, लेकिन माल ज़्यादातर टट्टुओं और ऊंटों पर ढोया जाता है। अफ़गानिस्तान से फल और मेवे बाहर भेजे जाते हैं और वहां से चीनी, चाय और कपड़ा मंगवाया जाता है।

अफ़गानिस्तान का क्षेत्रफल 2,50,000 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 1,30,00,000 है। यहां की राजधानी काबुल है।

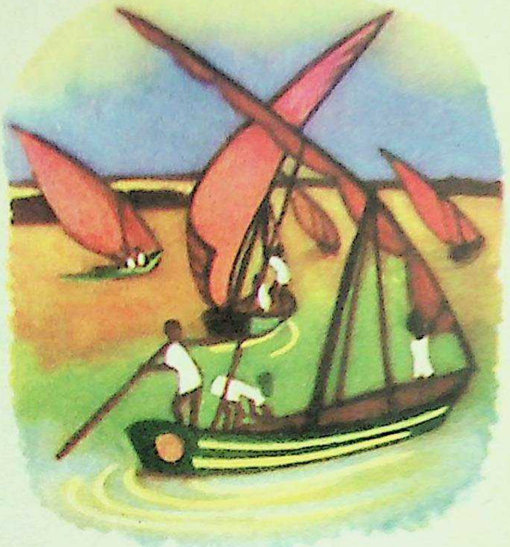

अफ्रीका की विक्टोरिया झील संसार की एक सबसे बड़ी झील है।

अफ्रीका (AFRICA) : एशिया के बाद अफ्रीका संसार के सातों महाद्वीपों में सबसे बड़ा है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह एशिया का दो तिहाई है, लेकिन इसकी आबादी एशिया का कुल सातवां हिस्सा है।

एशिया और यूरोप इसके निकट के पड़ोसी हैं। अफ्रीका और यूरोप को जिब्राल्टर जलसंधि अलग करती है, तथा अफ्रीका और एशिया को स्वेज़ थलसंधि मिलाती है।

अफ्रीका के मानचित्र का खाका बनाना आसान है। इसमें बड़े-बड़े प्रायद्वीप नहीं हैं, और न बड़ी घाटियां ही हैं। इसके किनारे यूरोप या एशिया की भांति कटे-फटे नहीं हैं।

अफ्रीका यूरोप के दक्षिण में है। भूमध्य रेखा इस महाद्वीप के बीच से होकर गुज़रती है, इसलिए इसके अधिकांश भागों में बारहों महीने गर्मी रहती है। भूमध्य रेखा के आसपास के अंधेरे और घने जंगलों में लगभग प्रतिदिन वर्षा होती है किन्तु सुदूर उत्तर और सुदूर दक्षिण के रेगिस्तानी इलाकों में वर्षा की एक बूंद नहीं बरसती।

अफ्रीका को बहुत दिनों तक अंध महाद्वीप कहा जाता रहा है क्योंकि जलवायु तथा दूसरे अनेक कारणों से इस महाद्वीप के अनेक भागों का बहुत दिनों तक पता नहीं लगाया जा सका। समुद्र के तटवर्ती स्थानों पर जाना आसान था लेकिन वहां की जलवायु और परिस्थितियां भी अच्छी न थीं। इसके अलावा यहां आनेवाले विदेशी व्यापारियों को हाथीदांत, सोना और दास किनारों के स्थानों से ही मिल जाते थे इसलिए उन्हें मध्यवर्ती प्रदेशों में जाने की ज़रूरत नहीं पड़ती थी। सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में रहनेवाले अश्वेत लोग दास-प्रथा के कारण श्वेत व्यापारियों आदि का विरोध करने लगे थे इसलिए भी विदेशियों की ज़्यादा अन्दर के इलाकों में जाने की हिम्मत नहीं पड़ती थी।

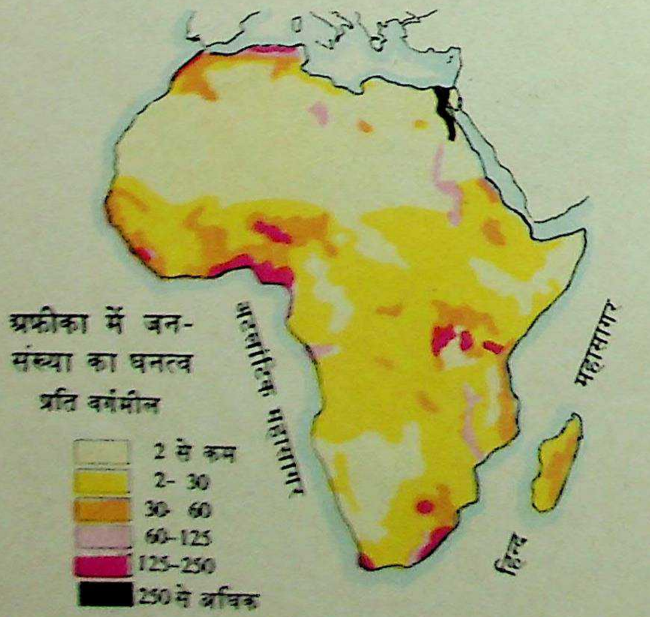

इम्पाला अफ्रीका का एक सबसे तेज़ दौड़नेवाला जानवर है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

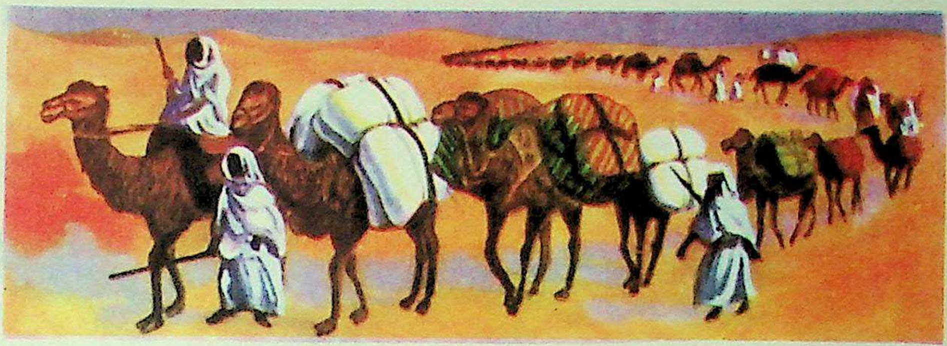

सहारा के रेगिस्तान में ऊंटों के काफिले चलते हैं। ऊंट गरम और तेज़ रेगिस्तानी आंधियों को सहन कर सकते हैं।

सन् 1870 के आसपास कुछ अन्वेषक अफ्रीका के अन्दर के इलाकों में गए और तब दुनिया को यहां की सम्पत्ति की झलक मिली। इन्हीं दिनों यूरोप के कुछ देशों की जनसंख्या इतनी बढ़ गई थी कि उन्हें और नई भूमि की आवश्यकता हुई। जल्दी ही अनेक देशों के लोग अफ्रीका में बसने के लिए दौड़ पड़े और यह महाद्वीप अनेक उपनिवेशों में बदल गया, इसी कारण अफ्रीका को बहुत दिनों तक 'उपनिवेशों का महाद्वीप' भी कहा जाता रहा।

अब समय बदल गया है और अनेक अफ्रीकी देशों ने गुलामी का जुआ उतार फेंका है। अफ्रीका महाद्वीप में मिस्र, कांगो, अल्जीरिया, सूडान, घाना, नाइजीरिया, लाइबेरिया, टांगानीका, इथियोपिया, मोरक्को, लिबिया, माली, गिनी, दक्षिणी अफ्रीका आदि अनेक स्वतंत्र देश हैं। और जो अभी स्वतंत्र नहीं हुए हैं वे आज़ादी के लिए जी-तोड़ कोशिश कर रहे हैं।

एक ज़माना था जब अफ्रीका से ढेर का ढेर हाथीदांत और सैकड़ों-हज़ारों दासों को विदेशी व्यापारी ले जाते थे। अब दास-प्रथा समाप्त हो चुकी है, और अधिकांश स्वतन्त्र देशों में काले-गोरे का भेद-भाव समाप्त हो चुका है।

अफ्रीका से सोना, जवाहरात, तांबा, टीन, यूरेनियम, मैंगनीज़, क्रोमियम और कोबाल्ट विदेशों को भेजा जाता है। इन चीज़ों के अलावा कपास, तेल और सन भी बाहर भेजा जाता है।

अफ्रीकी किसान जैतून, खजूर, कॉफी, काकेओ (इस वृक्ष से हमें कोको और चाकलेट मिलता है), गन्ना, गेहूं, मक्का और रबर की खेती करते हैं।

अफ्रीका का भविष्य बड़ा उज्ज्वल है। वहां लोहे का विशाल भंडार है और नदियों में अथाह पानी है, जिसकी शक्ति से हज़ारों फैक्टरियां खड़ी की जा सकती हैं।

अफ्रीका को अंध महाद्वीप अवश्य कहा जाता रहा है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि यहां के लोग असभ्य या

अफ्रीका में सिंचाई के पुराने तरीके अब भी जारी हैं।

घुमक्कड़ अरब कबीले सहारा में तम्बुओं में रहते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

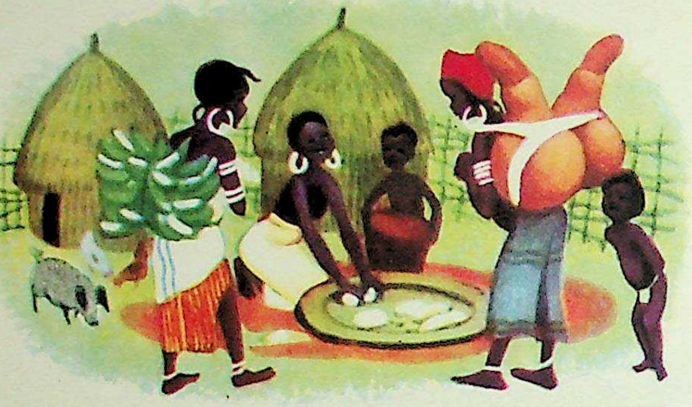

अफ्रीकी जंगलों में जीवन अब भी पुराने ढर्रे पर चल रहा है ।

मध्य अफ्रीका के घने जंगलों में बड़े कानों वाले हाथी मिलते हैं ।

ग्रसंस्कृत रहे हैं । जब यूरोप के लोग गुफाग्रों में रहते थे तब ग्रफ्रीका के प्रसिद्ध राष्ट्र मिस्र में एक महान सभ्यता पनप चुकी थी ।

ग्राज भी इस महाद्वीप में यात्रा के साधन ग्रपर्याप्त हैं । इस दिशा में भी धीरे-धीरे प्रगति हो रही है ।

ग्रमरीका, उत्तरी (NORTH AMERICA) : यह संसार के सात महाद्वीपों में तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है । सिर्फ एशिया ग्रौर ग्रफ्रीका ही क्षेत्र में इससे बड़े हैं । जन-

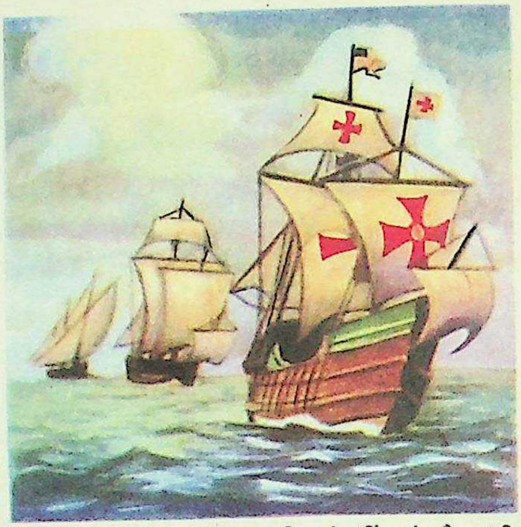

कोलम्बस के जहाज़—'सांता मारिया', 'पिंटा' और 'नीना' ।
कोलम्बस ने पन्द्रहवीं सदी में अमरीका की खोज की ।

संख्या की दृष्टि से भी इसका नम्बर एशिया ग्रौर यूरोप के बाद तीसरा है ।

लगभग सारा उत्तरी ग्रमरीका भूमध्य रेखा के उत्तर में है । लेकिन इसका दक्षिणी भाग भूमध्य रेखा के इतना ग्रधिक पास है कि वह साल-भर बहुत ग्रधिक गरम रहता है । इसका उत्तरी भाग उत्तरी ध्रुववृत्त को भी पार कर जाता है ग्रौर इसीलिए बहुत ग्रधिक ठंडा रहता है । इस प्रकार इस विशाल महाद्वीप में किसी न किसी जगह हर समय हर प्रकार की जलवायु बनी रहती है—कहीं बहुत ठंडक तो कहीं बहुत गर्मी, कहीं वर्षा तो कहीं सूखा ।

इसी प्रकार इस विशाल महाद्वीप में हर प्रकार के प्राकृतिक दृश्य देखने को मिलते हैं—ऊंची बर्फीली चोटियों वाले पहाड़ ग्रौर हरे-भरे समतल मैदान, रेगिस्तान ग्रौर दलदल, हिमनद ग्रौर विशाल झरने, धुग्रां उगलनेवाले ज्वालामुखी ग्रौर घने जंगल, छोटी-बड़ी झीलें ग्रौर विशाल नदियां । यहां पृथ्वी के ग्रारम्भ काल के पथराए हुए जंगल हैं, यलोस्टोन पार्क के गरम पानी के चश्मे और गीज़र हैं, कोलोरैडो नदी के सैकड़ों फुट गहरे ग्रांड कैनियन हैं, ग्रौर विशाल नियागरा प्रपात जैसे प्रपात हैं । तेल के हज़ारों

अलास्का में समुद्र-तट पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ हैं ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

कुएं और लोहे, कोयले और तांबे की बड़ी-बड़ी खानें हैं। साथ ही यहां संसार के बड़े-बड़े बांध, जलाशय और पुल हैं; आसमान चूमनेवाली संसार की ऊंची से ऊंची इमारतें और बड़े-बड़े कारखाने हैं। बड़े-बड़े बन्दरगाह और विशाल आधुनिक नगर हैं।

उत्तरी अमरीका नौ देशों में बंटा हुआ है। इनमें सबसे बड़ा कनाडा है। इसके बाद संयुक्त राज्य अमरीका

ग्रेट लेक्स क्षेत्र में खुली खानें हैं।

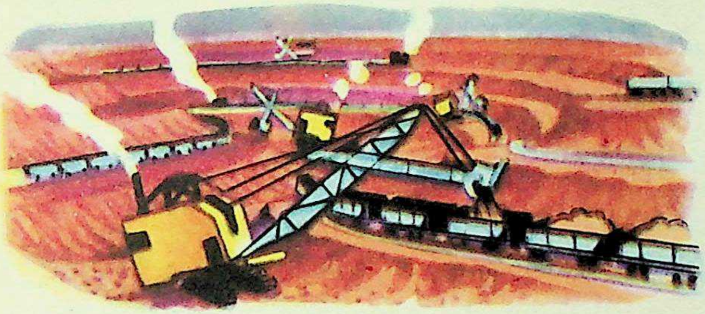

ग्रेट लेक्स के बंदरगाहों पर तांबा, कच्चा लोहा और अनाज यंत्रों से जहाजों पर लादा जाता है।

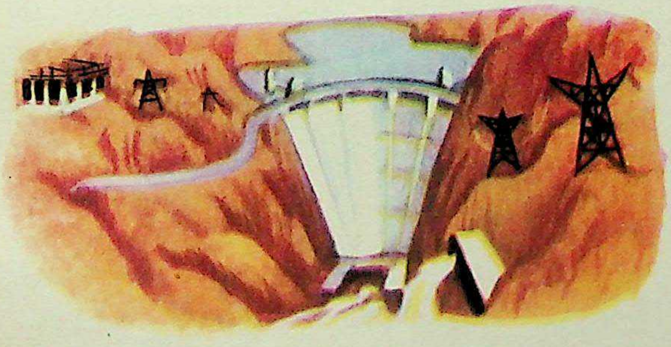

अनेक नदियों पर विशाल बांध बंधे हैं।

है। तीसरा बड़ा देश मेक्सिको है। अन्य छः देश काफी छोटे हैं।

उत्तरी अमरीका में तरह-तरह के लोग बसते हैं। उत्तर के बर्फीले इलाकों में एस्कीमो लोग रहते हैं। कुछ भीतरी भागों में अब भी आदिवासी रेड इंडियन रहते हैं, जिनका रहन-सहन दूसरों से बिलकुल अलग है। कुछ लोग घास के मीलों लम्बे मैदानों में रहते हैं और घोड़े

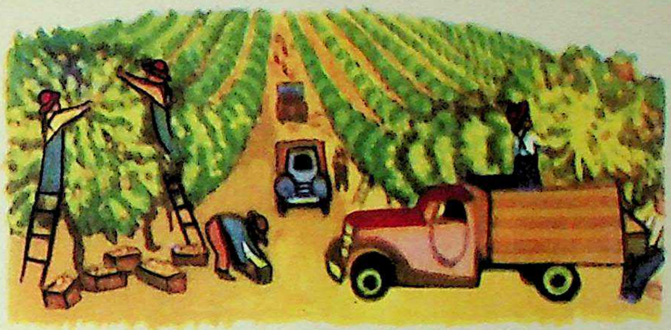

गरम क्षेत्रों में फलों के बड़े-बड़े बाग हैं।

पालते हैं। कुछ लोग बड़े-बड़े फार्मों में मशीनों से खेती करते हैं। कुछ लोग खानों में काम करते हैं। अन्य बहुत-से लोग बड़े-बड़े शहरों में रहते हैं और कारखानों या दफ्तरों में काम करते हैं या व्यापार करते हैं।

उत्तरी अमरीका में तरह-तरह के पेड़-पौधे और जंगली जानवर मिलते हैं। इसके आसपास के समुद्र में मछलियां भी खूब मिलती हैं।

सदियों तक उत्तरी अमरीका में आदिवासी रेड इंडियन लोग ही रहते थे। बाद में कोलम्बस ने जब इस नई दुनिया का पता लगाया तो यूरोप के कई देशों से लोग यहां आकर बसने लगे। कुछ लोग एशिया और अफ्रीका से भी आए, लेकिन बहुत थोड़े-से। उत्तरी अमरीका की जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है, लेकिन फिर भी यहां की आबादी घनी नहीं है। इसने विज्ञान की सहायता से बड़ी उन्नति की है और अब भी करता जा रहा है।

अमरीका, दक्षिणी (SOUTH AMERICA): दक्षिणी अमरीका महाद्वीप उत्तरी अमरीका से छोटा है, किन्तु यूरोप से लगभग दुगुना है।

भूमध्य रेखा दक्षिणी अमरीका के बीच से गुज़रती है। इस महाद्वीप का अधिकांश भाग उष्ण कटिबंधीय है। एक बड़े भू-भाग की जलवायु गरम है और वहां भारी वर्षा होती है। भूमध्य रेखा के पास के कुछ स्थल इतने ऊंचे हैं कि वहां गर्मी कम पड़ती है। कुछ भाग इतना सूखा है कि कभी-कभी कई सालों तक वहां एक बूंद भी नहीं बरसती।

दक्षिणी अमरीका

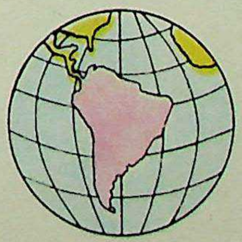

दक्षिणी अमरीका के आदिवासी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

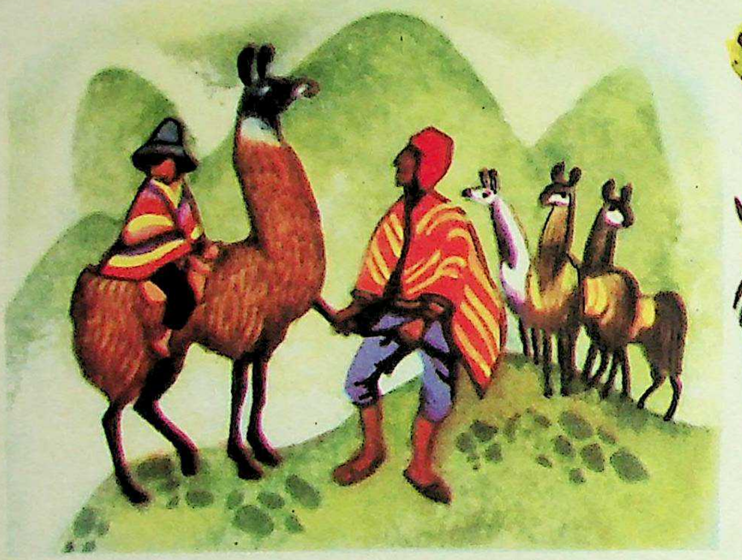

दक्षिणी अमरीका के पहाड़ों पर लामा सवारी और बोझ ढोने के काम आता है।

वेनेजुएला में तेल के अनेक कुएं हैं।

ऐंडीज़ पर्वत इस महाद्वीप में उत्तर से दक्षिण तक फैला हुआ है। यह पर्वत इतना ऊंचा है कि पश्चिमी तट के लोगों को पूर्वी तट के निचले स्थानों से प्राय: दूर ही रहना पड़ता है।

दक्षिणी अमरीका छोटे-बड़े अनेक देशों में बंटा हुआ

दक्षिणी और मध्य अमरीका के नगर स्पेनी नगरों जैसे लगते हैं।

दक्षिणी अमरीका के एक घर का भीतरी दृश्य।

है। इनमें सभी तरह के देश हैं। सबसे बड़ा देश ब्राज़ील सबसे छोटे देश फ्रेंच गायना से लगभग सौ गुना बड़ा है और उसकी जनसंख्या फ्रेंच गायना से लगभग 2000 गुनी है। इन देशों में स्पेनी और पुर्तगाली भाषाओं का प्रयोग होता है। ये दोनों ही भाषाएं लातिन भाषा से निकली हैं। इसीलिए इन्हें लातिन-अमरीकी देश कहा जाता है। बाद में इन देशों ने स्पेन और पुर्तगाल से युद्ध किया और स्वतन्त्र हो गए।

दक्षिणी अमरीका में अनेक विचित्र जीव-जन्तु, पक्षी और पेड़-पौधे पाए जाते हैं। यहां अनेक धातुओं की खानें भी हैं। यहां की प्रचंड जलशक्ति का अभी पूरा उपयोग नहीं हो पाया है।

अमरीका, मध्य (CENTRAL AMERICA) : उत्तरी अमरीका का मेक्सिको से दक्षिण वाला पतला-सा भाग दक्षिणी अमरीका तक चला गया है। इस भाग को मध्य अमरीका कहते हैं। इसका क्षेत्रफल 2,08,685 वर्गमील और जनसंख्या 1,06,79,920 है।

मध्य अमरीका में छ: देश हैं : होण्डुरास, निकारागुआ, ग्वाटेमाला, पनामा, कोस्टारिका और अल सल्वाडोर। यहां ब्रिटिश होण्डुरास नामक एक ब्रिटिश उपनिवेश भी है। लगभग दस मील चौड़ी ज़मीन की पट्टी, जिसमें से होकर

मध्य अमरीका के नगरों में हाट-बाज़ार लगते हैं।

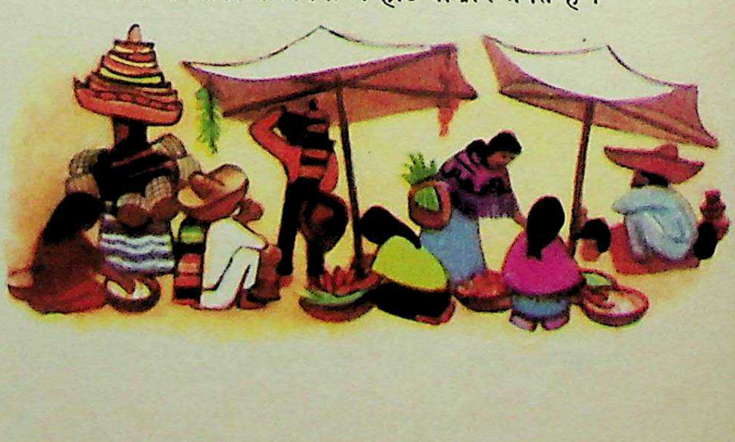

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पनामा नहर बहती है, अमरीका के अधिकार में है।

मध्य अमरीका के अधिकतर निवासी पूर्ण या आंशिक रूप से इंडियन आदिवासी हैं।

कैरिबियन सागर और प्रशांत महासागर के किनारों के आसपास की ज़मीन नीची है। यहां की जलवायु इतनी गरम और नम है कि यहां रहना बड़ा कठिन है। लेकिन यह हिस्सा केले और गन्ने की पैदावार के लिए बहुत अच्छा है। यहां इतना अधिक केला पैदा होता है कि इन छः देशों को 'केले का देश' भी कहा जाता है। मध्य अमरीका का बाकी हिस्सा ऊंचा है। अधिकांश आबादी

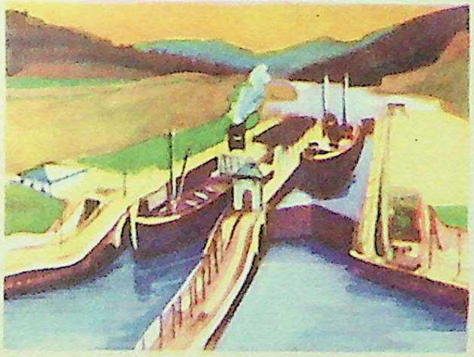

पनामा नहर में जहाज़ों का आवागमन।

इन्हीं हिस्सों में है। इन इलाकों की मुख्य पैदावार कहवा और मक्का है।

मध्य अमरीका में खनिज पदार्थ बहुतायत से हैं लेकिन अभी यहां उनकी खुदाई बड़े पैमाने पर नहीं की जा रही है। मध्य अमरीका का सबसे बड़ा देश ग्वाटेमाला है जिसकी राजधानी ग्वाटेमाला नगर है।

अमरीका, संयुक्त राज्य (UNITED STATES OF AMERICA) : संयुक्त राज्य अमरीका 50 राज्यों से मिलकर बना है। इस देश के उत्तर में कनाडा और दक्षिण में मेक्सिको है। पश्चिम में प्रशान्त महासागर और पूर्व में अटलांटिक महासागर है। अमरीका का क्षेत्रफल 30,26,789 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 16,39,00,000 है। यहां की राजधानी वाशिंगटन है।

अमरीका एक विशाल देश है—इतना विशाल कि इसकी विशालता का अन्दाज़ इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब न्यूयार्क में दोपहर होती है उस समय शिकागो में सुबह के ग्यारह बजते हैं और लॉस ऐंजेल्स में दिन के सिर्फ नौ बजे का वक्त होता है।

अमरीका की जलवायु अच्छी है। कनाडा के दक्षिण में स्थित राज्यों में मक्का और कपास की फसलें बहुत अच्छी होती हैं। यह दुनिया की आधी से अधिक मक्का और एक-तिहाई कपास पैदा करता है।

एक अमरीकी रेड इंडियन सरदार।

अमरीका के लाखों निवासियों के पूर्वज ब्रिटिश द्वीपसमूह और यूरोप से आए थे। तब अमरीका की खोज हुए अधिक दिन नहीं बीते थे और प्राकृतिक साधनों की दृष्टि से यह देश बहुत संपन्न था। यूरोप से यहां आकर बसनेवाले बड़े साहसी और चतुर लोग थे। इसका नतीजा यह हुआ कि यह देश बड़ी तेज़ी से प्रगति करने लगा। आज अमरीका की गणना विश्व की महाशक्तियों में की जाती है।

अमरीका के पश्चिमी भाग की तुलना में पूर्वी भाग में अधिक लोग रहते हैं। जब यूरोप के लोगों ने अमरीका आना शुरू किया था तो वे सबसे पहले पूर्वी भागों में ही बसने लगे थे। इस भाग में वर्षा खूब होती है और फसलें अच्छी होती हैं। यहां के जंगलों से लकड़ी, पशु तथा अन्य वस्तुएं प्राप्त होती हैं। देश की बहुमूल्य लोहे और कोयले की खानें भी इसी भाग में हैं।

अमरीका के मैदानों में बाइसनों के झुंड मिलते हैं।

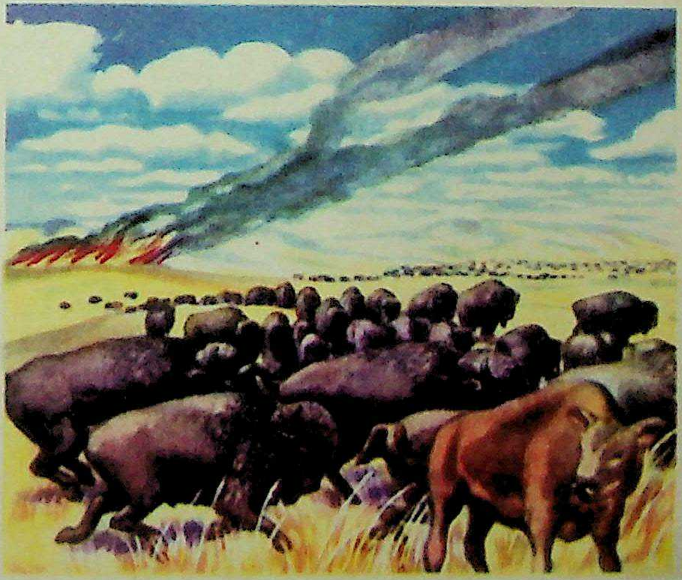

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पश्चिमी भाग में वर्षा कम होती है। इस भाग के कुछ हिस्से रेगिस्तानी हैं। उत्तर-पश्चिम की ओर जंगल हैं जिनसे अनेक कीमती चीज़ें मिलती हैं। यहां घास के विशाल मैदान भी हैं जिनमें बड़े पैमाने पर पशु-पालन किया जाता है। जिन हिस्सों में वर्षा अच्छी होती है वहां गेहूं की फसल पैदा की जाती है। यह भाग खनिज पदार्थों की दृष्टि से समृद्ध है। यहां तेल, तांबा, सीसा और चांदी आदि खनिज पदार्थ बहुतायत से मिलते हैं। इस इलाके में ऊंचे-ऊंचे पहाड़ भी हैं।

अमरीका में रेलों, सड़कों और हवाई मार्गों का एक जाल-सा बिछा हुआ है। लॉस ऐंजेल्स, डेट्रोइट, फिलाडेल्फिया, शिकागो और न्यूयार्क अमरीका के प्रमुख नगर हैं और इनकी गणना संसार के बड़े शहरों में की जाती है।

कोलंबिया, पनामा नहर-क्षेत्र, प्यूर्टोरिको, वर्जिन द्वीप, गुआम और समोआ द्वीप आदि प्रदेश अमरीका के अधिकार में तो हैं लेकिन वे अभी तक अमरीकी राज्य नहीं बने हैं।

संयुक्त राज्य अमरीका के राज्य : संयुक्त राज्य अमरीका में कुल 50 राज्य हैं। डिलावेयर सर्वप्रथम राज्य है और हवाई पचासवां और सबसे नया राज्य है। अमरीका के राष्ट्रध्वज के पचास सितारे इन्हीं राज्यों के प्रतीक हैं। अमरीका के राज्यों का क्रमवार परिचय इस प्रकार है :

अरकंसास : अरकंसास के पूर्व में मिसिसिपी नदी बहती है। मिसिसिपी की घाटी बहुत उपजाऊ है, और यहां बड़े पैमाने पर खेती की जाती है। अरकंसास के दो-तिहाई लोग किसान हैं। उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में जंगल हैं। यहां तेल के कुछ कुएं हैं और बॉक्साइट की खानें भी हैं।

अलाबामा : यह राज्य कपास उगाने के लिए विख्यात है। यह कृषि-प्रधान राज्य है, लेकिन आजकल यहां उद्योग-धंधे तेज़ी से पनप रहे हैं।

अलास्का : क्षेत्रफल की दृष्टि से यह अमरीका का सबसे बड़ा और जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य है। यह सन् 1958 में अमरीका का उनचासवां राज्य बना। पहले अलास्का रूस का एक भाग था जिसे उसने सन् 1867 में कुल बहत्तर लाख डॉलर में अमरीका के हाथ बेच दिया। अलास्का एकदम उत्तर में है। कुछ भाग में हर समय बर्फ जमी रहती है, लेकिन कुछ स्थानों की जलवायु अच्छी है। अलास्का की राजधानी जूनो में गर्मियों में

अमरीका के आरंभिक स्पेनी खोज-यात्री रेड इंडियन आदिवासियों से मनकों और मालाओं के बदले खाने-पीने की चीज़ें प्राप्त करते थे।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

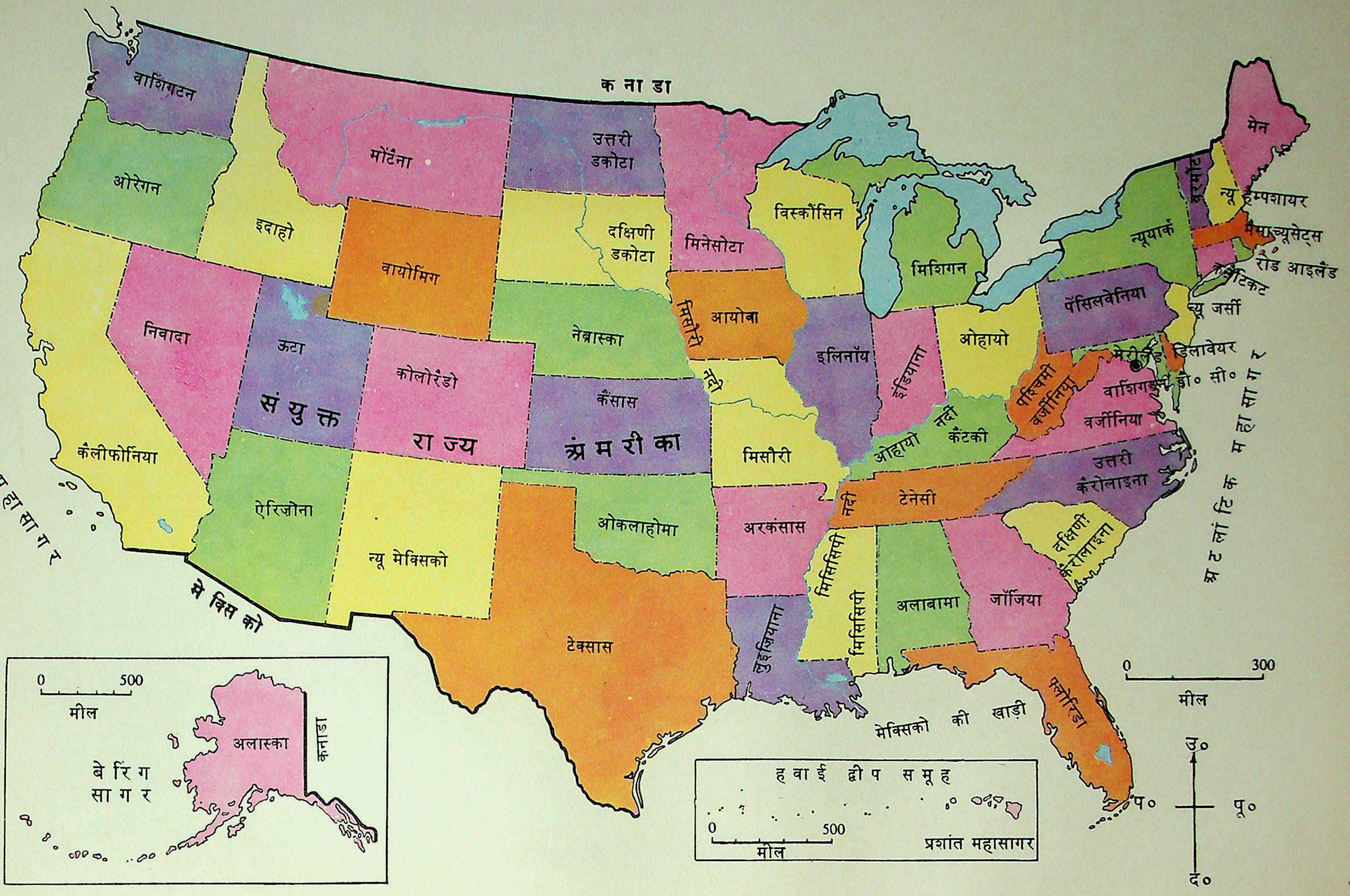

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

मिसिसिपी नदी में स्टीमर चलते हैं।

बहुत कुछ वाशिंगटन जैसा ही मौसम रहता है, यद्यपि जूनो वाशिंगटन से लगभग 1,500 मील उत्तर में है। अलास्का में पहाड़ों और ग्लेशियरों की बहुतायत है। उत्तरी अमरीका की सबसे ऊंची चोटी मैकिनले यहीं है। यहां अनेक ज्वालामुखी भी हैं। अलास्का का विकास बहुत धीमी गति से हुआ है। लेकिन पिछले वर्षों में इसके खनिज पदार्थों और सामरिक महत्त्व के कारण, इसके उचित विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। अलास्का का पश्चिमी सिरा रूस से सिर्फ 55 मील दूर है। अलास्का से अमरीका को सोना, सालमन मछली, फ़र, प्लैटिनम, तांबा और लकड़ी आदि वस्तुएं मिलती हैं।

आयोवा : यह राज्य मिसिसिपी और मिसौरी नदियों के बीच स्थित है। इस राज्य का मुख्य उद्योग मांस की डिब्बा-बंदी है। यहां ऐसे कई कारखाने हैं जो खेती के लिए आवश्यक मशीनें तैयार करते हैं।

इंडियाना : यहां की ज़मीन बड़ी उपजाऊ है। मिशिगन झील के आसपास के नगर लोहा, इस्पात और पेट्रोलियम के उत्पादन के लिए संसार-भर में प्रसिद्ध हैं। संसार का एक सबसे बड़ा इस्पात का कारखाना गारी नगर में स्थित है।

इदाहो : यह बर्फीली चोटियों वाले ऊंचे पहाड़ों, जंगलों से भरे ढालों, गहरी घाटियों और कैनियनों, अनेक नदियों और सुन्दर झीलों का प्रदेश है। इसका हेल्स् (नरक का) कैनियन कोलोरैडो के ग्रांड कैनियन से ज़्यादा गहरा है। यहां का शोशोन प्रपात नियागरा प्रपात से ज़्यादा ऊंचा है।

इलिनॉय : यहां के घास के मैदान अब संसार के सबसे अधिक उपजाऊ खेतों में माने जाते हैं। यहां उद्योग-धंधों का भी खूब विकास हुआ है। शिकागो इसका विशाल औद्योगिक नगर है।

उत्तरी कैरोलाइना : इस राज्य की प्रमुख उपज तम्बाकू है। यहां कपास की खेती भी खूब होती है। उत्तरी कैरोलाइना में कपड़े, रेयन और नायलोन की मिलें तथा लकड़ी का सामान और कागज़ बनाने के कई कारखाने हैं। कारखानों को चलाने के लिए बिजली पहाड़ी नदियों के झरनों से प्राप्त की जाती है।

उत्तरी डकोटा : यह कैंसास के बाद अमरीका का सबसे अधिक गेहूं पैदा करनेवाला राज्य है। यहां घास के मैदानों में कुछ लोग दूध देनेवाले जानवर और मुर्गियां पालते हैं। उत्तरी डकोटा में लिग्नाइट या भूरे कोयले की खानें हैं।

ऊटा : यह पहाड़ी राज्य अपनी खनिज सम्पत्ति के कारण बहुत महत्त्वपूर्ण है। यहां चांदी, यूरेनियम, जस्ते, सीसे,

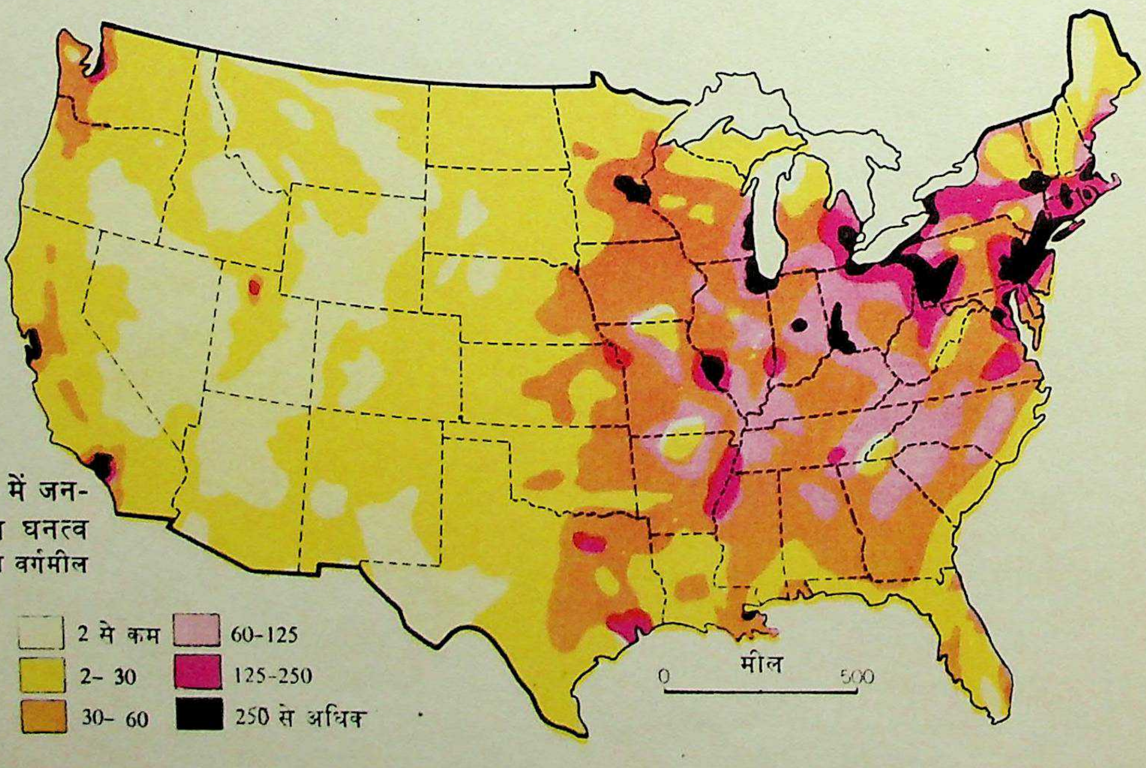

अमरीका में जनसंख्या का घनत्व
प्रति वर्गमील

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अमरीका के आरंभिक निवासी आदिवासियों से मिलकर रहने का प्रयास करते थे।

तांबे, लोहे, सोने ग्रौर कोयले की खानें हैं। इस राज्य में लोहे ग्रौर इस्पात के बड़े-बड़े कारखाने हैं। यह राज्य ग्रपनी प्राकृतिक छटा के लिए भी प्रसिद्ध है। हर साल हज़ारों सैलानी यहां ग्राते हैं।

ऐरिज़ोना : यह राज्य ग्रपने ग्रांड कैनियन, प्रस्तरित वन ग्रादि के कारण विशेष प्रसिद्ध है। यहां तांबा बहुत होता है। तांबे के ग्रलावा यहां सोने, चांदी ग्रौर यूरेनियम की खानें भी हैं।

ऐरिज़ोना की राजधानी फिनिक्स है, यह राज्य का सबसे बड़ा नगर भी है।

ग्रोकलाहोमा : इस राज्य की मिट्टी बहुत उपजाऊ है ग्रौर फसलें ग्रच्छी होती हैं। उत्तर में गेहूं, मध्य में मक्का ग्रौर दक्षिण में कपास की बड़ी ग्रच्छी पैदावार होती है। यहां तेल के बहुत-से कुएं भी हैं। टुलसा ग्रौर ग्रोकलाहोमा नगर प्रमुख तेल-केन्द्र हैं। टुलसा को तो 'विश्व की तेल-राजधानी' कहा जाता है।

ग्रोरेगन : यह राज्य कैलीफोर्निया ग्रौर निवादा के उत्तर में प्रशांत महासागर के तट पर स्थित है। यहां के बड़े-बड़े कारखानों को लुगदी, कागज़ ग्रौर प्लाइवुड ग्रादि बनाने के लिए कच्चा माल यहीं के जंगलों से मिलता है। पशु-पालन ग्रौर डेरी-उद्योग के ग्रलावा मत्स्य-उद्योग भी यहां का प्रमुख उद्योग है। यहां साल्मन मछली पकड़ने ग्रौर डिब्बों में बन्द करके बाहर भेजने का काम बहुत बड़े पैमाने पर किया जाता है।

ग्रोहायो : यह ग्रमरीकी राज्य ऐरी झील के दक्षिण में है। यह एक उद्योगप्रधान राज्य है। यहां के क्लीवलैंड, यंग्स-टाउन ग्रौर कैंटन नामक नगरों में लोहे ग्रौर इस्पात के बड़े-बड़े कारखाने हैं।

कनैटिकट : न्यूयार्क नगर के उत्तर में कुछ मील दूर स्थित यह राज्य उद्योग ग्रौर व्यापार का महत्त्वपूर्ण केन्द्र है। विश्वविख्यात येल विश्वविद्यालय इसी राज्य में है।

कैंटकी : यहां घास के बड़े-बड़े मैदान हैं जिनमें घोड़े पालने के कई फार्म हैं। कैंटकी के घुड़दौड़ के घोड़े संसार-भर में प्रसिद्ध हैं। हर साल कैंटकी में एक प्रसिद्ध घुड़दौड़ भी होती है। कैंटकी में कोयले की कई खानें हैं। तम्बाकू यहां की एक प्रमुख उपज है।

कैंसास : यह राज्य ग्रमरीका के लगभग बीचोबीच स्थित है। यह काफी बड़ा राज्य है, लेकिन इसकी जनसंख्या कम है। यहां बहुत बड़े-बड़े पशुपालन-केन्द्र हैं जिन्हें 'रेंच' कहते हैं। कैंसास में तेल भी बहुत मिलता है। यहां गेहूं का उत्पादन बहुत बड़े पैमाने पर होता है।

कैलीफोर्निया : प्रशांत महासागर के किनारे स्थित यह बहुत घना बसा है। सन् 1848 में इस राज्य में सोने की खानों का पता चला तो हज़ारों लोग सोना बटोरने के लिए दौड़ पड़े। यहां ग्राकर उन्हें पता चला कि यहां केवल सोने की खानें ही नहीं हैं, बल्कि यहां की मिट्टी भी सोना उगल सकती है। ग्रब गेहूं ही कैलीफोर्निया का सोना हो गया है। कैलीफोर्निया फलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए भी प्रसिद्ध है। पशुपालन भी यहां का मुख्य व्यवसाय है। इसी राज्य में लॉस ऐंजेलस ग्रौर सान फ्रांसिस्को जैसे बड़े नगर हैं। लॉस ऐंजेलस तेल साफ करने व इस्पात बनाने के कारखानों के लिए प्रसिद्ध है। विश्व का सबसे बड़ा फिल्म-उद्योग केन्द्र हॉलीवुड भी यहीं है। कैलीफोर्निया में ग्रमरीका के सबसे ग्रधिक हवाई जहाज़ बनते हैं।

कोलोरैडो : ग्रमरीका के इस राज्य का नाम इसमें बहने वाली नदी कोलोरैडो के नाम पर पड़ा। यह एक विशाल राज्य है। कोलोरैडो में रॉकी पर्वतमाला ग्रटलांटिक

अमरीकी आदिवासियों का एक लोकनृत्य

एक रेड इंडियन सुनार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

हवाई द्वीप में अनन्नास की खेती होती है।

महासागर और प्रशान्त महासागर में गिरने वाली नदियों के बीच में पड़ती है। कोलोरैडो नदी प्रशान्त महासागर में गिरती है। इस राज्य में सोने की खानें हैं।

जॉर्जिया : इस राज्य की आधी जनसंख्या खेती पर निर्भर करती है। अब यहां कई बड़े-बड़े कारखाने भी बन गए हैं। जॉर्जिया अपने सूती कपड़ों, बिनौले के तेल और इमारती लकड़ी के लिए प्रसिद्ध है।

टेक्सास : अलास्का के बाद टेक्सास अमरीका का सबसे बड़ा राज्य है। धातुओं के उत्पादन की दृष्टि से यह राज्य अमरीका में सर्वप्रथम है। यहां के तेल के कुओं से अमरीका को सबसे अधिक पेट्रोल प्राप्त होता है। प्राकृतिक गैस, हीलियम और गंधक भी सबसे अधिक इसी राज्य में मिलते हैं। इस राज्य में अमरीका में सबसे अधिक कपास पैदा होती है। यहां पशु, भेड़ें और ऊन भी सबसे अधिक होते हैं। टेक्सास एक उद्योग-प्रधान राज्य भी है।

टेनेसी : यह राज्य कृषि और उद्योग दोनों की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। यहां अल्कोआ में ऐल्युमिनियम का एक बहुत बड़ा और विश्वविख्यात कारखाना है। इसके अलावा भी यहां अनेक कारखाने हैं। यहां तम्बाकू और कपास की अच्छी खेती होती है, और पशु भी पाले जाते हैं।

डिलावेयर : यह छोटा-सा राज्य खेती और उद्योग-धंधों की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। यह राज्य रसायनों के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। यहां रंग, नायलोन, नकली रबर और रंग-वार्निश आदि के अनेक कारखाने हैं।

दक्षिणी कैरोलाइना: यह राज्य कपास की उपज के लिए प्रसिद्ध है। धान और तम्बाकू भी यहां की प्रमुख उपज हैं। उत्तरी भाग उद्योग-प्रधान है। यहां विशेष रूप से कपड़े की मिलें हैं।

दक्षिणी डकोटा : यह राज्य मध्य-पश्चिमी अमरीका का प्रमुख कृषिप्रधान राज्य है। मिसौरी नदी इसके बीच से गुज़रती है। मैदानी इलाके में मक्का, गेहूं और जई की खेती होती है। पशुओं का मांस डिब्बों में बन्द करके बाहर भेजना दक्षिणी डकोटा का मुख्य उद्योग है। यहां सोने की एक बड़ी खान भी है।

निवादा : यहां अलास्का की तरह ही बहुत कम घनी आबादी है। यह राज्य एक पठार पर बसा है। चारों ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ हैं जिनकी चोटियों पर बर्फ जमी रहती है। राज्य के निचले इलाके सूखे हैं, और वहां वर्षा बहुत कम होती है। यह राज्य खनिज पदार्थों की दृष्टि से बहुत सम्पन्न है। यहां चांदी, सोने, पारे, सीसे, तांबे, जस्ते और टंग्सटन की बहुत-सी खानें हैं।

नेब्रास्का : यह मध्यवर्ती राज्य कृषिप्रधान है। यहां मुख्य

अमरीका खेतीबारी के आधुनिकीकरण की दृष्टि से संसार में सबसे आगे है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

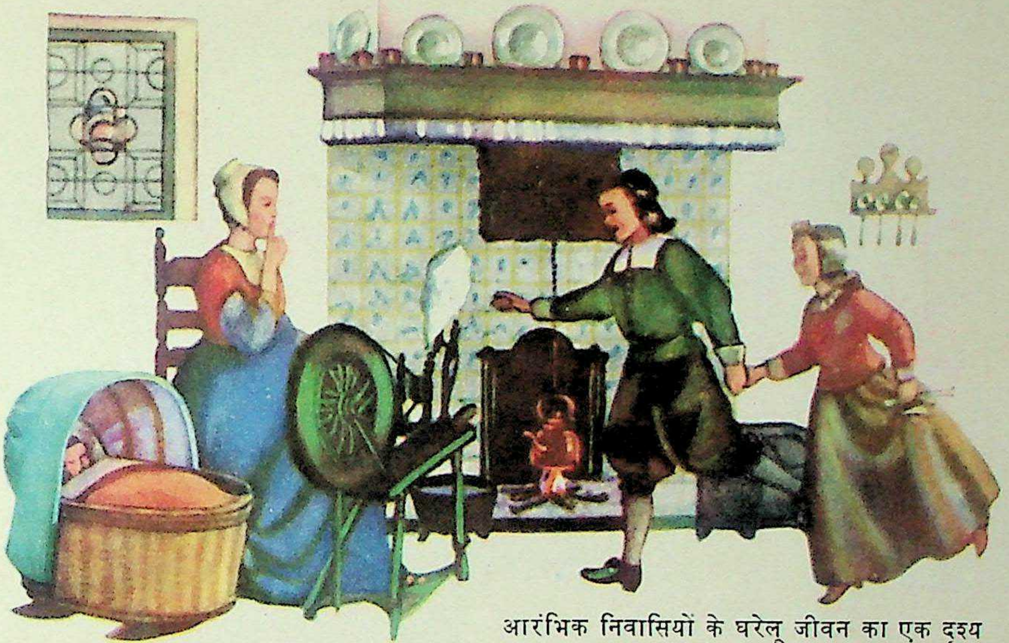

आरंभिक निवासियों के घरेलू जीवन का एक दृश्य

रूप से मक्का की खेती होती है। मक्का के अलावा यहां गेहूं, राई और जई की फसलें भी अच्छी होती हैं। पशु-पालन तथा डेरी-उद्योग यहां के अन्य प्रमुख व्यवसाय हैं।

न्यू जर्सी : यह राज्य बहुत घना बसा है। यहां के अधिकांश निवासी शहरों में रहते हैं और न्यूयार्क, फिलाडेल्फिया और न्यू जर्सी के कारखानों में काम करते हैं।

यह रसायन के कारखानों के लिए प्रसिद्ध है। यहां मशीनें और दवाइयां बनाने तथा पेट्रोल और तांबा साफ करने के कारखाने भी हैं।

न्यू मेक्सिको : यह विशाल राज्य बहुत कम घना बसा है। यहां वर्षा बहुत कम होती है। लेकिन यहां की जलवायु बहुत अच्छी है। हर साल हज़ारों सैलानी स्वास्थ्य-लाभ करने के लिए यहां आते हैं। खनिज पदार्थों की दृष्टि से यह राज्य सम्पन्न है। यहां पोटास, तांबा, कोयला और जस्ता मिलता है। तेल और प्राकृतिक गैस भी मिलती हैं। इसके अलावा, सोने, चांदी, और यूरेनियम की खानें भी हैं। न्यू मेक्सिको लॉस एलामॉस में स्थित आणविक अनुसंधान केन्द्र के कारण और अधिक प्रसिद्ध हो गया है।

न्यूयार्क : इस राज्य की जनसंख्या दूसरे सब अमरीकी राज्यों से अधिक है। लगभग 90 प्रतिशत लोग न्यूयार्क, ट्रॉय, यूटिका रोचेस्टर जैसे नगरों में रहते हैं। राज्य की राजधानी एल्बनी है। यह राज्य उद्योग-प्रधान है। यहां के हज़ारों कारखानों में रसायन, लोहे की चीज़ें, कागज़, जहाज़, जूते, फर्नीचर, मशीनें, कपड़ा, बिजली का सामान आदि तैयार किया जाता है। यहां के अन्य व्यवसायों में डेरी-उद्योग, बागबानी और मुर्गी-पालन प्रमुख हैं।

न्यूहैम्पशायर : इसी राज्य ने सबसे पहले इंग्लैंड की अधीनता अस्वीकार करके अपनी स्वतन्त्र सरकार बनाई थी। इस राज्य में आबादी कम घनी है। अधिकतर लोग शहरों में रहते हैं और कपड़ा, लोहे का सामान, फर्नीचर, जूते, बिजली का सामान, कागज़ व मशीनें और पुर्ज़े बनाने के कारखानों में काम करते हैं। डेरी-उद्योग, मुर्गी-पालन व मत्स्य-उद्योग यहां के दूसरे प्रमुख व्यवसाय हैं।

पश्चिमी वर्जीनिया : यह राज्य पहले वर्जीनिया राज्य का अंग था लेकिन सन् 1861 में एक पृथक् स्वतन्त्र राज्य बन गया। पश्चिमी वर्जीनिया में कोयला सबसे अधिक है। कोयले के अलावा यहां तेल भी बड़ी मात्रा में निकाला जाता है। यहां रसायन और लोहे व इस्पात के कई कारखाने हैं।

आरंभ में बड़े पैमाने पर बाइसन का शिकार किया गया।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

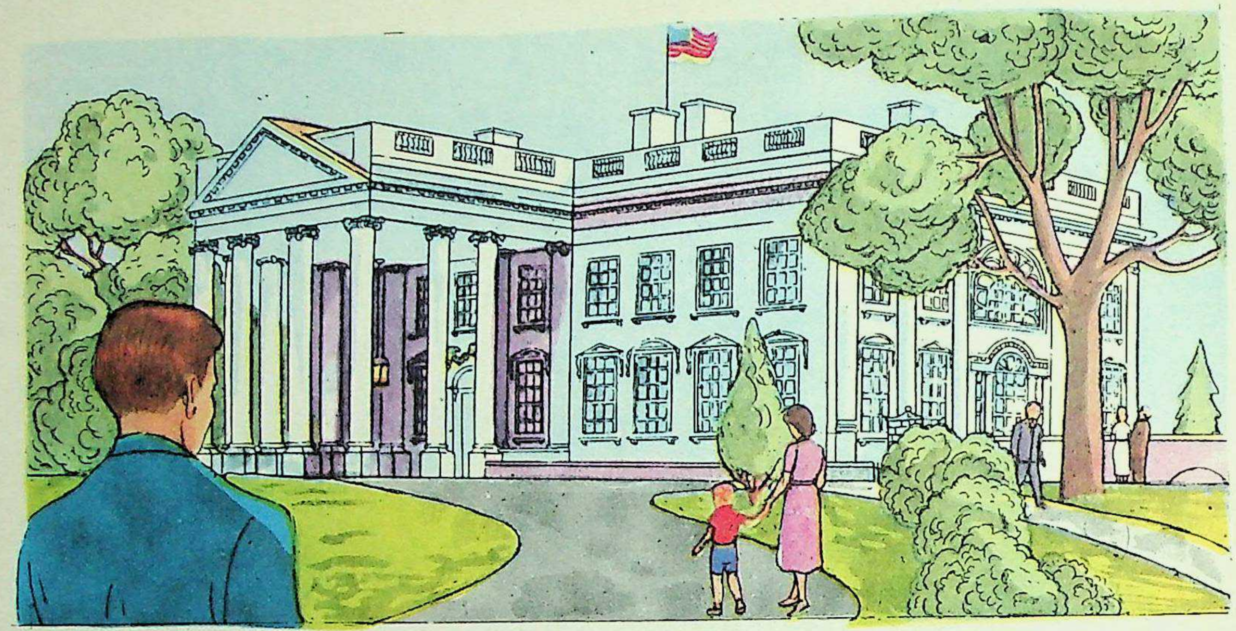

ह्वाइट हाउस अमरीका का राष्ट्रपति भवन है। लोग इसे देखने आते हैं।

पेंसिलवेनिया : यह राज्य लोहा, इस्पात और रेल के इंजनों के उत्पादन की दृष्टि से सर्वप्रथम है। यहां का पिट्सबर्ग नगर इस्पात और लोहे का एक बहुत बड़ा केन्द्र है।

यहां कोयला सबसे अधिक पाया जाता है। कोयले के अलावा यहां तेल भी मिलता है। न्यूयार्क और कैलीफोर्निया के बाद जनसंख्या की दृष्टि से पेंसिलवेनिया अमरीका का सबसे बड़ा राज्य है।

फ्लोरिडा : अमरीका ने इस राज्य को सन् 1819 में स्पेन से खरीदा था। यहां का सेंट आँगस्टाइन नगर अमरीका का सबसे पुराना नगर है। फ्लोरिडा अपने फल के बागों और फार्मों के लिए प्रसिद्ध है। इसके पूर्वी तट पर स्थित केप कैनावरैल (अब केप केनेडी) रॉकेटों, मिसाइलों और कृत्रिम उपग्रहों को छोड़ने का एक बहुत बड़ा केन्द्र है।

वाशिंगटन नगर में स्थित लिंकन स्मारक।

मिनेसोटा : यह राज्य कनाडा की सीमा पर स्थित है। इसके एक किनारे पर सुपीरियर झील है। वैसे इस राज्य में छोटी-बड़ी 11,000 झीलें हैं। इनमें से इटास्का झील से एक छोटी-सी धारा निकलती है जो आगे चलकर विशाल मिसिसिपी नदी बन जाती है। मिनेसोटा अमरीका का एक प्रमुख कृषि प्रदेश है। यहां टैकोनाइट नामक एक खनिज पदार्थ मिलता है, जिसमें से लोहा निकालने का काम कई कारखानों में हो रहा है।

मिशिगन : यह प्रसिद्ध राज्य ग्रेट लेक्स क्षेत्र में स्थित है। मिशिगन दो प्रायद्वीपों पर बसा है जो पांच मील लम्बे एक विशाल पुल से जुड़े हुए हैं। इस पुल के एक सिरे पर मैकिनौ नगर और दूसरे सिरे पर सेंट इग्नेस नगर बसा है। यह पुल संसार का सबसे लम्बा पुल माना जाता है। मिशिगन अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां का मोटर-उद्योग अमरीका में सबसे बड़ा है।

मिसिसिपी : इस दक्षिणी राज्य का एक हिस्सा मेक्सिको की खाड़ी के किनारे पड़ता है। मिसिसिपी नदी इसकी पश्चिमी सीमा बनाती है। यह एक कृषिप्रधान राज्य है। यहां कपास के कई बहुत बड़े-बड़े खेत हैं। इन खेतों में कपास को हानिकर कीड़ों से बचाने के लिए विमानों से दवाई छिड़की जाती है। इस राज्य में तेल के कुएं और तेल साफ करने के कारखाने भी काफी बड़ी संख्या में हैं।

मिसौरी : मिसिसिपी नदी इसकी पूर्वी सीमा बनाती है और मिसौरी नदी इसके बीच से होकर बहती है। मिसौरी अमरीका का एक बड़ा सम्पन्न कृषि प्रदेश है। यहां की खानों में सीसा और जस्ता खूब पाया जाता है।

मेन : यह अमरीका के उत्तर-पूर्वी कोने में अटलांटिक महासागर के किनारे स्थित है। इसका अधिकांश भाग

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

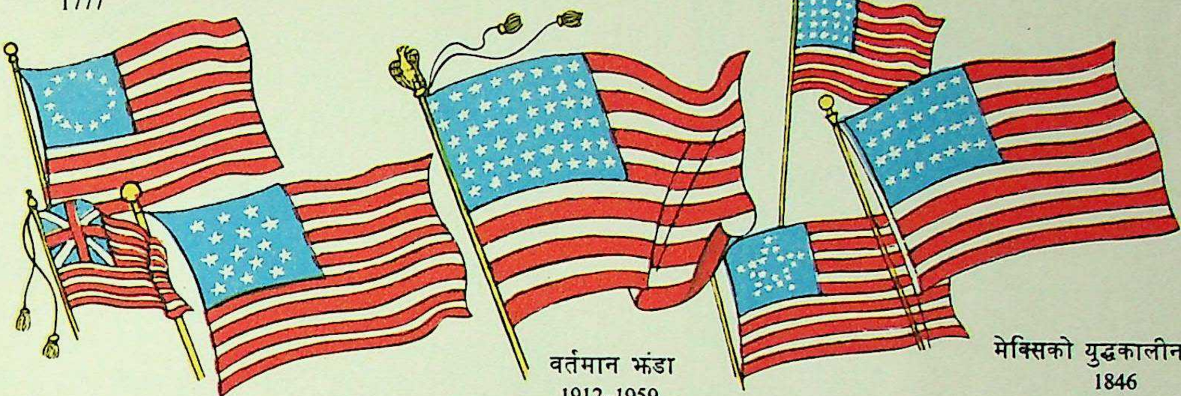

पहाड़ी है। यहां के निवासी मछली पकड़ते हैं या खेती का काम करते हैं। यहां कागज़ और कागज़ की लुगदी बनाने का काम खूब होता है।

मेरीलैंड : इस राज्य का अन्नापोलिस नगर एक लम्बे समय से अमरीकी नौसेना का प्रशिक्षण केन्द्र है। मेरीलैंड में साग-सब्ज़ियां खूब होती हैं, जिन्हें डिब्बों में बंद करके बाहर भी भेजा जाता है। बाल्टिमोर नगर अपने उद्योग-धंधों के लिए प्रसिद्ध है।

मैसाच्यूसेट्स : यह राज्य अपने उद्योग-धंधों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के जूते और चमड़े की दूसरी चीज़ें सबसे अच्छी मानी जाती हैं। यह राज्य कुछ छोटा है लेकिन काफी घना बसा हुआ है। इसके कई नगर शिक्षा-केन्द्रों के रूप में प्रसिद्ध हैं।

मोंटैना : यह राज्य काफी बड़ा है, लेकिन इसका अधिकांश भाग पहाड़ी है। मोंटैना में तांबा, सोना, चांदी, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, कोयला और जवाहरात बहुत अधिक मिलते हैं। संसार में तांबे के कुल उत्पादन का छठा हिस्सा मोंटैना में मिलता है। इसका पूर्वी भाग मैदानी है जहां गेहूं के बड़े-बड़े फार्म हैं। यहां मिसौरी नदी पर संसार का एक सबसे बड़ा बांध बना हुआ है।

रोड आइलैंड: यह अमरीका का सबसे छोटा राज्य है। रोड आइलैंड का क्षेत्र कम और जनसंख्या अधिक है। फिर भी यहां प्राकृतिक सुन्दरता की कमी नहीं है। रोड आइलैंड उन आरंभिक तेरह राज्यों में से एक है जिन्होंने संयुक्त राज्य अमरीका को जन्म दिया था।

लुइज़ियाना : मिसिसिपी नदी का विशाल डेल्टा इसी राज्य में है, जहां गन्ना खूब होता है। इस राज्य में बड़े-बड़े फार्म हैं, जिनमें मक्का, धान और कपास की खेती होती है तथा सूअर और मवेशी पाले जाते हैं।

वरमौंट : यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय खेती, बाग-

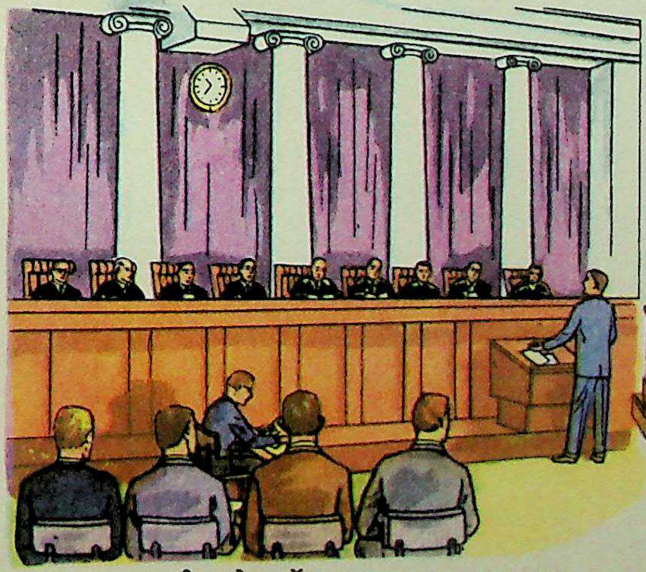
अमरीका के सर्वोच्च न्यायालय का एक दृश्य

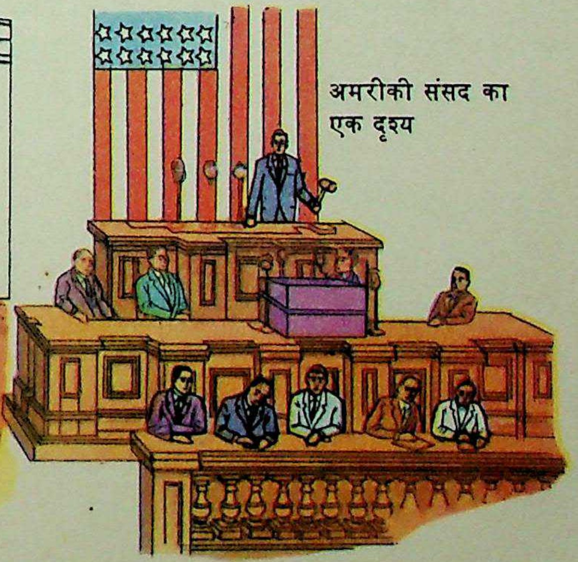
अमरीकी संसद का एक दृश्य

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

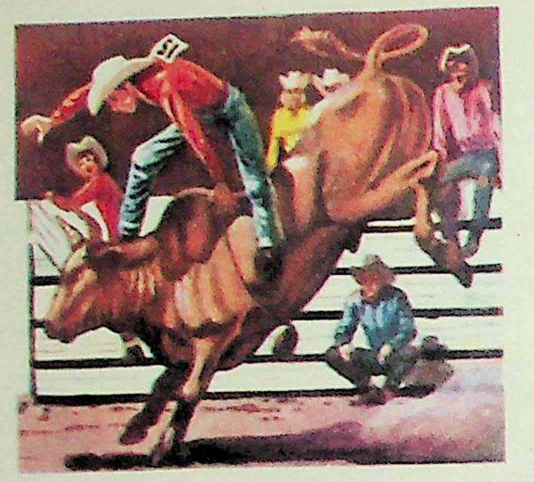

रोडियो खेलों में सांड़ की सवारी का भी प्रदर्शन होता है।

खानी और पशु-पालन है। यहां ऐस्बेस्टस और इमारती पत्थर की खानें हैं। कागज़, लोहे के सामान और कपड़े के कई कारखाने भी हैं।

वर्जीनिया : अमरीका के इस राज्य को 'राष्ट्रपतियों की जन्मभूमि' कहा जाता है। इसका कारण यह है कि वाशिंगटन, जेफ़र्सन, मैडिसन, मनरो, विलियम हेनरी हैरिसन, टाइलर और विल्सन जैसे प्रसिद्ध अमरीकी राष्ट्रपति इसी राज्य में जनमे थे। आज भी हज़ारों लोग हर साल इन महापुरुषों के स्मारकों के दर्शन करते हैं। वर्जीनिया अपने तंबाकू के लिए विश्वविख्यात है। तम्बाकू के अलावा यहां मूंगफली की भी अच्छी फसल होती है। वर्जीनिया एक उद्योग-प्रधान राज्य है। यहां जहाज़-निर्माण, कागज़, कपड़े, मशीनों और रसायन के बड़े-बड़े कारखाने हैं।

वायोमिंग : इस राज्य के पूर्वी भाग में बड़े-बड़े मैदान हैं, और पश्चिमी भाग पहाड़ी है। यह अमरीका के सबसे बड़े और सबसे कम आबादी वाले राज्यों में से एक है। यहां का मुख्य व्यवसाय पशु-पालन है। यहां गेहूं, आलू, जई और मक्का की फसलें भी अच्छी होती हैं। वायोमिंग में कोयले की खानें और तेल के कुएं भी हैं। यहां सुंदर पार्कों और पहाड़ों को देखने प्रतिवर्ष हज़ारों लोग आते हैं।

वायोमिंग की रोडियो-प्रतियोगिता का एक दृश्य।

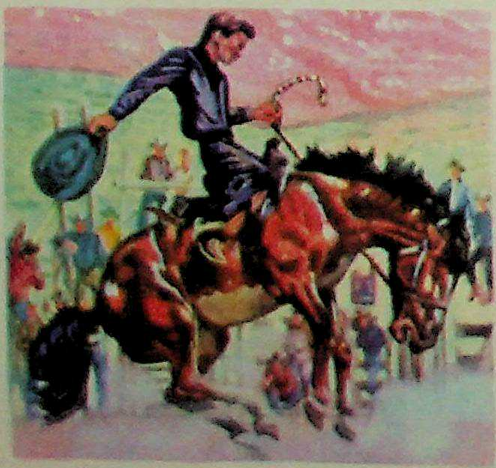

वाशिंगटन : यह उत्तरी-पश्चिमी अमरीका का सबसे घनी आबादी वाला राज्य है। यह ऐल्युमिनियम और वायुयान-निर्माण उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। यहां के सेबों के बाग दूर-दूर तक प्रसिद्ध हैं। गेहूं की फसल भी यहां बहुत अच्छी होती है। वाशिंगटन का सबसे बड़ा नगर सीटल है।

विस्कौंसिन : यह राज्य 'अमरीका की दुग्धशाला' के नाम से विख्यात है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर गायें आदि पाली जाती हैं और उनके दूध से मक्खन, पनीर, क्रीम और दूसरी चीज़ें तैयार करके दूसरे राज्यों को भेजी जाती हैं। विस्कौंसिन एक बहुत बड़ा उद्योग-केन्द्र भी है। यहां के विशाल कारखानों में बड़ी-बड़ी मशीनें तैयार की जाती हैं।

हवाई : यह द्वीपसमूह अमरीका का सबसे नया राज्य है। यह प्रशांत महासागर में कैलीफोर्निया राज्य के तट से लगभग 2,000 मील दूर है। इस द्वीपसमूह में हवाई द्वीप सबसे बड़ा है। लेकिन इस राज्य का सबसे बड़ा नगर होनोलुलु हवाई द्वीप में नहीं, बल्कि ओआहू द्वीप में स्थित है। किसी ज़माने में इस द्वीपसमूह को सैंडविच द्वीपसमूह कहा जाता था। हवाई द्वीपसमूह अपनी जलवायु, ज्वालामुखियों और अनन्नास के बागों के लिए प्रसिद्ध है। यहीं पर्ल हार्बर नामक अमरीका का प्रसिद्ध नौसैनिक अड्डा भी है। होनोलुलु में प्रतिवर्ष हज़ारों सैलानी आते हैं तथा समुद्र-स्नान और नौकाविहार का आनन्द लेते हैं।

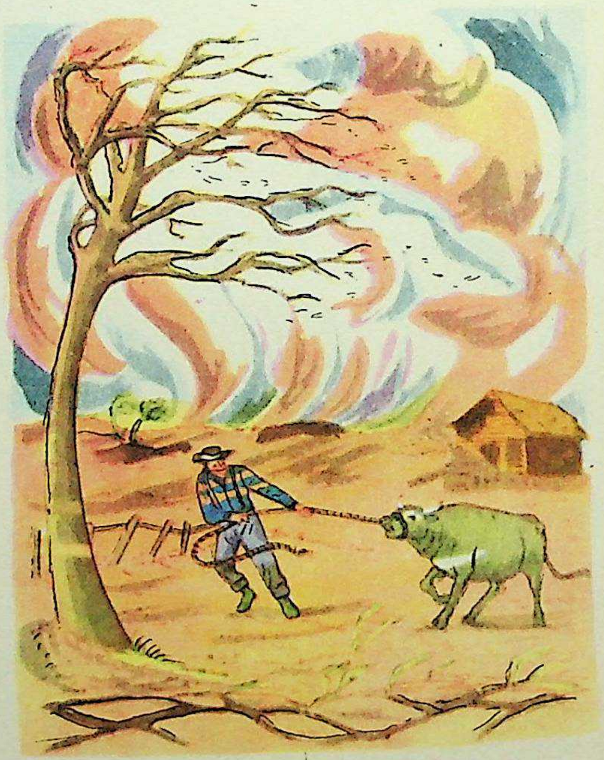

अमरीका के कुछ क्षेत्रों में धूल-भरी आंधियां चलती हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अर्जेंटीना का झंडा

अर्जेंटीना के किसान जंगली गायों को 'बोला' फेंककर पकड़ते हैं।

अर्जेंटीना (ARGENTINA) : ब्राज़ील के बाद दक्षिणी अमरीका का सबसे बड़ा देश अर्जेंटीना है। यह अटलांटिक महासागर से लेकर ऐंडीज़ पर्वत तक और भूमध्य रेखा के निकट से अंटार्कटिक महासागर तक फैला हुआ है। इसका क्षेत्र-फल 10,84,359 वर्गमील और जनसंख्या 1,94,70,000 है।

यहां की मिट्टी बड़ी उपजाऊ है। इसकी आधी जनसंख्या शहरों में रहती है। इस देश के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में अलग-अलग तरह की जलवायु पाई जाती है और एक ही ऋतु में कई तरह की फसलें उगाई जा सकती हैं। अर्जेंटीना में खनिज पदार्थ कम पाए जाते हैं। लोहा या कोयला बिलकुल नहीं होता। इस कारण यहां कारखाने बहुत कम हैं।

अर्जेंटीना के घुमक्कड़ चरवाहे 'गाउचो' कहलाते हैं।

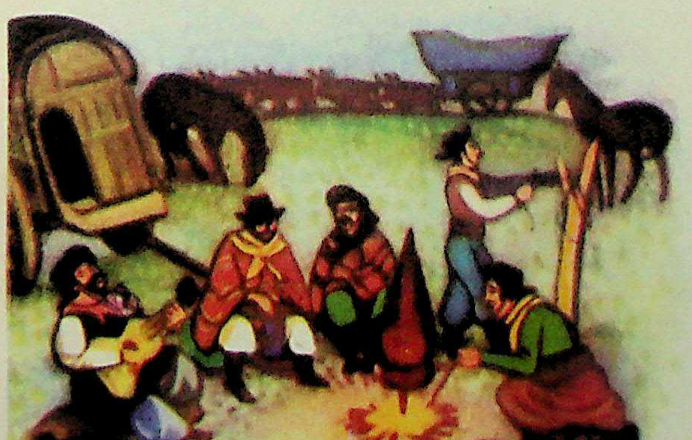

'ऐंडीज़ के क्राइस्ट'—ईसा की यह 26 फुट ऊंची मूर्ति अर्जेंटीना और चिली के बीच एक पहाड़ी दर्रे में स्थापित है।

यहां के निवासियों के पूर्वज मुख्य रूप से स्पेन और इटली से आए थे। आज भी यहां स्पेनी भाषा बोली जाती है।

पंपा यहां का सबसे घनी आबादी वाला भाग है। शुरू में यह एक बहुत विशाल घास का मैदान था, लेकिन अब यहां बड़े-बड़े फार्म बने हुए हैं। पंपा के एक किनारे पर अर्जेंटीना की राजधानी और सबसे बड़ा नगर ब्यूनोस आयर्स बसा है। पंपा में मुख्य रूप से गेहूं, मक्का और सन की खेती होती है। पंपा और ऐंडीज़ के बीच की ज़मीन सूखी है।

अर्जेंटीना का दक्षिणी भाग पैटेगोनिया के नाम से विख्यात है। यह सूखा और सर्द ऊसर इलाका है, जहां आंधियां चलती रहती हैं।

अर्जेंटीना एक गणतन्त्र है। विशाल प्राकृतिक सम्पत्ति को देखते हुए इस देश का भविष्य बड़ा उज्ज्वल समझा जाता है।

अल सल्वाडोर (EL SALVADOR) : मध्य अमरीकी गणराज्यों में यह सबसे छोटा है। इसका क्षेत्रफल 8,259 वर्गमील और जनसंख्या 28,24,300 है। इसकी राजधानी सान सल्वाडोर है। यहां पहाड़ों की ढलानों पर कॉफी पैदा होती है जो इस राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। यहां जनतंत्र है और प्रेज़ीडेंट का पांच वर्ष के लिए सीधा चुनाव होता है।

अल्जीरिया (ALGERIA) : उत्तरी अफ्रीका में भूमध्य सागर के साथ-साथ 640 मील तक अल्जीरिया गणराज्य फैला है। इसके पूर्व में ट्यूनीशिया और पश्चिम में मोरक्को है। यह देश 1842 से फ्रांस के अधीन था और इसे अपनी स्वतंत्रता के लिए वर्षों सशस्त्र संघर्ष करना पड़ा। 3 जुलाई, 1962 को यह स्वाधीन हुआ।

अल्जीरिया का क्षेत्रफल 1,13,883 वर्गमील और जनसंख्या 1,67,88,000 है। अल्जियर्स इसकी राजधानी है। यहां खजूर, अनार और अंजीर बहुतायत से होते हैं। लोगों का

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

मुख्य व्यवसाय पशुपालन है। अल्जीरिया में लोहा, जस्ता, सीसा, पारा और तांबे के खनिज भंडार हैं। यह देश मुख्यतया शराबें, अनाज, खालें, फल, कच्चा लोहा, जस्ता तम्बाकू और सब्ज़ियां निर्यात करता है।

अल्बानिया (ALBANIA) : बाल्कन प्रायद्वीप का यह सबसे छोटा देश यूरोप के देशों में सबसे कम विकसित है। अल्बानिया का एक बड़ा भाग पहाड़ी है। समुद्र के किनारे

की भूमि उपजाऊ है; मगर वहां दलदल बहुत है, और मलेरिया फैलानेवाले मच्छर पाए जाते हैं। यहां की गर्मियां सूखी होती हैं और जाड़ों में सर्दी और वर्षा बहुत पड़ती है। इसका क्षेत्रफल 10,629 वर्गमील और जनसंख्या 16,07,000 है। इसकी राजधानी टिराना है।

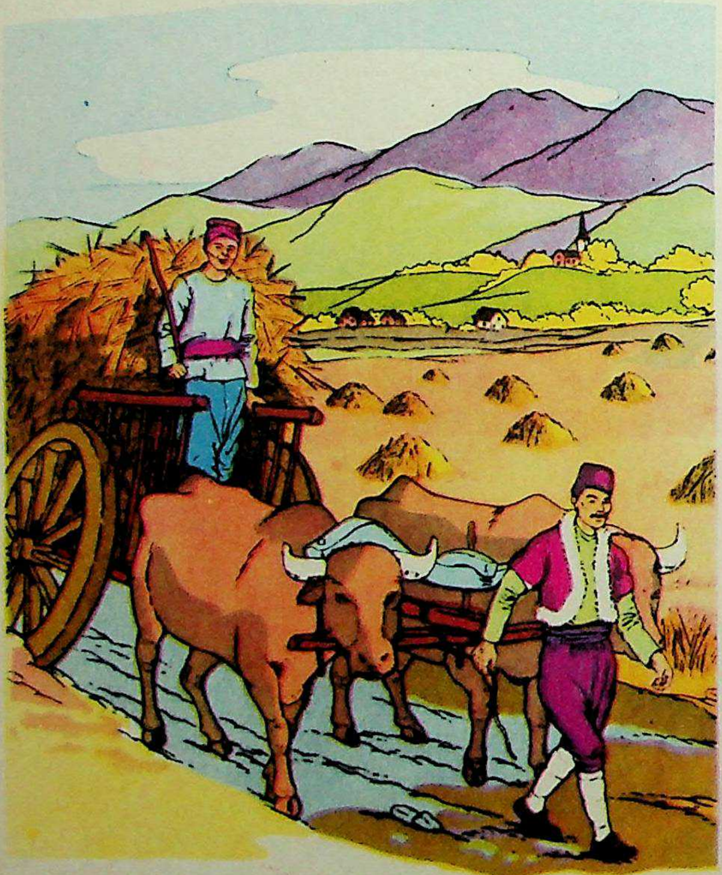

अल्बानिया यूरोप के कृषिप्रधान देशों में है। वहां खेती के पुराने तरीके भी प्रचलित हैं।

अल्बानिया कृषिप्रधान देश है। यहां के किसान मक्का, गेहूं, जौ और तम्बाकू उगाते हैं। किन्तु पैदावार अच्छी नहीं होती। अधिकांश भागों में खेती के पुराने तरीकों से ही काम लिया जाता है।

अल्बानिया में आजकल कम्यूनिस्ट शासन है। रूस और चीन में कम्यूनिस्ट सिद्धान्तों के बारे में जो मतभेद है, उसके कारण इस छोटे-से देश का महत्त्व काफी बढ़ गया है। अल्बानिया चीन के साथ है और रूस का कटु आलोचक है।

आइवरी कोस्ट (IVORY COAST) : पश्चिमी अफ्रीका में यह देश गिनी की खाड़ी पर स्थित है। यह पहले एक फ्रेंच इलाका था, किन्तु 1960 से पूर्ण स्वतंत्र है। यह फ्रेंच राष्ट्रकुल का सदस्य तो नहीं है, पर फ्रांस के साथ इसके घनिष्ठ सम्बन्ध हैं।

आइवरी कोस्ट का क्षेत्रफल 1,89,029 वर्गमील और जनसंख्या 36,65,400 है। अबिदजन इसकी राजधानी है।

आइसलैंड (ICELAND) : ब्रिटेन के उत्तर में ग्रीनलैंड के पास स्थित यह छोटा-सा द्वीप बर्फ के मैदानों और ग्लेशियरों से भरा है। यहां गरम चश्मे भी बहुत हैं। इसका कारण यह है कि आइसलैंड में ज्वालामुखियों की संख्या बहुत है। पिछले 500 वर्षों में संसार के सारे ज्वालामुखियों में से जितना लावा बहा है उसका एक-तिहाई आइसलैंड के ज्वालामुखियों से निकला है।

आइसलैंड की नदियां अपने मार्ग में कई झरने बनाती हुई समुद्र में मिलती हैं। आइसलैंड के अधिकांश निवासी समुद्रतट पर या उसके पास ही रहते हैं।

रेजाविक आइसलैंड का एकमात्र नगर है। यह यहां की राजधानी और बंदरगाह भी है। इस नगर के मकानों को गरम चश्मों के पानी से गरम किया जाता है। झरनों से पर्याप्त बिजली तैयार कर ली जाती है। आइसलैंड में रेलें नहीं हैं। यहां से मछलियों और कॉड-लीवर तेल का निर्यात होता है। आइसलैंड का क्षेत्रफल 39,768 वर्गमील और जनसंख्या 1,76,000 है।

आयरलैंड (IRELAND) : यह ग्रेट ब्रिटेन के पास स्थित एक बड़ा द्वीप है। अपने हरे-भरे मैदानों के कारण यह 'पन्ने का द्वीप' भी कहलाता है। आयरलैंड के दो भाग

हैं। उत्तरी आयरलैंड ब्रिटेन के अधिकार में है। आयरलैंड का शेष भाग आयर या आयरिश गणराज्य कहलाता है। यह एक स्वतंत्र राष्ट्र है। पहले यह भी ब्रिटेन के अधिकार में था, लेकिन 1937 में स्वतन्त्र हो गया। आयरिश गणराज्य का क्षेत्रफल 27,137 वर्गमील और जनसंख्या लगभग

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

आयरलैंड में पीट की अनेक खानें हैं। पीट एक प्रकार का ईंधन है जिसे कोयले की तरह जलाया जाता है।

29,00,000 है। इसकी राजधानी डब्लिन है।

ग्रायरलैंड के ग्रधिकांश निवासी खेती-बारी ग्रौर पशु-पालन का काम करते हैं। ग्रायरलैंड के घोड़े बहुत बढ़िया माने जाते हैं। यहां से मवेशी, मांस, मक्खन ग्रौर ग्रंडों का निर्यात होता है।

ग्रास्ट्रिया (AUSTRIA) : प्रथम विश्वयुद्ध के समय ग्रास्ट्रिया एक बड़ी शक्ति थी। युद्ध में पराजित होने के बाद इसकी बहुत-सी भूमि चेकोस्लोवाकिया, यूगोस्लाविया, इटली ग्रौर पोलैंड को दे दी गई थी। ग्रब यह 32,369 वर्गमील क्षेत्र-फल ग्रौर 69,74,000 की ग्राबादी वाला एक छोटा-सा देश रह गया है। लेकिन ग्रब भी ग्रार्थिक या राजनीतिक दृष्टि से इसका विशेष महत्त्व है क्योंकि एक तो डैन्यूब नदी इसमें से होकर बहती है ग्रौर दूसरे यह यूरोप के केन्द्र में स्थित है। इसके उत्तर में जर्मनी ग्रौर चेकोस्लोवाकिया, दक्षिण में यूगोस्लाविया तथा इटली, पूर्व में हंगरी ग्रौर पश्चिम में स्विट्ज़रलैंड हैं।

ग्रास्ट्रिया पहाड़ी देश है। यह ग्रपने सुन्दर पहाड़ों, जंगलों, नदियों ग्रौर भीलों के लिए प्रसिद्ध है। इस देश के कुछ इलाके बहुत घने बसे हैं तो कुछ में ग्राबादी एक-दम कम है। देश की एक-तिहाई जनता राजधानी वियना में रहती है, जो डैन्यूब नदी के किनारे पर स्थित है। यह नगर रेल के ज़रिये जर्मनी, पोलैंड, स्विट्ज़रलैंड ग्रौर फ्रांस से जुड़ा है। यहां की मिट्टी भी बहुत उपजाऊ है। यहां गेहूं, चुकन्दर ग्रादि की पैदावार ग्रच्छी होती है।

कच्चे माल की दृष्टि से ग्रास्ट्रिया धनी नहीं है, इसलिए यहां भारी उद्योग-धंधे भी विकसित नहीं हैं। यहां वैज्ञानिक उपकरण, बिजली की मशीनें ग्रौर महीन कपड़े बनाने के कारखाने हैं, जो प्रायः सभी जलविद्युत् से चलते हैं।

आस्ट्रिया के निवासियों की वेशभूषा

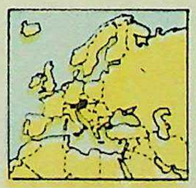

आस्ट्रिया का एक पहाड़ी गांव

डैन्यूब नदी आस्ट्रिया के लिए व्यापारिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है।

ग्रास्ट्रेलिया (AUSTRALIA) : तस्मानिया को मिलाकर ग्रास्ट्रेलिया का क्षेत्रफल 30,00,000 वर्गमील है। यहां की जनसंख्या लगभग 90,00,000 है।

यूरोप के लोगों को ग्रास्ट्रेलिया का पता सब महाद्वीपों के ग्रन्त में चला। सन् 1770 में कप्तान कुक ने इसका

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

लगभग सौ साल पहले आस्ट्रेलिया में सोने की खानों का पता चला। अधिकांश खानें देश के दक्षिण-पूर्वी भाग में हैं। कुछ खानें पश्चिमी भाग में भी हैं। सोना निकालना अब आस्ट्रेलिया का एक प्रमुख उद्योग है।

डेरी उद्योग भी आस्ट्रेलिया का एक महत्त्वपूर्ण उद्योग है। हज़ारों बड़े-बड़े डेरी फार्म देश में फैले हुए हैं। आस्ट्रेलिया प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का मक्खन, पनीर और मांस यूरोप के देशों को निर्यात करता है।

कंगारू के देश आस्ट्रेलिया में अनेक प्रकार के ऐसे विचित्र जीव-जन्तु पाए जाते हैं, जो संसार में अन्यत्र नहीं मिलते। डिंगो एक जंगली कुत्ता है जो भेड़ों को खा जाता है। कोआला छोटा-सा सुन्दर भालू होता है जो पेड़ों पर रहता है और यूकलिप्टस की पत्तियां खाता है। डकबिल की चोंच बत्तख जैसी होती है। यह अंडे देती है, हालांकि यह एक स्तनपायी जीव है। बूम्बैट बिल खोदनेवाला जीव है। आस्ट्रेलिया काले हंस का जन्मस्थान है और वहां केवल काले हंस मिलते हैं।

भेड़ पालना और ऊन तैयार करना आस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा उद्योग है। बहुत बड़े पैमाने पर भेड़ें पाली जाती हैं। संसार का एक-तिहाई ऊन केवल आस्ट्रेलिया में तैयार होता है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

आस्ट्रेलिया के आदिवासी प्रायः वस्त्रहीन रहते हैं और शिकार करते हुए घुमक्कड़ जीवन बिताते हैं।

पता लगाया। सन् 1851 में पता चला कि ग्रास्ट्रेलिया में सोने की खानें हैं। इस खबर के फैलते ही अनेक देशों से लोग यहां ग्राने लगे। इन लोगों के ग्राने से यहां कुछ गड़बड़ी भी हुई।

ग्रास्ट्रेलिया की एक बहुत बड़ी समस्या यहां की कम ग्राबादी है। लगभग ग्राधी ग्राबादी राज्यों की राजधानियों में ग्रौर शेष का बड़ा हिस्सा दक्षिण-पूर्व की ग्रौद्योगिक बस्तियों में रहता है।

यहां यातायात ग्रौर संचार की सुविधाएं काफी नहीं हैं। हवाई जहाज़, रेडियो ग्रौर टेलीफोन यातायात ग्रौर संचार के मुख्य साधन हैं। रेलें हैं लेकिन उनका महत्त्व कम है।

ग्रास्ट्रेलिया में खेतों ग्रौर चरागाहों के सबसे बड़े शत्रु खरगोश हैं, जो फसलों को बहुत हानि पहुंचाते हैं।

यहां विशेष रूप से गेहूं की खेती होती है। गेहूं के ग्रलावा गन्ना, ग्रालू, सेब, नाशपाती, ग्रंगूर ग्रौर ग्रंजीर खूब पैदा होते हैं।

खनिज पदार्थों की दृष्टि से ग्रास्ट्रेलिया धनी है। यहां सोने, तांबे, चांदी, सीसे ग्रौर टीन की खानें हैं। दक्षिणी ग्रास्ट्रेलिया में लोहे की खानें तथा सिडनी ग्रौर इपास्विच में कोयले की खानें भी हैं। न्यू साउथ वेल्स में खनिज पदार्थ भी हैं ग्रौर कारखाने भी।

ग्रास्ट्रेलिया में भेड़ों को बड़े पैमाने पर पाला जाता है। कुल मिलाकर यहां 13,00,00,000 भेड़ें हैं, जो यहां की ग्राबादी की चौदह गुना से भी ग्रधिक हैं। दुनिया का एक-तिहाई ऊन ग्रास्ट्रेलिया से ही ग्राता है। यहां से भेड़ों का मांस भी बाहर भेजा जाता है। इसके ग्रलावा यहां से मक्खन ग्रौर पनीर भी बाहर जाता है।

ग्रास्ट्रेलिया ग्रपने जीव-जन्तुग्रों के लिए विख्यात है। यहां का सबसे प्रसिद्ध जन्तु कंगारू है। डिंगो नाम का शिकारी जंगली कुत्ता ग्रौर काला हंस भी प्रसिद्ध हैं। ग्रास्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा है।

इंडोनेशिया (INDONESIA) : दूसरे विश्वयुद्ध के बाद कुछ नये राष्ट्रों का जन्म हुग्रा। इंडोनेशिया भी उनमें से एक है। इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्वी एशिया के कई द्वीपों से मिलकर बना है, जिनमें से कुछ काफी बड़े हैं। सन् 1949 से पहले ये सभी द्वीप डच लोगों के ग्रधिकार में थे। ग्रब इंडोनेशिया एक स्वतंत्र गण-राज्य है। इसका क्षेत्रफल लगभग 6,00,000 वर्गमील ग्रौर जनसंख्या लगभग 9,00,00,000 है। जकार्ता इसकी राजधानी है।

इंडोनेशिया का काफी बड़ा भाग पहाड़ी है। यहां के 100 से ग्रधिक पर्वत ज्वालामुखी हैं। इंडोनेशिया में जंगल भी बहुत हैं। यही कारण है कि यहां की ग्राबादी कुछ स्थानों पर बहुत घनी हो गई है। पहाड़ों ग्रौर जंगलों के बावजूद इंडोनेशिया में खेती के लायक ज़मीन भी काफी है। यहां की ज़मीन उपजाऊ है ग्रौर वर्षा भी खूब होती है। यहां के दो-तिहाई निवासी खेती पर ही निर्भर करते हैं। यह एक गरम देश है। भूमध्य रेखा इसके बीच से गुज़रती है।

इंडोनेशिया ग्रपने मसालों के लिए प्रसिद्ध है। यहां से चावल, रबर, चाय, कॉफी, कुनैन ग्रौर टीक का निर्यात

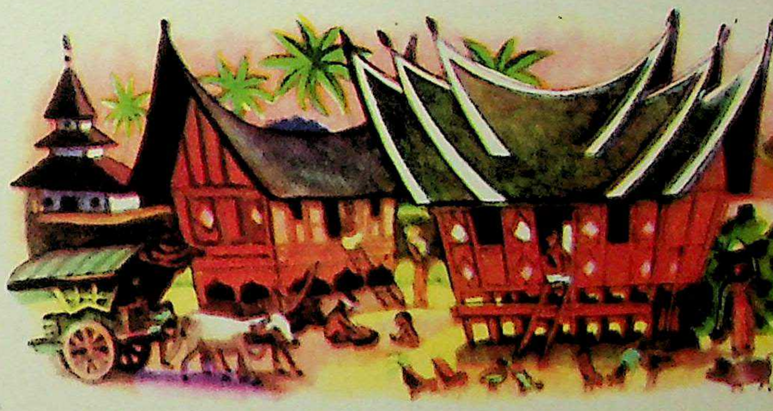

सुमात्रा के मूल निवासी अपने घर ज़मीन से काफी ऊंचे बनाते हैं।

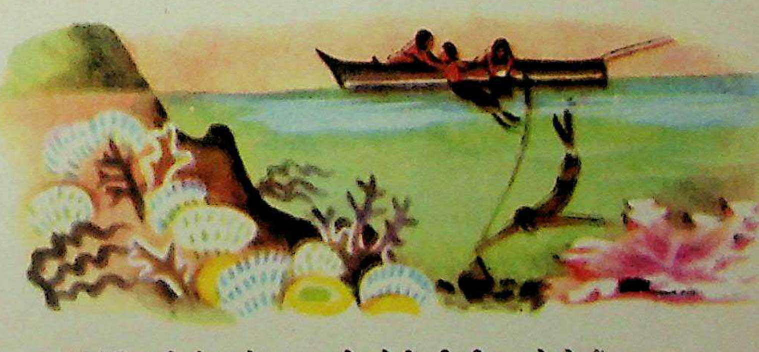

इंडोनेशियाई गोताखोर समुद्र से मोती की सीप बटोरते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

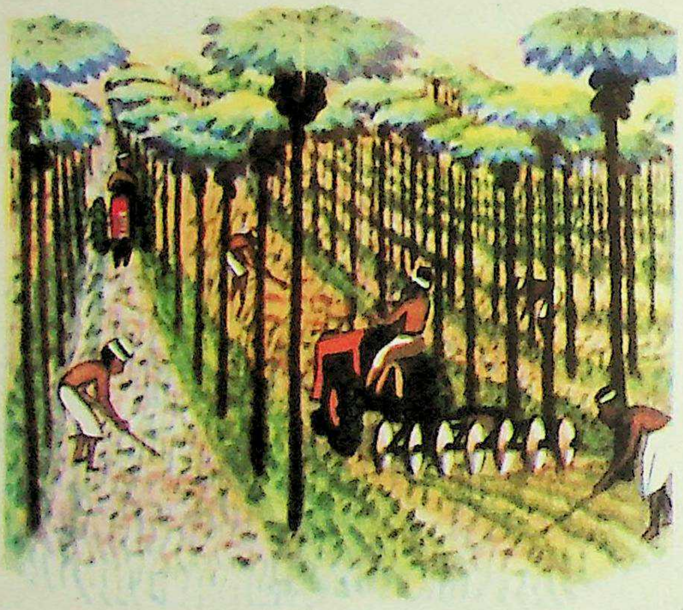

एक इंडोनेशियाई कृषि फार्म का दृश्य ।

होता है । इंडोनेशिया में टीन ग्रौर तेल भी खूब मिलता है । जहाज़ बनाने ग्रौर तेल साफ करने के कारखानों के ग्रलावा यहां ग्रब कपड़ा, कागज़, टायर ग्रादि के भी कारखाने खुल गए हैं ।

इक्वेडोर (ECUADOR) : स्पेनी भाषा में भूमध्य रेखा को 'इक्वेडोर' कहते हैं । दक्षिणी ग्रमरीका के इस देश का नाम इक्वेडोर इसलिए पडा क्योंकि भूमध्य रेखा इसके बीच से गुज़रती है । इसका क्षेत्रफल 1,05,743 वर्गमील ग्रौर जनसंख्या 37,77,000 है । इसकी राजधानी क्वीटो है जिसकी ऊंचाई समुद्र-तल से 10,000 फुट है ।

देश का ग्रधिकांश भाग पहाड़ी है । समुद्री तट के ग्रासपास की ज़मीन नीची है । यहां की जलवायु गरम ग्रौर नम है । इस प्रदेश में गन्ने, केले, कॉफी ग्रौर कोको की पैदावार ग्रधिक होती है । यहां के जंगलों से कैपोक ग्रौर बाल्सा नाम की लकड़ियां भी बाहर भेजी जाती हैं ।

इक्वेडोर में चीनी के बड़े-बड़े कारखाने हैं ।

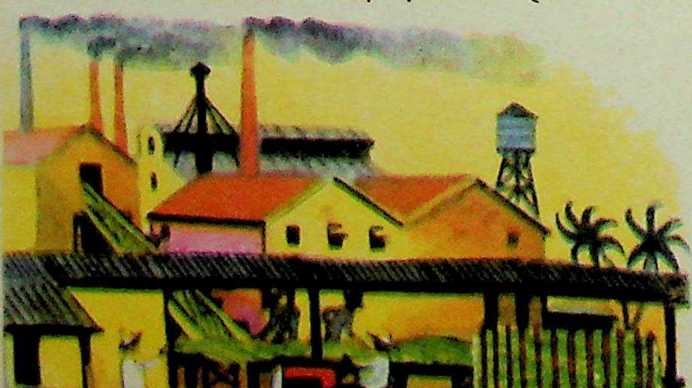

इज़राइल (ISRAEL) : इज़राइल गणराज्य एक यहूदी राज्य है । इसका जन्म दूसरे महायुद्ध के ग्रंत में हुग्रा । वास्तव में यह कोई नया देश नहीं है । सदियों पहले भी इज़राइल था । बाइबिल में प्राचीन इज़राइल का उल्लेख मिलता है । कभी इसका नाम फिलस्तीन भी था । यह एशिया के पश्चिमी छोर पर भूमध्य सागर के किनारे स्थित छोटा-सा देश है । इसकी राजधानी जेरूसलम लगभग 4,000 साल पुराना नगर है ।

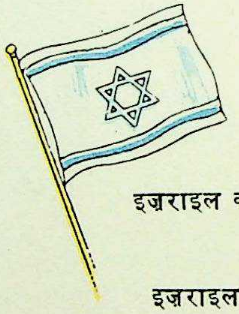

इज़राइल का झंडा

इज़राइल में कई धर्मों के पूजागृह और भवन एक ही जगह पर नज़र आते हैं ।

किसी ज़माने में यह काफी उपजाऊ देश था । ग्रब फिर से इसे उपजाऊ बनाया जा रहा है ग्रौर सिंचाई ग्रादि की नई व्यवस्था की जा रही है । नये उद्योग-धंधे कायम किए गए हैं । इज़राइल का क्षेत्रफल 7,984 वर्गमील ग्रौर जनसंख्या लगभग 21,00,000 है ।

इटली (ITALY) : यूरोप के दक्षिण में भूमध्य सागर में एक प्रायद्वीप बूट की तरह बाहर निकला हुग्रा है । इटली इसी प्रायद्वीप पर बसा है । इसके उत्तर में ग्राल्प्स पर्वत-

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

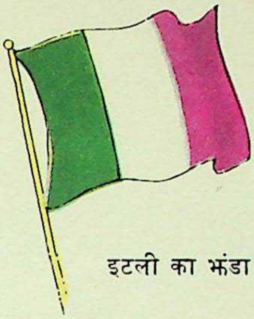

इटली का झंडा

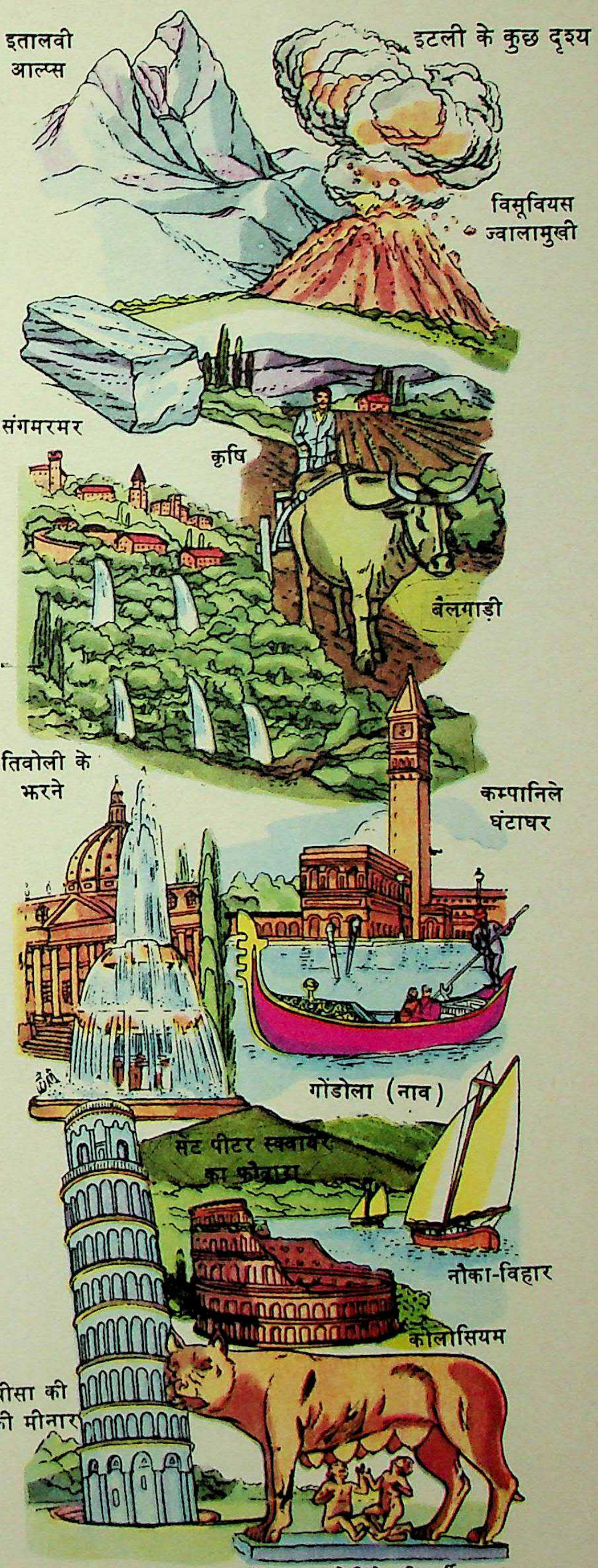

रोमुलस, रेमस और मादा भेड़िये की मूर्ति

माला है। यह यूरोप का एक बड़ा देश है। यहां यूरोप में सोवियत संघ, ब्रिटेन और जर्मनी के बाद सबसे अधिक लोग रहते हैं। इसका क्षेत्रफल 1,16,316 वर्गमील और जनसंख्या 5,07,63,000 है।

रोम इटली की राजधानी है। यह एक प्राचीन नगर है। लगभग 2,000 साल पहले रोम एक बहुत बड़े और शक्तिशाली साम्राज्य की राजधानी था। कुछ शताब्दियों बाद यह साम्राज्य नष्ट हो गया। तेरहवीं और पन्द्रहवीं शताब्दी में इटली ने फिर उन्नति की। इसके कुछ नगर यूरोप के सबसे प्रसिद्ध नगर बन गए। वेनिस और जेनोआ से दूर-दूर तक जहाज़ जाते थे। इटली के कारीगर, चित्रकार, मूर्तिकार और लेखक संसार-भर में प्रसिद्ध हो गए। इटली के पुराने महलों और गिरजाघरों में आज भी अमूल्य कलाकृतियां सुरक्षित हैं।

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद इटली एक गणराज्य बना। इसमें सिसिली और सार्डीनिया द्वीप भी सम्मिलित हैं। अब रोम एक आधुनिक नगर बन गया है। रोम के दक्षिण-पूर्व में इटली का प्रमुख बंदरगाह नेपल्स है। इसके पास ही विसूवियस नामक प्रसिद्ध ज्वालामुखी पर्वत है।

इटली की जलवायु बहुत अच्छी है और ज़मीन बड़ी उपजाऊ है। यहां गेहूं, जैतून, अंगूर, नारंगी और नीबू खूब होते हैं। कुछ भागों में चावल और चुकन्दर खूब होते हैं।

इथियोपिया (ETHIOPIA) : अफ्रीका के अनेक देशों में अब गणतन्त्र स्थापित हो गए हैं, लेकिन इथियोपिया में अब भी एक सम्राट का शासन है। इथियोपिया लाल

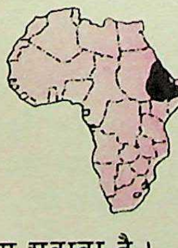

सागर के दक्षिण-पश्चिम, सूडान के पूर्व और केनिया के उत्तर में है। इसका क्षेत्रफल 4,57,142 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 2,00,00,000 है। इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा है।

कुछ वर्ष पहले तक लोगों को इस देश के बारे में बहुत कम पता था। यह ऊंचे-ऊंचे पठारों और पहाड़ों का देश है। किनारों पर प्रायः रेगिस्तान फैला हुआ है। रेल सिर्फ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

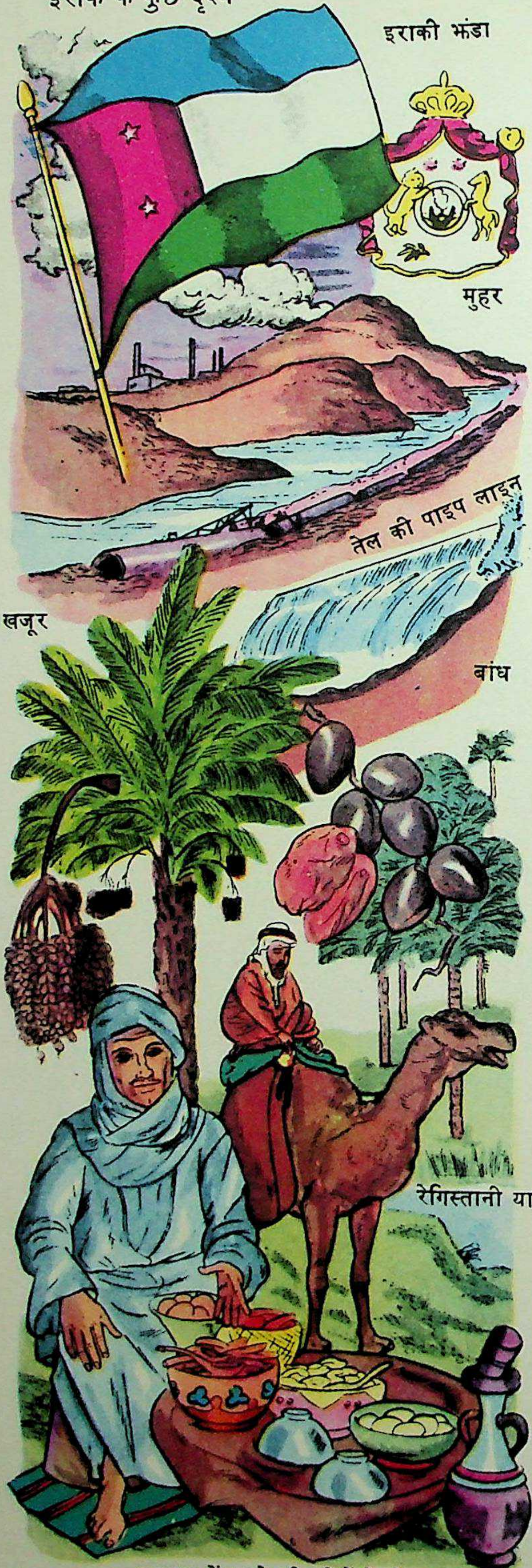

बगदाद में खाने की चीज़ें बेचनेवाला

इथियोपिया अपने सिंहों के लिए प्रसिद्ध है।

राजधानी तक ही जाती है। सड़कें अच्छी नहीं हैं। पहाड़ी नदियों के तेज़ बहाव के कारण उनमें नावें नहीं चलतीं। अब यहां कुछ देशों के लिए हवाई जहाज़ आने-जाने लगे हैं।

इथियोपिया भूमध्य रेखा से अधिक दूर नहीं है फिर भी इसके ऊंचे प्रदेशों की जलवायु इतनी ठंडी है कि वहां खेती नहीं हो सकती।

निचले इलाकों में रहनेवाले अधिकतर लोग घुमक्कड़ हैं और भेड़-बकरियां चराते हैं। पठारों की मिट्टी उपजाऊ है और वहां वर्षा भी काफी होती है। इन क्षेत्रों में गेहूं, जौ, जई और मक्का की खेती की जाती है। छोटी पहाड़ियों की ढाल पर कॉफी उगाई जाती है। चांदी और सोने की कुछ खानें भी इस देश में हैं।

इथियोपिया एक पिछड़ा हुआ देश है। लेकिन वर्तमान शासन में यह धीरे-धीरे उन्नति कर रहा है।

इराक (IRAQ) : यह एक छोटा-सा किन्तु प्राचीन देश है। पुराने ज़माने में इसका नाम मेसोपोटामिया था, जिसका अर्थ होता है 'दो नदियों के बीच की भूमि'। ये दो नदियां हैं दजला (टाइग्रिस) और फ़रात (यूफ़्रेटीज़)। यहीं संसार की एक सबसे पुरानी सभ्यता का विकास हुआ था। प्राचीनकाल के भग्नावशेष अब भी मौजूद हैं।

इराक का क्षेत्रफल 1,71,599 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 70 लाख है। इसकी राजधानी बगदाद बड़ा प्राचीन और प्रसिद्ध नगर है। अरब की प्रसिद्ध कहानियों में अक्सर इसका उल्लेख होता है। अरब, एशिया और यूरोप के देशों को जानेवाले काफिले यहीं से गुज़रते थे। यहां से

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

कई सड़कें फूटती हैं। यूरोप से यहां तक एक रेलमार्ग भी है।

इराक खजूर का देश है। संसार को जितनी भी खजूर मिलती है उसका 80 प्रतिशत भाग इराक से आता है। नदियों और नगरों से दूर के क्षेत्रों के लोग चरवाहे का काम करते हैं।

ईरान की तरह इराक में भी तेल के बहुत-से कुएं हैं। बड़े-बड़े नलों से तेल भूमध्य सागर तक पहुंचाया जाता है और वहां से जहाज़ों में लादा जाता है।

इस्तम्बुल (ISTANBUL) : यह तुर्की का सबसे बड़ा शहर है। इसका कुछ हिस्सा यूरोप में और कुछ एशिया में है। बास्पोरस जलसन्धि शहर के दोनों हिस्सों को एक-दूसरे से अलग करती है। इस्तम्बुल एक पुराना नगर है। यूनानियों ने इसकी नींव रखी थी। वे इसे बाइज़ेंटियम कहा करते थे। यूरोप से एशिया आनेवाले यात्री इसी नगर से होकर गुज़रते थे। बाद में एक रोमन सम्राट ने इसका नाम कुस्तुन्तुनिया रखा। फिर यह तुर्की के अधिकार में चला गया और 500 साल तक तुर्की की राजधानी रहा। सन् 1922 में तुर्की के गणराज्य बन जाने के बाद से इसका नाम इस्तम्बुल रखा गया। लेकिन तुर्की की राजधानी अंकारा है।

ईरानी बिल्लियां अपने मोहक रंगों के लिए प्रसिद्ध हैं। इनके रोयें चिकने और लम्बे होते हैं।

ईरान (IRAN) : प्राचीन फारस देश का नया नाम ईरान है। पूर्व में इसकी सीमा पाकिस्तान और अफगानिस्तान से मिली हुई है। इसके पश्चिम में इराक और तुर्की हैं। उत्तर में सोवियत संघ और कैस्पियन सागर तथा दक्षिण में फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी हैं।

ईरान एक सूखा देश है। यहां पहाड़ों की संख्या भी काफी है। यहां के अधिकांश निवासी किसान या चरवाहे हैं। चरवाहे आम तौर से घुमक्कड़ जीवन बिताते हैं और अपनी भेड़-बकरियों के साथ नये चरागाहों की खोज में घूमते रहते हैं।

ईरान का क्षेत्रफल 6,36,293 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 2,00,00,000। ईरान की राजधानी तेहरान है। पुराने नगर में संकरी गलियां और कई पुराने दरवाज़े हैं। नगर का नया भाग काफी सुन्दर बना हुआ है। यहां राजतन्त्र है।

ईरान के पास एक चीज़ बहुत बड़ी मात्रा में है, वह है तेल। यहां तेल साफ करने के कारखाने भी हैं। ईरान के कालीन बहुत प्रसिद्ध हैं। ईरान कपड़ा, चीनी और मशीनें बाहर से मंगाता है।

उगांडा (UGANDA) : पूर्वी अफ्रीका में यह देश केनिया के पश्चिम में स्थित है। इसके उत्तर में सूडान और पश्चिम में कांगो गणराज्य है। यह पहले ब्रिटेन का संरक्षित क्षेत्र

ईरान के कुछ दृश्य

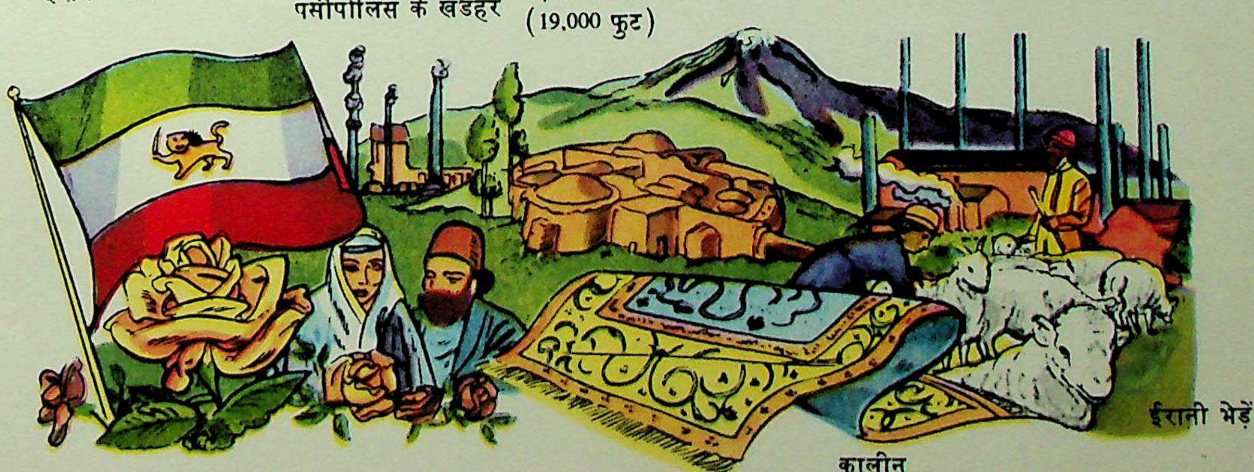

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

था। अक्तूबर, 1962 में इसे स्वतंत्रता प्राप्त हुई। उगांडा ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का सदस्य है। राष्ट्रमंडल के देशों में सबसे अधिक कॉफी यहीं पैदा होती है।

उगांडा का क्षेत्रफल 93,981 वर्गमील और जनसंख्या 71,90,000 है। ऐण्टेबे इसकी राजधानी है।

उरुगुए का झंडा

उरुगुए (URUGUAY)

उरुगुए (URUGUAY) : दक्षिणी अमरीका का यह सबसे छोटा देश ब्राज़ील के दक्षिण और अर्जेंटीना के पूर्व में है। इसका क्षेत्रफल 68,380 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 30,00,000 है। उरुगुए की राजधानी मोंटेवीडियो है। लगभग दस लाख की आबादी का यह एक आधुनिक सुन्दर नगर है। इसके समुद्रतट विशेष रूप से सुन्दर हैं।

उरुगुए के विशाल चरागाहों में भेड़ें और अन्य पशु पाले जाते हैं। इस देश से ऊन, डिब्बों में बंद मांस और सन का निर्यात किया जाता है। यहां गेहूं और मक्का की भी खेती होती है।

यहां के अधिकतर निवासी यूरोप से आए लोगों की संतानें हैं। अधिकांश लोग पढ़े-लिखे हैं। उरुगुए की भाषा स्पेनी है।

एशिया (ASIA)

एशिया (ASIA) : यह विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है। यह इतना बड़ा है कि अफ्रीका, यूरोप और आस्ट्रेलिया इन तीनों महाद्वीपों के सभी देश इस विशाल महाद्वीप में आ सकते हैं।

दुनिया के आधे से अधिक लोग एशिया में रहते हैं। यहां की जनसंख्या 1,40,00,00,000 है।

इस महाद्वीप का उत्तरी सिरा आर्कटिक वृत्त तक चला गया है तो दक्षिणी सिरा भूमध्य रेखा को छू रहा है। उत्तर में तापमान शून्य से 50° नीचे चला जाता है तो दक्षिण में लोगों को 150° फा० तापमान का सामना करना पड़ता है।

एशिया में ऐसी ज़मीन भी है जो समुद्र के तल से नीची है। यहां की झीलों का पानी बहुत खारा है। इन खारी झीलों में अरब की 'मृत सागर' नाम की झील विशेष प्रसिद्ध है। समुद्र-तल से नीची ज़मीन प्रायः रेगिस्तान के रूप में है।

खेती और पशु-पालन यहां के मुख्य धन्धे हैं। चीन और भारत की गणना विश्व के चोटी के कृषिप्रधान देशों में की जाती है। ये दोनों देश विश्व के सबसे घनी आबादी वाले देश हैं।

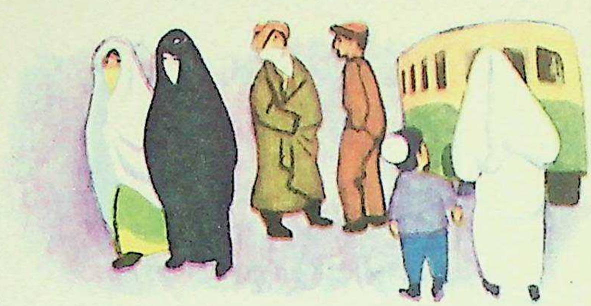

एशिया में विभिन्न प्रकार की पोशाकें प्रचलित हैं।

तुर्किस्तान की एक विशाल मस्जिद।

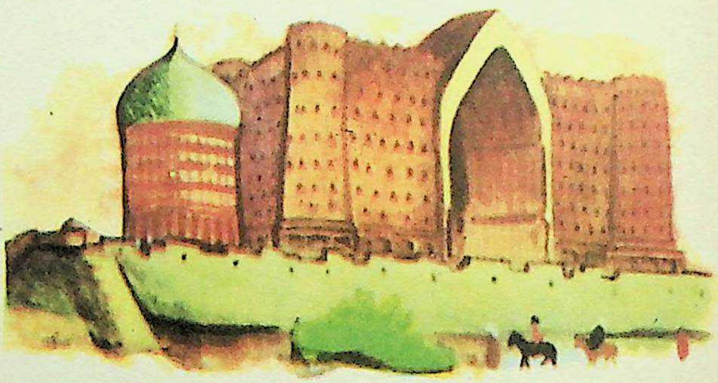

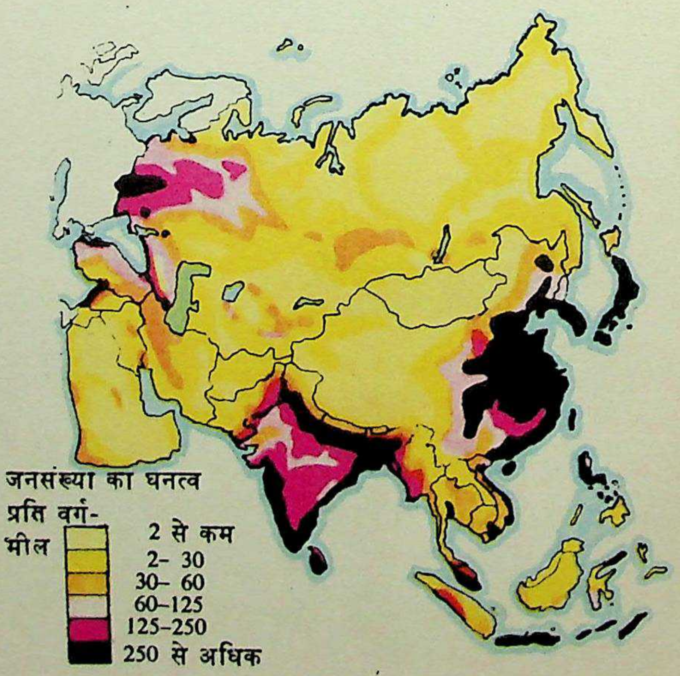

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

शायद मानव-सभ्यता सबसे पहले एशिया में ही शुरू हुई थी। ईसा के 3000 वर्ष पूर्व भी एशिया के कई देशों में सुसभ्य लोग रहते थे। भारत में सिन्धु नदी की घाटी की सभ्यता और चीन की सभ्यता बहुत पुरानी हैं।

इस महाद्वीप में बेबीलोनिया और फारस जैसे महान साम्राज्यों का उत्थान-पतन हुआ; यहां महात्मा बुद्ध, ईसा मसीह, हजरत मुहम्मद और कंफ्यूशस् जैसे महान धर्म-प्रवर्तकों ने अपना धर्म फैलाया; इसमें अनेक आविष्कार हुए जो दूसरे देशों और महाद्वीपों में भी गए।

आज एशिया 30 से भी अधिक देशों में बंटा हुआ है। इन देशों के निवासी अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं। उनके रीति-रिवाज और रहन-सहन के तरीके भी अलग-अलग हैं। उनका सम्बन्ध अलग-अलग जातियों से है।

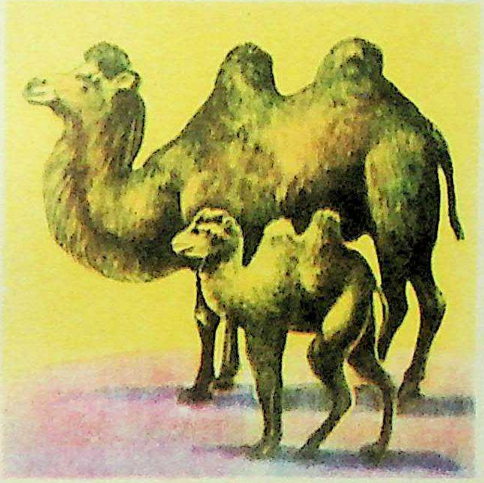

पश्चिमी एशिया में दो कूबड़ वाले बैक्ट्रीयाई ऊंट मिलते हैं।

ये देश आकार-प्रकार में भी एक-दूसरे से मेल नहीं खाते। उदाहरण के लिए लेबनान एक छोटा-सा देश है जिसकी कुल आबादी 15 लाख है, जबकि चीन 60 करोड़ की आबादी वाला अत्यन्त विशाल देश है।

एशिया के उत्तरी विशाल भूखंड का नाम साइबेरिया है। यह सोवियत रूस का भाग है। यह भूखंड एशिया के अन्य किसी भी देश से बड़ा है। यह भाग एशिया के एक-तिहाई भाग से अधिक है।

आजकल एशिया में नव जागरण हो रहा है। दूसरे महायुद्ध के बाद से यहां के अनेक देश स्वाधीन हो चुके हैं, और अब उनमें से अधिकांश स्वतन्त्र गणतन्त्र अथवा प्रजातन्त्र हैं।

एशिया में पाई जानेवाली कुछ बातें बड़ी अजीब और दिलचस्प हैं। यहां संसार का सर्वोच्च पर्वत-शिखर एवरेस्ट है जो समुद्रतल से 29,141 फुट ऊंचा है और यहीं संसार का सबसे नीचा क्षेत्र मृतसागर भी है जो समुद्रतल से 1,290 फुट नीचा है। यहां का जैकोबाबाद (सिन्ध) संसार का सबसे गरम स्थान है और बरखोयांस्क (साइबेरिया) संसार की

दक्षिण-पूर्वी एशिया का एक बाज़ार।

पश्चिमी एशिया में भी आधुनिक ढंग के फार्म हैं।

हिमालय क्षेत्र के देशों में वस्तु-विनिमय से व्यापार होता है।

चीन के एक पुराने बाज़ार का दृश्य।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

एशिया के कुछ क्षेत्रों में बहुत अधिक वर्षा होती है।

सबसे ठंडी जगह है। अदन में सबसे कम वर्षा होती है और चेरापूंजी में सबसे अधिक।

एशिया में तेल के विशाल भण्डार पाए जाते हैं। तेल के अलावा यहां लोहे और कोयले की बड़ी-बड़ी खानें भी हैं। अन्य खनिज पदार्थों में टीन, अभ्रक, ऐंटिमनी, टंग्सटन, मेंगनीज़, तांबा, चांदी और सोना मुख्य हैं।

एशिया की मानसूनी जलवायु प्रसिद्ध है। यह जलवायु विशेष रूप से भारत में पाई जाती है। इसमें छः महीने पूर्वी तथा छः महीने दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी वायु चलती है। जिस साल मानसून से काफी पानी नहीं बरसता उस साल खेती को बड़ा नुकसान पहुंचता है।

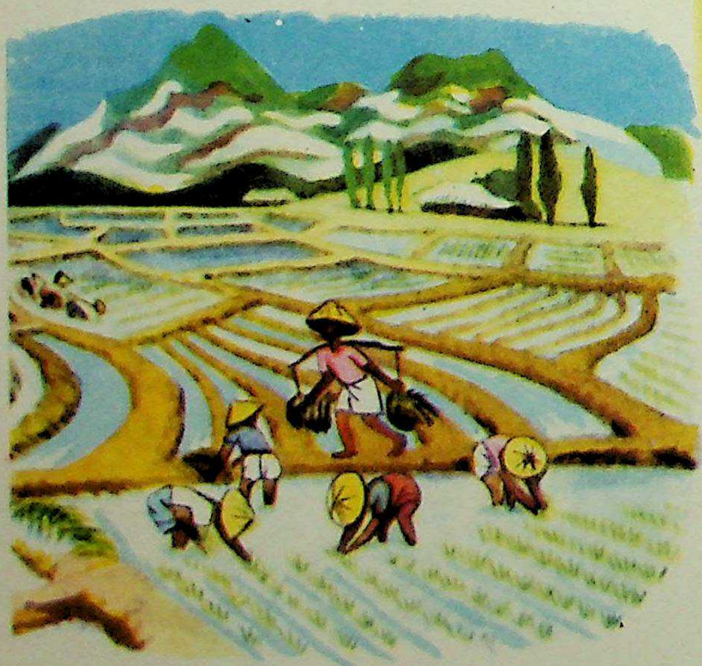

दक्षिण-पूर्वी एशिया में चावल खूब होता है।

एशिया, दक्षिण-पूर्वी (SOUTH-EAST ASIA) : भारत चीन और दक्षिण पूर्वी एशिया के अन्य देशों तथा उनके आस-पास के द्वीपों को यूरोप में 'सुदूर पूर्व' कहा जाता है। जब यात्रा के समुचित साधन नहीं थे तो यूरोप के लोगों को ये स्थान बहुत दूर लगते थे, इसीलिए इन्हें यह नाम दिया गया। मार्को पोलो के ज़माने में इटली से चीन पहुंचने में कई महीने लग जाते थे। हम इस क्षेत्र को 'दक्षिण-पूर्वी एशिया' कहते हैं। कोलंबस के ज़माने में यूरोप के लोगों के लिए सुदूर पूर्व शब्द का अर्थ होता था—मसाले रेशम और जवाहरात। लोगों को इस प्रदेश की कोई जानकारी न थी। लेकिन विज्ञान के इस युग में आज ऐसा नहीं है। अब यूरोप मसाले और रेशम की जगह टीन, तेल, रबर और चाय के लिए सुदूर पूर्व पर विशेष रूप से निर्भर करता है।

एशिया, पश्चिमी (NEAR EAST) : भूमध्य सागर के पूर्व के देशों के क्षेत्र को यूरोप में 'निकट पूर्व' (नियर ईस्ट) कहा जाता है। हम इसे पश्चिमी एशिया कहते हैं।

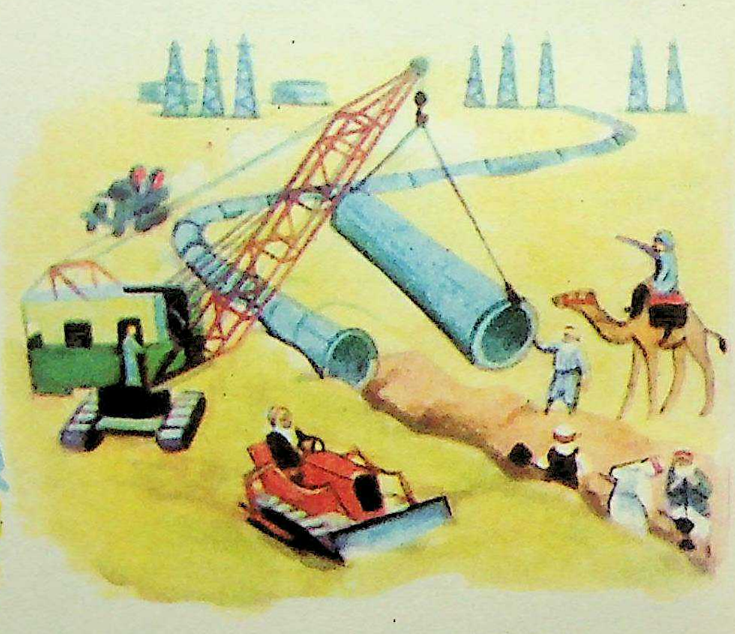

रेगिस्तानों में तेल की पाइप लाइनें बिछी हैं।

पश्चिमी एशिया ने संसार के इतिहास में बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सदियों तक यह क्षेत्र पूर्व में एशिया और पश्चिम में यूरोप और अफ्रीका के बीच एक संधिस्थल का काम करता रहा है। मिस्र, बेबीलोन, असीरिया, फारस और फिलस्तीन की प्राचीन सभ्यताओं का विकास इसी क्षेत्र में हुआ था। संसार के तीन महान धर्मों—यहूदी धर्म, इस्लाम धर्म और ईसाई धर्म ने इसी क्षेत्र में जन्म लिया। इसके अलावा कुछ विद्वानों का कहना है कि लिखने की कला या वर्णमाला का जन्म भी पश्चिमी एशिया में ही हुआ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

इस समय लगभग दस करोड़ आदमी इस क्षेत्र में रहते हैं। इनमें से आधे अरबी भाषा बोलते हैं। तुर्की, फारसी और हिब्रू यहां की अन्य प्रमुख भाषाएं हैं।

आठवीं सदी में पश्चिमी एशिया के लगभग सभी लोग मुसलमान हो गए थे। अब भी इनमें से अधिकांश मुसलमान हैं, लेकिन कुछ यहूदी और ईसाई भी हैं। तुर्की, सीरिया, जॉर्डन, सऊदी अरब, मिस्र, सूडान, इराक, ईरान और अफगानिस्तान पश्चिमी एशिया या 'निकट पूर्व' में ही माने जाते हैं।

पश्चिमी एशिया का अधिकांश भाग रेगिस्तानी है। खेती के लायक ज़मीन बहुत थोड़ी है और उसमें भी सिंचाई करनी पड़ती है। चरागाही इलाकों के ज़्यादातर लोग खानाबदोश हैं, जो भेड़-बकरियों को लेकर चरागाहों की खोज में घूमते रहते हैं।

मिस्र का काहिरा और सिकन्दरिया, ईरान का तेहरान, तुर्की का इस्तम्बुल और इराक का बगदाद इस क्षेत्र के बड़े नगर हैं। पश्चिमी एशिया में भारी उद्योगों का विकास बहुत कम हुआ है।

इस क्षेत्र का सबसे बड़ा धन है इसके तेल के कुएं। यहां संसार में सबसे अधिक तेल मिलता है। तेल पैदा करनेवाले प्रमुख देश हैं ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब, बहरीन और कातार। तेल को भूमध्य सागर और फारस की खाड़ी तक पहुंचाने के लिए मीलों लम्बी पाइप लाइनें बिछी हुई हैं।

ऐंडोरा (ANDORRA) : यह यूरोप का एक छोटा-सा स्वतंत्र देश है। ऐंडोरा फ्रांस और स्पेन के बीच पायरेनीज़ पर्वत की घाटी में बसा है। इसकी राजधानी ऐंडोरा है। इसका क्षेत्रफल 191 वर्गमील और जनसंख्या 6,500 है।

यहां की अधिकांश जनता स्पेनी भाषा बोलती है। यह एक गरीब देश है। प्राय: ज़मीन का उपयोग चरागाह के रूप में किया जाता है। यहां सर्दियों में भयानक जाड़ा पड़ता है। कुछ स्थानों पर आलू, अनाज, फल और तम्बाकू आदि उगाए जाते हैं।

ओसाका (OSAKA) : जापान का दूसरा सबसे बड़ा नगर ओसाका है। इसकी आबादी पचीस लाख से अधिक है। इसे संसार के बड़े नगरों में माना जाता है। यह महानगर रेलों का एक बहुत बड़ा जंक्शन है। यह जापान के एक बहुत महत्त्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र का प्रमुख केन्द्र है। इस नगर में अनेक कारखाने हैं जिनमें बड़ी-बड़ी मशीनें, कपड़ा और जहाज बनते हैं।

ओसाका एक बड़ा बन्दरगाह भी है। व्यापार का यह एक बड़ा केन्द्र है। नगर का व्यापार वाला भाग किसी यूरोपीय नगर जैसा है, लेकिन शेष भाग और बहुत-से कारखाने ठेठ जापानी ढंग पर बने हुए हैं।

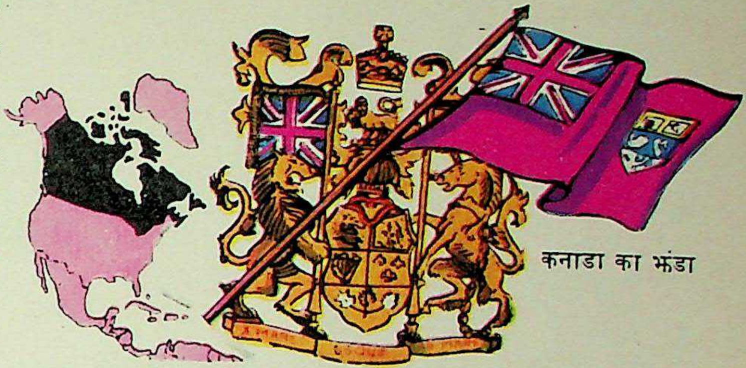

कनाडा का झंडा

राज्य-चिह्न

कनाडा (CANADA) : अमरीका के उत्तर में स्थित यह देश सोवियत रूस और चीन को छोड़कर क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार का सबसे बड़ा देश है। किन्तु जनसंख्या की दृष्टि से यह ब्रिटेन से भी छोटा है। इसका क्षेत्रफल 36,19,616 वर्गमील और जनसंख्या 1,64,20,000 है।

पूरा कनाडा अमरीका से कहीं अधिक ठंडा है। उत्तरी भाग में प्राय: बर्फ जमी रहती है और वहां एस्कीमो रहते हैं। देश के दक्षिणी भाग और पश्चिमी किनारे के कुछ भाग की जलवायु अच्छी है।

कनाडा राष्ट्रमंडल का सदस्य है। शासन के मामले में यह प्राय: स्वतन्त्र है किन्तु इंग्लैंड की महारानी को यह अपना प्रधान स्वीकार करता है। कनाडा कई प्रांतों में बंटा हुआ है। प्रत्येक प्रांत की अपनी राजधानी है। कनाडा की राजधानी ओटावा है।

सेंट लारेंस नदी में दूर तक समुद्री जहाज़ जा सकते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

कनाडा में डेरी उद्योग का बहुत अधिक विकास हुआ है। घास के मैदानों (प्रेयरी) में 300 से 1500 एकड़ तक के डेरी फार्म हैं।

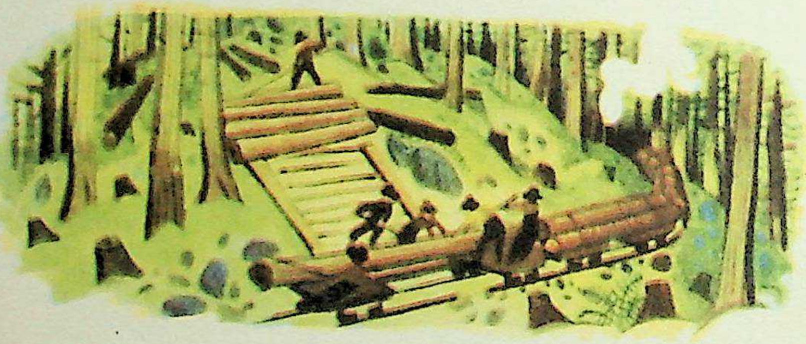

क्यूबेक में हज़ारों वर्गमील तक जंगल फैले हैं। इन जंगलों से मिलनेवाली अधिकांश लकड़ी से अखबारी कागज़ तैयार किया जाता है। कनाडा प्रति वर्ष लगभग 50 करोड़ डालर के अखबारी कागज़ का निर्यात करता है।

कागज़ के अधिकांश कारखाने सेंट लारेंस नदी के किनारे स्थित हैं। जगलों से लकड़ी के कुंदे काटकर धाराओं में बहा दिए जाते हैं। फिर नदी में उनके बेड़ों को स्टीमरों की सहायता से खींचकर कारखानों तक पहुंचा दिया जाता है।

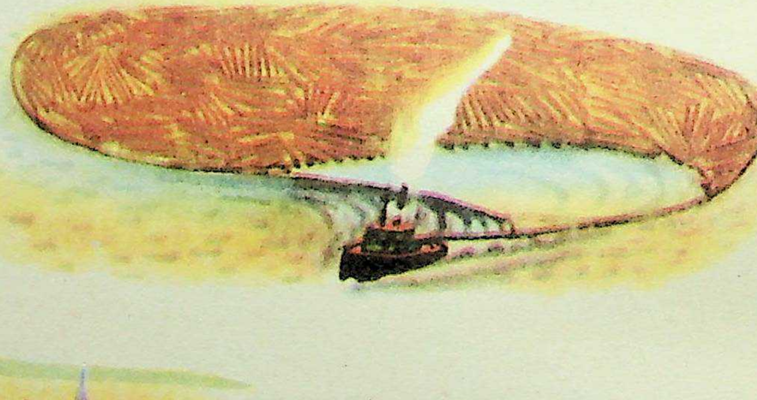

क्यूबेक प्रदेश के फ्रेंच-वंशी कनाडियाई परम्परागत फ्रांसीसी ढंग का जीवन बिताते हैं और फ्रेंच भाषा का प्रयोग करते हैं। वे बड़े शहरों के व्यस्त जीवन से भी दूर रहते हैं।

मछली-उद्योग भी कनाडा का एक महत्त्वपूर्ण उद्योग है। तट से दूर अटलांटिक महासागर में कॉड मछली और केकड़े पकड़े जाते हैं। प्रशांत महासागर में हैलीबट और सालमन मछलियां पकड़ी जाती हैं। झीलों और नदियों के किनारे मछली की डिब्बाबंदी के कारखाने हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

कनाडा कृषिप्रधान देश है। पूर्वी कनाडा की मुख्य पैदावार आलू है। ग्रेट लेक्स के आसपास फलों के बहुत-से बाग हैं। यहां से पश्चिम की ओर बड़े-बड़े फार्म हैं जहां बहुत बड़े पैमाने पर गेहूं की खेती होती है। पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही किनारों पर बहुत बड़े पैमाने पर मछली पकड़ी जाती है। इसके एक प्रांत न्यूफाउण्डलैण्ड का दक्षिणी भाग मत्स्य-उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र है।

कनाडा के उत्तर-पूर्वी भाग में घने जंगल हैं। इनकी बहुत-सी लकड़ी कागज़ बनाने के काम आती है। हडसन खाड़ी के आसपास के क्षेत्र में फर वाले जानवर होते हैं। कनाडा से फर का भी निर्यात किया जाता है।

खनिज पदार्थों की दृष्टि से कनाडा बड़ा सम्पन्न देश है। दुनिया-भर में निकल की सबसे अधिक खानें कनाडा के ओंटेरियो प्रांत में और ऐस्बेस्टस की सबसे अधिक खानें क्यूबेक प्रांत में हैं। इसके अलावा कनाडा में तांबा, जस्ता, सीसा, चांदी, सोना और यूरेनियम की भी खानें हैं। अमरीका की अपेक्षा यहां कोयला और पेट्रोल कम होता है।

कनाडा का सबसे बड़ा नगर मौंट्रियल है। इसमें और कनाडा के दूसरे बड़े नगर टोरंटो में कनाडा के अधिकतर कारखाने हैं।

कम्बोडिया (CAMBODIA) : दक्षिण-पूर्वी एशिया का यह छोटा-सा देश पहले, लाओस और वियतनाम सहित, फ्रेंच इंडोचायना का एक भाग था। 9 नवम्बर, 1953 को इसने अपने को स्वाधीन घोषित कर दिया। कम्बोडिया उत्तर में लाओस और थाईलैंड, पश्चिम में थाईलैंड, दक्षिण में स्याम की खाड़ी और पूर्व में दक्षिणी वियतनाम से घिरा है। यहां इस समय संवैधानिक राजतंत्र है और जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों की एक राष्ट्रीय सभा कानून बनाती है।

कम्बोडिया के लोग बौद्ध धर्म के मानने वाले हैं। इस देश का क्षेत्रफल 88,780 वर्गमील और जनसंख्या 57,40,000 है। यहां की राजधानी नोम्पेन है।

कलकत्ता (CALCUTTA) : गंगा नदी के डेल्टा से अस्सी मील उत्तर हुगली के बायें किनारे पर भारत का दूसरा बड़ा नगर कलकत्ता बसा है। यह पश्चिमी बंगाल राज्य की राजधानी है। सन् 1858 से 1912 तक यह महानगर भारत की राजधानी भी रह चुका है। कलकत्ता (निगम क्षेत्र) की जनसंख्या लगभग 30,00,000 है।

कलकत्ता भारत का प्रमुख व्यापारिक नगर और बंदरगाह है। बाहर से आने वाले जहाजों को अस्सी मील हुगली नदी में चलकर कलकत्ता पहुंचना पड़ता है। हुगली नदी कम गहरी है और हर साल इसकी सफाई करानी पड़ती है। यहां की जलवायु भी अच्छी नहीं कही जा सकती। गर्मी के दिनों में भयानक गर्मी पड़ती है और वर्षा बहुत होती है। इसलिए कुछ लोग कलकत्ता को एक अच्छा बंदरगाह नहीं मानते। फिर भी इस बंदरगाह में हर समय काम होता रहता है और यह दुनिया के सबसे व्यस्त बंदरगाहों में से एक माना जाता है।

कलकत्ता जूट उद्योग का संसार का सबसे बड़ा केंद्र है। इसके अलावा यहां इस्पात और चीनी के कारखाने भी हैं। यहां जहाज़ बनाने के भी कुछ कारखाने हैं। कलकत्ता फिल्म उद्योग का भी एक प्रमुख केंद्र है।

कलकत्ता एक महानगर है। हावड़ा का पुल भारत का सबसे अधिक व्यस्त पुल है। कलकत्ता का चिड़ियाघर एशिया में सबसे बड़ा माना जाता है। यहां का राष्ट्रीय पुस्तकालय भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय है। यहां पर

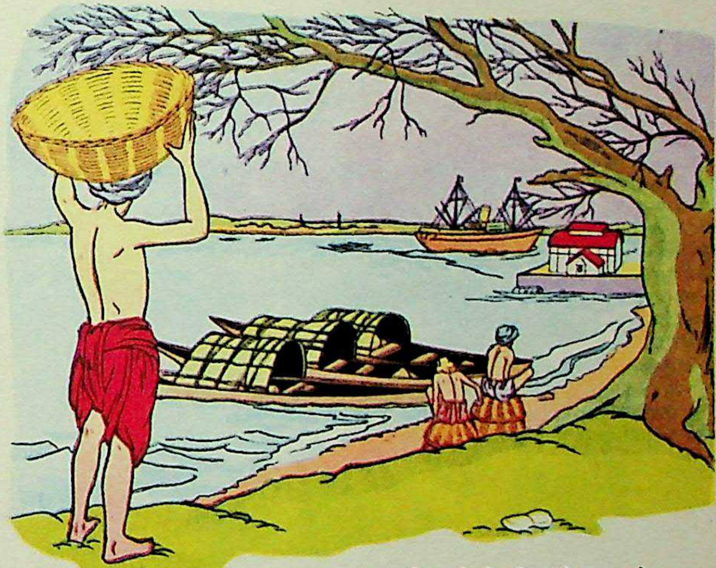

कलकत्ता हुगली नदी के किनारे बसा है।

स्थित भारतीय संग्रहालय भी देखने योग्य है।

यह महानगर भारतीय राजनीति का बहुत बड़ा केन्द्र रहा है। सच तो यह है कि कलकत्ता भारत के प्रायः सभी सामाजिक, राजनीतिक, राष्ट्रीय और कलात्मक आंदोलनों में अग्रणी रहा है।

कांगो, संघीय गणराज्य (FEDERAL REPUBLIC OF CONGO) : अफ्रीका महाद्वीप में स्थित यह देश पहले बेलजियम का उपनिवेश था। 1960 में इसकी स्वतंत्रता की घोषणा की गई, किन्तु शीघ्र ही यहां गृहयुद्ध की आग भड़क उठी। केन्द्रीय सरकार की सेनाओं, देश के सबसे बड़े व समृद्ध प्रांत कटंगा और विभिन्न कबीलों के बीच कुछ समय तक खूब मारकाट मची रही जिसमें काफी जनसंहार हुआ। अंत में मई, 1961 में देश के नेताओं ने मिलकर संघीय गणराज्य बनाने का निश्चय किया।

कांगो के कुछ क्षेत्रों में खनिज पदार्थों के बड़े भंडार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

हैं। इसका क्षेत्रफल 9,05,582 वर्गमील और जनसंख्या 1,50,07,000 है। कांगो की राजधानी लिओपोल्डविले है।

कातार (QATAR) : फारस की खाड़ी पर स्थित यह एक स्वतंत्र अरब राज्य है। यहां शेख़ का शासन है। ग्रेट ब्रिटेन के साथ इसके विशेष संधि-सम्बन्ध हैं। इसका क्षेत्रफल 8,000 वर्गमील और जनसंख्या 45,000 है। इसकी राजधानी दोहा है।

कुवेत (KUWAIT) : फारस की खाड़ी के उत्तरी छोर के साथ-साथ फैला यह एक छोटा-सा अरब देश है। यह पहले ब्रिटिश सरकार के संरक्षण में था, परन्तु 1961 से पूर्ण स्वतंत्र है।

कुवेत की पूरी अर्थव्यवस्था पेट्रोल पर आधारित है। पेट्रोल का निर्यात करनेवाले देशों में इसका विश्व में दूसरा स्थान है। कुवेत का क्षेत्रफल 5,800 वर्गमील और जनसंख्या 4,00,000 है। कुवेत नगर इसकी राजधानी है।

केनिया (KENYA) : अफ्रीका महाद्वीप में स्थित यह देश हिन्द महासागर के तट से लगा हुआ है। इसके उत्तर में इथियोपिया, उत्तर-पूर्व में सोमालिया, पश्चिम में उगांडा और दक्षिण में टांगानीका है। केनिया 1963 के अंत में स्वतंत्र हुआ और अब ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का सदस्य है। यहां की मुख्य पैदावार कॉफी, चाय, अनाज, कपास, इमारती लकड़ी और खनिज पदार्थ हैं। अफ्रीका में सबसे अधिक चाय यहीं पैदा होती है।

केनिया का क्षेत्रफल 2,24,960 वर्गमील और जनसंख्या 91,94,000 है। नेरोबी यहां की राजधानी है।

केमेरून (CAMEROUN) : अफ्रीका के पश्चिमी समुद्र-तट पर नाइजीरिया, कांगो और मध्य अफ्रीकी गणराज्य के बीच केमेरून संघीय गणराज्य है। पहले यह जर्मनी का एक उपनिवेश था। 1919 में यह संयुक्त राष्ट्र की ट्रस्टीशिप में आ गया और इसके एक भाग का ब्रिटेन और दूसरे का फ्रांस प्रशासन करने लगा। 1960 में फ्रेंच केमेरून स्वतंत्र हुआ और 1961 में, ब्रिटिश केमेरून के भी स्वतंत्र हो जाने पर, दोनों भागों का संघीय गणराज्य बन गया। यहां अब प्रेज़ीडेंट का शासन है।

केमेरून संघीय गणराज्य का क्षेत्रफल 1,68,880 वर्गमील और जनसंख्या 45,60,000 है। इसकी राजधानी याओण्डे है।

कोरिया (KOREA) : पूर्वी एशिया का यह देश मंचूरिया और जापान के बीच निकले हुए एक प्रायद्वीप पर बसा है। यह देश एक हज़ार साल से अधिक समय तक एक रहा, लेकिन सन् 1948 में इसके दो भाग हो गए—एक उत्तरी कोरिया और दूसरा दक्षिणी कोरिया। उत्तरी कोरिया की

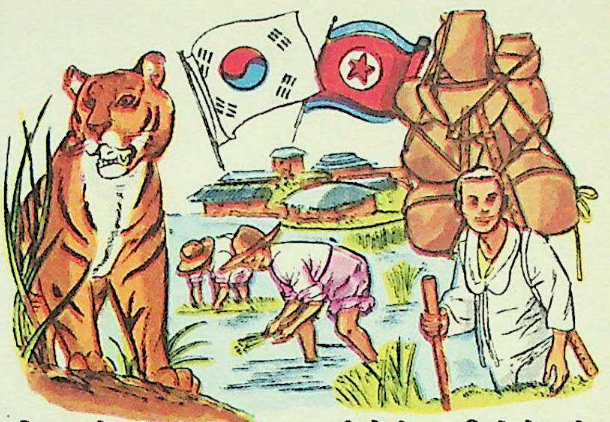

राजधानी प्योंग्यांग और दक्षिणी कोरिया की राजधानी स्यूल है। ये दोनों देश 38वीं उत्तरी अक्षांश रेखा पर एक-दूसरे से बंटे हुए हैं।

कुल मिलाकर कोरिया प्रायद्वीप बहुत छोटा है। यहां लगभग तीन करोड़ आदमी रहते हैं, जिनमें से लगभग दो-तिहाई दक्षिणी कोरिया में रहते हैं। यहां के अधिकांश निवासी खेती का काम करते हैं। कोरिया में धान खूब पैदा होता है। खेती के लायक ज़मीन दक्षिणी कोरिया में अधिक है। उत्तरी कोरिया में खानें अधिक हैं, जिनमें लोहा और कोयला मिलता है। यहां कपड़े के कई कारखाने हैं और रेशम भी खूब तैयार किया जाता है।

आधुनिक काल में पहले चीन ने और फिर जापान ने कोरिया पर राज किया। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद कोरिया फिर स्वतंत्र हुआ, लेकिन इसके दो भाग हो गए। 1950 में उत्तरी कोरिया ने दक्षिणी कोरिया पर आक्रमण किया। राष्ट्रसंघ ने दक्षिणी कोरिया की रक्षा के लिए अपनी सेनाएं भेजीं। यदि कोरिया के ये दोनों भाग आपस में मिल-जुलकर रहें तो भविष्य में बहुत उन्नति कर सकते हैं।

कोलंबिया (COLOMBIA) : दक्षिणी अमरीका में इक्वेडोर और पेरू के उत्तर में कोलंबिया राज्य है। इसका नाम कोलंबस के नाम पर कोलंबिया पड़ा। इसका क्षेत्रफल 4,39,519 वर्गमील और जनसंख्या 1,29,39,000 है।

कोलंबिया में ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और पठार हैं। निचले स्थानों में गर्मी बहुत पड़ती है और वर्षा भी अधिक होती है। यहां ऐंडीज़ पर्वत की अधिकांश चोटियां बर्फ से ढकी रहती हैं। पठार और पहाड़ों की तराई के इलाकों में जलवायु अच्छी रहती है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

कोलंबिया के कुछ दृश्य

कोलंबिया के कुछ लोग स्पेनी हैं, कुछ नीग्रो। दक्षिण-पूर्वी भागों में आदिवासी इंडियन लोग भी रहते हैं। कोलंबिया की राजधानी बोगोटा है। बोगोटा की आबादी दस लाख से अधिक है। इसे पहले-पहल स्पेन के निवासियों ने बसाया था। आज भी यहां की भाषा और कुछ रीति-रिवाज स्पेनी ही हैं।

कोलंबिया की मुख्य पैदावार कॉफी है। कॉफी के अलावा गेहूं, जई, जौ, आलू, गन्ना, चावल, तंबाकू, कपास और केला भी उगाया जाता है।

तेल और खनिज पदार्थों की दृष्टि से यह देश अत्यन्त समृद्ध है। दुनिया में पन्ने की सबसे अधिक प्रसिद्ध खानें कोलंबिया में ही हैं। यहां चांदी, सोना और प्लैटिनम की खानें भी हैं।

क्यूबा (CUBA) : मेक्सिको की खाड़ी और कैरिबियन सागर के बीच स्थित देश क्यूबा को कभी-कभी 'चीन का द्वीप' कहा जाता है। यहां लगभग हर खेत में गन्ना ज़रूर बोया जाता है। क्यूबा पश्चिमी द्वीपसमूह का एक द्वीप है। इसका क्षेत्रफल 44,217 वर्गमील और जनसंख्या 67,43,000 है।

क्यूबा पर पहले स्पेन का शासन था। उन्नीसवीं सदी के अन्त में यह स्वतन्त्र हुआ। अब भी यहां के लोग स्पेनी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाएं बोलते हैं। स्वतन्त्र होने के बाद भी क्यूबा की स्थिति खराब ही रही है। चीनी-उद्योग में विदेशी कम्पनियों का भी रुपया लगा हुआ है। सिर्फ चीनी-उद्योग पर ही निर्भर रहने के कारण जब चीनी का भाव गिर जाता है तब क्यूबा गरीब हो जाता है।

क्यूबा की जलवायु बड़ी अच्छी है और मिट्टी बहुत उपजाऊ है। गन्ने के अलावा यहां केले और अनन्नास खूब होते हैं। तांबा, लोहा, निकल और कुछ दूसरी धातुएं निकाली जाती हैं।

क्यूबा की राजधानी हवाना की आबादी लगभग दस लाख है। यह एक सुन्दर बन्दरगाह भी है। शहर में अनेक ऐतिहासिक इमारतें हैं जिन्हें सैलानी बड़े चाव से देखते हैं। हवाना में सिगार बनाने के कई कारखाने हैं। हवाना के सिगार संसार में प्रसिद्ध हैं।

डा० फिदेल कास्त्रो की वर्तमान वामपक्षी सरकार कम्यूनिस्टों और रूस की समर्थक है।

गाबून (GABOON) : अफ्रीका महाद्वीप के अटलांटिक सागर-तट से लगा यह देश भूमध्य रेखा के पास स्थित है। 1960 से यह स्वतंत्र गणराज्य है और फ्रेंच राष्ट्रकुल का सदस्य है। इसका क्षेत्रफल 1,03,000 वर्गमील और जन-संख्या 4,52,000 है। लिब्रेविले इसकी राजधानी है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ग्रीनलैंड (GREENLAND) : यह संसार का सबसे बड़ा द्वीप है। चूंकि आस्ट्रेलिया की गणना एक महाद्वीप के रूप में होती है, इसलिए ग्रीनलैंड को ही संसार का सबसे बड़ा द्वीप माना जाता है। यह उत्तरी अमरीका और यूरोप के बीच में स्थित है। इसका सबसे उत्तरी भाग उत्तरी ध्रुव के बहुत पास है।

ग्रीनलैंड की जनसंख्या बहुत ही कम—केवल पचीस हज़ार और क्षेत्रफल 8,39,782 है। यहां के निवासियों में से अधिकांश एस्कीमो हैं। कुछ डेन लोग भी यहां बसते हैं। यह डेनमार्क के अधिकार में है।

ग्रीनलैंड का अधिकांश भाग बर्फ से ढका हुआ है। बर्फ कहीं-कहीं एक मील तक मोटी है। इसके किनारे-किनारे ज़मीन की एक पतली पट्टी है जहां लोग रहते हैं। कहीं-कहीं बर्फ समुद्र के किनारे तक फैली हुई है। ग्रीनलैंड में कई महत्त्वपूर्ण मौसम केन्द्र हैं, जिनकी सूचना के आधार पर यूरोप और अमरीका के मौसम-वैज्ञानिक मौसम की भविष्यवाणी करते हैं। अब ग्रीनलैंड आर्कटिक के पार उड़नेवाले विमानों के लिए मार्ग में रुकने का अड्डा बनता जा रहा है।

ग्रीस (GREECE) : भूमध्य सागर में बाल्कन प्रायद्वीप पर बसा यह देश अपनी प्राचीन सभ्यता के लिए प्रसिद्ध है। हम इस प्राचीन देश को यूनान के नाम से जानते हैं।

आधुनिक काल में सन् 1830 में ग्रीस तुर्की की अधीनता से मुक्त हुआ। तब से आम तौर से यहां राजतन्त्र कायम है। लेकिन शासन में राजा को सीमित अधिकार ही प्राप्त हैं।

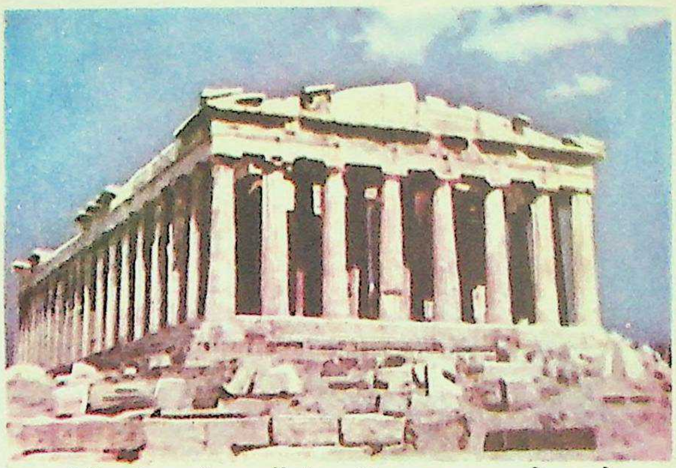

ऐथेंस के समीप पार्थेनॉन मंदिर का भग्नावशेष, जो प्राचीन यूनानी स्थापत्यकला का श्रेष्ठतम उदाहरण है।

ग्रीस का क्षेत्रफल लगभग 51 हज़ार वर्गमील है और जनसंख्या लगभग 81 लाख है। इसकी राजधानी ऐथेन्स है। ग्रीस के निवासी आज भी खेती-बारी पर ही निर्भर करते हैं। लेकिन ग्रीस में इतने अधिक पहाड़ और झीलें हैं कि खेती के लायक बहुत कम जगह बच पाती है। ग्रीस में उद्योग-धंधों का विकास बहुत कम हो पाया है। यहां जैतून, अंगूर, नारंगी आदि फल काफी होते हैं। समुद्र के किनारे के लोग मछलियां पकड़ते हैं और स्पंज इकट्ठा करते हैं। संसार में केवल दो देशों को छोड़कर ग्रीस के पास सबसे अधिक मालवाही जहाज़ हैं।

ग्रेट ब्रिटेन (GREAT BRITAIN) : इसका पूरा नाम 'द यूनाइटेड किंगडम ऑव ग्रेट ब्रिटेन एण्ड नॉर्दर्न आयरलैंड' है। यह यूरोप महाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में ब्रिटिश द्वीप-समूह में स्थित है। ग्रेट ब्रिटेन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड शामिल हैं।

आधुनिक ग्रीस के कुछ दृश्य

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ग्रेट ब्रिटेन का झंडा

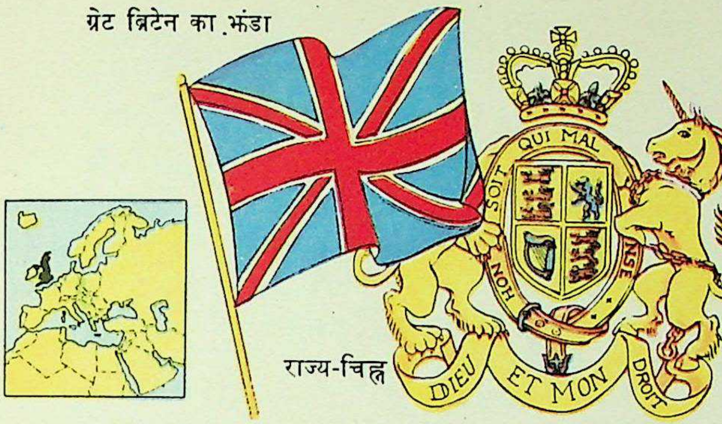

ग्रेट ब्रिटेन एक छोटा-सा लेकिन घनी ग्राबादी वाला देश है। इसका क्षेत्रफल 94,511 वर्गमील ग्रौर जनसंख्या लगभग 5,27,00,000 है। इसकी राजधानी लंदन है।

ग्रेट ब्रिटेन में खेती बहुत ग्रच्छी होती है। गेहूं, राई, जौ, ग्रालू, शलजम, चुकन्दर ग्रौर चेरी यहां की मुख्य उपजें हैं। यहां फलों के बड़े-बड़े बगीचे भी हैं, ग्रौर पशु-पालन भी बड़े पैमाने पर किया जाता है। लेकिन इन सब चीज़ों से ब्रिटेन की ज़रूरतें पूरी नहीं होतीं ग्रौर इसे ग्रपना ग्राधी ज़रूरत की चीज़ें विदेशों से मंगवानी पड़ती हैं।

ग्रेट ब्रिटेन उद्योग-प्रधान देश है, लेकिन यहां कच्चे माल की कमी है। ग्रपने बड़े-बड़े कारखानों के लिए इसे कच्चा माल बाहर से खरीदना पड़ता है। इसके बदले यह मशीनें, मोटर कारें, हवाई जहाज़, रसायन, कपड़ा ग्रौर लोहे व इस्पात का तैयार सामान बाहर भेजता है। ब्रिटेन जहाज़-निर्माण उद्योग का बहुत बड़ा केन्द्र है। लंकाशायर ग्रौर मैंचेस्टर की कपड़ा मिलें विश्वविख्यात हैं।

ग्रेट ब्रिटेन के मुख्य बन्दरगाह लन्दन, लिवरपूल, ब्रिस्टल, साउथैम्पटन ग्रौर मैंचेस्टर हैं। ग्रेट ब्रिटेन के मालवाही जहाज़ दूसरे देशों का सामान ढोकर ग्रच्छी ग्रामदनी कर लेते हैं। ग्रेट ब्रिटेन एक उन्नत ग्राधुनिक देश है, ग्रौर संसार की प्रमुख शक्तियों में से एक माना जाता है।

ब्रिटिश द्वीपसमूह का सबसे बड़ा द्वीप ग्रेट ब्रिटेन है। इंग्लैंड ग्रेट ब्रिटेन द्वीप के ग्रधिकांश दक्षिणी भाग में फैला हुग्रा है। इंग्लिश चैनल ग्रौर उत्तरी सागर इंग्लैंड को यूरोप महाद्वीप से ग्रलग करते हैं।

इंग्लैंड की ग्राबादी चार करोड़ से ग्रधिक है। ग्रधिकांश लोग शहरों में रहते हैं। ग्रकेले लन्दन की ग्राबादी लगभग ग्रस्सी लाख है। फिर भी बहुत-से लोग गांवों में रहते हैं ग्रौर खेती करते हैं। यहां का जलवायु सुहावना है। समुद्र के कारण गर्मियों में गर्मी ग्रौर जाड़ों में सर्दी दूसरी जगहों के मुकाबले कुछ कम पड़ती है। पछुग्रा हवाग्रों से वर्षा काफी होती है। इंग्लैंड के पूर्वी भाग में गेहूं की फसल काफी ग्रच्छी होती है।

उन्नीसवीं सदी की प्रसिद्ध ग्रौद्योगिक क्रांति के समय यहां कोयले की खानों के समीप बड़े-बड़े कारखाने बन गए थे। ग्राज इंग्लैंड की गणना दुनिया के चोटी के ग्रौद्योगिक क्षेत्रों में की जाती है। लोहे ग्रौर इस्पात के उद्योग के लिए बर्मिघम ग्रौर चीनी के बरतनों के लिए स्टोक दुनिया-भर में विख्यात हैं। शेफील्ड, डॉनकेस्टर ग्रौर न्यूकैसल इंजीनियरिंग का भारी सामान बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। सूती ग्रौर ऊनी कपड़ा लंकाशायर ग्रौर यार्कशायर में बनता है। जहाज़ बनाने के कारखानों की दृष्टि से इंग्लैंड दुनिया के सबसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।

वेल्स इंग्लैंड के पश्चिम में है। इसका ग्रधिकांश भाग पहाड़ी है ग्रौर यहां वर्षा बहुत होती है। यहां के ग्राधे से ग्रधिक लोग दक्षिणी किनारे के निचले इलाकों में रहते हैं। बाकी लोगों में से ग्रधिकांश उत्तरी किनारे के निचले

इंग्लैंड के गांवों की पुरानी रूपरेखा अब भी कायम है।

शहरों में बड़े-बड़े कारखाने निर्यात का माल तैयार करते हैं।

प्रदेश में रहते हैं। पहाड़ी इलाकों में ग्राबादी बहुत कम है। वहां खेती के योग्य ज़मीन बहुत कम है। ढलानों पर घास के ग्रच्छे मैदान हैं जिनमें पशु पाले जाते हैं।

दक्षिणी किनारे के पास ही ब्रिटेन की कोयले की सबसे बड़ी खानें हैं। पहले यहां लोहे की खुदाई भी की जाती थी, लेकिन ग्रब लोहा बाहर से मंगाया जाता है। कार्डिफ वेल्स की राजधानी, प्रमुख नगर ग्रौर बन्दरगाह है। दक्षिणी वेल्स में तेल साफ करने के कारखाने भी हैं।

स्कॉटलैंड इंग्लैंड के बाद ग्रेट ब्रिटेन द्वीप का सबसे बड़ा भाग है। यह इंग्लैंड के उत्तर में है।

उत्तरी स्कॉटलैंड पहाड़ी है। यहां ऐसी ज़मीन कम है जिसपर खेती की जा सके, इसलिए यहां की ग्राबादी भी कम है। यहां के लोग दक्षिणी स्कॉटलैंड के निवासियों से बहुत भिन्न हैं। ये गैलिक भाषा का प्रयोग करते हैं जो दक्षिण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

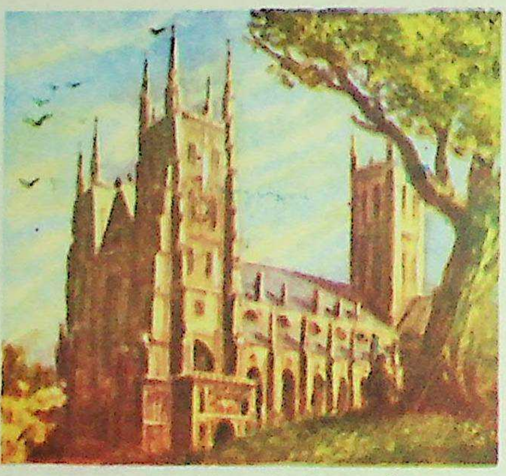
इंग्लैंड का प्रसिद्ध कैंटरबरी कैथेड्रल (गिरजा)।

के लोगों की समझ में नहीं आती। उत्तरी स्कॉटलैंड के लोगों का मुख्य पेशा मछली पकड़ना है।

उत्तरी स्कॉटलैंड के दक्षिण में उपजाऊ ज़मीन की एक तंग पट्टी चली गई है। स्कॉटलैंड की तीन-चौथाई जनता इसी भाग में रहती है। यहां के लोग गेहूं, जई और जौ की खेती करते हैं।

दक्षिणी स्कॉटलैंड के ऊंचे पठारी इलाकों में पशु-पालन होता है, और निचले स्थानों में उद्योग विकसित हो चुके हैं। पश्चिमी भाग में दस लाख से अधिक आबादी वाला औद्योगिक महानगर ग्लासगो है। पास ही क्लाइड नदी के किनारे ब्रिटिश द्वीपसमूह के जहाज़ बनाने के सबसे बड़े कारखाने हैं। प्रसिद्ध जलपोत 'क्वीन एलिज़ाबेथ' का निर्माण यहीं हुआ था। ग्लासगो के आसपास और अनेक औद्योगिक नगर हैं जिनमें इंजीनियरिंग का सामान, कपड़ा और जहाज़ बनाने के कारखाने हैं।

ग्वाटेमाला (GUATEMALA) : मध्य अमरीका में स्थित यह गणराज्य उत्तर और पश्चिम में मेक्सिको, पूर्व में ब्रिटिश होण्डुरास और दक्षिण-पश्चिम में प्रशांत महासागर से घिरा है। इसका क्षेत्रफल 42,042 वर्गमील और जनसंख्या 42,78,350 है। इसकी राजधानी ग्वाटेमाला है। प्राचीन मय सभ्यता कभी इसी जगह फूली-फली थी। यह कृषि-प्रधान देश है और मुख्य रूप से कॉफी और केले निर्यात करता है।

घाना (GHANA) : पश्चिमी अफ्रीका में गिनी की खाड़ी पर स्थित घाना गणराज्य पहले गोल्ड कोस्ट कॉलोनी कहलाता था और ब्रिटेन के अधीन था। 1957 में यह स्वतंत्र हुआ और 1960 से यहां गणराज्य व्यवस्था है। पहले का ब्रिटिश टोगोलेंड भी अब इसीके अंतर्गत है। यह देश खनिज पदार्थों की दृष्टि से बहुत समृद्ध है और यहां सोना, मैंगनीज़, बॉक्साइट और हीरे भी पाए जाते हैं। यहां जंगल बहुत हैं और अब रबड़ के पेड़ बड़ी संख्या में लगाए जा रहे हैं। घाना दूसरे देशों को मैंगनीज़, कोको, इमारती लकड़ी, सोना और हीरे निर्यात करता है।

इसका क्षेत्रफल 92,100 वर्गमील और जनसंख्या 71,00,000 है। अक्रा यहां की राजधानी है।

चाड (CHAD) : अफ्रीका महाद्वीप पर भूमध्य रेखा के पास स्थित यह देश पहले फ्रांस के अधीन था। 1960 से यह एक स्वतंत्र गणराज्य है। यहां मुख्य रूप से रूई और धान पैदा किया जाता है और पशुपालन होता है। इसका क्षेत्रफल 4,95,000 वर्गमील और जनसंख्या 30,00,000 है। फोर्ट लैमी इसकी राजधानी है।

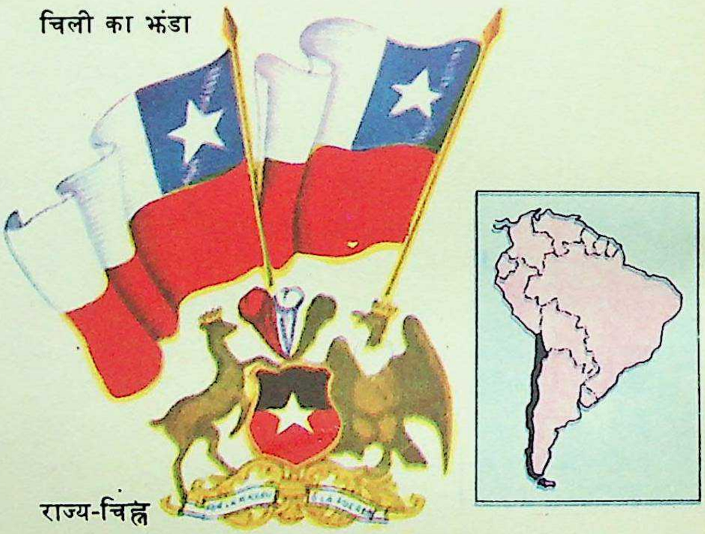

चिली (CHILE) : दक्षिण अमरीका में स्थित यह देश प्रशान्त महासागर के किनारे-किनारे 2600 मील की लम्बाई में फैला हुआ है। यह देश चौड़ा बहुत कम है। यह किसी भी स्थान पर 250 मील से अधिक चौड़ा नहीं है। इसका क्षेत्रफल 2,86,396 वर्गमील और जनसंख्या 69,41,000 है। चिली की राजधानी सैंटियागो है।

चिली के कुछ दृश्य
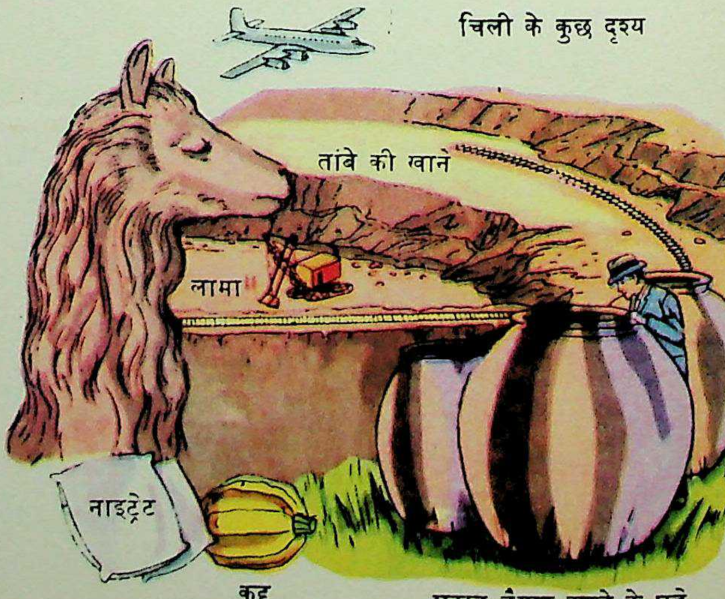

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

चिली भूमध्य रेखा के दक्षिण में है, इसलिए इसका उत्तरी भाग गरम और दक्षिणी भाग ठंडा रहता है। चिली का अधिकांश भाग पहाड़ी है। लेकिन देश के अधिकतर लोग विशाल केंद्रीय घाटी में रहते हैं। घाटी की जलवायु बड़ी अच्छी है और ज़मीन उपजाऊ है। यहां की मुख्य पैदावार गेहूं, फल और जैतून है। यहां पशु-पालन भी होता है। चिली की राजधानी सैंटियागो विश्व की सुन्दर-तम राजधानियों में से एक है। इसकी अलामेदा नामक सड़क अपनी सुन्दरता के लिए विश्वप्रसिद्ध है।

केन्द्रीय घाटी के उत्तर में विशाल रेगिस्तान है। इस रेगिस्तान में एक महत्त्वपूर्ण रासायनिक खाद सोडा नाइट्रेट की चट्टानें बहुतायत से पाई जाती हैं। इसके अलावा यहां आयोडीन भी होता है। इस रेगिस्तान में तांबे, लोहे और सुहागे के बड़े-बड़े भंडार हैं। संसार में सबसे अधिक तांबा चिली की खानों से निकलता है।

1,500 मील लम्बी चीन की प्राचीन दीवार। इसे संसार के सात आश्चर्यों में माना जाता है।

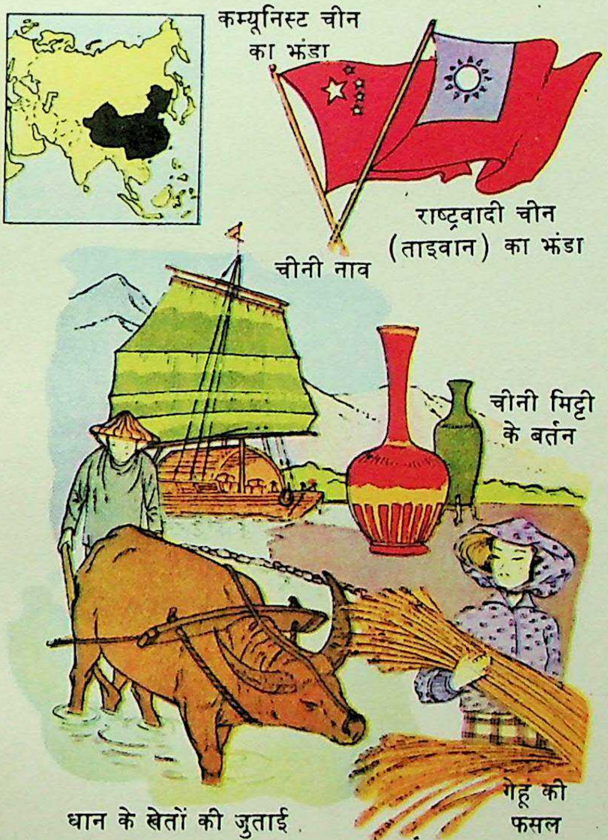

चीन (CHINA) : जनसंख्या की दृष्टि से चीन दुनिया का सबसे बड़ा देश है। यहां की जनसंख्या लगभग 60 करोड़ है। क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में अकेला सोवियत संघ ही इससे बड़ा है। चीन का क्षेत्रफल 39,11,209 वर्गमील है। पीकिंग इसकी राजधानी है। चीनी संस्कृति लगभग तीन हज़ार वर्ष पुरानी है। लगभग दो हज़ार वर्ष पहले एक विशाल चीनी साम्राज्य स्थापित हो चुका था। चीन बाकी के सभ्य देशों से दूर होने के कारण पहले से अपनी ज़रूरतों को खुद ही पूरा करता आया है।

इस विशाल देश के अधिकांश लोग इसके दक्षिणी और कुछ लोग पश्चिमी भागों में रहते हैं। उत्तर में मंचूरिया है जिसमें काफी लोग रहते हैं। चीन के अकेले शंघाई नगर की आबादी लगभग सत्तर लाख है।

चीन में खनिज पदार्थ बहुतायत से पाए जाते हैं। यहां कोयले और लोहे की बड़ी-बड़ी खानें हैं। लेकिन मुख्य रूप से चीन एक कृषिप्रधान देश ही है। दक्षिण-पूर्वी चीन की मिट्टी वहां बहनेवाली नदियों के कारण बहुत उपजाऊ है। फिर भी, चीन के किसान बेहद गरीब हैं। जनसंख्या को देखते हुए यहां खेती करने योग्य ज़मीन की बड़ी कमी है।

चीन की मुख्य पैदावार चावल है। चावल के अलावा यहां गेहूं, मोटे अनाज और कपास की खेती भी होती है। मंचूरिया में सोयाबीन उगाई जाती है।

चीन की प्रसिद्ध दीवार 1500 मील लम्बी है, और इसकी गिनती विश्व के महान आश्चर्यों में की जाती है। यह दीवार मध्य युग में उत्तरी देशों के लुटेरे कबीलों से चीन देश की रक्षा करने के लिए बनवाई गई थी।

पहले चीन में च्यांग काई-शेक की राष्ट्रवादी सरकार

चीन ने अपने उद्योग-धंधों का खूब विकास किया है। सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र मंचूरिया में है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

चेकोस्लोवाकिया के कुछ दृश्य

थी, किन्तु सन् 1949 में शक्ति कम्यूनिस्टों के हाथ में आ गई और राष्ट्रवादियों को फारमोसा द्वीप में जाना पड़ा। अब फारमोसा, जिसे ताइवान भी कहते हैं, राष्ट्रवादी चीन के नाम से विख्यात है और उसपर राष्ट्रवादी कुओमितांग सरकार का शासन है। मुख्य चीन को कम्यूनिस्ट चीन कहा जाता है। उसपर कम्यूनिस्टों का शासन है। दोनों में घोर शत्रुता है। अभी तक राष्ट्रसंघ का सदस्य राष्ट्रवादी चीन ही है, कम्यूनिस्ट चीन नहीं। राष्ट्रवादी चीन राष्ट्रसंघ की सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य भी है और उसे विशेषाधिकार (वीटो) भी प्राप्त है।

भारत और चीन सदियों से दो पड़ोसी मित्रों की तरह रहते आए थे, लेकिन सन् 1962 में कम्यूनिस्ट चीन ने अपनी विस्तारवादी नीति के कारण भारत पर आक्रमण करके हज़ारों वर्षों से चली आती भारत-चीन मैत्री को समाप्त कर दिया। अब भी भारत की हज़ारों वर्गमील भूमि पर चीन ने कब्ज़ा कर रखा है। यही नहीं, कम्यूनिज़्म के सिद्धान्तों पर मतभेद के कारण उसने अपने मित्र सोवियत संघ तथा अन्य अधिकांश कम्यूनिस्ट देशों से भी अपने संबंध बिगाड़ लिए हैं।

चेकोस्लोवाकिया (CZECHOSLOVAKIA) : पहले विश्वयुद्ध के बाद पराजित जर्मनी और आस्ट्रिया-हंगरी के कुछ प्रदेश लेकर एक नया देश बनाया गया। इस नये देश में चेक और स्लोवाक जातियां रहती थीं, इसलिए इसका नाम चेकोस्लोवाकिया रखा गया।

चेकोस्लोवाकिया एक कम्यूनिस्ट देश है। इसका क्षेत्रफल 49,354 वर्गमील और जनसंख्या 1,32,24,000 है। यह देश समुद्र के किनारे से बहुत दूर है, लेकिन एल्ब और डैन्यूब नदियां यहां का माल समुद्र तक पहुंचाती हैं।

देश के पूर्वी भाग को स्लोवाकिया कहते हैं। अधिकांश स्लोवाक लोग यहीं रहते हैं। ये लोग प्रायः किसान हैं। यहां के लोगों का मुख्य धंधा खेती और पशु-पालन है। पश्चिमी भाग बोहेमिया के नाम से प्रसिद्ध है। यहां लोहे, कोयले, सोने, चांदी, यूरेनियम और दूसरी धातुओं की खानें हैं। प्रसिद्ध स्कोडा स्टील वर्क्स यूरोप का विशालतम इस्पात कारखाना है। यहां का शीशे और चीनी मिट्टी का सामान और बोहेमिया की बीयर दुनिया-भर में मशहूर है। यहां चुकन्दर, जई और आलू की खेती बड़े पैमाने पर होती है।

चेकोस्लोवाकिया की राजधानी प्राग (प्राहा) किसी ज़माने में बोहेमिया साम्राज्य की राजधानी था। आजकल प्राग चेकोस्लोवाकिया का सबसे बड़ा नगर है। अब भी इसमें प्राचीन बोहेमिया साम्राज्य के कुछ भग्नावशेष हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ज़ंबिया (ZAMBIA) : पूर्वी अफ्रीका का यह देश पहले उत्तरी रोडेशिया कहलाता था और रोडेशिया-न्यासालैंड संघ का एक भाग था। अक्तूबर, 1964 से यह एक स्वतंत्र गणराज्य है। ज़ंबिया ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का सदस्य है। पशु-पालन और डेरी-उद्योग यहां का मुख्य व्यवसाय है। इसकी राजधानी ल्यूसाका है।

जमेका (JAMAICA) : वेस्ट इंडीज़ का जमेका द्वीप तीन सौ वर्ष से भी अधिक ब्रिटेन के अधीन रहा। अगस्त, 1962 में इसे स्वतंत्रता प्राप्त हुई और तब से यह ब्रिटिश राष्ट्र-मंडल का सदस्य है। यहां विश्व में सबसे अधिक बॉक्साइट पाया जाता है। जमेका का क्षेत्रफल 4,411 वर्गमील और जनसंख्या 17,37,650 है। किंग्सटन इसकी राजधानी है।

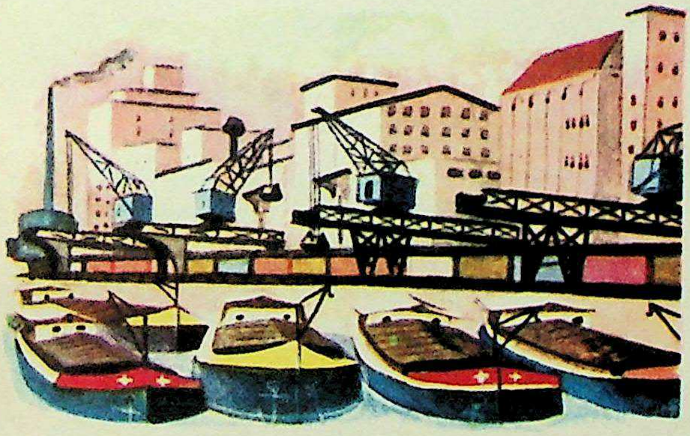

जर्मनी में राइन नदी के किनारे अनेक औद्योगिक नगर बसे हैं।

जर्मनी, पश्चिमी (WEST GERMANY) : द्वितीय विश्व-युद्ध से पहले जर्मनी यूरोप का पांचवां सबसे बड़ा देश था। किन्तु युद्ध के बाद से यह दो भागों में विभाजित है। इसका पश्चिमी भाग, जिसपर अमरीका, ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाओं का अधिकार था, 1949 में जर्मन संघीय गणराज्य घोषित कर दिया गया और मई 1955 से यह एक पूर्ण स्वतंत्र और प्रभुसत्तासम्पन्न राज्य है। इसका क्षेत्रफल 95,957 वर्ग-

राइन के तट पर एक प्राचीन जर्मन किला।

मील और जनसंख्या 5,85,87,500 है। बॉन इसकी राजधानी और हैम्बर्ग, म्यूनिख आदि इसके प्रमुख नगर हैं। बर्लिन का तीन-चौथाई भाग अब भी अमरीका, ब्रिटेन और फ्रांस के अधिकार-क्षेत्र में है। पश्चिमी जर्मनी में अनाज खपत से कम पैदा होता है, परन्तु उद्योग में यह देश बहुत बढ़ा-चढ़ा है और संसार का एक प्रमुख औद्योगिक राष्ट्र माना जाता है।

जर्मनी, पूर्वी (EAST GERMANY) : द्वितीय महायुद्ध की समाप्ति पर जर्मनी का जो भाग सोवियत रूस के अधिकार में था, वह अक्तूबर, 1949 में जर्मन जनवादी गणराज्य घोषित कर दिया गया। इसका क्षेत्रफल 41,645 वर्गमील और जनसंख्या 1,73,00,000 है। पूर्वी बर्लिन इसकी राजधानी और लीपज़िग, ड्रेस्डन आदि इसके प्रमुख नगर हैं। यहां अनाज पर्याप्त मात्रा में पैदा होता है और कागज़, वस्त्र आदि के उद्योग बहुत ही विकसित हैं। भारी उद्योग का यहां राष्ट्रीयकरण कर दिया गया है। पूर्वी जर्मनी 1955 से एक प्रभुसत्तासम्पन्न राज्य है, परन्तु पश्चिमी राष्ट्रों ने इसे अभी मान्यता नहीं दी है।

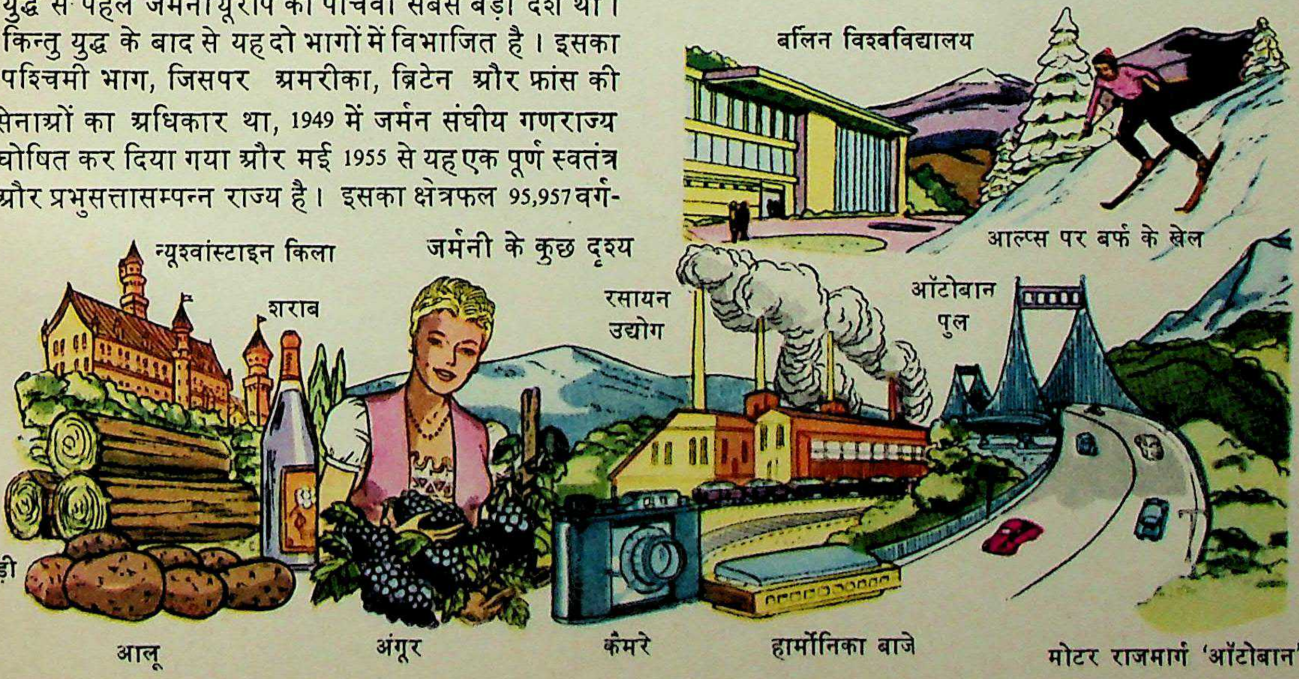

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

जापान (JAPAN) : यह उत्तरी प्रशान्त महासागर में चीन और साइबेरिया के तट के समीप के द्वीपों पर बसा एक प्राचीन देश है। कई छोटे द्वीपों के अलावा इसमें चार बड़े द्वीप हैं : होकैडो, होंशू, शिकोकू और क्यूशू। जापान का कुल क्षेत्रफल लगभग 1,42,801 वर्गमील और जनसंख्या 9,27,40,000 है। जापान संसार का सबसे घना बसा हुआ देश है।

जापान का इतिहास बड़ा पुराना है। पहले जापानी सम्राट का शासनकाल ईसा से 660 वर्ष पूर्व आरम्भ हुआ था। जापान शुरू में चीन से बहुत अधिक प्रभावित हुआ। लिखने की कला, धर्म और भवन-निर्माण कला आदि जापानियों ने चीन से सीखी। बीसवीं सदी के आरम्भ में जापान ने बड़ी उन्नति की। नये-नये उद्योग-धंधों और कल-कारखानों की स्थापना हुई। लेकिन दूसरे विश्वयुद्ध में जापान की बहुत बरबादी हुई। इसके हिरोशिमा और नागासाकी नगर परमाणु बम से जलकर राख हो गए। लेकिन अब फिर से जापान बहुत समृद्ध हो गया है।

जापान का अधिकांश भाग पहाड़ी है। इसके केवल छठे भाग में खेती हो सकती है। खेती के लायक ज़मीन की कमी के कारण यहां के निवासी अपने लिए पर्याप्त अनाज नहीं पैदा कर पाते हैं। जापान के होकैडो द्वीप में गर्मी की ऋतु छोटी और जाड़े की ऋतु लम्बी होती है। यहां जाड़े में खूब बर्फ पड़ती है। अन्य तीन बड़े द्वीपों की जलवायु कुछ अधिक गरम है। धान जापान की मुख्य उपज है। गर्मी में धान की फसल हो जाने के बाद किसान धान के ही खेतों में गेहूं जैसी जाड़े की फसलें उगाते हैं। जापान के किसान बड़े मेहनती होते हैं।

जापान में ज़्यादातर मकान लकड़ी के बने होते हैं क्योंकि यहां भूकम्प बहुत आते हैं। फर्श पर चटाइयां बिछी होती हैं। जापानी लोग घरों मे मेज़-कुर्सी जैसा सामान बहुत कम रखते हैं। ये लोग फूजीयामा पर्वत को बड़ा पवित्र मानते हैं।

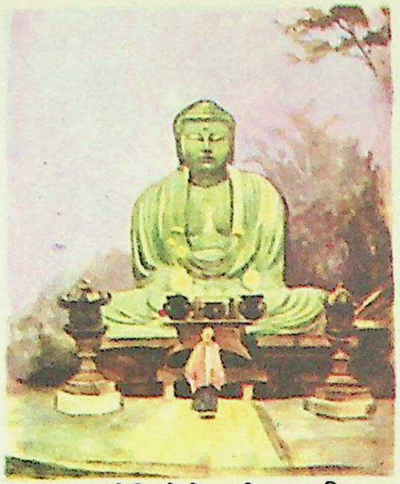

'कमाकुरा के बुद्ध'—तोकियो के समीप स्थापित बुद्ध की यह 42 फुट ऊंची मूर्ति संसार की सुन्दरतम मूर्तियों में है।

जहाज़-उद्योग में यह विश्व के प्रमुख देशों में गिना जाता है। जापान संसार में सबसे बड़ा मछली पकड़नेवाला देश है। इसके आसपास के सागर में बहुत अधिक मछलियां होती हैं।

जापान की राजधानी तोकियो संसार का सबसे बड़ा नगर है। तोकियो की जनसंख्या लगभग एक करोड़ है। जापान का रेशम-उद्योग बहुत प्रसिद्ध है। सूती कपड़ा, मशीनें, रासायनिक द्रव्य, चीनी मिट्टी की चीज़ें और कागज़ जापान दूसरे देशों को भेजता है। जापान संसार का एक प्रमुख व्यापारिक देश है।

जॉर्डन (JORDAN) : पश्चिमी एशिया में स्थित यह देश कभी तुर्कों के अधीन था। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद यह ब्रिटिश सरकार के हाथ में चला गया और ट्रांस जॉर्डन कहलाने लगा। मार्च 1946 में इसे पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त हुई

जापान के कुछ दृश्य

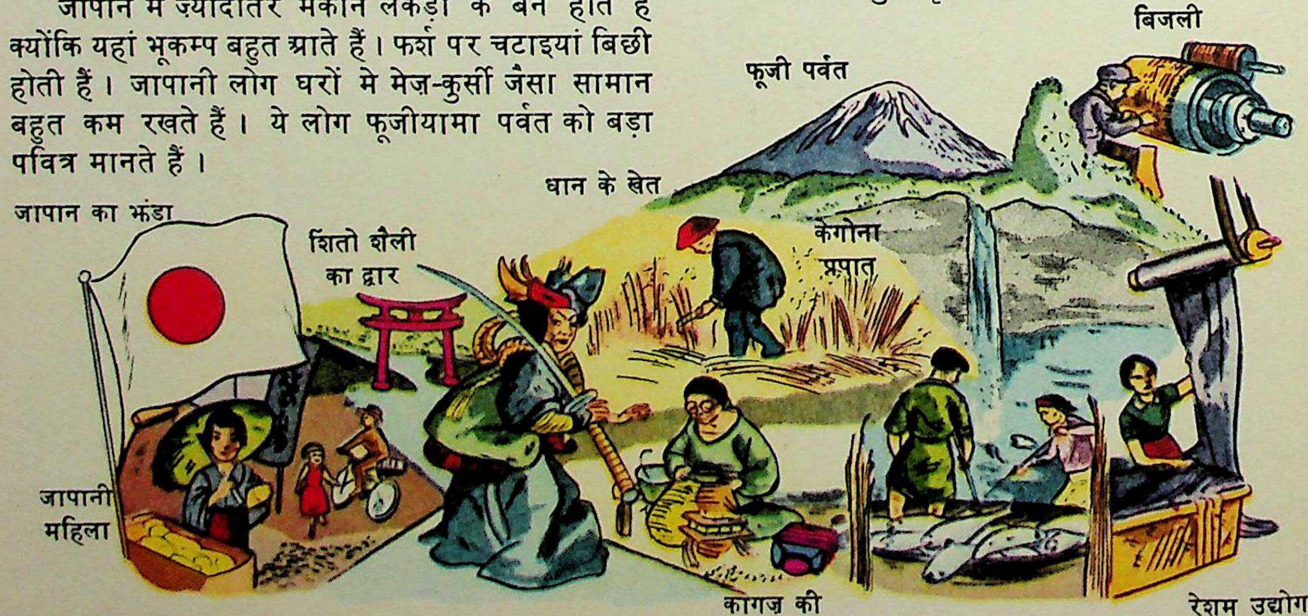

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

और यहां इस समय संवैधानिक राजतंत्र है। केवल पुरुषों द्वारा निर्वाचित एक प्रतिनिधि सभा के अतिरिक्त, यहां एक सीनेट भी है जिसके सदस्य शाह द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

जॉर्डन का क्षेत्रफल 37,500 वर्गमील और जनसंख्या 18,60,490 है। अम्मन और जेरूसलम यहां की दो राजधानियां हैं।

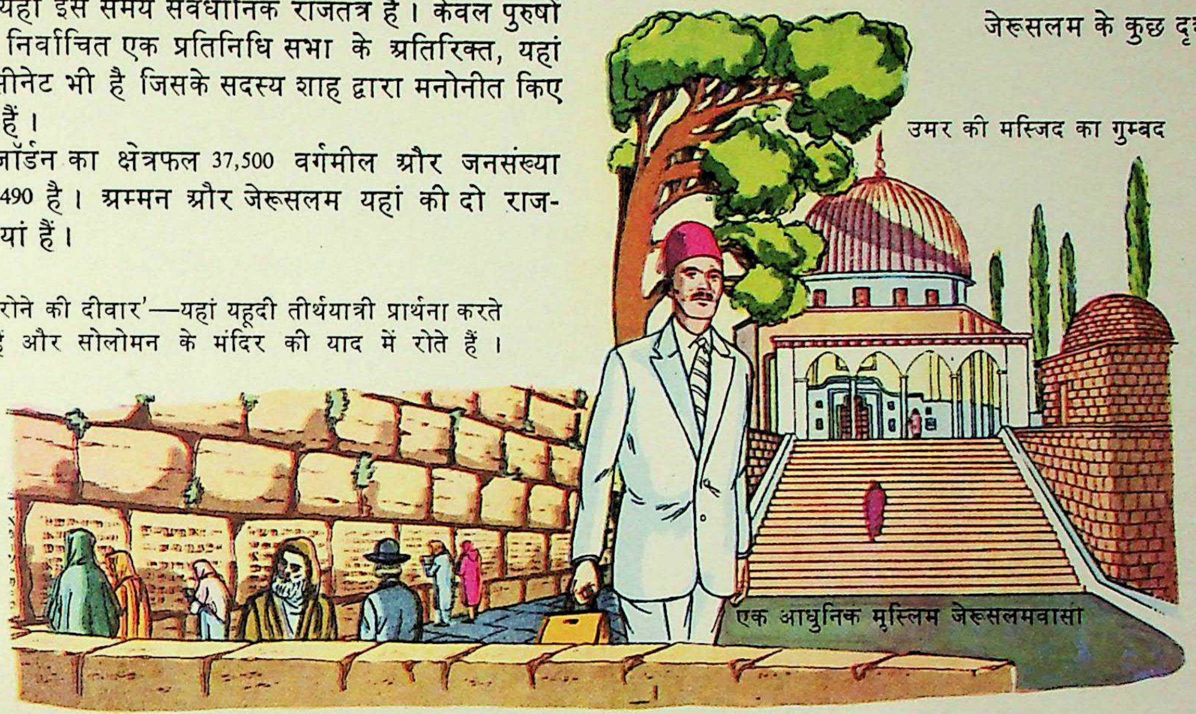

'रोने की दीवार'—यहां यहूदी तीर्थयात्री प्रार्थना करते हैं और सोलोमन के मंदिर की याद में रोते हैं।

जेरूसलम (JERUSALEM) : यह एक अत्यन्त प्राचीन और पवित्र नगर है। यह ईसाइयों, मुसलमानों और यहूदियों तीनों के लिए पवित्र है। संसार का और कोई नगर इतने अधिक धर्मों के लोगों के लिए इतना पवित्र नहीं माना जाता।

जेरूसलम ईसाइयों के लिए इसलिए पवित्र है कि ईसा मसीह ने यहां उपदेश दिया था। यहीं उन्हें सूली पर चढ़ाया गया था और बाद में यहीं दफनाया गया था तथा बाइबिल के अनुसार यहीं से उन्होंने स्वर्गारोहण किया था।

मुसलमानों के लिए यह नगर इसलिए पवित्र है कि उनके विश्वास के अनुसार मुहम्मद साहब ने यहां स्वर्गारोहण किया था।

यहूदियों के लिए जेरूसलम इसलिए पवित्र है कि यह नगर सदियों तक उनके धर्म का केन्द्र रहा है। यहीं सोलोमन ने अपना शानदार महल बनवाया था।

अरबी भाषा में जेरूसलम का अर्थ होता है 'शांति का नगर'। लेकिन इतिहास में यह नगर कभी भी शांत नहीं रहा है। रोमनों ने यहां दमन किया, मुसलमानों के ज़माने में यहां धर्मयुद्ध हुए और फिर इज़राइल का नया राज्य कायम होने पर यह नगर यहूदियों और अरबों के बीच झगड़े का कारण बना। अब यह नगर इज़राइल की राजधानी है।

हर साल संसार के कोने-कोने से ईसाई, मुसलमान और यहूदी तीर्थयात्री जेरूसलम की यात्रा करते हैं।

जोहान्सबर्ग (JOHANNESBURG) : यह दक्षिणी अफ्रीका संघ का सबसे बड़ा नगर और व्यापारिक केन्द्र है। इसके लगभग आधे निवासी गोरी जाति के हैं। यह नगर दक्षिणी अफ्रीका की सरकार की रंगभेद नीति का केन्द्र है। यहां अफ्रीकी तथा काले रंग की अन्य जातियों के लोगों को गोरों से नीची जाति का समझा जाता है और उनके साथ बहुत अधिक भेदभाव किया जाता है। महात्मा गांधी ने अपना प्रथम सत्याग्रह यहीं आरम्भ किया था।

टंज़ानिया (TANZANIA) : टांगानीका और ज़ांज़ीबार, इन दो अफ्रीकी देशों को मिलाकर 1964 में एक नये राज्य टंज़ानिया की रचना की गई। टंज़ानिया दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में स्थित है और हिन्द महासागर के तट से लगा है। नारियल, रूई और कॉफी यहां की मुख्य पैदावार है। इसका क्षेत्रफल 3,62,602 वर्गमील और जनसंख्या 1,00,00,000 है। दारेस्सलाम इसकी राजधानी है।

टोगो (TOGO) : अफ्रीका महाद्वीप में गिनी की खाड़ी के तट से उत्तर की ओर एक संकरी पट्टी चली गई है। टोगो उसीपर स्थित है। इसके पश्चिम में घाना गणराज्य और पूर्व में दहोमी है। 1960 से यह एक स्वतंत्र गणराज्य है और यहां अमरीकी ढंग का संविधान लागू है।

टोगो का क्षेत्रफल 20,400 वर्गमील और जनसंख्या 16,03,000 है। लोमे इसकी राजधानी है।

ट्यूनीशिया (TUNISIA) : अफ्रीका महाद्वीप पर यह देश अल्जीरिया और लिबिया के बीच में स्थित है और दक्षिण की ओर सहारा रेगिस्तान तक फैला है। पहले यह फ्रांस का एक संरक्षित क्षेत्र था, किन्तु मार्च, 1956 में स्वतंत्र घोषित

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

कर दिया गया। बाद में, संविधान सभा के फैसले पर, राजतंत्र को समाप्त कर यह एक गणराज्य बन गया।

ट्यूनीशिया का क्षेत्रफल 58,000 वर्गमील औग जनसंख्या 42,54,000 है। ट्यूनिस इसकी राजधानी है।

ट्रिनिडाड और टोबागो (TRINIDAD AND TOBAGO) वेस्ट इंडीज़ समुदाय के ये दो द्वीप अगस्त, 1962 से स्वाधीन हो गए हैं और अब एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में राष्ट्रमंडल के सदस्य हैं। इस राज्य का क्षेत्रफल 1,864 वर्गमील और जनसंख्या 8,71,000 है। पोर्ट ऑव स्पेन इसकी राजधानी है। गन्ना और कोको यहां की मुख्य फसलें हैं। यहां एस्फाल्ट खूब मिलता है।

डेनमार्क (DENMARK) : जर्मनी से उत्तर की ओर नार्वे और स्वीडन की दिशा में एक संकरा-सा प्रायद्वीप निकला हुआ है। डेनमार्क का कुछ हिस्सा तो इस प्रायद्वीप पर है, और बाकी आसपास के लगभग 500 टापुओं से मिलकर बना है। डेनमार्क एक ऐसा देश है जिसका कोई भी कोना समुद्र से 40 मील से अधिक दूर नहीं है।

डेनमार्क में खनिज पदार्थों की कमी है, और यहां की मिट्टी भी उपजाऊ नहीं है। लेकिन यह देश दरिद्र नहीं है। अधिकतर निवासी गाय, सूअर और मुर्गियां पालते हैं। इंग्लैंड तथा दूसरे पड़ोसी देश डेनमार्क से सूखा दूध, पनीर, मक्खन, मांस और अंडे खरीद लेते हैं। इस प्रकार डेनमार्क के लोग प्रायः सुखी हैं। जो लोग खेती या पशु-पालन नहीं करते वे शहरों के कारखानों में काम करते हैं। डेनमार्क के तटों पर बहुत बड़े पैमाने पर मछलियां पकड़ी जाती हैं।

डेनमार्क का क्षेत्रफल 16,577 वर्गमील और जनसंख्या 44,75,000 है। आबादी का चौथाई हिस्सा राजधानी कोपेनहेगन में रहता है। यहां के चीनी बर्तनों के कारखाने बड़े प्रसिद्ध हैं। कोपेनहेगन यूरोप और विश्व का एक प्रमुख बन्दरगाह है। यहां जहाज़ बनाने के कारखाने भी हैं। डेनमार्क में राजतन्त्र है।

डोमीनिकन गणराज्य (DOMINICAN REPUBLIC) : यह एक मध्य अमरीकी राज्य है जो अटलांटिक महासागर और कैरिबियन सागर के बीच हिस्पेनियोला द्वीप पर स्थित है। इसका क्षेत्रफल 19,333 वर्गमील और जनसंख्या 34,51,700 है। सांतो डोमिनो इसकी राजधानी है। यह कृषिप्रधान देश है और चीनी तैयार करना यहां का एकमात्र उद्योग है।

तिब्बत (TIBET) : नेपाल, बर्मा, भारत और पाकिस्तान के उत्तर में, हिमालय पर्वत के मध्य स्थित तिब्बत आजकल चीन साम्राज्य के अधीन है। कुछ ही वर्ष पहले यह एक स्वतन्त्र देश था।

समुद्र तल से लगभग 16,000 फुट की ऊंचाई पर बसे हुए दुनिया के इस देश को 'दुनिया की छत' कहा जाता है। यहां का प्रधान धर्म लामा मत है जो बौद्ध धर्म का एक आधुनिक रूप है। तिब्बत का क्षेत्रफल लगभग 4,63,000 वर्गमील है।

डेनमार्क के कुछ दृश्य

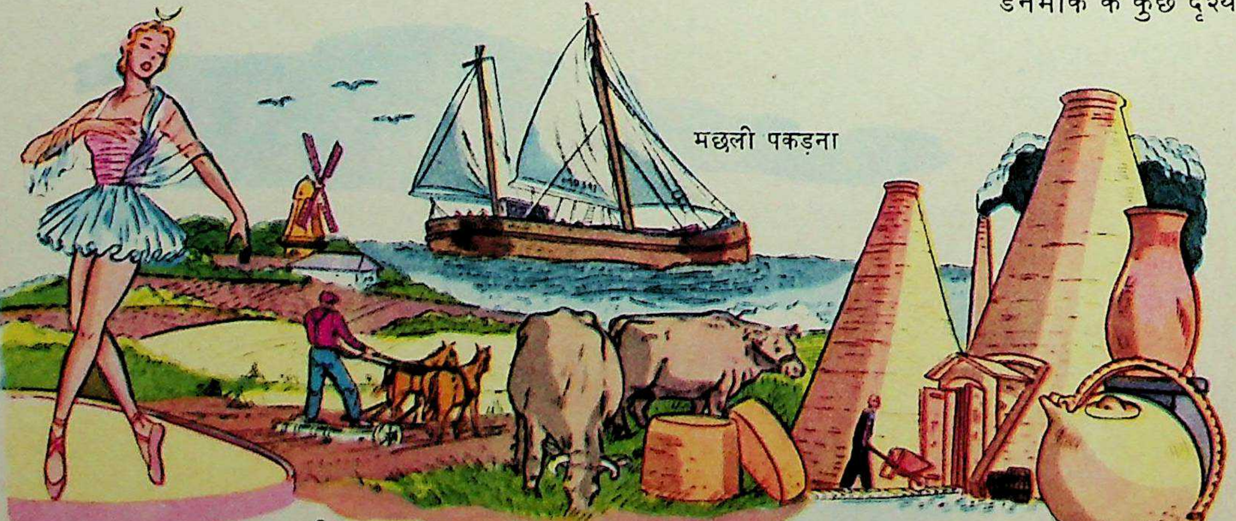

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

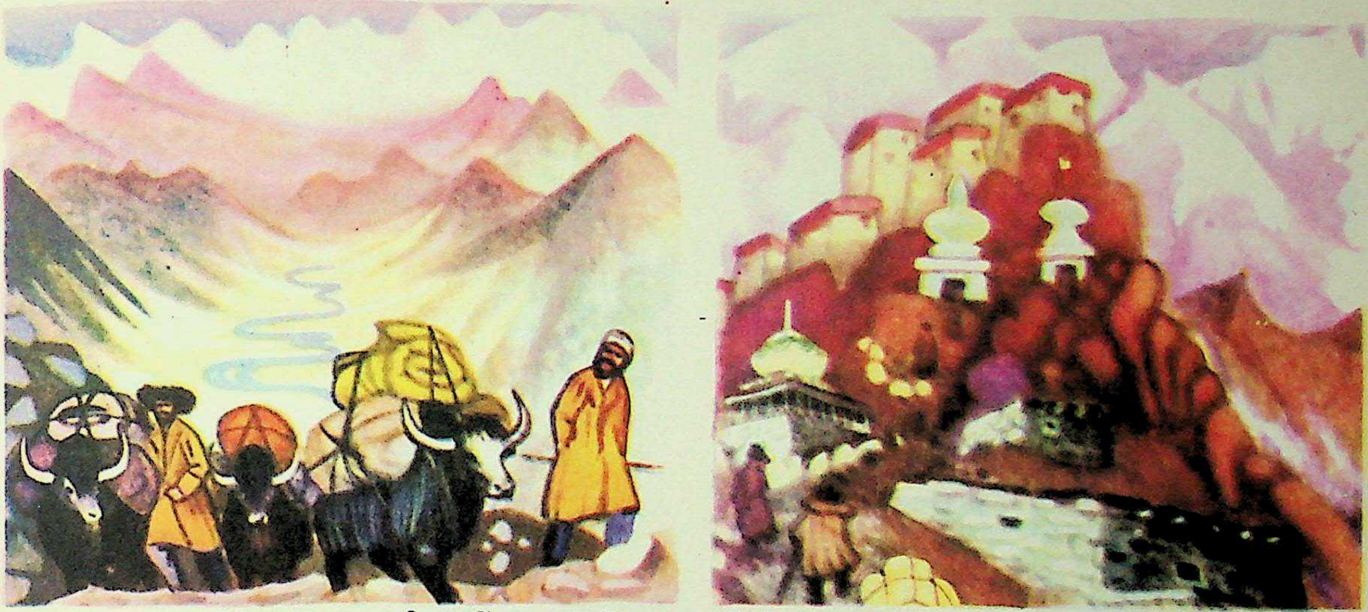

तिब्बत में याक पहाड़ों पर माल ढोने के काम आता है

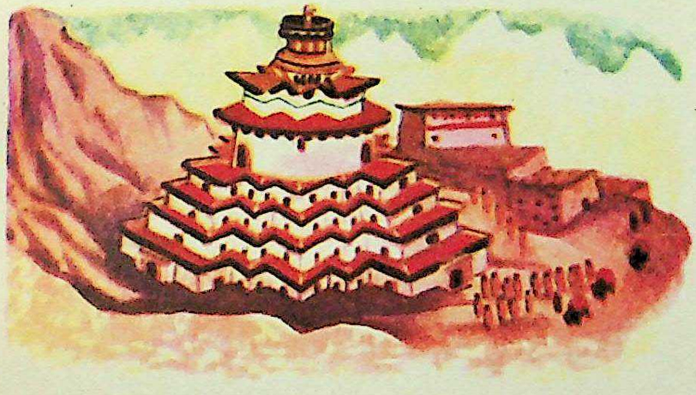

तिब्बत में ऊंचे पहाड़ों पर मंदिर और मठ हैं ।

तिब्बत का शासन 1959 तक दलाई लामा के अधीन था । सन् 1959 में तिब्बत पर चीन का पूरी तरह से अधिकार हो गया । तिब्बत के निवासियों ने विद्रोह किया जिसे चीनी फौजों ने बुरी तरह कुचल दिया । दलाई लामा ने भागकर भारत में शरण ली ।

तिब्बत एक पहाड़ी देश है और यहां जीवन बड़ा कठिन है । कठोर परिश्रम के बाद भी यहां के लोगों के लिए भर-पेट रोटी जुटाना कठिन होता है । यहां के निवासी सीधे-सादे, मेहनती और धार्मिक विचारों के हैं । कुछ लोग खेती करते हैं और कुछ भेड़ें वगैरह पालते हैं । सामान ढोने आदि के लिए यहां याक नामक चामर बैल का प्रयोग होता है ।

तुर्की (TURKEY) : भूमध्य सागर के उत्तर और काला सागर के दक्षिण-पश्चिम में तुर्की देश है । इसका क्षेत्रफल 2,96,185 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 2,47,97,000 है ।

किसी ज़माने में तुर्की विशाल तुर्क-साम्राज्य का गढ़ था । इसकी राजधानी कुस्तुंतुनिया उद्योग, व्यापार और सभ्यता का एक प्रमुख केन्द्र था । तुर्की के सुल्तानों में से अधिकतर दुर्बल साबित हुए और वे इस विशाल साम्राज्य की रक्षा न कर सके । प्रथम विश्वयुद्ध में तुर्की जर्मनी की तरफ से लड़ा था, इसलिए युद्ध की समाप्ति पर इसकी बहुत-सी भूमि विजेता मित्रराष्ट्रों ने छीन ली । पहले विश्वयुद्ध के बाद तुर्की में मुस्तफा कमाल अतातुर्क पाशा का उदय हुआ । इस महान नेता ने तुर्की का नक्शा ही बदल दिया । इन दिनों तुर्की की हालत बड़ी खराब थी । बिना पढ़े-लिखे लोग अनेक प्रकार के अन्धविश्वासों के शिकार थे । मुल्ला-मौलवियों की बात आंख मूंदकर मानी जाती थी ।

कमाल पाशा ने तुर्की को एक गणतन्त्र राज्य बनाया । वे खुद उसके राष्ट्रपति बने । इसके बाद उन्होंने क्रांतिकारी सुधार आरम्भ किए । सुधारों के मामले में कमाल पाशा ने बड़ी कठोरता से काम लिया । उन्होंने धार्मिक अन्ध-विश्वासों को जड़ से नष्ट कर दिया, और विरोधियों को कुचल डाला । उन्होंने कुस्तुंतुनिया को छोड़कर अंकारा को देश की राजधानी बनाया । कमाल पाशा को आधुनिक तुर्की का राष्ट्रनिर्माता माना जाता है ।

तुर्की के अधिकांश लोग किसान हैं, या भेड़ें आदि चराते हैं । यहां अंगूर, जैतून, अंजीर, तम्बाकू, गेहूं और जौ की अच्छी पैदावार होती है ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

यहां का सबसे बड़ा नगर इस्तंबुल है जिसका नाम पहले कुस्तुंतुनिया था। यह एशिया और यूरोप का संधि-स्थल है। यह नगर बास्पोरस जलसंधि के किनारे स्थित है। तुर्की को इस जलसंधि से बहुत लाभ होता है।

तोकियो (TOKYO) : जापान की राजधानी तोकियो जापान का ही नहीं संसार का सबसे बड़ा नगर है। इसकी जनसंख्या लगभग एक करोड़ है।

सन् 1100 के आसपास जापान में येदो नामक एक छोटा-सा गांव बसा था। सन् 1868 में जापान के सम्राट ने इस गांव को देश की राजधानी बनाने का निश्चय किया। राजधानी बनते ही यह गांव तेज़ी से फैलने लगा। येदो नामक वह छोटा-सा गांव ही आज का तोकियो है।

सन् 1923 में सारा संसार यह सुनकर विस्मित रह गया था कि तोकियो महानगर का आधा भाग भयंकर भूकम्प से नष्ट हो गया। लेकिन तोकियो के मेहनती लोगों ने लगन और उत्साह से अपने नगर को फिर से बसा लिया। तोकियो एक महानगर है जिसका मध्यवर्ती भाग एकदम आधुनिक है। इस मध्यवर्ती भाग के बाहर संकरी गलियों और नहरों का जाल-सा बिछा हुआ है। यहां बहुत-

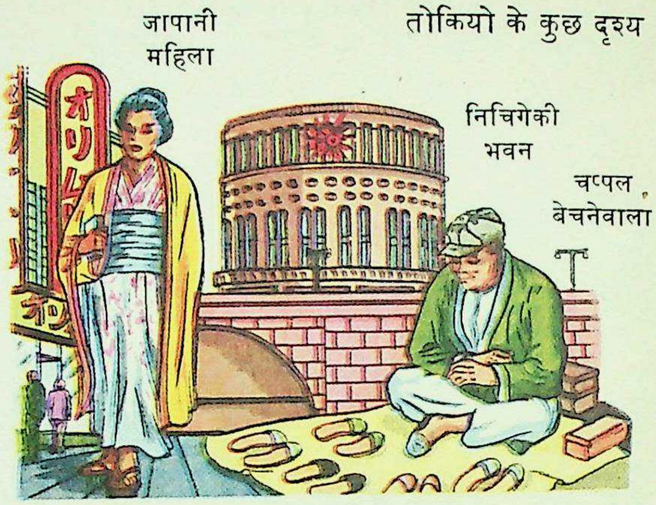

से मकान लकड़ी के बने हुए हैं। इस भाग को एक तरह से पुराना तोकियो कहा जा सकता है।

तोकियो समुद्र के किनारे स्थित है, लेकिन इसके पास का समुद्र इतना छिछला है कि महासागरों में जाने वाले जहाज़ यहां नहीं आ सकते। महासागरों के जहाज़ योकोहामा बन्दरगाह में आते हैं।

तोकियो उद्योगप्रधान नगर है। यहां जहाज़ों, मोटर-कारों और कपड़े के कारखाने हैं। यह एक प्रमुख व्यापारिक नगर भी है। आसपास की निचली ज़मीन में खेती होती है। तोकियो में एक महत्त्वपूर्ण हवाई अड्डा भी है। सम्राट का दर्शनीय राजमहल भी इसी नगर में है।

थाईलैंड (THAILAND) : अधिकांश लोग थाईलैंड को इसके प्राचीन नाम 'स्याम' से जानते हैं। इसके नये नाम थाईलैंड का अर्थ है, 'थाई लोगों का देश'।

थाईलैंड के चारों ओर कम्बोडिया, लाओस, बर्मा और मलयेशिया आदि देश हैं। भूमध्य रेखा से अधिक दूर न होने के कारण यहां की जलवायु गरम है। अधिकांश स्थानों में वर्षा अधिक होती है। थाईलैंड का क्षेत्रफल 1,98,270 वर्गमील और जनसंख्या 2,27,50,000 है।

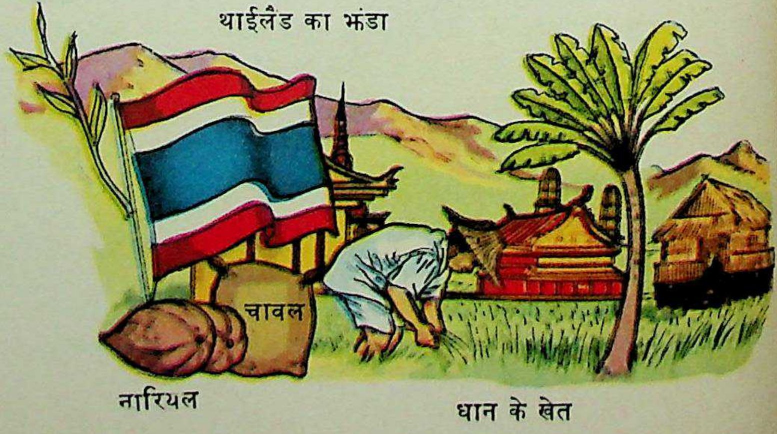

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

इस देश के तिहाई भाग में घने जंगल हैं। जंगलों में टीक लकड़ी बहुतायत से पाई जाती है। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में लकड़ी चीरने की बहुत-सी मिलें हैं।

देश के दो-तिहाई किसान धान की खेती करते हैं। थाई लोगों का मुख्य भोजन मछली और चावल है। यहां से बहुत-सा चावल विदेशों को भी भेजा जाता है।

बैंकाक ही थाईलैंड का एकमात्र बड़ा नगर है। यह

थाईलैंड का प्रसिद्ध पगोडा—उषा का मंदिर

देश की राजधानी भी है। केवल 75 वर्ष पहले बैंकाक की सब सड़कें नहरों के रूप में थीं। अब बैंकाक एक आधुनिक नगर बन गया है।

दक्षिणी अफ्रीका संघ (UNION OF SOUTH AFRICA):

दक्षिणी अफ्रीका संघ चार प्रांतों—ट्रांसवाल, ऑरेंज फ्री स्टेट, नेटाल और केप ऑव गुड होप—से मिलकर बना है। इसका क्षेत्रफल 4,72,733 वर्गमील और जनसंख्या 1,58,41,000 है।

दक्षिणी अफ्रीका सोने, हीरे और यूरेनियम की खानों के लिए प्रसिद्ध है। हर साल दुनिया का आधा सोना ट्रांसवाल की सोने की खानों से आता है। हीरे की खानें किम्बरले और उसके आसपास हैं।

दक्षिणी अफ्रीका की जलवायु बड़ी सुन्दर है। खेती के लिए भी यहां की ज़मीन बड़ी उपजाऊ है। मक्का और गन्ना यहां की मुख्य फसलें हैं। फल भी बड़े पैमाने पर उगाए जाते हैं। बहुत-से लोग पशु-पालन करते हैं।

इस देश के बीहड़ जंगलों में शिकार खूब मिलते हैं। यहां हिरन से लेकर शेर तक का शिकार किया जाता है। सुन्दर जलवायु, उपजाऊ ज़मीन, भरपूर खानों और घने जंगलों के कारण यहां यूरोप से बहुत लोग आकर बस गए।

दक्षिणी अफ्रीका में तीस लाख से अधिक लोग ऐसे हैं जिनके पूर्वज यूरोप से आए थे। इनके अलावा यहां कुछ लोग बांतू जाति के हैं जो अफ्रीका के दूसरे भागों से आए हैं। बहुत-से लोग उन भारतीय तथा अन्य एशियाई निवासियों की सन्तान हैं जो नेटाल के गन्ने के खेतों में काम करने के लिए लाए गए थे। चौथा वर्ग केप प्रान्त अश्वेत निवासियों का है।

दक्षिणी अफ्रीका अपनी रंगभेद-नीति के लिए बदनाम है। यहां के मुट्ठीभर यूरोपियन गैर-यूरोपियन और अश्वेत लोगों का शोषण करते हैं। महात्मा गांधी ने दक्षिणी अफ्रीका की यूरोपीय सरकार की वर्ण-भेदनीति के खिलाफ एक बड़ा आन्दोलन संगठित किया था। अपनी इसी नीति के कारण दक्षिणी अफ्रीका को सन् 1961 में राष्ट्रमंडल की सदस्यता छोड़नी पड़ी। सामान्यतः संसार के सभी समानता-प्रिय देश, और विशेष रूप से अफ्रीकी-एशियाई देश दक्षिणी अफ्रीका की रंगभेद नीति के विरोधी हैं। इस नीति के विरुद्ध अश्वेत लोग बराबर आन्दोलन करते रहे हैं, लेकिन गोरी सरकार भी बराबर अपना भीषण दमन-चक्र चलाती रही है। आज भी यहां यही हालत है।

दक्षिणी अफ्रीका की दो राजभाषाएं हैं—अंग्रेज़ी और ऐफ्रिकान्स। गोरे लोगों में से भी 60 प्रतिशत लोग ऐफ्रिकान्स बोलते हैं। इसकी दो राजधानियां हैं—केपटाउन, जहां संसद नियम बनाती है, और प्रिटोरिया, जहां सरकार उन्हें लागू करती है।

दक्षिणी अफ्रीका की हीरे की एक खान।

दक्षिणी अफ्रीका में अनेक आधुनिक फार्म हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

दमिश्क के पुराने हिस्से में हाट बाजार का एक दृश्य ।

दमिश्क (DAMASCUS) : सीरिया की राजधानी दमिश्क विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। यह नगर लगभग 4000 वर्ष, या इससे भी अधिक पुराना है। दमिश्क को 'रेगिस्तान का मोती' कहा जाता है। यह सीरिया के रेगिस्तान का एक मरूद्यान है।

पिछली अनेक शताब्दियों से यह नगर व्यापार का केन्द्र रहा है। यहां एक विश्वप्रसिद्ध मस्जिद भी है।

पन्द्रह सौ वर्ष पहले दमिश्क फौलाद से बनी चीजों के लिए प्रसिद्ध था। यहां की तलवार बड़ी मजबूत और पैनी होती थी।

दहोमी (DAHOMEY) : यह राज्य पश्चिम अफ्रीका में एक संकरी पट्टी के रूप में फैला है। इसके उत्तर में नाइजर गणराज्य और अपर वोल्टा, दक्षिण में गिनी की खाड़ी, पूर्व में नाइजीरिया और पश्चिम में टोगो गणराज्य है। दहोमी एक स्वतंत्र गणराज्य है। पहले यह फ्रेंच राष्ट्रकुल का सदस्य था, किन्तु 1960 से उससे अलग हो गया है।

दहोमी का क्षेत्रफल 47,000 वर्गमील और जनसंख्या 22,50,000 है। पोर्टो नोवो इसकी राजधानी है।

दिल्ली (DELHI) : सन् 1912 में कलकत्ता की जगह दिल्ली को भारत की राजधानी बनाया गया। विशाल इमारतों, सुन्दर पार्कों और चौड़ी सड़कों वाली भारत की यह राजधानी पुरानी दिल्ली (जिसे जहानाबाद कहते थे) की शहरपनाह के बाहर नये सिरे से बसाई गई है और नई दिल्ली कहलाती है। पुरानी दिल्ली विशाल मुगल-साम्राज्य की बहुत दिनों तक राजधानी रही है।

जमुना के किनारे बसी पुरानी दिल्ली बहुत पुरानी है। महाभारत में पांडवों की राजधानी इन्द्रप्रस्थ का वर्णन आया है। यह इन्द्रप्रस्थ दिल्ली से कुछ मील की ही दूरी पर स्थित था। प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों में से कुतुब मीनार, पुराना किला, फिरोज़शाह कोटला, हुमायूं का मकबरा, लाल किला, जामा मस्जिद आदि आज भी देखने योग्य हैं।

दिल्ली की कहानी बड़ी विचित्र है। अनेक बार देशी तथा विदेशी शासकों ने इसे लूटा, लेकिन फिर भी इसका वैभव वैसा ही है। भारत के इस महानगर की जनसंख्या लगभग 30 लाख से अधिक है। व्यापार और उद्योग दोनों की दृष्टि से इसका विशेष महत्त्व है। यह एक ऐसा केन्द्र है जो इस महादेश के प्रत्येक कोने से रेलों, बसों और हवाई जहाज़ों के द्वारा जुड़ा हुआ है। आजकल दिल्ली के विकास की कई योजनाओं पर काम हो रहा है।

नाइजर (NIGER) : मध्य अफ्रीका के पश्चिम में स्थित यह देश पहले फ्रांस के अधीन था, किंतु 1960 से यह पूर्ण स्वतंत्र है। यह गणराज्य है। इसका क्षेत्रफल 4,90,000 वर्ग-मील और जनसंख्या 31,17,000 है। नियामे इसकी राजधानी है।

नाइजीरिया (NIGERIA) : अफ्रीका के पश्चिमी किनारे पर भूमध्य रेखा के ठीक उत्तर में स्थित नाइजीरिया एक स्वतन्त्र गणराज्य है। इसका क्षेत्रफल 3,56,669 वर्गमील और जनसंख्या 3,57,00,000 है। नाइजीरिया की राजधानी लागोस है।

नाइजीरिया के किनारों के इलाके गरम हैं। इन स्थानों पर वर्षा बहुत होती है और घने जंगल हैं। पहले यहां मलेरिया बहुत होता था, लेकिन अब इस रोग पर काबू पा लिया गया है। इन इलाकों में अधिकतर नीग्रो लोग रहते और खेती करते हैं। यहां कोको बहुत पैदा होता है।

इसका भीतरी इलाका पठारी है। यहां की जलवायु बहुत अच्छी है और विशाल चरागाहों में पशु पाले जाते हैं। इस पठार में कोयले की खानें भी है। मूंगफली यहां की विशेष उपज है।

लागोस की गणना अफ्रीका के सबसे अच्छे बन्दरगाहों में की जाती है। अबादान और कानो दूसरे प्रमुख नगर हैं। नाइजीरिया सन् 1960 में स्वतन्त्र हुआ है, और तब से बराबर प्रगति कर रहा है।

नार्वे का झंडा

राज्य-चिह्न

नार्वे (NORWAY) : स्कैंडिनेविया प्रायद्वीप पर स्वीडन के उत्तर-पश्चिम में नार्वे देश है। इसका क्षेत्रफल 1,25,064

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

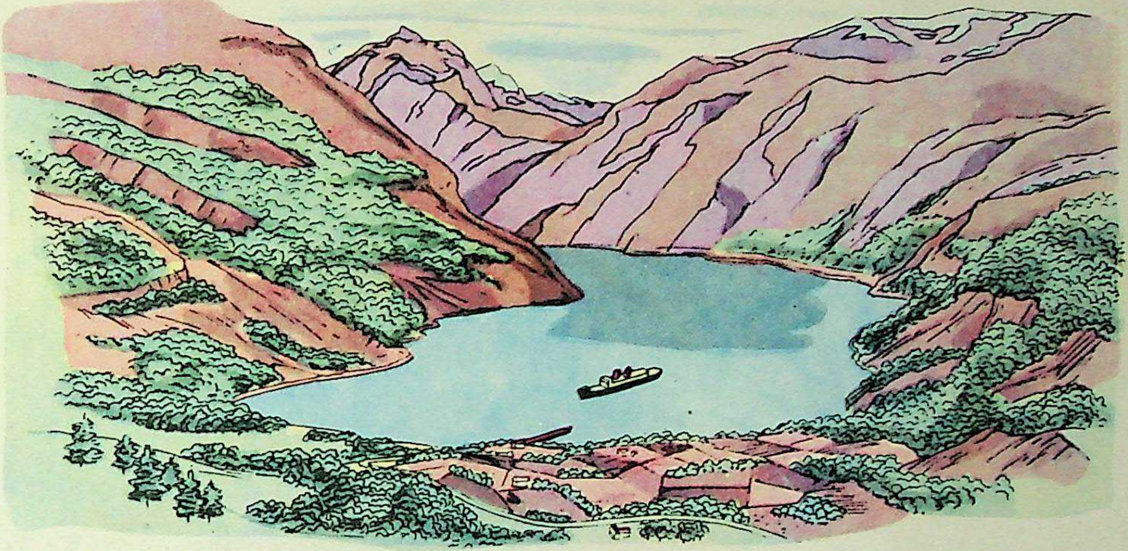

नार्वे में ऊंचे पहाड़ी किनारों के बीच समुद्र की लम्बी पतली शाखाएं चली गई हैं, जिन्हें फ़ियोर्ड कहते हैं।

वर्गमील और जनसंख्या 35,40,000 है। नार्वे के उत्तरी तट पर स्थित नोर्डकिन अन्तरीप उत्तर में यूरोप का दूरतम बिंदु है। इस अन्तरीप में छः महीने दिन-रात सूरज चमकता रहता है, और छः महीने सूरज दिन में भी दिखाई नहीं देता।

नार्वेवासी समुद्र के पुराने घुमक्कड़ हैं। कुछ लोग नावों से मछलियां मारते हैं और कुछ सुदूर दक्षिण में अंटार्कटिक प्रदेश तक ह्वेल मछली का शिकार करते घूमते हैं।

नार्वे की राजधानी और सबसे बड़ा नगर ओस्लो है। यह भी एक अच्छा बन्दरगाह है। यह सुन्दर आधुनिक नगर नार्वे के दक्षिण-पूर्वी भाग में है।

नार्वे के पश्चिमी तट पर सबसे बड़ा नगर और बंदरगाह बर्गन है। यहां बहुत-से कारखाने हैं। कुछ कारखानों में मछलियां डिब्बों में बंद की जाती हैं, और उनका तेल वगैरह निकाला जाता है। अटलांटिक महासागर से चलनेवाली गरम हवाओं के कारण पश्चिमी तट का समुद्र जमता नहीं। निचली भूमि पर आलू, जई और चरी उगाई जाती है। किसान दूध और पनीर बेचते हैं।

पहले ज़माने में नार्वे की राजधानी ट्रौंडहेम में थी। अब भी वहां के गिरजे में नार्वे के राजा-रानी का राज्याभिषेक होता है।

नार्वे की अधिकांश जनता दक्षिण-पूर्व के निचले प्रदेशों में रहती है। यहां गेहूं की फसल अच्छी होती है। इन प्रदेशों में जंगल भी हैं जिनसे कागज़ के लिए लुगदी और लकड़ी प्राप्त की जाती है।

नार्वे में कोयला कम है, मगर इस कमी को जल-विद्युत् से पूरा कर लिया गया है।

नार्वे के कुछ दृश्य

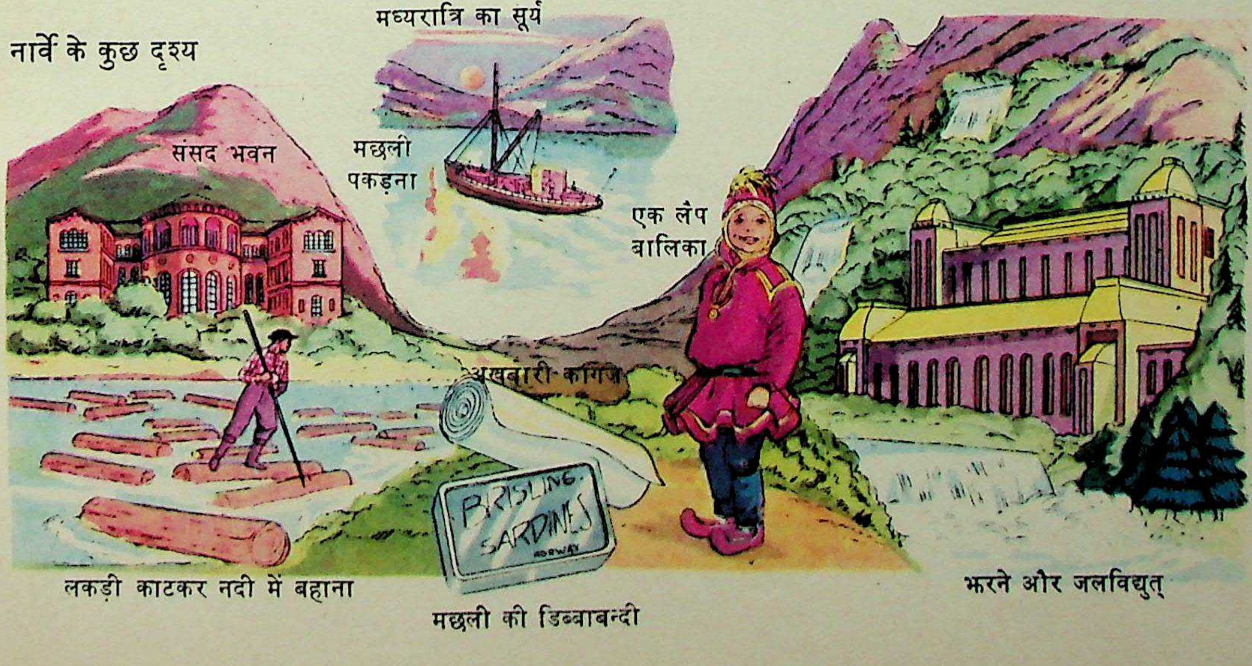

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

निकारागुआ (NICARAGUA) मध्य अमरीकी राज्यों में यह सबसे बड़ा है और कैरिबियन सागर तथा प्रशांत महासागर के मध्य में स्थित है। यह स्वतंत्र गणराज्य है और कृषि-प्रधान देश है, जिसका आधे से अधिक भाग जंगलों से ढका है। इसका क्षेत्रफल 57,145 वर्गमील और जनसंख्या 15,06,900 है। मानागुआ इसकी राजधानी है।

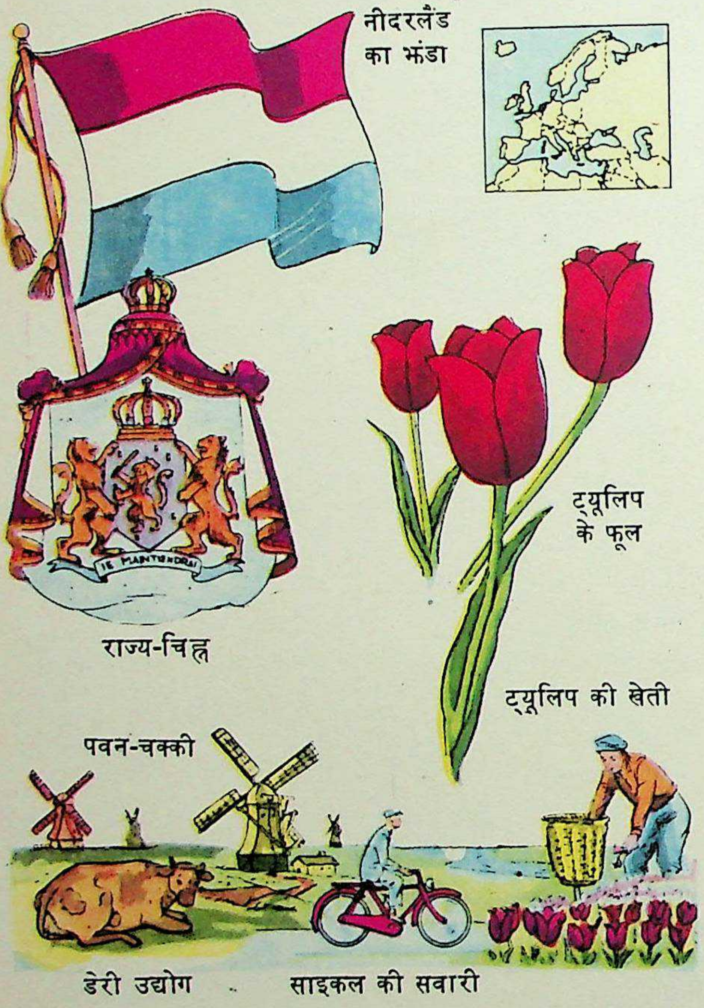

नीदरलैंड (NETHERLANDS): उत्तर-पश्चिमी यूरोप का यह छोटा-सा देश उत्तरी सागर के पूर्वी किनारे पर स्थित है। इसका क्षेत्रफल 12,482 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 1,12,59,000 है।

इस देश की आधी से अधिक भूमि समुद्र-तल से नीची है। और एक ज़माने से समुद्र इस देश को हानि पहुंचाता रहा है। लेकिन नीदरलैंड के उद्यमी निवासियों ने समुद्र से अपनी बहुत-सी भूमि वापस ले ली है। जिस ज़मीन पर पहले समुद्र का पानी भर जाता था अब वहां हरे-भरे चरागाह हैं और पशु चरते हैं। नीदरलैंड के कुशल इंजीनियरों ने समुद्र को बांध दिया है और अब उससे मनमाना काम लेते हैं। समुद्र के अलावा विश्वयुद्ध तथा दूसरे युद्धों ने भी इस देश को बड़ा तबाह किया है, लेकिन यहां के परिश्रमी निवासियों ने हर बार अपने देश को फिर से बनाया है।

नीदरलैंड में डेरी-उद्योग का सबसे अधिक महत्त्व है। यहां से क्रीम, मक्खन, पनीर, दूध की चॉकलेट और सुखाया हुआ दूध दुनिया के सब देशों को निर्यात किया जाता है।

नीदरलैंड में व्यापार और उद्योग भी खूब विकसित हैं। यहां के शहरों में अनेक कारखाने हैं जिनमें जूते, कपड़े, बिजली का सामान, चीनी के बरतन और जहाज़ बनते हैं। एम्स्टर्डम हीरों के तराशने और पालिश करने के लिए विश्वविख्यात है। रोटर्डम की गिनती यूरोप के अच्छे बन्दरगाहों और नीदरलैंड के बड़े नगरों में की जाती है। नीदरलैंड में राजतन्त्रीय शासन है।

नेपाल (NEPAL): यह हिमालय क्षेत्र में स्थित संसार का एकमात्र हिन्दू राज्य है। संसार का सर्वोच्च पर्वत शिखर 'एवरेस्ट' यहीं स्थित है। नेपाल अपने वीर गोरखा निवासियों के लिए प्रसिद्ध है। नेपाल का क्षेत्रफल 54,362 वर्गमील और जनसंख्या लगभग एक करोड़ है। काठमांडु इसकी राजधानी है। गोरखाली नेपाल की मुख्य भाषा है।

प्राकृतिक रूप से नेपाल दो भागों में बंटा है। एक तो तराई प्रदेश है, जो इसकी दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जंगल की एक पट्टी के रूप में चला गया है। कई स्थानों पर जंगल को साफ करके खेती के योग्य ज़मीन निकाल ली गई है। दूसरा है पर्वतीय प्रदेश, जो उत्तर में तिब्बत तक चला गया है। नेपाल की उत्तरी सीमा पर एवरेस्ट के अलावा मकालू, कंचनजंघा, धौलागिरि और गौरीशंकर जैसे हिमालय के सर्वोच्च शिखर स्थित हैं। काठमांडु, भाटगांव और पाटन जैसे नगर नेपाल घाटी में बसे हैं।

नेपाल अपनी ज़रूरत-भर का अनाज पैदा कर लेता है। कहा जाता है कि संसार में सबसे अच्छा चावल नेपाल में ही होता है। नेपाल कुछ अतिरिक्त अनाज भारत तथा अन्य देशों को भी भेजता है। नेपाल में सोना, चांदी, तांबा, सीसा और लोहा मिलता है, लेकिन अभी इनकी खुदाई का काम सन्तोषजनक रूप से नहीं हो रहा है।

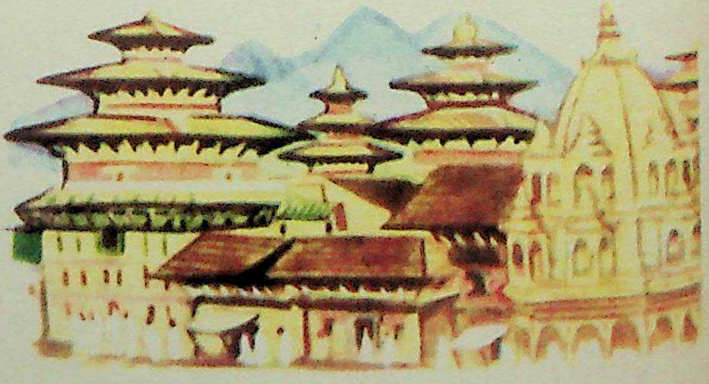

नेपाल में अनेक हिन्दू मंदिर हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

नेपाल में पहले राणा वर्ग के लोग ही प्रधान मन्त्री बनते थे और उनके हाथ में इतनी शक्ति थी कि महाराजा भी उनका विरोध नहीं कर सकते थे। अन्त में, सन् 1951 में राणाओं का शासन समाप्त हुआ। अब महाराजा महेन्द्र अपने देश में पंचायत प्रणाली की शासन-व्यवस्था का विकास कर रहे हैं।

नेपाल भारत का मित्रदेश है। 75 मील लम्बे त्रिभुवन राजपथ और 47 करोड़ रुपये की लागत की गंडक-योजना का निर्माण भारत की सहायता से हुआ है।

न्यूज़ीलैंड (NEW ZEALAND) : दक्षिण-पश्चिमी प्रशान्त महासागर में आस्ट्रेलिया से लगभग 1200 मील दूर स्थित न्यूज़ीलैंड एक सुन्दर द्वीप है। इस देश का क्षेत्रफल 1,03,740 वर्गमील और जनसंख्या 23,25,000 है। इसका सबसे बड़ा नगर आॅकलैंड और राजधानी वेलिंगटन है।

न्यूज़ीलैंड तीन द्वीपों से मिलकर बना है : उत्तरी द्वीप, दक्षिणी द्वीप और छोटा-सा स्टेवार्ट द्वीप। उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम तक न्यूज़ीलैंड में एक पर्वतमाला फैली हुई है जिसके कारण पूर्व से पश्चिम की ओर यात्रा करना कठिन है।

न्यूज़ीलैंड की जलवायु गरम है और वर्षा खूब होती है। घास के विशाल चरागाहों में भेड़ें तथा अन्य पशु पाले जाते हैं और इस देश से भारी परिमाण में ऊन, मांस और दूध से बनी चीज़ों का निर्यात होता है। यहां के घने जंगलों में इमारती लकड़ी बहुतायत से पैदा होती है।

न्यूज़ीलैंड ज्वालामुखी क्षेत्र में स्थित है। अधिकांश ज्वालामुखी अब शान्त हो चुके हैं। लेकिन जहां ज्वालामुखी थे उन क्षेत्रों में गरम पानी के चश्मे फूट आए हैं। कुछ चश्मों का पानी इतना गरम है कि उसमें चावल आदि उबाले जा सकते हैं।

न्यूज़ीलैंड में उद्योग-धंधे भी विकसित हो चुके हैं। दूध की चीज़ें बनाने और मांस को जमाने के अनेक कारखाने खुल गए हैं। चमड़ा रंगने, लकड़ी-चिराई और इस्पात के भी कारखाने यहां चालू हो चुके हैं। इस देश में कोयले, लोहे और मैंगनीज़ की खानें भी हैं।

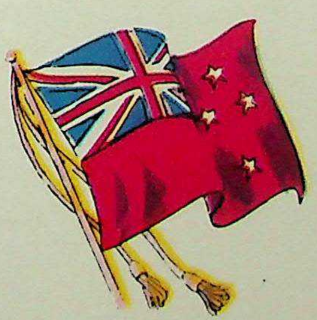

न्यूज़ीलैंड का झंडा

न्यूयार्क के कुछ दृश्य

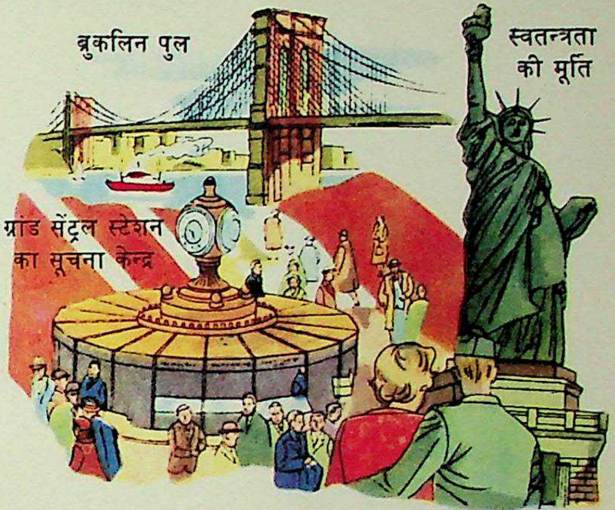

न्यूयार्क के गगनचुम्बी भवन

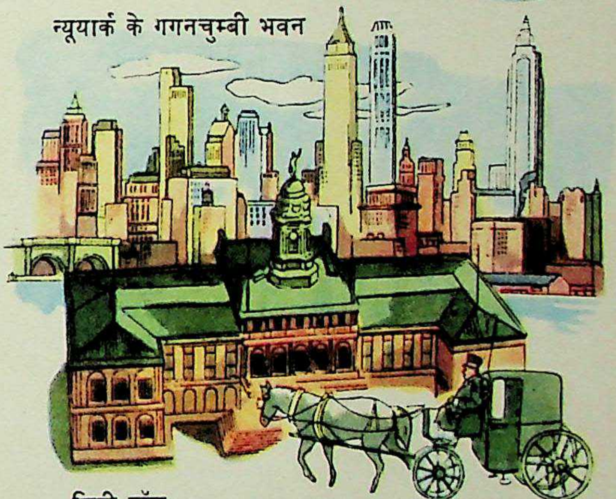

न्यूयार्क नगर (NEW YORK CITY) : न्यूयार्क अमरीका का सबसे बड़ा नगर है। संसार के महानगरों में तोकियो और लन्दन के बाद इसी की गिनती होती है। इसकी जनसंख्या लगभग 80 लाख है।

न्यूयार्क अमरीका का सबसे महत्त्वपूर्ण बन्दरगाह भी है। सन् 1609 में जब यह बसाया गया था तब यह अटलांटिक महासागर के किनारे पर बसा एक छोटा-सा कस्बा था। अगर न्यूयार्क एक बन्दरगाह न होता तो शायद यह इतना महत्त्वपूर्ण महानगर कभी न बन पाता। आजकल अमरीका का अधिकतर आयात-निर्यात इसी बन्दरगाह से होता है। न्यूयार्क नगर में हज़ारों कारखाने हैं।

सन् 1779 में न्यूयार्क को अमरीका की राजधानी बनाया गया, किन्तु लगभग 11 वर्ष बाद राजधानी यहां से हटकर पिट्सबर्ग चली गई। अब वाशिंगटन अमरीका की राजधानी है।

न्यूयार्क एक आधुनिक महानगर है। इसकी गगन-

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

चुम्बी इमारतों को देखकर आदमी को अचरज होता है। दुनिया की सबसे ऊंची इमारत एम्पायर स्टेट बिल्डिंग इसी नगर में है। इसी महानगर में रॉकफेलर केन्द्र स्थित है जो अपने-आप में एक पूरा नगर है। बन्दरगाह के किनारे विश्वविख्यात स्वतन्त्रता की प्रतिमा स्थापित है। इस महानगर में अनेक ऐतिहासिक स्मारक, भव्य इमारतें, गगनचुम्बी होटल, विशाल कारखाने, विश्वविद्यालय, नाटकघर, सिनेमाघर और नाचघर हैं, जिन्हें देखने हर साल हज़ारों लोग यहां आते हैं।

पनामा गणराज्य (REPUBLIC OF PANAMA) : यह राष्ट्र पूरी पनामा थलसंधि पर फैला है जो मध्य अमरीका को दक्षिणी अमरीका से जोड़ती है और अटलांटिक महासागर को प्रशांत महासागर से अलग करती है। पनामा नहर इसकी आय का मुख्य स्रोत है। परन्तु नहर क्षेत्र पर संयुक्त राज्य अमरीका का शासन है। इसका क्षेत्रफल 31,890 वर्गमील और जनसंख्या 12,10,150 है। पनामा इसकी राजधानी है। यहां मुख्य रूप से केले की काश्त होती है।

पर्ल हार्बर पर सन् 1941 में हुए जापानी हमले का एक दृश्य

पर्ल हार्बर (PEARL HARBOUR) : हवाई द्वीपसमूह में स्थित पर्ल हार्बर में अमरीका का नौसैनिक अड्डा है। यह विश्व के सर्वश्रेष्ठ और सबसे बड़े नौसैनिक अड्डों में से एक माना जाता है। बहुत-से जहाज़ लंगर डाल सकते हैं। बड़ी-बड़ी गोदियों में जहाज़ों की मरम्मत होती है। यहां पनडुब्बियों का एक अड्डा अलग से है। उत्तरी ध्रुव की यात्रा पर जाने वाली प्रसिद्ध परमाणुचालित पनडुब्बी नौटिलस यहीं से रवाना हुई थी। हार्बर में एक द्वीप में अमरीकी हवाई अड्डा भी है।

सन् 1941 में जापान ने पर्ल हार्बर पर हमला किया था। इस पर अमरीका भी मित्रराष्ट्रों की ओर से दूसरे विश्व-युद्ध में सम्मिलित हो गया।

पाकिस्तान (PAKISTAN) : यह एशिया का एक नया देश है। सन् 1947 में भारत के विभाजन से इसका जन्म हुआ। पाकिस्तान भारत के उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व में दो भागों में स्थित है। इन दो भागों के नाम हैं, पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान। पश्चिमी पाकिस्तान में सिन्ध, बिलोचिस्तान, उत्तर-पश्चिमी सीमाप्रांत और पश्चिमी पंजाब तथा पूर्वी पाकिस्तान में पूर्वी बंगाल, असम का सिलहट ज़िला और चटगांव सम्मिलित हैं। पाकिस्तान का क्षेत्रफल 3,64,737 वर्गमील और जनसंख्या 9.38,12,000 है। इसकी राजधानी इस्लामाबाद (रावलपिण्डी) है।

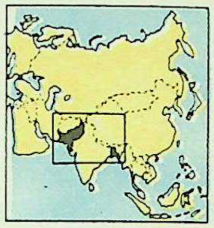

पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान एक-दूसरे से लगभग 920 मील दूर हैं। यदि कोई व्यक्ति पश्चिमी पाकिस्तान से पूर्वी पाकिस्तान जाना चाहे तो उसे या तो भारतीय प्रदेश में से होकर जाना पड़ेगा या जहाज़ से दक्षिणी भारत का चक्कर लगाकर 2650 मील की यात्रा करनी पड़ेगी। पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान में भाषा और रहन-सहन का भी बहुत बड़ा अन्तर है। पश्चिमी पाकिस्तान की भाषा उर्दू है और पूर्वी पाकिस्तान की भाषा बंगला है। पाकिस्तान की आधी जनसंख्या पूर्वी भाग में रहती है जबकि पूर्वी भाग का क्षेत्रफल पाकिस्तान के पूरे क्षेत्रफल का केवल 16 प्रतिशत है।

पश्चिमी पाकिस्तान का काफी बड़ा भाग रेगिस्तान और बंजर इलाकों से भरा हुआ है। लेकिन यहीं विशाल सिन्धु घाटी और पश्चिमी पंजाब का बहुत अधिक उपजाऊ क्षेत्र भी स्थित है। इस क्षेत्र में कई बड़ी-बड़ी नहरें हैं और सिंचाई की बहुत अच्छी व्यवस्था है। पूर्वी पाकिस्तान में केवल लुशाई का थोड़ा-सा पर्वतीय भाग शामिल है। शेष भाग गंगा और ब्रह्मपुत्र की उपजाऊ घाटी से बना है। इसका डेल्टा प्रदेश बहुत दलदल वाला है। पश्चिमी पाकिस्तान की जलवायु शुष्क है। यहां पूर्वी पाकिस्तान की अपेक्षा बहुत कम वर्षा होती है। पूर्वी पाकिस्तान में खूब वर्षा होती है और जलवायु गरम और नम है।

पश्चिमी पाकिस्तान में गेहूं और कपास की खेती विशेष रूप से होती है। पूर्वी पाकिस्तान की मुख्य उपज जूट और धान है। पाकिस्तान पटसन, चाय, कपास, ऊन और चमड़ा व खालें आदि दूसरे देशों को भेजता है

कोयला, लोहा और इस्पात, धातुएं, मशीनें, चीनी, रबर और तेल आदि पाकिस्तान में बाहर से आता है। औद्योगिक दृष्टि से पाकिस्तान अभी काफी पिछड़ा हुआ है। देश के कुछ भागों में सूती और ऊनी कपड़ों की मिलें तथा चीनी और सीमेंट तैयार करनेवाले कारखाने हैं।

कराची पाकिस्तान का सबसे बड़ा नगर और बन्दरगाह

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

है। लाहौर पश्चिमी पाकिस्तान का एक और प्रमुख नगर है। ढाका पूर्वी पाकिस्तान की राजधानी और प्रमुख नगर है।

पाकिस्तान सन् 1956 में गणतन्त्र बना किन्तु सन् 1958 में संविधान भंग करके इसे इस्लामी राज्य घोषित कर दिया गया और कई वर्ष तक यहां फौजी कानून लागू रहा। पाकिस्तान के 86 प्रतिशत निवासी मुसलमान हैं और 13 प्रतिशत हिन्दू हैं। कानून के अनुसार पाकिस्तान का राष्ट्रपति कोई मुसलमान ही चुना जा सकता है।

अपनी स्थापना के तुरन्त बाद से ही पाकिस्तान भारत के कश्मीर प्रदेश को हथियाने की कोशिश करता रहा है। सन् 1947 में पाकिस्तान ने सशस्त्र आक्रमण करके कश्मीर प्रदेश के कुछ भाग पर कब्ज़ा कर लिया। सन् 1965 में पुनः कश्मीर के प्रश्न को लेकर पाकिस्तान ने बहुत बड़े पैमाने पर भारत पर सशस्त्र आक्रमण किया। कश्मीर पर पाकिस्तान का गैर-कानूनी दावा पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव का मुख्य कारण है।

पुर्तगाल (PORTUGAL) : पुर्तगाल के पश्चिम में अटलांटिक महासागर और पूर्व में स्पेन है। इसका क्षेत्रफल 35,358 वर्गमील और जनसंख्या 89,50,000 है। इसकी राजधानी लिस्बन है। लिस्बन यूरोप के सबसे अच्छे बंदरगाहों में से एक है।

पुर्तगाल के अधिकांश लोग खेती करते हैं और मछली पकड़ते हैं। मछली को डिब्बों में बंद करके बाहर भेजना पुर्तगाल का एक महत्त्वपूर्ण उद्योग है।

उत्तरी पुर्तगाल समुद्रतल से ऊंचा है और यहां वर्षा खूब होती है। यहां कई तरह की फसलें उगाई जाती हैं। टागुस और डोरो नदियों की घाटियों में शराब बनाई जाती है। डोरो नदी की घाटी में बनने वाली शराब को 'पोर्ट' कहते हैं। पहाड़ी प्रदेश में जैतून के बाग हैं। दक्षिणी पुर्तगाल की जलवायु गरम है। यहां फल-फूल खूब पैदा होते हैं। फरवरी के महीने में हज़ारों सैलानी यहां के बादाम के सुन्दर बगीचे देखने को आते हैं। पुर्तगाल के पहाड़ों पर कार्क बलूत के पेड़ों के जंगल हैं, जिनसे लोग कार्क प्राप्त करते हैं और उसे बेचते हैं।

विदेशों में पुर्तगाल के कई उपनिवेश हैं जिनसे उसका व्यापार चलता रहता है। अफ्रीका में अंगोला और मोज़ाम्बीक, चीन में मकाऊ, और इंडोनेशिया में टिमोर पुर्तगाल के अधिकार में हैं। पुर्तगाल अपनी उपनिवेशवादी दमन-नीति के कारण बहुत बदनाम है।

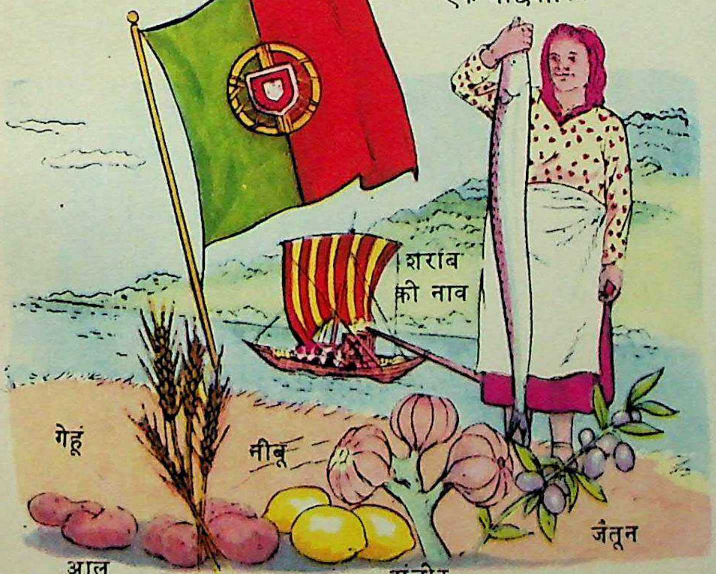

पुर्तगाल का झंडा

'स्पाडा' मछली के साथ एक मछियारिन

पेरिस का प्रसिद्ध आइफ़ेल टॉवर

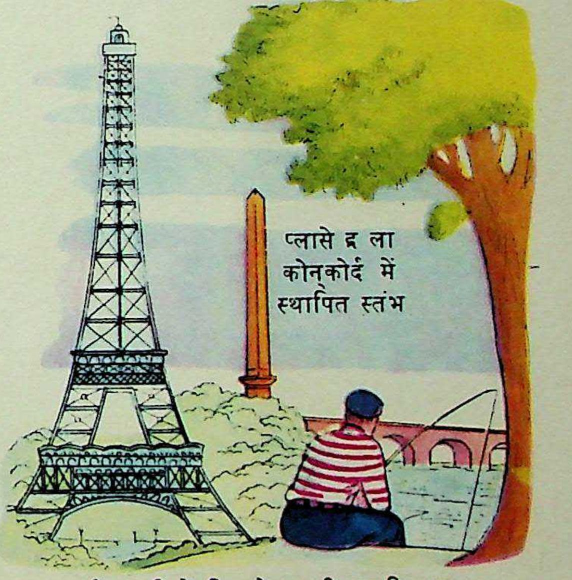

सीन नदी के किनारे मछली का शिकार

पेरिस (PARIS) : यह नगर फ्रांस की राजधानी है और अपनी सुंदरता और वैभव के लिए विश्वविख्यात है। पेरिस यूरोप में कला, संगीत और फैशन के क्षेत्र में शताब्दियों से अग्रणी रहता आया है और आज भी है। इसका फ्रांसीसी नाम 'पारी' है।

सन् 1889 में पेरिस में 984 फुट ऊंचे आइफ़ेल टॉवर का निर्माण कराया गया था। पेरिस आनेवाले हज़ारों सैलानी संसार की इस सबसे ऊंची मीनार पर चढ़कर पेरिस की छवि देखते हैं। सीन नदी शहर के बीच से बहती है। नदी के बीच में नाव की शक्ल का एक टापू है। लगभग 2,000 वर्ष पूर्व यहां मछेरों का एक छोटा-सा गांव बसा था, इसी गांव ने आज पेरिस महानगर का रूप ले लिया है। विश्वविख्यात नोत्रेदाम चर्च इसी टापू में है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पेरिस में हर तरफ राजमहल, प्राचीन और आधुनिक विश्वविद्यालय, अजायबघर, थियेटर, गिरजाघर, पटरियों पर बने रेस्त्रां और खूबसूरत बाग दिखाई देते हैं। इस नगर में रोज़ नये-नये फैशन निकलते हैं और दुनिया-भर में फैल जाते हैं।

पेरिस के कुछ दृश्य

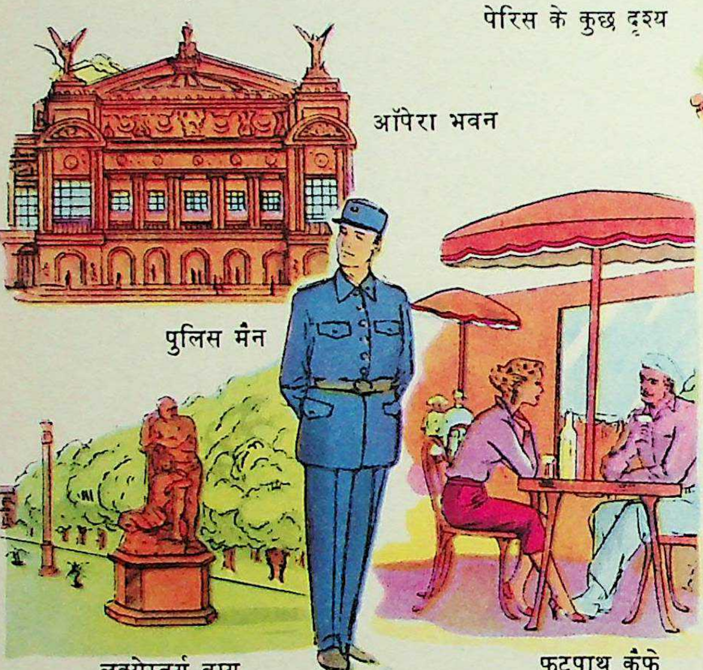

सीन नदी पेरिस के बीच से बहती है।

पेरिस फ्रांस का सबसे बड़ा नगर है। इसकी जनसंख्या लगभग 30 लाख है। यहां के अनेक निवासी कारखानों में काम करते हैं। आसपास कोयले की खानें न होने के कारण यहां भारी उद्योग-धंधे नहीं हैं। पेरिस के कारखानों में खेती की मशीनें, मोटर कारें, बढ़िया कागज़, डाक्टरी के औज़ार, इत्र और चमड़े का सामान आदि वस्तुएं बनती हैं।

पेरू (PERU) : दक्षिणी अमरीका के इस देश में ऐंडीज़ पर्वतमाला उत्तर से दक्षिण तक फैली हुई है। इसके कारण यह देश तीन भागों में बंट गया है—पहाड़ी प्रदेश,

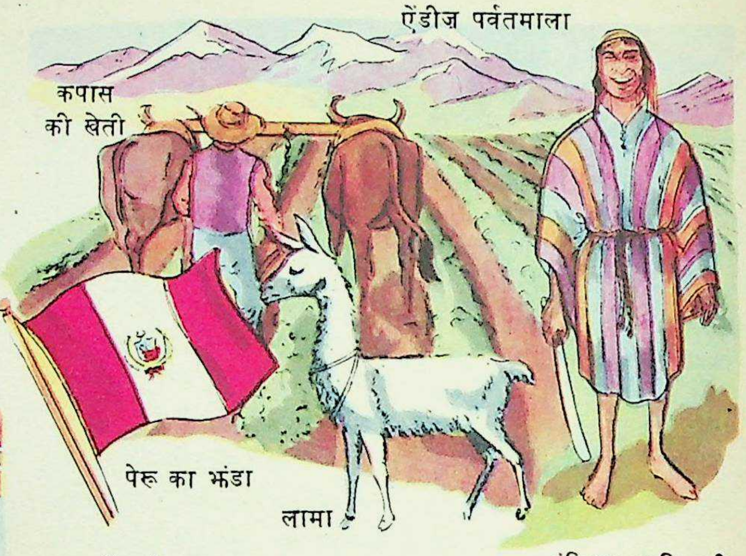

पहाड़ों और प्रशांत महासागर के बीच का संकरा रेगिस्तानी इलाका, और पहाड़ों के दूसरी ओर निचला गरम और नम इलाका। पेरू का क्षेत्रफल 4,82,258 वर्गमील और जनसंख्या 1,02,00,000 है।

पहाड़ी इलाके के अधिकांश लोग इंडियन या अर्ध-इंडियन हैं। ये लोग प्राचीन इंका लोगों की संतान हैं। ये लोग गेहूं, जौ, आलू और मोटा अनाज पैदा करते हैं। इनके कुछ खेत और चरागाह संसार के सबसे ऊंचे खेतों और चरागाहों में माने जाते हैं। इस पहाड़ी प्रदेश में सोना, चांदी, तांबा और वैनेडियम की खानें हैं।

प्राचीन इंका लोगों के विशाल साम्राज्य की राजधानी कुज़को थी। अब यह पेरू का एक नगर है। कुज़को में आज भी इंका साम्राज्य के अनेक खंडहर हैं। इंका युग के बाद बने एक गिरजे में चांदी की वेदी और एक बड़े पन्ने को तराश कर बनाया गया नागराज अनेक सैलानियों के लिए आकर्षण की वस्तु है।

लीमा पेरू की राजधानी और सबसे बड़ा नगर है। अमरीका का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय इसी नगर में है।

पैरागुए (PARAGUAY) : दक्षिणी अमरीका का यह देश जंगलों और विशाल चरागाहों का देश है। यहां की मिट्टी उपजाऊ है और वर्षा खूब होती है। लेकिन खेती सिर्फ 1 प्रतिशत ज़मीन पर ही होती है। पैरागुए का क्षेत्रफल 1,57,047 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 16,40,000 है।

इस देश के अधिकतर निवासी इंडियन आदिवासी और स्पेनी लोगों की मिश्रित सन्तान हैं। ये लोग गुआरानी नामक इंडियन भाषा का प्रयोग करते हैं। शहरों में प्रायः स्पेनी भाषा का प्रयोग होता है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

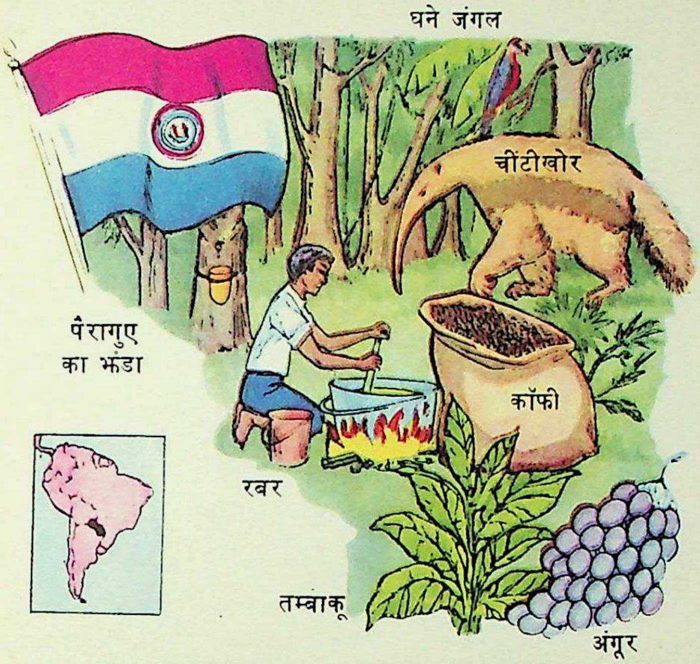

पैरागुए क्विब्रैशो लकड़ी, तंबाकू, जानवरों की खालों और कपास का निर्यात करता है। पैरागुए एक अल्पविकसित और कम जनसंख्या वाला देश है।

पोलैंड (POLAND) : जर्मनी के पूर्व और चेकोस्लोवाकिया के उत्तर-पश्चिम में स्थित पोलैंड यूरोप के बड़े देशों में गिना जाता है। पोलैंड का क्षेत्रफल 1,20,442 वर्गमील और जनसंख्या 3,01,00,000 है।

सन् 1919 से पहले लगभग 125 वर्षों तक यूरोप के नक्शे पर पोलैंड का नाम भी नहीं था। वैसे, बहुत पहले एक विशाल पोल साम्राज्य था। पहले विश्वयुद्ध के अंत में पोलैंड एक स्वतंत्र गणराज्य बना। इसे बने बीस वर्ष ही हुए थे कि दूसरा विश्वयुद्ध शुरू हो गया और द्वितीय विश्वयुद्ध में पोलैंड को भारी नुकसान उठाना पड़ा। आजकल पोलैंड में कम्यूनिस्ट सरकार है। इसकी राजधानी वारसा है।

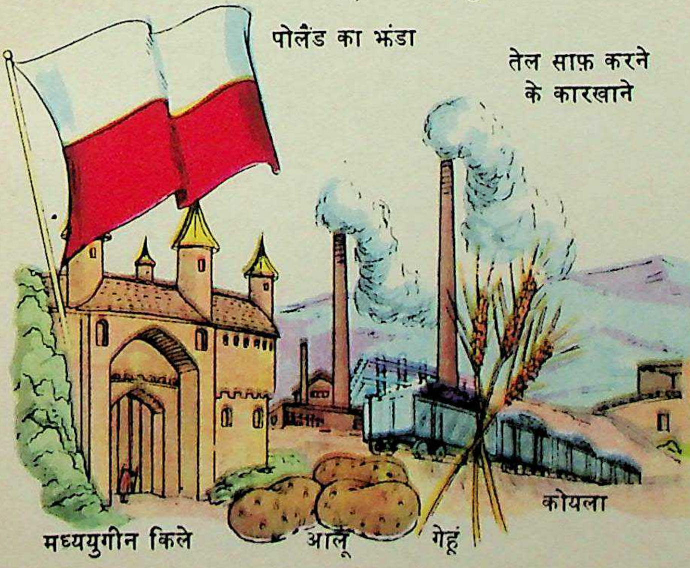

पोलैंड के अधिकतर निवासी किसान हैं। यहां राई, आलू और चुकन्दर की खेती खूब होती है। आलू तो इतना अधिक होता है कि उससे शराब बनाई जाती है। मांस के लिए यहां सूअर तथा अन्य पशु भी पाले जाते हैं।

दक्षिणी और पश्चिमी पोलैंड में लोहे को पिघलाने और साफ करने के अनेक कारखाने हैं। पोलैंड में कोयला बहुत होता है। कोयले का निर्यात करनेवाले यूरोपीय देशों में यह सर्वप्रथम है। लोद्ज़ नगर लोहे और इस्पात के कारखानों का बड़ा केन्द्र है।

पोलैंड बाल्टिक सागर के तट पर बसा है। यूरोप की प्रमुख नदियां ओडर और विस्टुला इसमें से होकर बहती हैं।

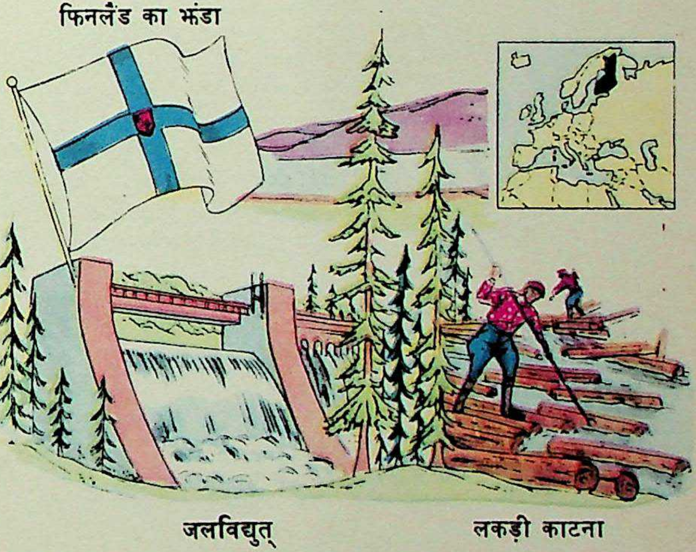

फिनलैंड (FINLAND) : यह यूरोप का सबसे उत्तरी देश है। इसकी राजधानी हेल्सिंकी है। फिनलैंड के पड़ोसी देश हैं—नार्वे, स्वीडन और सोवियत संघ। इसके पश्चिमी और दक्षिणी तटों पर कुछ बंदरगाह हैं।

फिनलैंड वैसे तो यूरोप का काफी बड़ा देश है, लेकिन इसकी जनसंख्या बहुत कम है—केवल 44 लाख। इसका क्षेत्रफल 1,30,119 वर्गमील है। अधिकांश लोग दक्षिण और पश्चिम के तटवर्ती मैदानों में रहते हैं। कुछ लोग देश के भीतरी जंगली इलाकों में रहते हैं और लकड़ी काटने का काम करते हैं। इन्हीं जंगलों के कारण फिनलैंड बहुत बड़ी मात्रा में लकड़ी, लकड़ी की लुगदी और कागज का निर्यात करता है। यहां की मुख्य उपज ओट है। फिनलैंड में बहुत जाड़ा पड़ता है और गर्मी की ऋतु छोटी होती

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

है। इसके उत्तरी बर्फीले इलाकों में लैप जाति के लोग रहते हैं, जो बारहसिंगों को पालने का काम करते हैं।

फिनलैंड के निवासी अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रसिद्ध हैं। संसार के कई सबसे अच्छे खिलाड़ी फिनलैंड में ही हुए हैं।

फिलिपाइन (PHILIPPINES) : फिलिपाइन द्वीपसमूह एशिया के दक्षिण-पूर्वी तट के समीप स्थित है। इस द्वीप-समूह में 7,000 से अधिक द्वीप हैं। अधिकतर द्वीपों पर आबादी नहीं है। महत्त्वपूर्ण द्वीप लगभग ग्यारह ही हैं। फिलिपाइन का क्षेत्रफल 1,14,830 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 2,20,56,000 है।

फिलिपाइन 300 वर्षों तक स्पेनी साम्राज्य का अंग रहा। सन् 1898 में यह अमरीका के अधिकार में आ गया। सन् 1946 में यह स्वतंत्र गणराज्य बना। पहले इसकी राजधानी मनीला थी लेकिन अब क्वेज़न सिटी है।

फिलिपाइन की स्त्रियां हाथ से विभिन्न प्रकार की चीजें बनाती हैं।

फिलिपाइन की जलवायु उष्णकटिबंधीय है, और वर्षा अधिक होती है। धान और मक्का की पैदावार अच्छी होती है। फिलिपाइन गन्ने, नारियल और अनन्नास का निर्यात करता है। कुछ लोग पशु-पालन भी करते हैं। इस देश में सोना, लोहा और क्रोमियम की खानें हैं। चारों ओर घने जगल हैं जहां से लकड़ी काटी जाती है।

फिलिपाइन में मनीला ही एक बड़ा शहर है। देश के अधिकतर कारखाने इसी नगर में हैं।

फ्रांस (FRANCE) : सोवियत संघ के उस भाग को छोड़कर जो यूरोप में पड़ता है, फ्रांस यूरोप का सबसे बड़ा देश है। इसका अधिकांश भाग मैदानी है, लेकिन मध्य का पठार कुछ स्थानों पर काफी ऊंचा है। फ्रांस में विभिन्न प्रकार की जलवायु पाई जाती है। अटलांटिक सागर के किनारे के क्षेत्रों में काफी वर्षा होती है और मौसम साधारण रहता है, लेकिन मध्य का पठार गर्मी में काफी गरम और जाड़े में काफी ठंडा रहता है। फ्रांस का क्षेत्रफल 2,12,736 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 4,76,00,000 है।

फ्रांस यूरोप का अकेला देश है जो अपने लिए काफी अनाज पैदा कर लेता है। यहां गेहूं, जौ, चुकन्दर आदि की पैदावार खूब होती है। ब्रितानी प्रदेश में पशुपालन और डेरी का काम होता है तथा मध्य के पठार के किसान भेड़-बकरी भी पालते हैं। फ्रांस की शराब बहुत प्रसिद्ध है। बोर्दो, बर्गंडी और शेम्पेन ज़िलों में संसार में सबसे अधिक शराब तैयार होती है।

फ्रांस उद्योग-धंधों में काफी आगे बढ़ा हुआ है। यहां कोयले और लोहे की अनेक खानें हैं। उनके आसपास इस्पात बनाने के कई बड़े-बड़े कारखाने हैं। फ्रांस के रासायनिक द्रव्य और इत्र-फुलेल भी प्रसिद्ध हैं।

पेरिस फ्रांस का सबसे बड़ा शहर और राजधानी है। अपनी सुन्दरता और अपने ऐतिहासिक महत्त्व के कारण

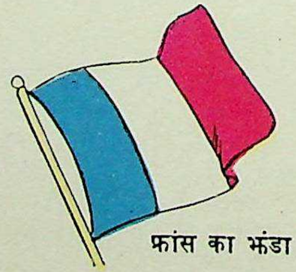

फ्रांस का झंडा

फ्रांस के कुछ दृश्य

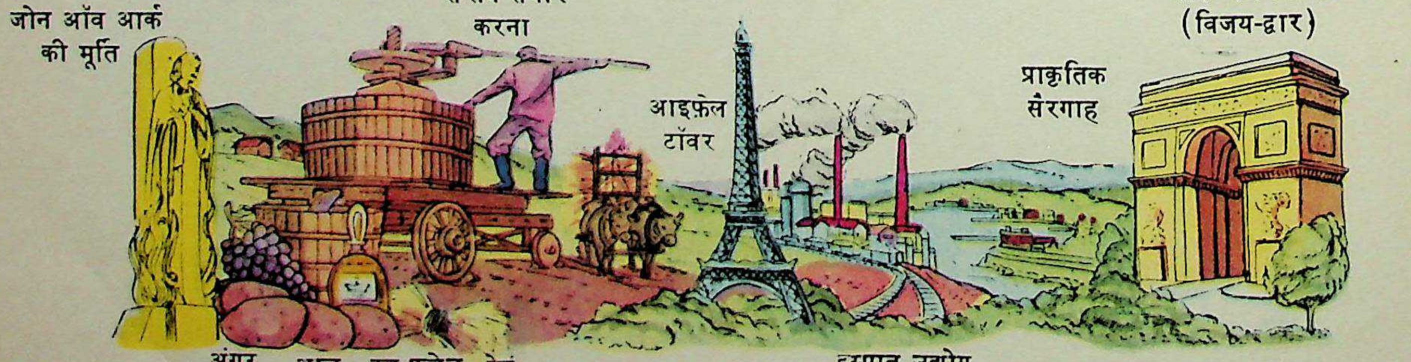

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

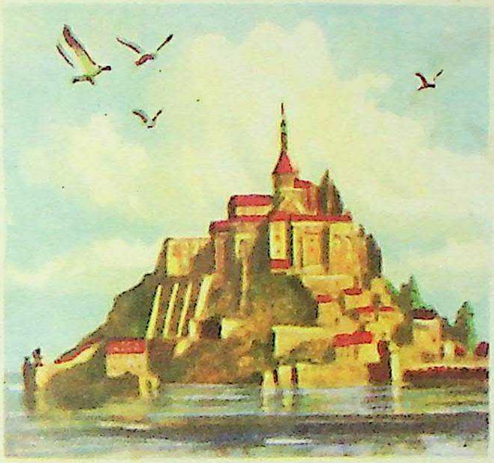

फ्रांस के समीप एक द्वीप पर स्थापित ईसाई मठ और गिरजा।

पेरिस शायद संसार का सबसे बड़ा पर्यटन-केन्द्र है। मार्साई फ्रांसका सबसे बड़ा बंदरगाह है। लियों और नीस फ्रांस के अन्य प्रसिद्ध नगर हैं।

लगभग 2,000 साल पहले फ्रांस रोमन साम्राज्य का एक अंग था। तब इसका नाम 'गौल' था। सत्रहवीं शताब्दी में लुई चौदहवें के शासनकाल में फ्रांस यूरोप की एक बहुत बड़ी शक्ति बन गया था। सन् 1789 में फ्रांस की प्रसिद्ध राज्य-क्रांति हुई। इस क्रांति ने सारे संसार को प्रभावित किया। सन् 1871 के बाद से फ्रांस एक गणराज्य है। साहित्य, चित्रकला और संगीत के क्षेत्र में फ्रांस का हमेशा एक महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

फ्लोरेंस (FLORENCE) : इटली का यह प्राचीन और सुन्दर नगर आर्नो नदी के दोनों तटों पर बसा है। इस नगर में छः पुल हैं जो सभी ऐतिहासिक महत्त्व के हैं। रोमन काल में भी यह नगर बहुत प्रसिद्ध था। चौदहवीं सदी में यह यूरोप में कला और साहित्य का सबसे बड़ा केन्द्र था। महाकवि दांते, महान शिल्पी माइकेलैंजेलो और महान चित्रकार लियोनार्दो दा विंची फ्लोरेंस के ही निवासी थे। यहां कई सुन्दर ऐतिहासिक भवन हैं। आज भी यह नगर संसार-भर के कलाप्रेमियों को आकर्षित करता है।

बम्बई (BOMBAY) : इसकी गिनती भारत के सबसे बड़े नगर के रूप में की जाती है। बम्बई संसार के महानगरों में से एक माना जाता है। बृहत्तर बम्बई की जनसंख्या लगभग 41,52,000 है।

इसका प्राचीन नाम मुंबई है। यहां मुंबा देवी का एक प्राचीन मंदिर है जिसकी बड़ी मान्यता है।

बम्बई महाराष्ट्र राज्य की राजधानी है। यह उद्योग और व्यापार का एक बहुत बड़ा केन्द्र है। बम्बई अपनी सूती मिलों के कारण विश्व-विख्यात है। भारत के विशाल फिल्म-उद्योग का यह सबसे बड़ा केन्द्र है।

बम्बई भारत का एक बहुत महत्त्वपूर्ण बंदरगाह भी है। यह पश्चिमी भारत के सिंहद्वार का काम करता है। दुनिया के प्रायः सभी देशों से जहाज यहां माल लाते हैं और यहां से माल लादकर ले जाते हैं। इस बंदरगाह में उन्हें कोई परेशानी नहीं होती।

बम्बई भारत के राष्ट्रीय आंदोलन का एक प्रमुख केंद्र रहा है। सुप्रसिद्ध आगाखां महल इसी महानगर में है।

बम्बई पर्यटकों का आकर्षण-केन्द्र है। एलेक्ज़ेंड्रा और एलीफेंटा नामक विख्यात गुफाओं को देखने के लिए बम्बई से स्टीमर में बैठकर जाना होता है।

बरमूडा द्वीपसमूह (BERMUDAS) : यह अमरीका के उत्तरी कैरोलाइना राज्य से 600 मील पूर्व में स्थित छोटे-छोटे 350 द्वीपों का एक समूह है। इनमें से बीस के अलावा बाकी सब द्वीप निर्जन हैं।

बरमूडा द्वीपों को अटलांटिक महासागर का स्वर्ग कहा जाता है। हर साल यहां हज़ारों पर्यटक आते हैं। यहां की एक-तिहाई आबादी गोरे लोगों की है, बाकी नीग्रो हैं। इन द्वीपों पर ब्रिटेन का अधिकार है, किन्तु उसकी अनुमति से अमरीका ने यहां हवाई और नौसेना के अड्डे बना लिए हैं।

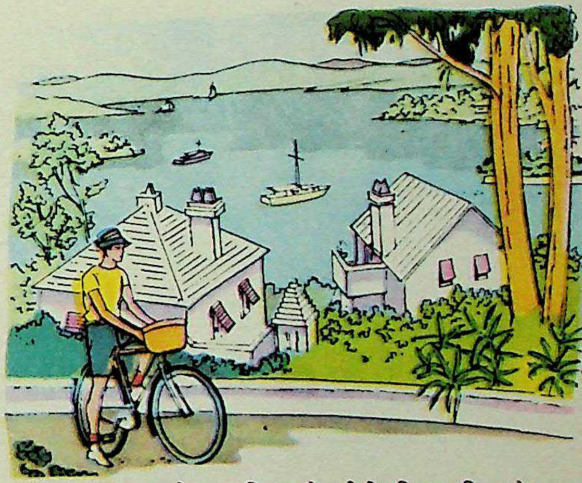

बरमूडा अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है।

बर्मा (BURMA) : यह भारत का एक पड़ोसी देश है व हिन्द-चीन प्रायद्वीप के पश्चिमी भाग में स्थित है। इसके उत्तर में चीन, पूर्व में चीन, लाओस और थाईलैंड, दक्षिण में बंगाल की खाड़ी और पश्चिम में भारत का असम प्रदेश, पूर्वी पाकिस्तान और बंगाल की खाड़ी है। बर्मा का क्षेत्रफल 2,61,789 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 2,15,21,000 है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

बर्मा पहले अंग्रेज़ों के अधीन ब्रिटिश भारत का ही एक अंग था। 1935 में इसे भारत से अलग कर दिया गया। बाद में 4 जनवरी, 1948 को यह एक पूर्ण स्वतन्त्र देश बन गया। बर्मा कॉमनवेल्थ या राष्ट्रमंडल का सदस्य नहीं है।

बर्मा की जलवायु गरम है और यहां बहुत अधिक वर्षा होती है। यही कारण है कि यहां बहुत घने जंगल पाए जाते हैं। बर्मा के अधिकांश निवासी खेती करते हैं या मछली पकड़ने का काम करते हैं। ये लोग या तो नदियों के किनारे या समुद्र के किनारे रहते हैं। कुछ लोग जंगलों में इमारती लकड़ी के पेड़ काटते हैं और कुछ लोग तेल के कुओं पर काम करते हैं। बर्मा में चावल अधिक होता है और बहुत बड़ी मात्रा में बाहर भेजा जाता है। टीक की लकड़ी भी बाहर भेजी जाती है। जंगलों में टीक के भारी कुंदे हाथियों से उठवाकर नदियों में बहा दिए जाते हैं और इस तरह बड़ी-बड़ी आरा मिलों तक पहुंचाए जाते हैं।

बर्मा में टीन और चांदी तथा उच्च कोटि के लाल, जेड व कुछ अन्य रत्न भी मिलते हैं।

बर्मा की राजधानी और सबसे बड़ा नगर रंगून है। इस डेल्टा की कुछ ज़मीन बहुत उपजाऊ है। रंगून समुद्र से 20 मील दूर स्थित है। इरावदी नदी में होकर काफी बड़े जहाज भी यहां पहुंच सकते हैं। बर्मा का दूसरा सबसे बड़ा नगर मांडले है।

बर्मा कई छोटे-छोटे राज्यों से बना एक संघीय गण-राज्य है। बौद्ध धर्म यहां का मुख्य धर्म है।

बर्लिन (BERLIN) : यह जर्मनी का सबसे बड़ा नगर है। इसकी गिनती विश्व के दस सबसे बड़े नगरों में की जाती है।

जब सन् 1871 में जर्मनी की छोटी-छोटी रियासतों को मिलाकर एक सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण किया गया तब बर्लिन को उसकी राजधानी बनाया गया। तब से इस नगर का महत्त्व बढ़ता ही गया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय बर्लिन पर भयानक बम-बारी की गई। नगर की आधी इमारतें गिर गईं। युद्ध की समाप्ति पर बर्लिन को चार क्षेत्रों में विभक्त कर दिया गया। फ्रांस, ब्रिटेन, अमरीका और रूस ने एक-एक क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लिया। रूसी नियंत्रण वाला क्षेत्र पूर्वी बर्लिन और शेष तीनों क्षेत्र पश्चिमी बर्लिन के नाम से विख्यात हैं। प्रसिद्ध ब्रैंडनबर्ग द्वार पूर्वी और पश्चिमी बर्लिन को अलग करता है। पूरा का पूरा बर्लिन नगर पूर्वी जर्मनी के मध्य में स्थित है। यह विभाजित नगर अब भी विश्व-राजनीति की एक प्रमुख समस्या बना हुआ है।

बल्गारिया (BULGARIA) : दक्षिण-पूर्वी यूरोप में बाल्कन प्रायद्वीप में बसा हुआ यह देश गुलाब के इत्र के लिए विश्वविख्यात है। बल्गारिया का क्षेत्रफल 42,796 वर्गमील और जनसख्या 76,29,254 है।

इसके उत्तरी भाग में डैन्यूब नदी बहती है। अधिकतर देश पहाड़ी है, लेकिन तराई की ज़मीन बहुत उपजाऊ है और यहां फसलें बहुत अच्छी होती हैं। बल्गारिया के अधिकांश निवासी किसान हैं। ये अनाज, गन्ने, कपास और तम्बाकू की खेती करते हैं। बल्गारिया में गुलाब की खेती भी बहुत बड़े पैमाने पर होती है। यहां गुलाब का इत्र बनाया जाता है जो यहां से दुनिया-भर के देशों को भेजा जाता है।

देश में खनिज पदार्थों की कमी नहीं है, मगर खान-खुदाई का काम बहुत कम होता है। कारखाने भी कम ही हैं।

सोफिया बल्गारिया की राजधानी और एकमात्र बड़ा नगर है।

बल्गारिया के कुछ दृश्य

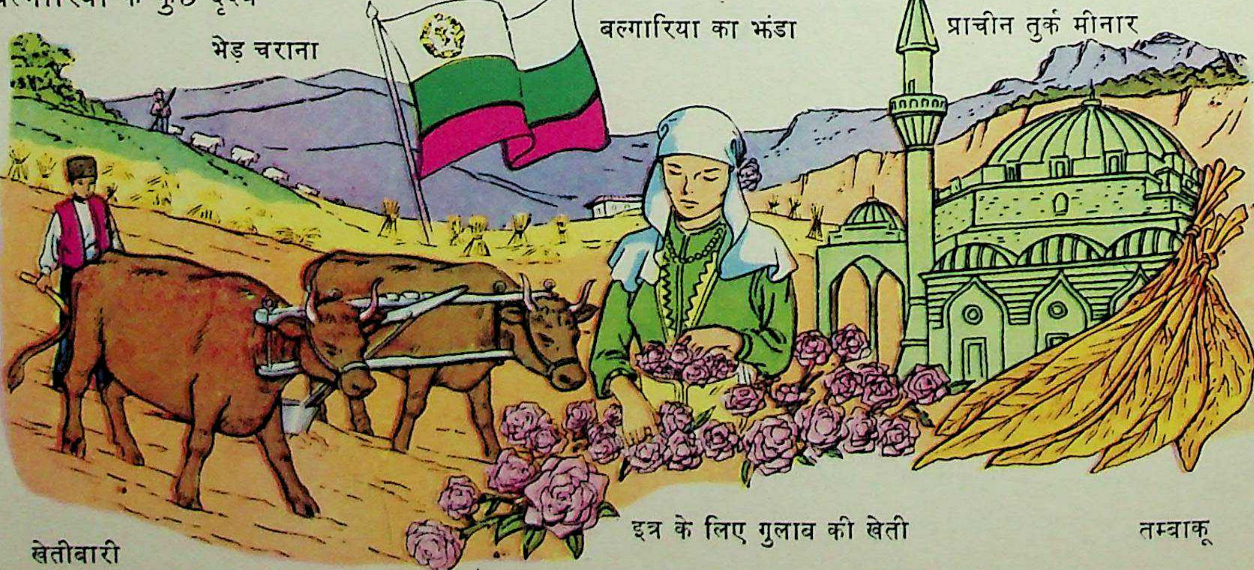

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

बहामा द्वीपसमूह (BAHAMAS) : इस द्वीपसमूह में 700 से अधिक छोटे-बड़े द्वीप हैं। ये अमरीका के निकट हैं, लेकिन इन पर ब्रिटेन का अधिकार है।

यहां की मिट्टी उपजाऊ नहीं है। किसी भी द्वीप में कोई नदी नहीं है। कहीं-कहीं अनन्नास और टमाटर आदि उपजाए जाते हैं। हर साल यहां बहुत-से सैलानी छुट्टियां बिताने आते हैं, यहां के निवासियों का खर्चा उन्हीं से चलता है। कभी-कभी यहां हरीकेन तूफान आते हैं।

बहामा द्वीपसमूह की राजधानी नासाउ है।

बुरुण्डी (BURUNDI) : यह देश पूर्वी मध्य अफ्रीका में स्थित है और जुलाई, 1962 में स्वतंत्र हुआ है। यहां राजतंत्र है। पहले यह राज्य बेल्जियन-संयुक्त राष्ट्र रुआण्डा-उरुण्डी ट्रस्टीशिप का एक भाग था।

इसका क्षेत्रफल 10,744 वर्गमील और जनसंख्या 26,00,000 है। बुजुम्बुरा इसकी राजधानी है।

बेथलहम (BETHLEHEM) : जॉर्डन का यह छोटा-सा कस्बा ईसामसीह का जन्मस्थान है। यह जेरूसलम से पास ही पड़ता है। प्रति वर्ष हज़ारों यात्री यहां आते हैं। बहुत-से ईसाई इसे दुनिया का सबसे पवित्र स्थान मानते हैं।

बेल्जियम (BELGIUM) : बेल्जियम और उसके पड़ोसी

बेल्जियम का झंडा

राज्य-चिह्न

नीदरलैंड की गिनती संसार के सबसे घने बसे हुए देशों में होती है। बेल्जियम का क्षेत्रफल 11,779 वर्गमील और जनसंख्या 89,51,443 है। यह जर्मनी के पश्चिम और फ्रांस के उत्तर में स्थित है।

बेल्जियम का उत्तर-पश्चिमी भाग, फ्लैंडर्स, कपड़े के लिए प्रसिद्ध है। यहां फ्लेमिश भाषा बोली जाती है। बेल्जियम के पठारी इलाकों में फ्रांसीसी भाषा बोली जाती है।

बेल्जियम की राजधानी और सबसे बड़ा नगर ब्रुसेल्स है। बेल्जियम में राजतंत्र है।

बेल्जियम के कुछ दृश्य

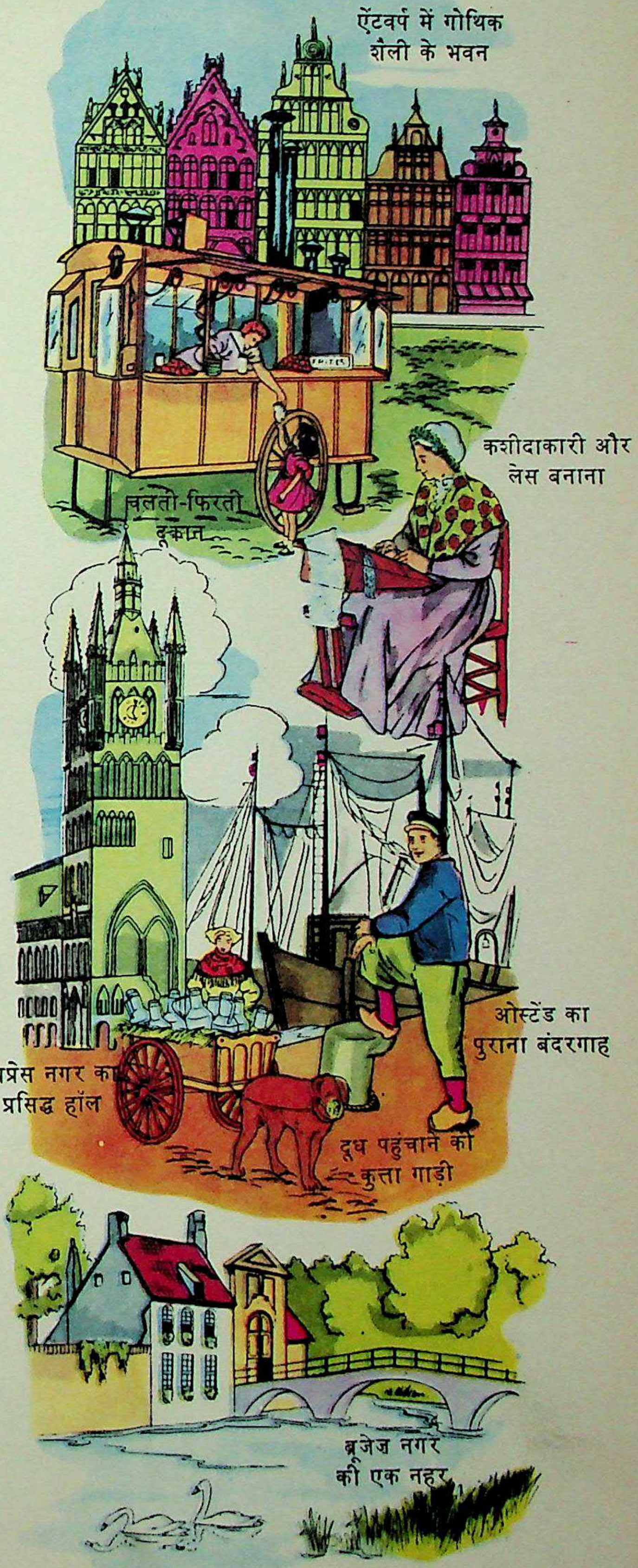

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

बेल्जियम के सबसे घनी आबादी वाले भाग में कोयले की खानें और लोहे व इस्पात के बड़े-बड़े कारखाने हैं।

सैकड़ों वर्षों तक बेल्जियम पर स्पेन, नीदरलैंड और फ्रांस का अधिकार रहा है। सन् 1831 में इस देश ने स्वतन्त्रता प्राप्त की और ल्योपोल्ड प्रथम को अपना राजा चुना।

बोलीवियाई किसान लामाओं पर सामान लादकर राजधानी ला पाज़ के बाज़ारों में पहुंचाते हैं।

बोलीविया (BOLIVIA) : दक्षिणी अमरीका का यह देश ऐंडीज़ पर्वतमाला में एक पठार पर बसा है। इसके उत्तर में ब्राज़ील और दक्षिण में अर्जेंटीना है। बोलीविया का क्षेत्रफल 4,24,162 वर्गमील और जनसंख्या 31,98,139 है। इसके निवासी या तो इंडियन आदिवासी या इंडियन और स्पेनी लोगों की मिश्रित सन्तान हैं।

बोलीविया की आबादी बहुत कम है। यहां जीवन बड़ा कठिन है, लोगों को भारी परिश्रम करना पड़ता है। फसलें बहुत कम होती हैं। यहां सोना, चांदी, टीन, तांबा और सीसा पाया जाता है। यहां की राजधानी ला पाज़ है।

ब्यूनोस आयर्स (BUENOS AIRES) : तीस लाख से भी अधिक जनसंख्या वाला यह महानगर अर्जेंटीना की राजधानी है। ब्यूनोस आयर्स समुद्र से सौ मील दूर रायो द ला प्लाटा नदी के किनारे बसा है। यह नदी इतनी चौड़ी और गहरी है कि जहाज़ सीधे नगर तक आ जाते हैं।

यहां की जलवायु बड़ी अच्छी है। नगर में कुछ उद्योग-धंधे भी विकसित हो चुके हैं, किंतु मुख्यत: यह एक व्यापारिक नगर है।

ब्राज़ील (BRAZIL) : यह दक्षिणी अमरीका का सबसे बड़ा देश है। इसके उत्तर में वेनेज़ुएला और गायना, पश्चिम में पेरू और दक्षिण में बोलीविया और पैरागुए स्थित हैं। ब्राज़ील का क्षेत्रफल 32,87,195 वर्गमील और जनसंख्या 6,27,50,000 है।

तीन सौ से अधिक वर्षों तक पुर्तगालियों के अधीन रहने के बाद ब्राज़ील सन् 1822 में स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्र देश में शुरू में राजतंत्र रहा, लेकिन सन् 1891 से यहां गणतंत्र स्थापित हो गया। यहां की भाषा पुर्तगाली है और राजधानी ब्राज़ीलिया है।

उत्तरी ब्राज़ील में अमेज़न नदी के आसपास के बहुत बड़े क्षेत्र में घने जंगल हैं।

अमेज़न की जंगली घाटी में रहनेवाले आदिवासी लगभग वस्त्रहीन रहते हैं और जंगली फलों पर ही गुज़ारा करते हैं।

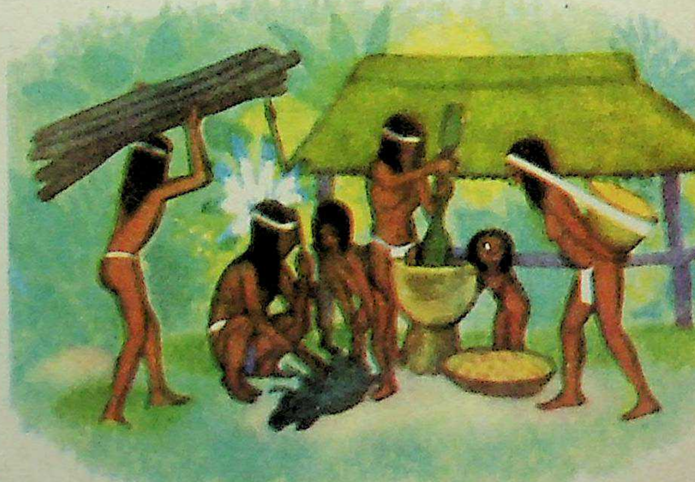

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

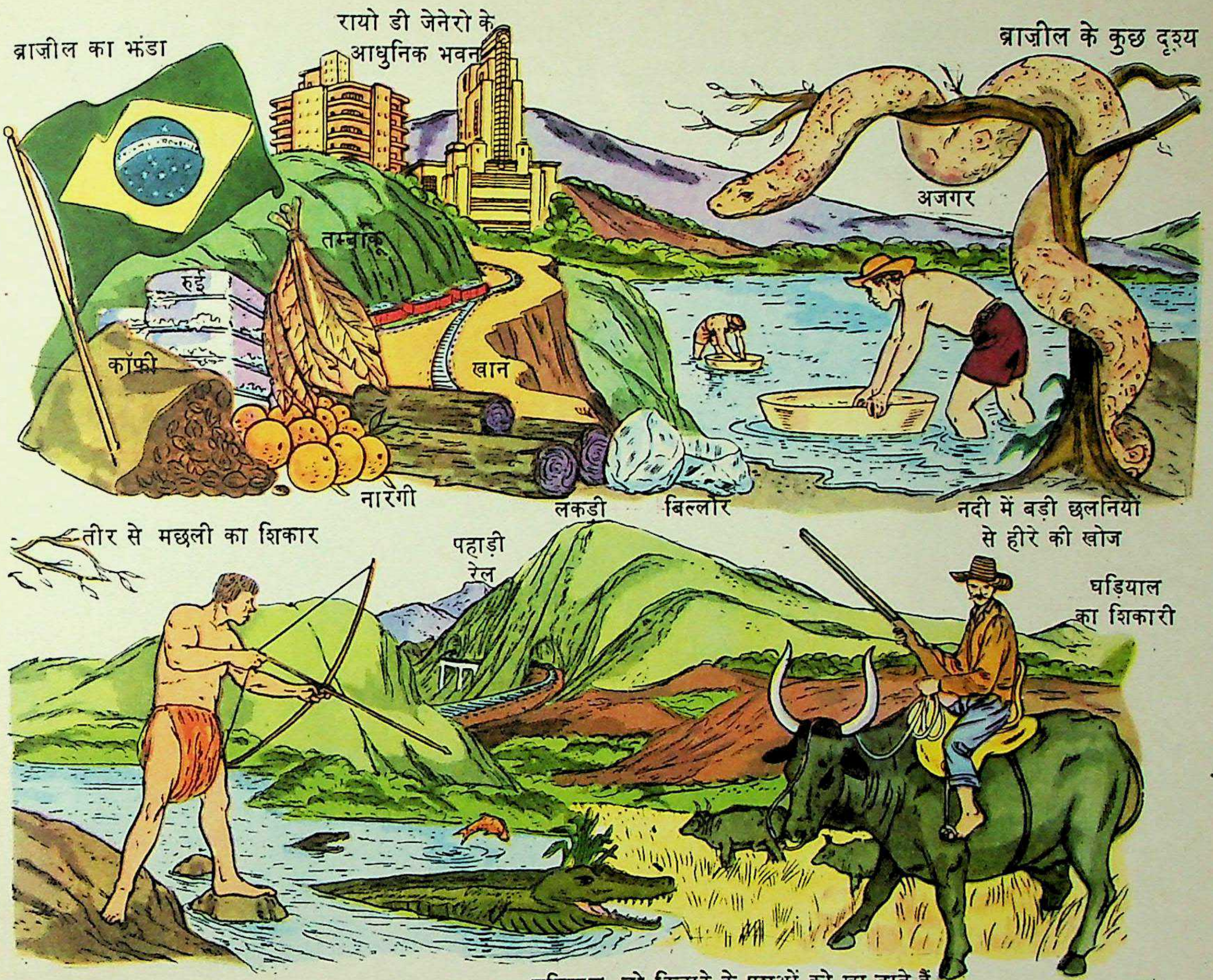

घड़ियाल, जो किनारे के पशुओं को खा जाते हैं

ब्राज़ील का उत्तरी भाग बड़ा गरम है और यहां वर्षा बहुत अधिक होती है। जंगल बहुत घने हैं और आबादी बहुत ही कम है।

दक्षिणी ब्राज़ील में शहरों, खेतों और खानों का एक लम्बा सिलसिला है। देश के सबसे बड़े नगर रायो डी जेनेरो और साओ पॉलो इसी भाग में हैं। खेतों में विशेष रूप से कॉफी और कपास उगाई जाती है। यहां लोहे का अक्षय भंडार और मैंगनीज़ की बहुत-सी खानें हैं।

सुदूर दक्षिण में जलवायु बहुत ठंडी है। यहां मक्का, गेहूं और आलू उगाए जाते हैं। जंगलों से इमारती लकड़ी मिलती है।

भारत (INDIA) : संसार के प्राचीनतम देशों में भारत का प्रमुख स्थान है। भारत की सभ्यता और संस्कृति ने संसार की सभ्यता और संस्कृति पर गहरा प्रभाव डाला है। आज भी संसार की राजनीति में भारत का महत्त्वपूर्ण स्थान है।

क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत संसार का सातवां सबसे बड़ा देश है। इसका क्षेत्रफल (सिक्किम सहित) 32,76,141 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या लगभग 49 करोड़ 90 लाख है। जनसंख्या में भारत संसार का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

भौगोलिक दृष्टि से भारत को तीन प्राकृतिक विभागों में बांटा जा सकता है। उत्तर में हिमालय पर्वतमाला इसकी पूरी सीमा पर फैली हुई है। इसकी कई चोटियां संसार

राज्य-चिह्न
त्रिमूर्ति

भारत का झंडा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

में सबसे ऊंची हैं। हिमालय पर्वत सदियों से भारत की रक्षा करता रहा है। इसमें खैबर का दर्रा ही एक ऐसा रास्ता रहा है जिसमें से होकर विदेशी आक्रमणकारी आए। दूसरा विभाग गंगा और सिंधु नदी का सबसे अधिक उपजाऊ मैदान है। तीसरा विभाग है दक्षिण का पठार। इसका ढाल पश्चिमी घाट से बंगाल की खाड़ी की ओर है। गंगा, जमुना, सिंधु, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, ताप्ती, महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी भारत की प्रमुख नदियां हैं।

भारत की मिट्टी बड़ी उपजाऊ है और यहां की जलवायु भी बहुत अच्छी है। भारत के 70 प्रतिशत निवासी अब भी कृषि पर ही निर्भर करते हैं। धान, गेहूं दालें, तिलहन, कपास, जूट और चाय यहां की प्रमुख फसलें हैं। भारत संसार में सबसे अधिक गन्ना उत्पन्न करता है। संसार में जितनी चाय होती है उसका पचास प्रतिशत अंश भारत में ही पैदा होता है।

भारत में कोयला, लोहा और अन्य खनिज पदार्थ भी काफी मात्रा में पाए जाते हैं। बिहार और बंगाल में काफी कोयला मिलता है। बिहार, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, मद्रास, बम्बई और मैसूर में बढ़िया किस्म का कच्चा लोहा पर्याप्त मात्रा में मिलता है। भारत संसार का 75 प्रतिशत अभ्रक उत्पन्न करता है। यहां मैंगनीज़, बॉक्साइट, टाइटैनियम, क्रोमाइट और जिप्सम की भी कई खानें हैं।

महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में एक लम्बे स्वाधीनता-संग्राम के बाद सन् 1947 में भारत ने अंग्रेज़ी राज से मुक्ति प्राप्त की। भारत में गणराज्य की स्थापना हुई। ब्रिटिश भारत का कुछ भाग पाकिस्तान के रूप में भारत से अलग हो गया। स्वतंत्र भारत बड़ी तेज़ी से उन्नति कर रहा है। यहां इस्पात से लेकर भारी और पेचीदा मशीनें तक बन रही हैं। भारतीय कपड़े, जूते और जूट के माल की विदेशों में बड़ी खपत है। कृषि की उन्नति और सिंचाई की सुविधा के लिए कई बड़े-बड़े बांध बनाए गए हैं। इनसे बिजली भी प्राप्त की जाती है। कई वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं स्थापित हुई हैं और विश्वविद्यालयों की संख्या भी बढ़ी है।

कलकत्ता, बम्बई और मद्रास भारत के सबसे बड़े नगर और मुख्य बंदरगाह भी हैं। नई दिल्ली भारत की राजधानी है।

भारत के राज्य तथा संघीय क्षेत्र : भारत संघ में 17 राज्य और 10 संघीय क्षेत्र हैं। राज्यों में क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्य प्रदेश और जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा है। भारत के राज्यों और संघीय क्षेत्रों का क्रमवार परिचय इस प्रकार है :

असम : इसका क्षेत्रफल (नेफा सहित) 2,03,389 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 1 करोड़ 22 लाख है। राजधानी शिलङ् है। गोहाटी, डिब्रूगढ़, सिल्चर और डिग्बोई प्रमुख नगर हैं। असम की मुख्य भाषाएं असमिया और बंगला हैं। असम एक पहाड़ी प्रदेश है और चारों ओर से पहाड़ों से घिरा हुआ है। असम में पश्चिमी घाट को छोड़कर भारत में सबसे अधिक वर्षा होती है। पश्चिमी घाट पर असम के बराबर ही वर्षा होती है। असम के चेरापूंजी नामक स्थान में संसार में सबसे अधिक, वर्ष में लगभग 500 इंच वर्षा होती है। असम की जलवायु ठंडी और नम है। जंगलों की दृष्टि से असम का भारत में प्रथम स्थान है। इन जंगलों से विभिन्न प्रकार की लकड़ी प्राप्त होती है। यहां भारत में सबसे अधिक बेंत मिलती है। चावल और चाय यहां की प्रमुख उपजें हैं। भारत में जितनी चाय होती

असम प्रदेश के कुछ दृश्य।

है उसकी आधी असम के चाय बागान से आती है। खेती के अलावा हथकरघा और रेशम-उद्योग, हाथीदांत, बांस और बेंत का काम तथा मधुमक्खी-पालन में भी यहां बहुत-से लोग लगे हैं। असम में खनिज तेल भी खूब मिलता है। नूनमाटी में तेल साफ करने का कारखाना है।

आंध्र प्रदेश : इसका क्षेत्रफल 2,75,281 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या लगभग 3 करोड़ 60 लाख है। हैदराबाद इसकी राजधानी है और विजयवाड़ा, गुंटूर, विशाखापट्टनम्, वारंगल, राजमुन्द्री आदि इसके प्रमुख नगर हैं। इसकी मुख्य भाषा तेलुगू है। इसके पूर्व में बंगाल की खाड़ी का 960 कि० मी० लम्बा समुद्रतट है। भारत में सबसे अच्छा और सबसे अधिक तम्बाकू आंध्र में होता है। यहां जंगल भी काफी हैं। कृष्णा और गोदावरी के डेल्टा क्षेत्र में लिग्नाइट की खानें हैं और नेलोर जिले में यूरेनियम मिलता है। आंध्र में लोहा, कोयला और अभ्रक भी बड़ी मात्रा में मिलता है तथा सोने और हीरे की खानें भी हैं। यहां जहाज़,

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

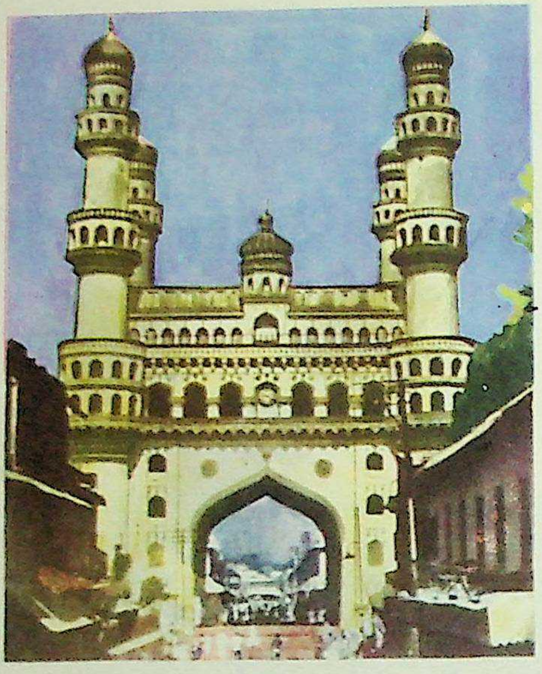

हैदराबाद की प्रसिद्ध चार मीनार नगर के मध्य में स्थित है।

बिजली का भारी सामान, औज़ार आदि तैयार करनेवाले बड़े कारखाने भी हैं। यह कृषि और उद्योग की दृष्टि से एक सम्पन्न राज्य है।

उड़ीसा: इसका क्षेत्रफल 1,55, 825 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 1 करोड़ 80 लाख है। भुवनेश्वर इसकी राजधानी है और कटक, पुरी, सम्बलपुर, राउरकेला आदि इसके

भुवनेश्वर से 64 किलो मीटर की दूरी पर स्थित कोणार्क का विख्यात सूर्य मंदिर।

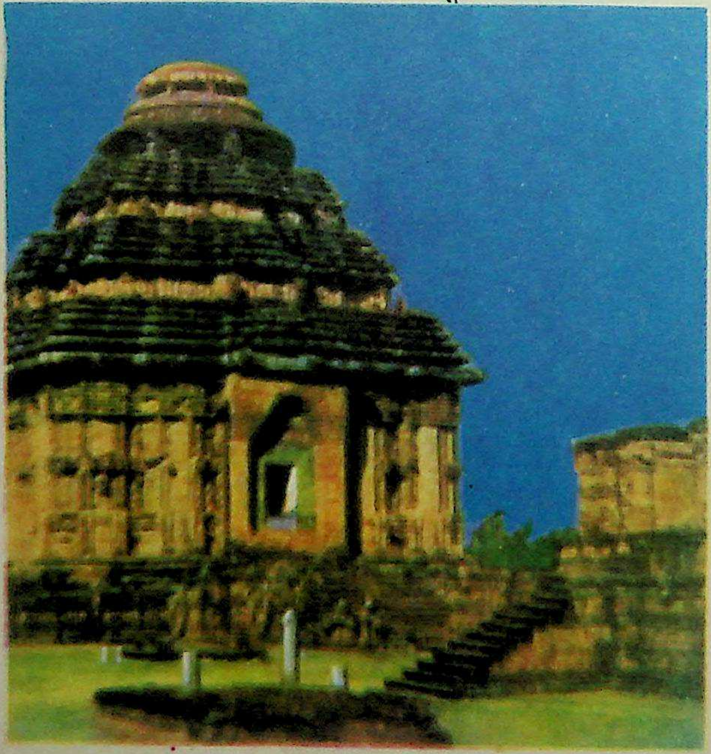

प्रमुख नगर हैं। इसकी मुख्य भाषा उड़िया है। उड़ीसा में चावल की पैदावार अधिक होती है। यहां जूट भी काफी होता है। उड़ीसा में महानदी पर विशाल हीराकुड बांध बनाया जा रहा है, जो उड़ीसा का कायापलट कर देगा। इससे राज्य के विभिन्न भागों में सिंचाई हो सकेगी और बड़े पैमाने पर जलविद्युत् तैयार की जा सकेगी। इस योजना की पूर्ति के बाद ही उड़ीसा औद्योगिक दृष्टि से आगे बढ़ सकेगा। फिर भी पिछले कुछ वर्षों में यहां कुछ बड़े उद्योगों की स्थापना हुई है जैसे राउरकेला का इस्पात का कारखाना, चौद्वार की कागज़ और ट्यूब की फैक्टरियां आदि। उड़ीसा में लोहा, अभ्रक और क्रोमाइट काफी मिलता है।

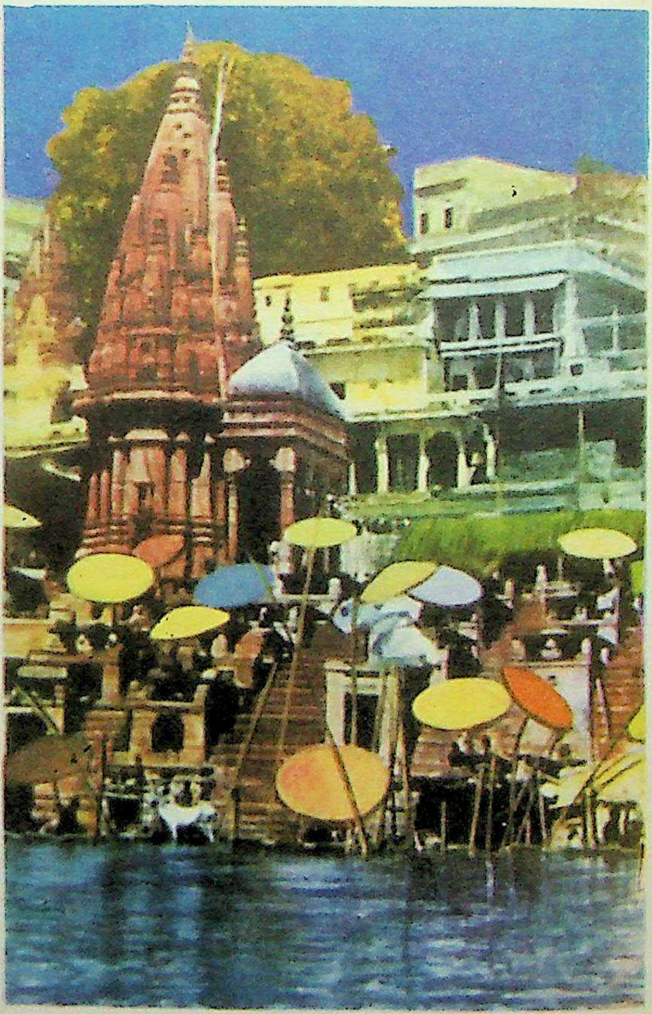

वाराणसी में गंगातट के विश्वप्रसिद्ध घाट।

उत्तर प्रदेश : इसका क्षेत्रफल 2,94,364 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 7 करोड़ 40 लाख है। लखनऊ इसकी राजधानी है। कानपुर, आगरा, वाराणसी, इलाहाबाद, मेरठ, अलीगढ़ आदि इसके अन्य प्रमुख नगर हैं। इसकी मुख्य भाषा हिन्दी है। भारत में उत्तर प्रदेश का जनसंख्या की दृष्टि से पहला और क्षेत्रफल की दृष्टि से चौथा स्थान है। उत्तर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

प्रदेश में गर्मी में अधिक गर्मी और जाड़े में अधिक ठंड पड़ती है। यहां वर्षा पर्याप्त होती है और गंगा, जमुना तथा उनकी सहायक नदियों और नहरों से सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिल जाता है। यहां गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मक्का, गन्ना, चावल और तिलहन खूब होता है। औद्योगिक दृष्टि से यह एक प्रगतिशील राज्य है और यहां नये उद्योग-धंधों का विकास हो रहा है।

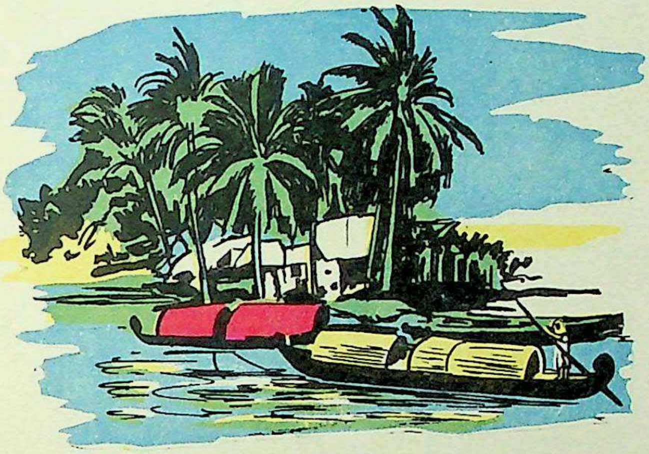

केरल अपने सुन्दर प्राकृतिक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है।

केरल : इसका क्षेत्रफल 38,855 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या लगभग 1 करोड़ 70 लाख है। त्रिवेन्द्रम इसकी राजधानी है और एर्णाकुलम, कोज़ीकोड, क्विलोन, पालघाट, त्रिचूर आदि अन्य प्रमुख नगर हैं। मलयालम यहां की मुख्य भाषा है। यह एक छोटा राज्य है, लेकिन शिक्षा और साक्षरता में यह भारत के सभी राज्यों से आगे है। केरल अपनी समुद्री जलवायु और सुन्दर प्राकृतिक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यहां धान, नारियल, गन्ना, चाय, कहवा, तिलहन, रबर, काजू, मसाले आदि खूब होते हैं। केरल इनमें से अधिकांश वस्तुओं का विदेशों को निर्यात करता है। समुद्र-तट पर बड़े पैमाने पर मछलियां पकड़ी जाती हैं। केरल के जंगल विभिन्न प्रकार की कीमती और इमारती लकड़ी के लिए प्रसिद्ध हैं। खनिज पदार्थों की दृष्टि से केरल बिहार के बाद सबसे सम्पन्न राज्य है। यहां इल्मेनाइट, मोनाज़ाइट, जिर्कन और सिलिमानाइट जैसे दुर्लभ खनिज भी पर्याप्त मात्रा में मिलते हैं। केरल औद्योगिक दृष्टि से भी एक उन्नत राज्य है। यहां रबर, टाईल, चाय, तेल, कपड़े, खाद, रसायन, चीनी, सीमेंट, रेयन, शार्क लिवर ऑयल आदि तैयार करने के कई कारखाने हैं।

गुजरात : इसका क्षेत्रफल 1,87,115 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 2 करोड़ 7 लाख है। अहमदाबाद इसकी राजधानी है और बड़ौदा, सूरत, राजकोट, भावनगर, जामनगर आदि इसके प्रमुख नगर हैं। यहां की मुख्य भाषा गुजराती है। गुजरात के अधिकांश निवासी खेती करते हैं। गेहूं, कपास, धान, ज्वार, दालें और तम्बाकू यहां की मुख्य फसलें हैं। यहां कई स्थायी चरागाह हैं, जहां भेड़-बकरी और दूसरे जानवर चराए जाते हैं। गुजरात अपनी अच्छी नस्ल की गायों और भैंसों के लिए प्रसिद्ध है। यहां का गिर वन अपने सिंहों के लिए प्रसिद्ध है। गुजरात खनिज पदार्थों की दृष्टि से भी सम्पन्न है। यहां चूनापत्थर, बॉक्साइट, अभ्रक और स्फटिक की कई खानें हैं। गुजरात में तेल और प्राकृतिक गैस का बहुत बड़ा भंडार है। काम्बे और अंकलेश्वर में तेल निकाला जाने लगा है। अहमदाबाद में सूती कपड़े की कई बड़ी मिलें हैं। गुजरात में नमक भी बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है। चीनी मिट्टी की चीज़ें, पेंट और वार्निश, हथकरघा और डेरी-उद्योग यहां के अन्य प्रमुख उद्योग हैं। गुजरात में कई प्राचीन धार्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व के दर्शनीय स्थल हैं।

जम्मू-कश्मीर : इसका क्षेत्रफल 2,22,800 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या लगभग 36 लाख है (पाकिस्तान और चीन द्वारा अधिकृत क्षेत्र की जनसंख्या इसमें सम्मिलित नहीं है)। श्रीनगर यहां की राजधानी है और जम्मू, अनन्तनाग और बारामूला प्रमुख नगर हैं। कश्मीरी, डोगरी और उर्दू यहां की प्रमुख भाषाएं हैं। अफगानिस्तान, सोवियत संघ

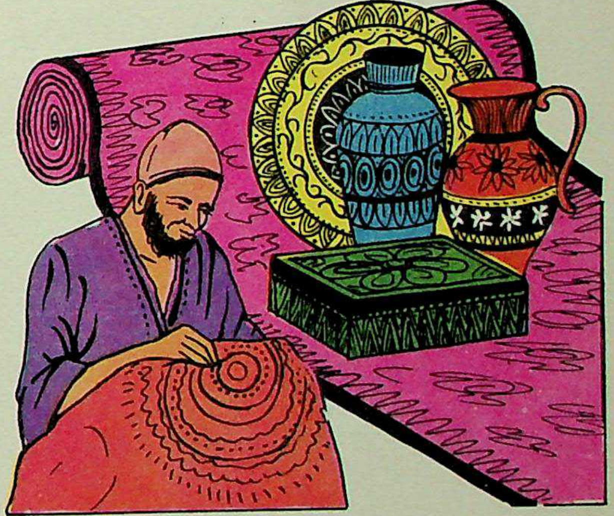

कश्मीर के शाल, कालीन, नक्काशीदार बर्तन आदि अपनी सुन्दरता के लिए विश्वविख्यात हैं।

और चीन की सीमाएं इस राज्य से मिली हुई हैं। कश्मीर घाटी समुद्रतल से लगभग 5000 फुट ऊंची है। कश्मीर का अधिकांश क्षेत्र पहाड़ी है, लेकिन जम्मू का क्षेत्र समतल और मैदानी है। उत्तर के पर्वतों पर छः मास बर्फ जमी रहती है। चिनाब, झेलम और सिंधु की घाटियों में घने जंगल हैं। इस राज्य की मुख्य फसलें हैं, धान, गेहूं, मक्का, जौ, तिलहन, कपास, तम्बाकू और केसर। यहां से बहुत बड़ी मात्रा में फलों का निर्यात होता है। जस्ता, तांबा, सीसा, बॉक्साइट, स्लेट, ऐस्बेस्टस तथा सोना और नीलम जैसे यहां अनेक खनिज उपलब्ध हैं, लेकिन इन्हें अभी बड़े

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

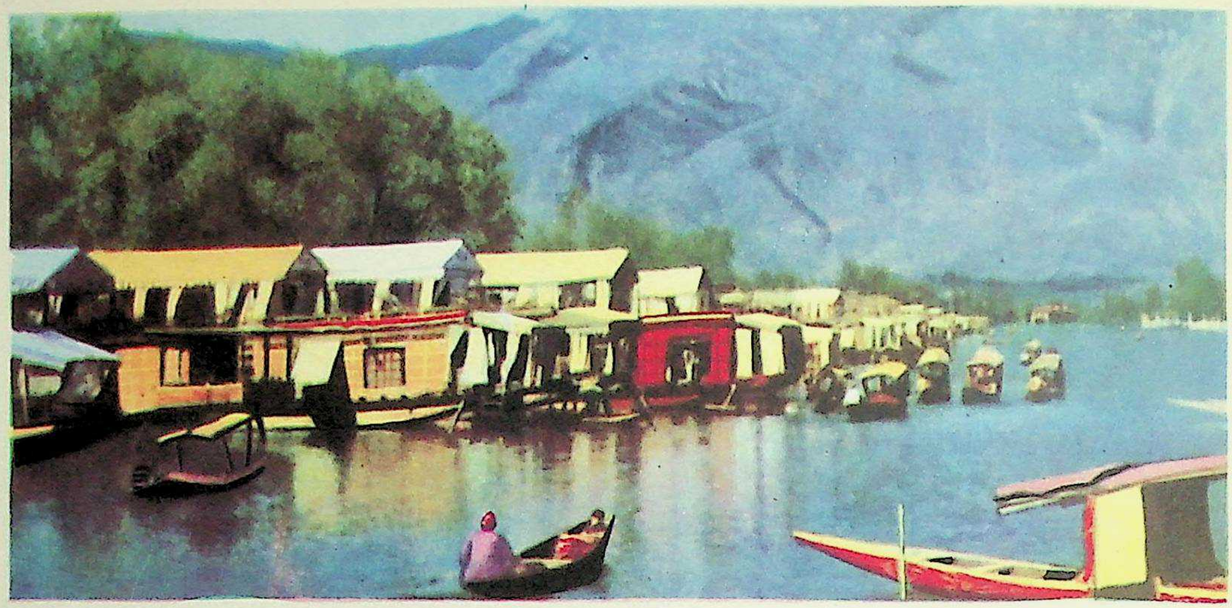

कश्मीर की डल झील में नौका-विहार।

पैमाने पर निकालना आरम्भ नहीं हुआ है। कश्मीर में रेशम के कोये से रेशम प्राप्त करने का उद्योग संसार में सबसे बड़ा है। यहां के शाल और कालीन विश्वविख्यात हैं। कश्मीर अपने जंगली जीव-जन्तुओं और शिकार के पक्षियों के लिए प्रसिद्ध है। संसार के सुन्दरतम क्षेत्रों में इसकी गणना होती है और प्रतिवर्ष हज़ारों सैलानी यहां आते हैं।

नागालैंड : इसका क्षेत्रफल 16,488 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 4,00,000 है। इसमें नागा पहाड़ियां और त्वेनसांग क्षेत्र सम्मिलित हैं। कोहिमा इसकी राजधानी और मुख्य नगर है। यह भारत के नये राज्यों में से है। पहले यह राज्य असम का ही एक अंग था। यह असम की ब्रह्मपुत्र घाटी और बर्मा के बीच एक संकरी पहाड़ी पट्टी के रूप में है। पहाड़ों की ऊंचाई दो हज़ार से दस हज़ार फुट तक है। यहां के निवासी नागा कहलाते हैं, जो लगभग 20 प्रमुख जातियों में बंटे हैं और विभिन्न भाषाओं और बोलियों का प्रयोग करते हैं। यहां के 80 प्रतिशत लोग खेतीबारी पर निर्भर करते हैं।

पंजाब : इसका क्षेत्रफल 50,320 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 1 करोड़ 61 लाख है। चंडीगढ़ यहां की राजधानी है और अमृतसर, पटियाला, जालंधर, लुधियाना आदि प्रमुख नगर हैं। पंजाबी और हिन्दी यहां की प्रमुख भाषाएं हैं। यहां की जलवायु शुष्क है और वर्षा अधिक नहीं होती है। लेकिन यहां की मिट्टी बड़ी उपजाऊ है और सिंचाई के लिए अनेक नहरों से पानी प्राप्त होता है। कृषि-उत्पादन की दृष्टि से पंजाब का भारत में प्रमुख स्थान है। पिछले कुछ वर्षों में पंजाब एक प्रमुख औद्योगिक राज्य बन गया था परन्तु भारत-पाक युद्ध के पश्चात् यहां के उद्योग को क्षति पहुंची है। यहां बड़े और मझोले आकार के लगभग दो हज़ार कारखाने हैं। जालंधर, लुधियाना, बटाला, अमृतसर और धारीवाल खेल-कूद का सामान, हलकी मशीनें, सूती और ऊनी कपड़े, साइकिलें, कागज़ और रबर के टायर आदि के निर्माण के प्रमुख केन्द्र हैं। छोटे पैमाने के उद्योगों की दृष्टि से पंजाब अन्य सभी राज्यों से आगे है। देश के विभाजन में इस राज्य को सबसे अधिक क्षति उठानी पड़ी थी। लेकिन थोड़े ही समय में पंजाब के निवासियों ने अपने राज्य को एक सम्पन्न और उन्नतिशील राज्य बना लिया। परन्तु 1966 में पंजाब के विभाजन के पश्चात् इस राज्य को औद्योगिक दृष्टि से बहुत हानि हुई है क्योंकि उद्योगों का अधिकांश अब हरयाणा में आ गया है।

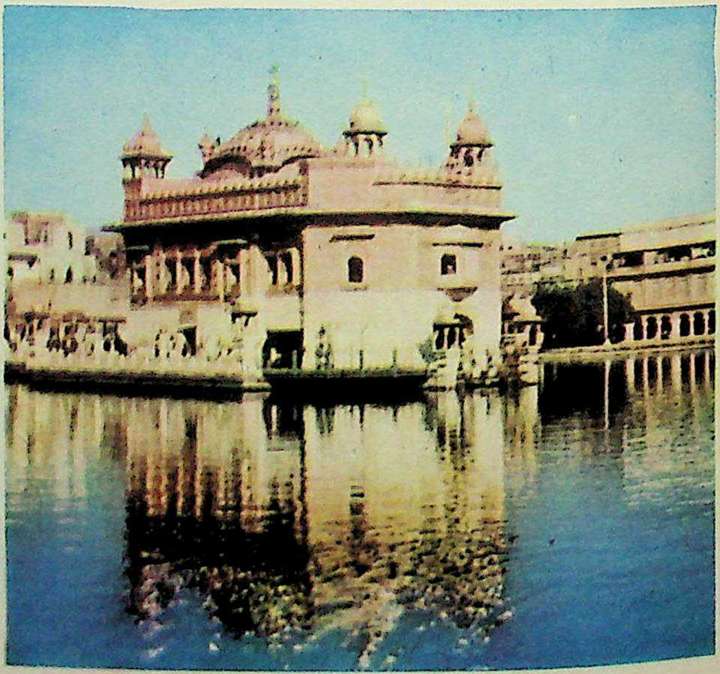

अमृतसर का स्वर्ण मंदिर सिखों का पवित्र तीर्थ-स्थान है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पश्चिमी बंगाल : इसका क्षेत्रफल 87,617 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 3 करोड़ 50 लाख है। कलकत्ता यहां की राजधानी है और हावड़ा, खड्गपुर, आसनसोल, बर्दवान आदि प्रमुख नगर हैं। बंगला यहां की मुख्य भाषा है। केवल दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी के पहाड़ी क्षेत्र को छोड़कर यह पूरा राज्य समतल और मैदानी है। इसमें गंगा की एक शाखा भागीरथी के साथ ही अन्य कई छोटी नदियां बहती हैं। यहां की मिट्टी उपजाऊ है। जलवायु बहुत नम है और वर्षा खूब होती है। जूट के उत्पादन में पश्चिमी बंगाल का पहला, चाय में दूसरा तथा धान में तीसरा

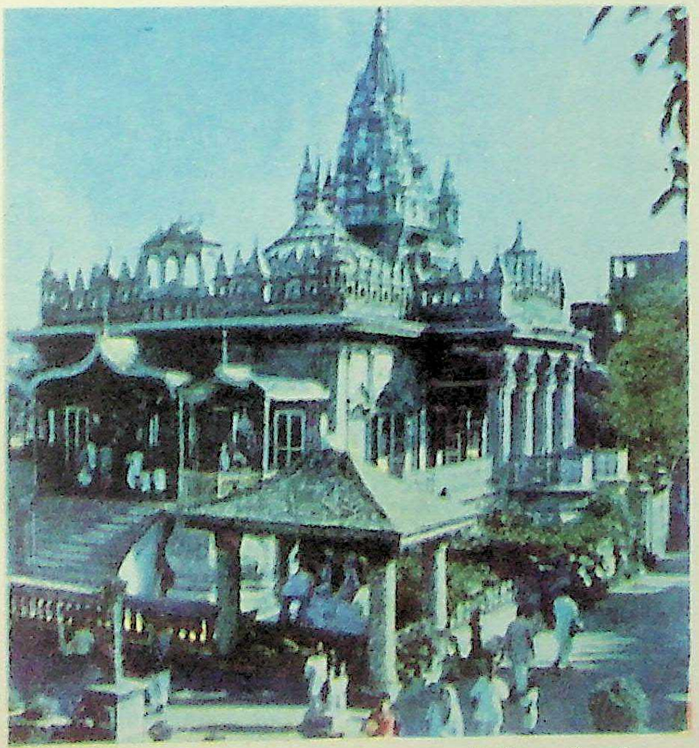

कलकत्ता का जैन मंदिर अपनी सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है।

स्थान है। यहां ज़ौ, चना, तिलहन, गन्ना, कपास और तम्बाकू की खेती भी होती है। उद्योग के क्षेत्र में पश्चिम बंगाल भारत के अन्य सभी राज्यों से आगे है। भारत की कुल पंजीकृत (रजिस्टर्ड) फैक्टरियों में से 23 प्रतिशत पश्चिमी बंगाल में स्थित हैं। यहां जूट की 90 मिलें हैं। कलकत्ता के आसपास 32 सूती मिलें हैं। कागज़ के कारखाने भी सबसे अधिक यहीं हैं। इंजीनियरी उद्योग में भी यह राज्य सबसे आगे है। भारत में कोयले के कुल उत्पादन का एक-चौथाई पश्चिमी बंगाल में होता है। इस्पात के दो सबसे बड़े कारखाने यहीं स्थित हैं—बर्नपुर और दुर्गापुर में। बेलूर और आसनसोल में ऐल्युमिनियम के बड़े कारखाने हैं। उत्तरपाड़ा में मोटरों का बड़ा कारखाना है। पश्चिमी बंगाल गृहोद्योग में भी काफी आगे बढ़ा हुआ है। कलकत्ता भारत का दूसरा बड़ा नगर और बंदरगाह तथा उद्योग और व्यवसाय का प्रमुख केन्द्र है।

बिहार : इसका क्षेत्रफल 1,74,038 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 4,65,00,000 है। पटना इसकी राजधानी है और जमशेदपुर, धनबाद, गया, मुंगेर, रांची आदि प्रमुख नगर हैं। हिन्दी यहां की मुख्य भाषा है। गंगा बिहार को दो भागों में बांटती है—कृषि-प्रधान उत्तरी बिहार और उद्योग-प्रधान दक्षिणी बिहार। बिहार की जलवायु न तो बहुत नम है और न बहुत सूखी है। गंगा घाटी की अपेक्षा पठारों पर वर्षा अधिक होती है। कोसी, गंडक और सोन नदियों में हर साल बहुत बाढ़ आती है, जिससे खेती के लिए नई और खूब उपजाऊ मिट्टी प्राप्त हो जाती है, लेकिन साथ ही हानि भी बहुत अधिक होती है। धान, गन्ना, तम्बाकू, जूट, गेहूं, जौ और दालें यहां की मुख्य फसलें हैं। खनिज-उत्पादन में बिहार का भारत में प्रथम स्थान है। यहां कोयला, तांबा, लोहा, मैंगनीज़, अभ्रक और चूनापत्थर की बहुत बड़ी खानें हैं। भारत में प्राप्त लगभग सारा कच्चा तांबा, आधे से अधिक कोयला और अभ्रक तथा 40 प्रतिशत लोहा बिहार से आता है। बॉक्साइट, चीनी मिट्टी, कैनाइट, क्रोमाइट और पायराइट जैसे खनिज भी बिहार में बहुत अधिक मिलते हैं। जमशेदपुर का टाटा का लोहे और इस्पात का विशाल कारखाना, बोकारो का इस्पात कारखाना, बरौनी का तेल साफ करने का कारखाना आदि बिहार की औद्योगिक उन्नति के कुछ उदाहरण हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार में सबसे अधिक चीनी तैयार होती है। रेशम-उद्योग बिहार का मुख्य गृहोद्योग है। बिहार में धार्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व के कई प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल हैं।

बिहार में धान की फसल खूब होती है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

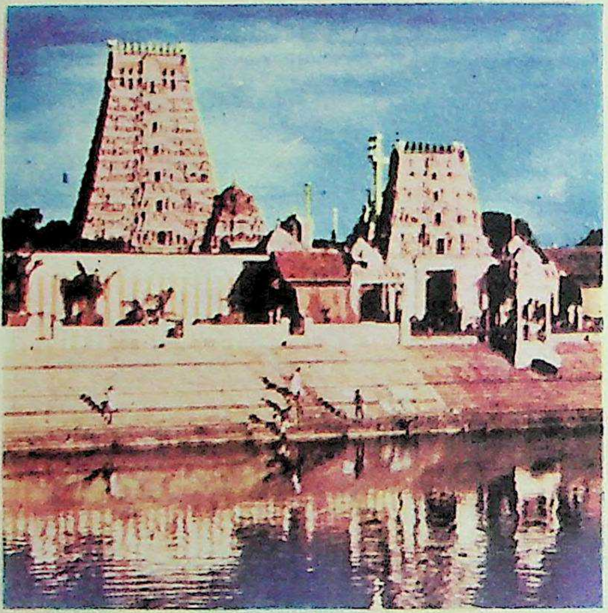

मद्रास में दक्षिण-भारतीय शैली के अनेक मंदिर हैं।

मद्रास : इसका क्षेत्रफल 1,30,357 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 3,40,00,000 है। मद्रास इसकी राजधानी है। मदुरई, तिरुच्चिरापल्लि, सलेम, कोयम्बतूर, वेल्लोर आदि प्रमुख नगर हैं। तमिल इसकी मुख्य भाषा है। मद्रास की जलवायु गरम है। यहां वर्षा कम होती है। केवल एक बड़ी नदी है—कावेरी, शेष छोटी नदियां हैं। मूंगफली, कपास, गन्ना, नारियल, टैपिओका, धान और दालें यहां की मुख्य फसलें हैं। मद्रास के जंगलों से विभिन्न प्रकार की इमारती लकड़ी प्राप्त होती है। पूर्वी भाग के जंगलों में चन्दन के वृक्ष हैं। मद्रास में लोहा, बॉक्साइट और जिप्सम की कुछ खानें भी हैं। उत्तरी अर्काट ज़िले में लिग्नाइट का बहुत बड़ा भंडार है। वस्त्र-उद्योग, इंजीनियरी, चीनी, तम्बाकू, दियासलाई, सीमेंट आदि मद्रास के प्रमुख उद्योग हैं। होज़री, ऊनी वस्त्र, लोहा और इस्पात, चाय और कहवा, खाद, कपड़ा, रस्से, चीनी मिट्टी और शीशे की चीज़ें यहां के अन्य औद्योगिक उत्पादन हैं। हथकरघे के कपड़े, पीतल के बर्तन, नारियल की जटा की चीज़ें, हाथीदांत और चमड़े की चीज़ें भी मद्रास में खूब तैयार होती हैं। मद्रास साहित्य, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत और नृत्य के क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ा हुआ है। भारतीय नृत्य-शैलियों में यहां की भरतनाट्यम् शैली सबसे अधिक प्रामाणिक और प्राचीन है तथा कर्नाटक संगीत उत्तर भारत के हिन्दुस्तानी संगीत से अधिक पुराना है। तंजोर, महाबलिपुरम् कांजीवरम् और मदुरई के प्राचीन मन्दिर तथा रामेश्वरम् जैसे तीर्थस्थान सारे भारत में प्रसिद्ध हैं।

मध्य प्रदेश : इसका क्षेत्रफल 4,43,452 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 3,24,00,000 है। भोपाल यहां की राजधानी है और ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर आदि प्रमुख नगर हैं। हिन्दी यहां की मुख्य भाषा है। यह भारत के मध्य में स्थित सबसे बड़े क्षेत्रफल वाला राज्य है। इसकी जलवायु उत्तरी भाग में गर्मी में अधिक गरम और जाड़े में अधिक ठंडी तथा पूर्वी और दक्षिणी भाग में साधारणतया गरम और नम है। ज्वार, गेहूं, धान, चना और गन्ना यहां की मुख्य फसलें हैं। मालवा के पठार की उपजाऊ काली मिट्टी में कपास की फसल खूब होती है। जंगलों की दृष्टि से असम के बाद मध्य प्रदेश का भारत में दूसरा स्थान है। इन जंगलों से विभिन्न प्रकार की लकड़ी के अलावा कई प्रकार के उद्योग-धंधों के लिए कच्चा माल मिलता है। मध्य प्रदेश में कोयला, लोहा, बॉक्साइट, मैंगनीज़, चूनापत्थर, संगमरमर, अभ्रक और तांबा काफी मिलता है। पन्ना स्थित हीरे की खानें प्रसिद्ध हैं। भिलाई में इस्पात का एक बहुत बड़ा कारखाना स्थापित हुआ है। नेपानगर में अखबारी कागज़ का कारखाना है। खजुराहो के मन्दिर, बाघ की गुफाएं,

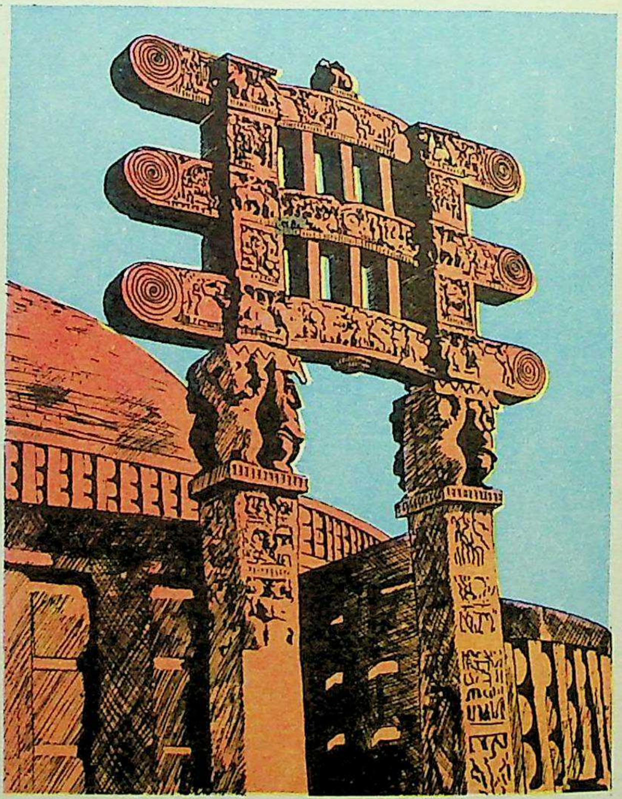

ईसा से दो सौ वर्ष पूर्व निर्मित सांची का प्रसिद्ध स्तूप (पश्चिमी द्वार का दृश्य)।

ग्वालियर का किला, सांची का स्तूप और जबलपुर के समीप संगमरमर की चट्टानें आदि यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थान हैं।

महाराष्ट्र : इसका क्षेत्रफल 3,07,477 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 4 करोड़ है। बम्बई इसकी राजधानी और पूना, नागपुर, शोलापुर, कोल्हापुर आदि प्रमुख नगर हैं। मराठी यहां की मुख्य भाषा है। इसका काफी बड़ा भाग दक्षिण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

के पठार का अंश है। पश्चिमी घाट समुद्रतट के समानान्तर चले गए हैं और इस पर्वतमाला और समुद्रतट के बीच कोंकण की संकरी पट्टी है जो कहीं भी 96 कि० मी० से अधिक चौड़ी नहीं है। इस पट्टी पर सबसे अधिक वर्षा होती है। पश्चिमी घाट के पीछे के बड़े भाग में बहुत कम वर्षा होती है। तिलहन और कपास इस राज्य की प्रमुख फसलें हैं। नागपुर, अमरावती और वर्धा में नारंगी के प्रसिद्ध बाग हैं। इस राज्य के काफी बड़े भाग में जंगल हैं। महाराष्ट्र में मैंगनीज़, चूनापत्थर, कोयला आदि भी

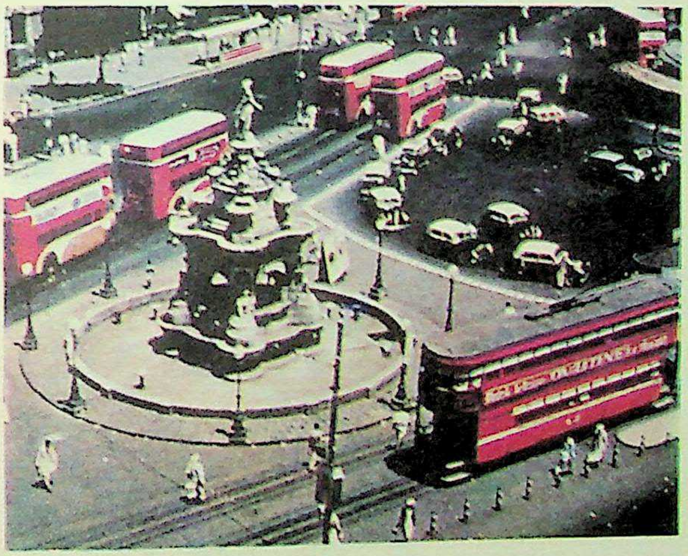

बम्बई के व्यावसायिक केन्द्र में स्थित फ्लोरा फाउंटेन।

मिलता है। यहां सूती कपड़े, बिजली और इंजीनियरी का सामान, रसायन आदि तैयार करने के बड़े-बड़े कारखाने हैं। बम्बई अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व का बंदरगाह तथा उद्योग और व्यवसाय का एक बहुत बड़ा केन्द्र है। विश्वप्रसिद्ध अजंता, एलोरा और एलिफेंटा गुफाएं भी इसी राज्य में हैं।

मैसूर : इसका क्षेत्रफल 1,92,204 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 2,40,00,000 है। बंगलौर इसकी राजधानी है और मैसूर, कोलार, हुबली-धारवाड़, मंगलौर, बेलगाम आदि प्रमुख नगर हैं। कन्नड़ यहां की मुख्य भाषा है। प्राकृतिक रूप से मैसूर दो भागों में बंटा है—मैदान और मलनाड, अर्थात् पहाड़ी क्षेत्र। मैदान के अधिकांश भाग में खेती होती है। मलनाड क्षेत्र में कुर्ग के घने सदाबहार जंगल हैं जो शेर, हाथी तथा अन्य जंगली जीवों के लिए प्रसिद्ध हैं। कुर्ग के पहाड़ी ढालों पर कहवा तथा मसाले बहुत अधिक होते हैं। मैदानी क्षेत्र में धान की फसल मुख्य है। संसार में सबसे अधिक चन्दन मैसूर में होता है तथा चंदन की लकड़ी और तेल में इसे विशिष्टता प्राप्त है। मैसूर अपने सुन्दर प्राकृतिक दृश्यों के लिए विख्यात है। शरावती नदी का जोग प्रपात, बंगलौर का लाल बाग, मैसूर का वृंदावन बाग और संसार की दूसरी बड़ी कृत्रिम

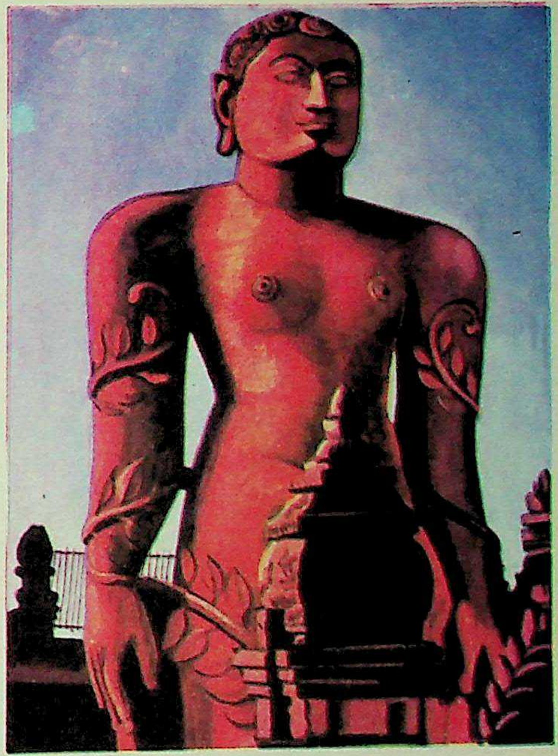

श्रवणबेलगोला (मैसूर) में गोमतेश्वर की 60 फुट ऊंची मूर्ति, जो केवल एक चट्टान को तराशकर बनाई गई है।

झील कृष्णराजसागर, एशिया की सबसे बड़ी गोमतेश्वर-प्रतिमा आदि इस राज्य के प्रमुख आकर्षण-केन्द्र हैं।

राजस्थान : इसका क्षेत्रफल 3,42,274 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 2,02,00,000 है। जयपुर इसकी राजधानी है और अजमेर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर आदि प्रमुख नगर हैं। राजस्थानी और हिन्दी यहां की मुख्य भाषाएं हैं। राजस्थान की अधिकांश भूमि रेगिस्तानी है और यहां वर्षा भी बहुत कम होती है। लेकिन लूनी नदी में

एक राजस्थानी किसान परिवार।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

भूगर्भीय जल का पता लगने से शीघ्र ही इस क्षेत्र के काया-पलट की संभावना है। ज्वार, बाजरा, गेहूं, मक्का, जौ, चना आदि यहां की मुख्य फसलें हैं। 680 कि० मी० लम्बी राजस्थान नहर के निर्माण के बाद राजस्थान का कृषि-उत्पादन बढ़ जाएगा। राजस्थान में चूनापत्थर और जिप्सम की कई खानें हैं। बिहार के बाद यहां सबसे अधिक अभ्रक मिलता है। मलमल जैसे बारीक कपड़े, कालीन और कम्बल तैयार करना, हाथीदांत और गोटा-किनारी का काम यहां के मुख्य उद्योग हैं। राजस्थान अच्छी नस्ल के गाय-बैलों के लिए भी प्रसिद्ध है।

हरयाणा : इसका क्षेत्रफल 4,3846 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या 75,99,759 है। पंजाब की भांति चंडीगढ़ यहां की भी राजधानी है और अम्बाला, रोहतक, हिसार, गुड़गांव, पानीपत, सिरसा और कुरुक्षेत्र प्रमुख नगर हैं। कुरुक्षेत्र में विश्वविद्यालय है जहां आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के अतिरिक्त संस्कृत तथा प्राचीन शास्त्रों की शिक्षा विशेष रूप से दी जाती है। यह मुख्यत: हिन्दीभाषी राज्य है और इसका निर्माण पुराने पंजाब राज्य का विभाजन करते समय 1 नवंबर, 1966 को किया गया। इस राज्य में 7 ज़िले और 62 तहसीलें हैं। यह कृषि-प्रधान प्रदेश है। जलवायु शुष्क होने पर भी यहां पैदावार अच्छी होती है। पशुपालन भी यहां की विशेषता है और यहां के गाय-बैलों की नस्लें संसार में बड़ा नाम प्राप्त कर चुकी हैं।

परंतु औद्योगिक उत्पादन की दृष्टि से भी हरयाणा भारत के अग्रणी राज्यों में है। राजधानी दिल्ली से लगा होने के कारण यहां पहले से ही बहुत-से कल-कारखाने चल रहे थे। अब उनकी संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। यहां इस समय लगभग तीन हज़ार कारखाने हैं, जिनमें अनेक प्रकार की वस्तुएं बनती हैं। उद्योगों का सबसे बड़ा केन्द्र फरीदाबाद है।

भारत के केन्द्रशासित संघीय क्षेत्रों का परिचय इस प्रकार है :

अंदमान तथा निकोबार द्वीपसमूह : इनका सम्मिलित क्षेत्रफल 8,327 वर्ग कि० मी०, जनसंख्या लगभग 64 हज़ार और मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर है। यह द्वीपसमूह कलकत्ता से 1248 कि० मी० दूर बंगाल की खाड़ी में स्थित है। अंदमान द्वीपसमूह में छोटे-बड़े 204 द्वीप हैं और निकोबार द्वीपसमूह में 19 द्वीप हैं। स्वाधीनता से पहले अपराधियों को आजन्म कारावास या 'कालापानी' की सज़ा देकर इन द्वीपों में भेजा जाता था। अब इन द्वीपों का तेज़ी से विकास हो रहा है और बहुत-से किसान परिवार विभिन्न राज्यों से यहां आकर बस गए हैं। यहां से चावल, रबर, कोकोआ, काली मिर्च, कहवा और इमारती लकड़ी बाहर भेजी जाती है।

उत्तर-पूर्वी सीमांत क्षेत्र (नेफा) : इसका क्षेत्रफल 80,489 वर्ग कि० मी०, जनसंख्या 3,36,558 तथा मुख्यालय शिलङ् है। यह जंगलों से भरा पहाड़ी क्षेत्र है। यहां के अधिकांश निवासी भारत-मंगोल जाति के आदिवासी हैं। यहां लगभग 50 प्रकार की बोलियां प्रचलित हैं।

गोआ, दमन और दीव : इनका सम्मिलित क्षेत्रफल 3,693 वर्ग कि० मी०, जनसंख्या लगभग 6,00,000 और राजधानी पणजि है। गोआ बम्बई से 320 कि० मी० दक्षिण में, दमन बम्बई से 176 कि० मी० उत्तर में खंभात की खाड़ी के आरंभ में और दीव बम्बई से 440 कि० मी० दूर सौराष्ट्र प्रायद्वीप में स्थित है। सन् 1961 में ये बस्तियां पुर्तगाली शासन से मुक्त होकर भारत संघ में मिल गईं। गोआ के लोग मराठी और कोंकणी बोलते हैं तथा दमन और दीव के लोग गुजराती बोलते हैं। गोआ-स्थित मारमागाओ एक आदर्श बंदरगाह है और यहां संसार के बड़े-बड़े जहाज़ ठहर सकते हैं।

दादर और नगरहवेली : इनका सम्मिलित क्षेत्रफल 489 वर्ग कि०मी० जनसंख्या लगभग 58,000 और मुख्यालय सिलवासा है। सन् 1961 में ये बस्तियां भी पुर्तगाली शासन से मुक्त होकर भारत संघ में मिल गईं।

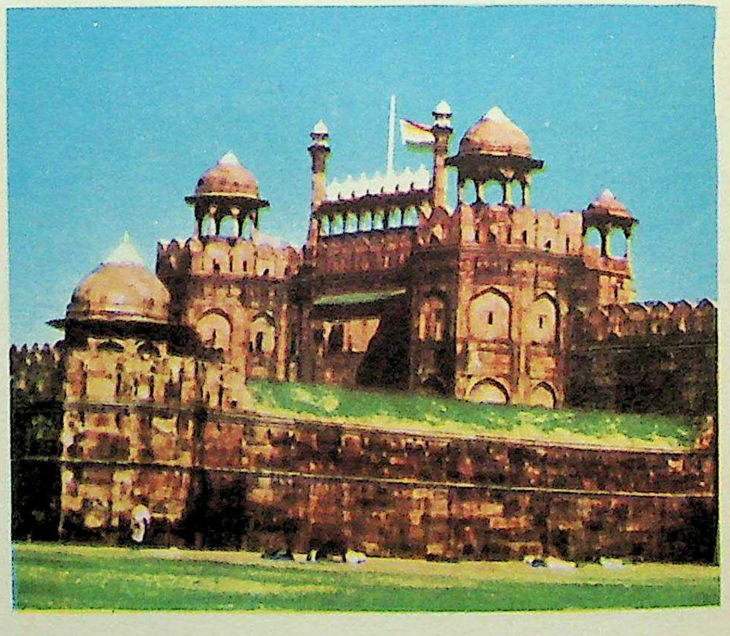

शाहजहां द्वारा बनवाया गया दिल्ली का प्रसिद्ध लाल किला।

दिल्ली : इसका क्षेत्रफल 1,484 वर्ग कि० मी० और जनसंख्या लगभग 30,00,000 है। इसका मुख्यालय दिल्ली है। भारत संघ की राजधानी नई दिल्ली इसी क्षेत्र में स्थित है। हिन्दी, उर्दू और पंजाबी यहां की मुख्य भाषाएं हैं। दिल्ली की गणना भारत के प्राचीनतम नगरों में होती है। सदियों से यह नगर भारत की राजधानी रहा है।

पाण्डिचेरी : इसका क्षेत्रफल 479 वर्ग कि० मी०, जनसंख्या 4,00,000 और राजधानी पाण्डिचेरी है। करामण्डल तट पर स्थित पाण्डिचेरी और कारीकल, आंध्र तट पर स्थित

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

यनम और केरल तट पर स्थित माही नामक भूतपूर्व फ्रांसीसी बस्तियों को सन् 1962 में विधिवत् भारत संघ में सम्मिलित कर लिया गया। पाण्डिचेरी की मुख्य भाषाएं फ्रांसीसी और तमिल हैं।

मणिपुर : इसका क्षेत्रफल 22,347 वर्ग कि० मी०, जनसंख्या 8,00,000 और राजधानी इम्फाल है। यह भारत की पूर्वी सीमा पर स्थित एक छोटा-सा क्षेत्र है और चारों ओर पहाड़ों से घिरा है। यहां के अधिकांश निवासी खेती करते हैं। हथकरघा और रेशम-उद्योग यहां के प्रमुख उद्योग हैं। मणिपुर अपने हस्तशिल्प और मणिपुरी नृत्य के लिए विख्यात है।

लक्षद्वीप, मिनिकाय तथा अमीनदीवी द्वीपसमूह : इनका सम्मिलित क्षेत्रफल 29 वर्ग कि० मी०, जनसंख्या लगभग 25,000 और मुख्यालय कवारात्ती है। यह भारत के पश्चिमी तट से लगभग 320 कि० मी० दूर अरब सागर में फैले हुए छोटे-छोटे द्वीपों का एक समूह है। नारियल यहां की मुख्य उपज है। मछली पकड़ना और खोपरा-उद्योग यहां के मुख्य उद्योग हैं। यहां के सभी निवासी मुसलमान हैं, लेकिन उनका रहन-सहन और रीति-रिवाज मलाबार तट के हिन्दुओं से मिलते-जुलते हैं। ये लोग पुरानी मलयालम भाषा बोलते हैं।

हिमाचल प्रदेश : इसका क्षेत्रफल 56,451 वर्ग कि० मी०, जनसंख्या लगभग 28,00,000 और राजधानी शिमला है। हिन्दी और पहाड़ी यहां की मुख्य भाषाएं हैं। इस पहाड़ी क्षेत्र का अधिकांश भाग जंगलों से भरा है और वनोद्योग यहां का प्रमुख उद्योग है। यहां के सेब के बाग बहुत प्रसिद्ध हैं। यहां आलू की खेती भी बहुत बड़े पैमाने पर होती है। इसी प्रदेश के भूतपूर्व राजपूत राज्यों में कांगड़ा शैली की चित्रकला का विकास हुआ था।

त्रिपुरा : इसका क्षेत्रफल 10,453 वर्ग कि० मी०, जनसंख्या 12,00,000 और राजधानी अगरतला है। यह असम के दक्षिण-पश्चिम में पूर्वी पाकिस्तान राज्य की ओर निकला हुआ एक छोटा-सा पहाड़ी क्षेत्र है। यहां या तो हवाई जहाज़ से पहुंचा जा सकता है या असम से हाल में ही बनी एक पहाड़ी सड़क से। धान, जूट, चाय, गन्ना और कपास यहां की मुख्य फसलें हैं।

भूटान (BHUTAN) : यह हिमालय क्षेत्र में स्थित भारत का एक संरक्षित देश है। इसके उत्तर में तिब्बत, दक्षिण में असम और पश्चिमी बंगाल, पूर्व में उत्तर-पूर्वी सीमांत क्षेत्र (नेफा) और पश्चिम में सिक्किम स्थित हैं। इसका क्षेत्रफल 19,305 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 7,00,000 है। इसकी राजधानी थिम्फू है। भूटान अपने आंतरिक मामलों में पूर्ण स्वतन्त्र है, लेकिन विदेशों से इसके संबंधों का नियंत्रण भारत सरकार के ज़िम्मे है। भूटान भारत सरकार की सहायता और स्वीकृति से बाहर से हथियार और गोला-बारूद मंगा सकता है। भारत भूटान को प्रतिवर्ष 5,00,000 रुपये देता है। यह चारों ओर से ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों से घिरा एक अलग-थलग-सा देश है। यहां के अधिकांश निवासी तिब्बती जाति के हैं और तिब्बती से मिलती-जुलती भाषा बोलते हैं। ये लोग बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं और दलाई लामा को अपना धार्मिक प्रधान मानते हैं।

मंगोलिया (MONGOLIA) : एशिया के मध्य में और सोवियत संघ तथा चीन के बीच मंगोलिया जनवादी गणराज्य स्थित है। इसका क्षेत्रफल 6,26.000 वर्गमील और जनसंख्या 10,25,000 है। इसकी राजधानी उलान बतोर है।

किसी ज़माने में मंगोल बड़े शक्तिशाली थे। चंगेज़ खां मंगोल ही था और चीन का सम्राट कुबले खां भी मंगोल था। चीन की बड़ी दीवार मंगोलिया और चीन की सीमा पर मंगोल आक्रमणकारियों को रोकने के लिए बनवाई गई थी।

मंगोलिया का बहुत कम भाग खेती के योग्य है। मंगोलिया के बहुत-से निवासी खानाबदोश हैं। इनके पास भेड़ों के बड़े-बड़े रेवड़ होते हैं। ये जानवरों की खालों से बने तम्बुओं में रहते हैं। इनके पास अपने घोड़े, मवेशी और यहां तक कि ऊंट भी होते हैं।

मंगोलिया का काफी बड़ा भाग गोबी के रेगिस्तान में पड़ता है जो समुद्रतल से एक मील ऊंचा है। इसलिए यह गर्मियों में भी ठंडा रहता है।

मंगोलिया का एक भाग चीन के अधिकार में है। इसे भीतरी मंगोलिया कहा जाता है। अब मंगोलिया बड़ी तेज़ी से उन्नति करता जा रहा है। यहां जूते और चमड़े की अन्य चीज़ें तैयार करने के कारखाने हैं।

घुमक्कड़ मंगोल चरवाहे तंबुओं में रहते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

मंगोलिया का प्रायः सारा व्यापार सोवियत संघ और चीन के साथ होता है।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य (CENTRAL AFRICAN REPUBLIC) : अफ्रीका महाद्वीप में स्थित यह राज्य उत्तर में चाड, पूर्व में सूडान, दक्षिण में कांगो और पश्चिम में केमेरून से घिरा है। यह पहले फ्रांस का उपनिवेश था, किंतु 1960 में पूर्ण स्वतंत्र हो गया। मध्य अफ्रीकी गणराज्य फ्रेंच राष्ट्रकुल का सदस्य है।

इसका क्षेत्रफल 2,38,000 वर्गमील और जनसंख्या 12,50,000 है। बांगुई इसकी राजधानी है।

मलयेशिया (MALAYSIA) : 16 सितम्बर, 1963 को मलयेशिया संघ नामक एक नये राष्ट्र का उदय हुआ। प्रारम्भ में इसमें मलाया, सिंगापुर, सारावाक और साबा

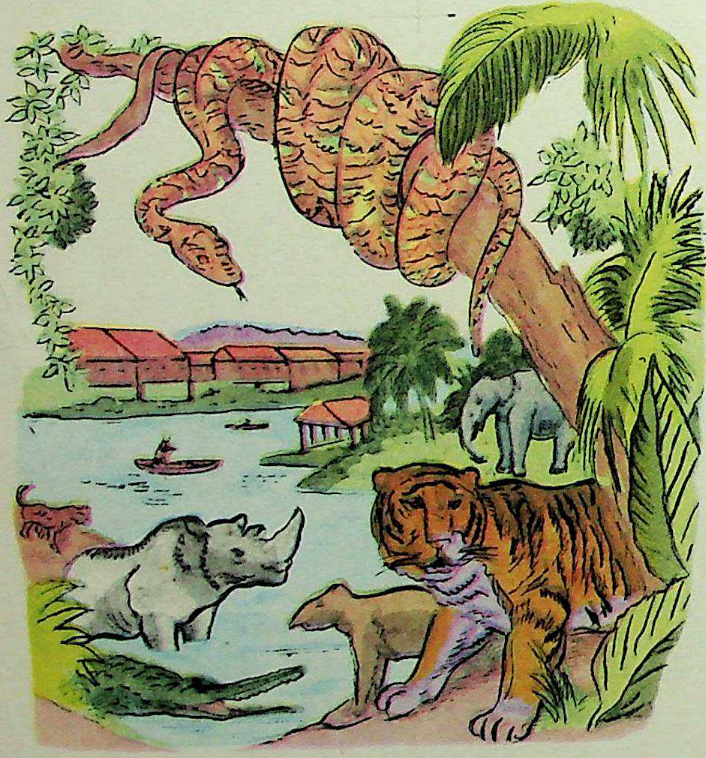

मलयेशिया के काफी बड़े भाग में घने जंगल हैं।

(भूतपूर्व ब्रिटिश उत्तरी बोर्नियो) सम्मिलित थे, किन्तु 1965 में सिंगापुर इस संघ से अलग हो गया। मलाया, मलय प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे पर स्थित है। मलयेशिया संघ का क्षेत्रफल 1,28.478 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 1,06,74,200 है। इसकी राजधानी क्वालालम्पुर है।

मलयेशिया एक गरम और भारी वर्षा वाला देश है। यहां काफी घने जंगल हैं और उनमें तरह-तरह के जीव-जंतु पाए जाते हैं। इन उष्णकटिबंधीय जंगलों में बहुत कम लोग रहते हैं। मलयेशिया संसार में सबसे अधिक रबर और टीन उत्पन्न करनेवाले देशों में माना जाता है। इसके अधिकांश रबर के बाग, टीन की खानें और चावल के खेत, मलय प्रायद्वीप के पश्चिमी किनारे की संकरी पट्टी में स्थित हैं।

मलयेशिया संघ में विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग रहते हैं। मलय और चीनी लोगों के अलावा, यहां भारतीय और बोर्नियो की जनजातियों के लोग भी हैं।

मलय भाषा मलयेशिया की राष्ट्रभाषा है, लेकिन सारावाक और उत्तरी बोर्नियो में अभी कुछ समय तक अंग्रेज़ी राजभाषा रहेगी। इस्लाम को मलयेशिया का धर्म घोषित किया गया है, लेकिन सारावाक और उत्तरी बोर्नियो को धर्म के मामले में भी छूट प्रदान की गई है।

मलयेशिया संसार के एक प्रमुख जहाज़ी मार्ग पर स्थित है जो यूरोप और अमरीका को दक्षिण-पूर्वी एशिया से मिलाता है।

मलागासी (MALAGASY) : यह मडागास्कर द्वीप का राजनीतिक नाम है। यह अफ्रीका महाद्वीप के पूर्वी किनारे के पास स्थित है। यह फांसीसी समुदाय का एक स्वतंत्र सदस्य है।

इसके बीच का भाग पठारी है और किनारे की ज़मीन दलदली और जंगलों से भरी है। धान यहां की मुख्य उपज है। यहां यूरेनियम, ग्रेफाइट और सोने की खानें भी हैं। मडागास्कर के जंगलों में विभिन्न प्रकार के विचित्र जीव पाए जाते हैं। इसका क्षेत्रफल 2,30,500 वर्गमील और जनसंख्या 60,16,000 है। इसकी राजधानी तानानारीव है।

मालटा (MALTA) : भूमध्य सागर के मध्य में सिसिली से 58 मील दक्षिण की ओर स्थित यह छोटा-सा द्वीप सामरिक दृष्टि से बहुत ही महत्त्व रखता है। मालटा पहले ब्रिटेन के अधीन था और उसका एक प्रसिद्ध नौसैनिक अड्डा था। किन्तु 1964 से यह स्वतंत्र हो गया है। इसका क्षेत्रफल 128 वर्गमील और जनसंख्या 3,24,000 है। वेलेटा इसकी राजधानी है।

माली (MALI) : उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका के भीतर स्थित यह देश पहले फ्रांस का उपनिवेश था। नवम्बर, 1958 में यह फ्रेंच राष्ट्रकुल का एक स्वायत्त गणराज्य बना और जून, 1960 में सेनेगल के साथ मिल जाने पर संघीय गणराज्य के रूप में पूर्ण स्वतंत्र हो गया। किन्तु सेनेगल इससे शीघ्र ही अलग हो गया और यह तब से माली गणराज्य कहलाता है। अब यह देश फ्रेंच राष्ट्रकुल का भी सदस्य नहीं है।

माली का क्षेत्रफल 5,82,437 वर्गमील और जनसंख्या 43,94,000 है। बामाको इसकी राजधानी है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

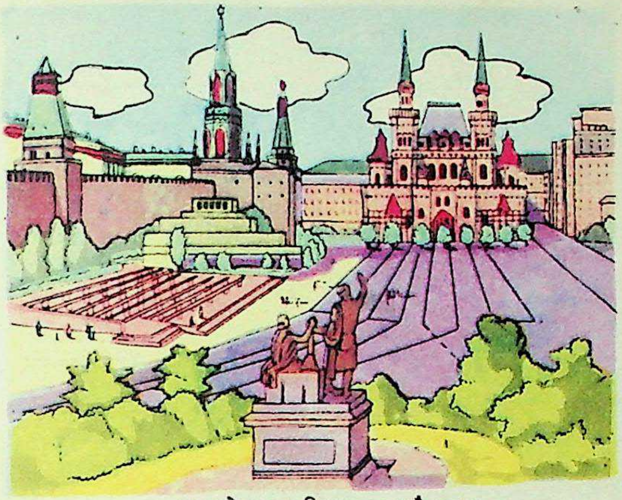

मास्को का प्रसिद्ध लाल मैदान।

मास्को (MOSCOW) : यह सोवियत संघ की राजधानी है। मास्को संसार का पांचवां सबसे बड़ा नगर है। मास्को उद्योग, यातायात ग्रौर शिक्षा का एक बहुत बड़ा केन्द्र है। इसका रूसी नाम 'मस्क्वा' है।

ग्राठ सौ साल पहले मास्को एक मामूली-सा गांव था। मस्क्वा नदी इसके बीच से ग्रौर कुछ छोटी नदियां इसके पास से होकर बहती हैं। उन दिनों ग्रधिकतर व्यापार नदियों के ज़रिये ही होता था। इसलिए धीरे-धीरे यह व्यापार का केन्द्र बन गया। सोलहवीं सदी में यह रूसी साम्राज्य की राजधानी रहा। लेकिन क्रांति के कुछ समय बाद फिर से मास्को राजधानी बन गया।

मास्को के मध्य में क्रेमलिन का विशाल किला स्थित है। इसमें जार सम्राटों द्वारा बनवाए गए बड़े-बड़े महल ग्रौर गिरजे हैं। यहीं सोवियत सरकार के केन्द्रीय कार्यालय भी स्थित हैं। क्रेमलिन के पास ही प्रसिद्ध लाल मैदान है जहां बड़े-बड़े सैनिक प्रदर्शनों ग्रौर उत्सवों का ग्रायोजन होता है। इसी मैदान में क्रेमलिन की दीवार के पास लेनिन की प्रसिद्ध समाधि है।

मास्को ग्रपनी चौड़ी-चौड़ी सड़कों, विशाल भवनों, तथा ज़मीन के नीचे चलनेवाली रेलगाड़ी के सुन्दर स्टेशनों के लिए प्रसिद्ध है। यहां लोहा ग्रौर इस्पात, बिजली का सामान, रेल के इंजन ग्रौर कपड़ा तैयार करनेवाले बड़े-बड़े कारखाने हैं। मास्को के पास ही लोहा, कोयला ग्रौर ग्रन्य खनिज पदार्थ खूब मिलते हैं।

मेक्सिको (MEXICO) : यह संयुक्त राज्य ग्रमरीका के दक्षिण में ग्रौर पनामा के उत्तर में स्थित एक स्वतन्त्र गणराज्य है। पहले यहां स्पेन का राज्य था, लेकिन 1821 में यह स्वतंत्र हो गया। इसका क्षेत्रफल 7,60,373 वर्गमील ग्रौर जनसंख्या 3,46,70,000 है। मेक्सिको नगर इसकी राजधानी है।

मेक्सिको की सभ्यता बड़ी पुरानी है। स्पेन वालों के ग्राने के पहले यहां ग्रज़्तेक जाति के लोग बसते थे। वे लोग काफी सभ्य थे। उस सभ्यता के प्राचीन भग्नावशेष ग्रभी भी मेक्सिको में यहां-वहां बिखरे हुए हैं।

मेक्सिको के घास के मैदानों में मवेशी पाले जाते हैं। खेतों में किसान ग्रनाज पैदा करते हैं ग्रौर साग-सब्ज़ियां

मेक्सिको का झंडा

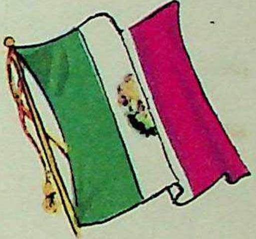

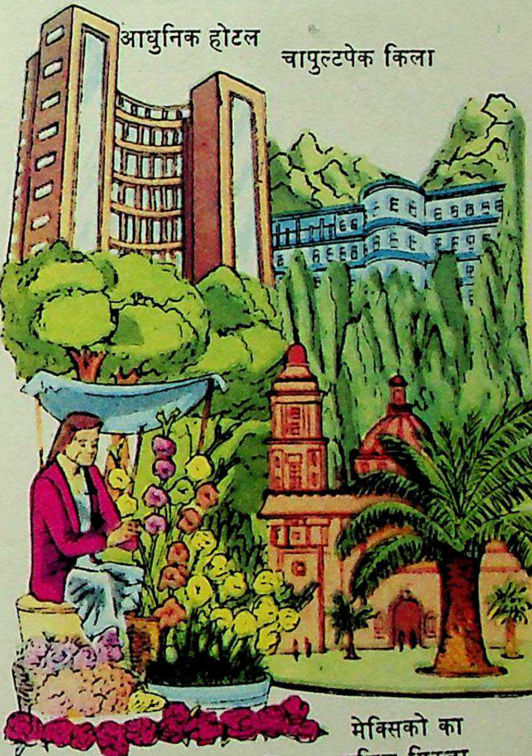

उगाते हैं। उत्तरी मेक्सिको में खानों से सोना, चांदी, तांबा ग्रादि निकाला जाता है। मेक्सिको के दक्षिणी क्षेत्र में दो ऊंचे-ऊंचे ज्वालामुखी पर्वत हैं। पहाड़ी इलाकों के पास ही फलों के बड़े-बड़े बाग हैं। उत्तर में टाम्पिको बंदरगाह के पास तेल के कुछ कुएं हैं जो उत्तरी ग्रमरीका के सबसे ग्रच्छे कुग्रों में माने जाते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

मैंचेस्टर (MANCHESTER) यह ब्रिटेन का एक सबसे बड़ा और महत्त्वपूर्ण नगर है। एक लम्बे समय तक यह रूई की संसार की सबसे बड़ी मंडी माना जाता रहा है। यह लंकाशायर के दक्षिण में एक नदी के किनारे बसा है। मैंचेस्टर रेल और सड़कों द्वारा ब्रिटेन के सभी बड़े नगरों से जुड़ा हुआ है। यहां कई बड़े-बड़े कारखाने भी हैं। मैंचेस्टर विश्वविद्यालय बहुत प्रसिद्ध है।

मोनाको (MONACO) : यूरोप का यह देश इतना छोटा है कि इसे मीलों में नहीं नापा जा सकता। इसका क्षेत्रफल लगभग 370 एकड़ और जनसंख्या 22,500 है। मोनाको

मोनाको का डाक टिकट

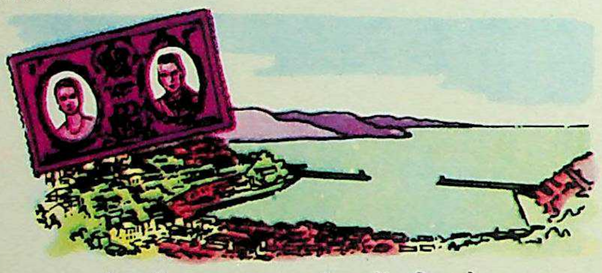

मोनाको का समुद्र-तट संसार में प्रसिद्ध है।
यहां हर साल हज़ारों सैलानी आते हैं।

यूरोप की मशहूर सैरगाह है। यह फ्रांस के नीस नगर से कुछ मील दूर भूमध्य सागर के किनारे बसा है। मोनाको के नगर पहाड़ी इलाकों में बसे हैं जहां से भूमध्य सागर का सुन्दर दृश्य दिखाई देता है। यहां बहुत बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। मोनाको के अधिकांश निवासी होटलों में काम करते हैं। इसका मोंटे कार्लो नगर अपने जुए के अड्डों के लिए प्रसिद्ध है। मोनाको एक राजा के अधिकार में है। यहां का समुद्री वस्तुओं का संग्रहालय संसार में अपने ढंग का सबसे अच्छा संग्रहालय है।

मोरक्को (MOROCCO) : अफ्रीका महाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी छोर पर स्थित मोरक्को पर, कहने के लिए, पहले एक सुल्तान का शासन था। वैसे, पूरा देश तीन भागों में बंटा था। फ्रेंच मोरक्को फ्रांस का और स्पेनिश मोरक्को स्पेन का प्रभाव-क्षेत्र था, जबकि टेंजियर ज़ोन अंतर्राष्ट्रीय और तटस्थ क्षेत्र माना जाता था। लम्बे संघर्ष के बाद 1956 में पूरा देश एक स्वतंत्र प्रभुसत्ता-सम्पन्न राज्य घोषित किया गया और 1962 से यहां संवैधानिक राजतंत्र है।

मोरक्को का क्षेत्रफल 1,72,104 वर्गमील और जनसंख्या 1.26,65 000 है। रबात इसकी राजधानी है।

मौरिटानिया (MAURITANIA) : पश्चिमी अफ्रीका में स्थित यह देश एक इस्लामी गणराज्य है। यह पहले एक फ्रेंच इलाका था, जो नवम्बर 1960 में पूर्ण स्वतंत्र हो गया। यह फ्रेंच राष्ट्रकुल का सदस्य तो नहीं है, पर फ्रांस के साथ इसके अच्छे सम्बन्ध हैं। मौरिटानिया का क्षेत्रफल 4,18,810 वर्गमील और जनसंख्या 10,00,000 है। नोआकचोट इसकी राजधानी है।

यमन (YEMEN) : यह अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित एक छोटा-सा, किंतु प्राचीन पहाड़ी अरब देश है। पहले यहां इमाम का शासन था, पर 1962 में यह गणराज्य घोषित कर दिया गया। यमन का क्षेत्रफल 75,000 वर्गमील और जनसंख्या 50,00,000 है। साना इसकी राजधानी है।

यूगोस्लाविया (YUGOSLAVIA) : यूगोस्लाविया की स्थापना प्रथम विश्वयुद्ध के बाद हुई थी, लेकिन दूसरे विश्वयुद्ध ने इस देश को फिर से तहस-नहस कर दिया। अन्त में, सन् 1945 में आधुनिक यूगोस्लाविया गणराज्य की स्थापना की गई। आजकल यहां कम्यूनिस्ट शासन है। इसका क्षेत्रफल 98,700 वर्गमील और जनसंख्या 1,77,99,000 है। इटली, आस्ट्रिया, हंगरी, रूमानिया और बल्गारिया इसके पड़ोसी देश हैं।

इस देश के दो-तिहाई से अधिक लोग किसान और चरवाहे हैं। एड्रियाटिक सागर के किनारे की निचली

ज़मीन में अंगूर और जैतून के बगीचे हैं। इन सुन्दर प्रदेशों में बहुत-से लोग छुट्टियां मनाने आते हैं। उत्तर-पूर्व की ओर निचली ज़मीन के विशाल टुकड़े में गेहूं और मक्का की बहुत पैदावार होती है। यहां अनाज काफी पैदा होता है लेकिन इतना अधिक नहीं होता कि उसका निर्यात किया जाए। पहाड़ी ढलानों पर उगने वाले पेड़ों की लकड़ी विदेशों को भेजी जाती है।

बेलग्रेड यहां की राजधानी और सबसे बड़ा नगर है।

यूगोस्लाविया में बॉक्साइट, सीसे और लोहे की खानें हैं। आजकल यहां उद्योग-धंधे अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

मछली पकड़ना और मछली की डिब्बाबन्दी यूरोप के कई देशों का एक प्रमुख उद्योग है। प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की हज़ारों नावें अटलांटिक महासागर में मछली पकड़ने जाती हैं।

यूरोप (EUROPE) : यह एशिया का पड़ोसी महाद्वीप है। कई बार यूरोप और एशिया को मिलाकर 'यूरेशिया' के नाम से पुकारा जाता है। यूराल पर्वतमाला और कैस्पियन सागर को दोनों महाद्वीपों की सीमा मान लिया गया है। वास्तव में भौगोलिक दृष्टि से यूरोप की स्थिति एशिया के एक प्रायद्वीप की तरह है। स्वयं यूरोप में अनेक प्रायद्वीप हैं, इसीलिए इसे कभी-कभी 'प्रायद्वीपों का प्रायद्वीप' कहा जाता है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप आस्ट्रेलिया के बाद संसार का सबसे छोटा महाद्वीप है, लेकिन जनसंख्या की दृष्टि से एशिया के बाद यह संसार का सब से बड़ा महाद्वीप है। यूरोप का क्षेत्रफल लगभग 37,00,000 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 55,00,00,000 है।

यूरोप एक छोटा लेकिन घना बसा हुआ महाद्वीप है।

उत्तर में स्थित होने के बावजूद यूरोप के अधिकांश देशों की जलवायु सुहावनी है। अटलांटिक महासागर से जो गरम और नम हवाएं चलती हैं वे सर्दियों में भी इन देशों को जमने नहीं देतीं। इन हवाओं के कारण वर्षा भी अच्छी हो जाती है। पूर्वी यूरोप के देशों में ठंड अधिक पड़ती है और वर्षा कम होती है। भूमध्य सागर के चारों ओर के

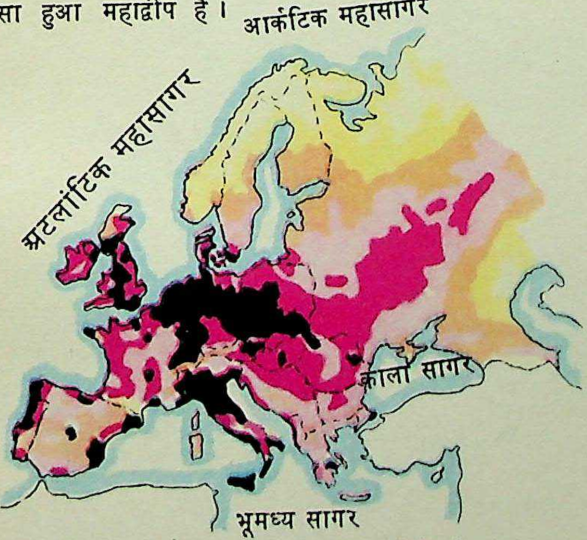

यूरोप मे जनसंख्या का घनत्व (प्रति वर्गमील)

2 से कम
2–30
30–60
60–125
125–250
250 से अधिक

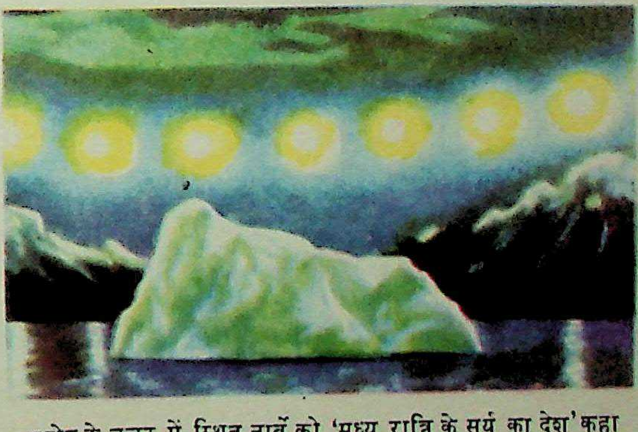

यूरोप के उत्तर में स्थित नार्वे को 'मध्य रात्रि के सूर्य का देश' कहा जाता है। चित्र में मध्य रात्रि के सूर्य की विभिन्न स्थितियां हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

नीदरलैंड को यूरोप में फूलों और पवन-चक्कियों का देश कहा जाता है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर फूलों की खेती होती है। फूलों और फूल के पौधों का निर्यात होता है। ट्यूलिप नीदरलैंड का सबसे प्रसिद्ध फूल है।

स्वीडन में तेज़ बहनेवाले पहाड़ी झरनों और धाराओं से जलविद्युत् पैदा की जाती है तथा पहाड़ों पर से लकड़ी काटकर बहाई जाती है। इस लकड़ी से अखबारी कागज़ के लिए लुगदी तैयार की जाती है। स्वीडन बड़ी मात्रा में अखबारी कागज़ का निर्यात करता है।

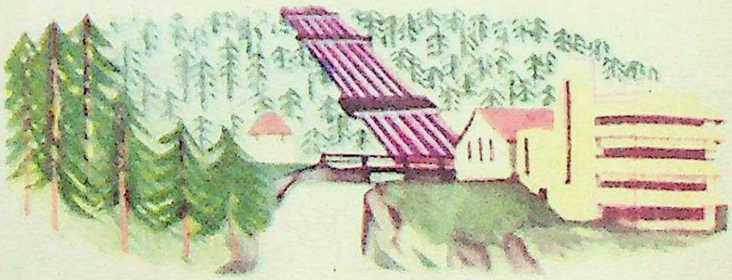

कुछ यूरोपीय देशों के लिए मत्स्य उद्योग इतना महत्त्वपूर्ण है कि उनके कई बंदरगाह मछली पकड़ने की विभिन्न प्रकार की नावों से अटे रहते हैं। इन बंदरगाहों में और इनके आसपास के नगरों में मछली का तेल निकालने, मछली की डिब्बाबंदी करने आदि के बड़े-बड़े कारखाने हैं। चित्र में इटली के एक ऐसे ही बंदरगाह का दृश्य है, जिसमें मछलीमार नावों की कतारें खड़ी हैं।

दक्षिण-पूर्वी यूरोप के अधिकांश देशों में कृषि का महत्त्वपूर्ण स्थान है। खेती का काम बड़े-बड़े फार्मों में आधुनिक मशीनों की सहायता से होता है। कुछ देशों में खेती के परम्परागत ढंग भी प्रचलित हैं। इस चित्र में तम्बाकू के एक खेत का दृश्य है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

देशों की जलवायु महाद्वीप के अन्य देशों की अपेक्षा गरम है, और वहां वर्षा भी कम होती है।

जलवायु की ही भांति यूरोप की वनस्पति में भी भारी अन्तर है। टुंड्रा में काई के अलावा कुछ होता ही नहीं। इसके दक्षिण में एक पट्टी चली गई है जिसमें कोनिफर पेड़ों के जंगल हैं। इसके भी दक्षिण में पतझड़ी पेड़ों के जंगल और चरागाह हैं। भूमध्य सागर के देशों में छोटी घास, जैतून के पेड़ और कुछ झाड़ियां ही पाई जाती हैं।

यूरोप महाद्वीप में कई पर्वतमालाएं हैं। इनमें पिरेनीज़, सियरा निवादा, कार्पेथियन और ऐपेनाइन प्रसिद्ध हैं, लेकिन आल्प्स पर्वत इन सबसे अधिक प्रसिद्ध है। यूरोप की सबसे ऊंची चोटी मोन ब्लांक है, जिसकी ऊंचाई 15,000 फुट है।

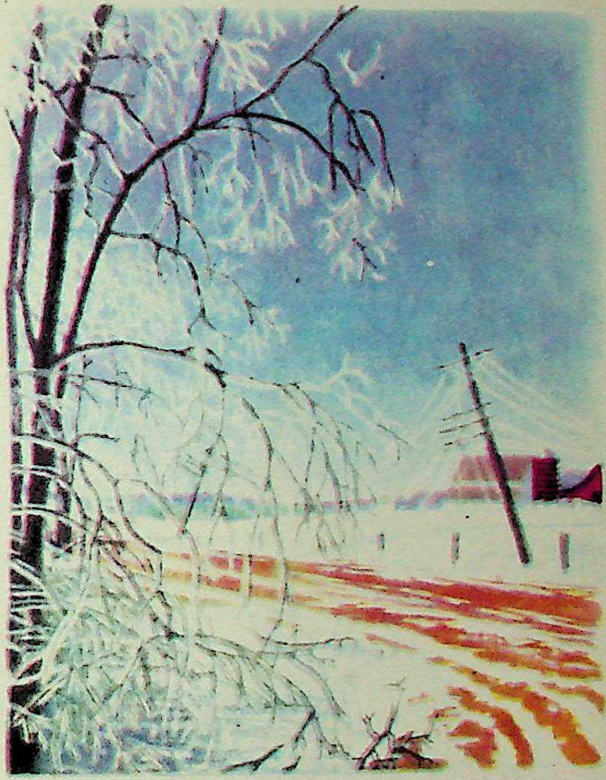

यूरोप के कुछ भागों में बर्फीली आंधियां चलती हैं, जिनसे कभी-कभी बड़ा नुकसान होता है।

फ्रांस में शराब खींचने के लिए बड़े पैमाने पर अंगूर की खेती होती है।

यूरोप की प्रसिद्ध नदियों में वोल्गा, डैन्यूब, डॉन, राइन, टेम्स, सीन और पो प्रमुख हैं। इनमें वोल्गा सबसे बड़ी है, जो रूस में बहती है।

इस छोटे-से महाद्वीप में तीस देश हैं। छः देश तो इतने छोटे हैं कि साधारण नक्शे में उन्हें दिखाना भी संभव नहीं है। इनके नाम हैं: वैटिकन नगर-राज्य, लक्सेम्बर्ग, सानमारिनो, लीख्टेन्स्टाइन, ऐंडोरा और मोनाको। इसके विपरीत, इसी महाद्वीप में संसार का सबसे बड़े क्षेत्रफल वाला देश रूस है जो यूरोप के पूर्वी भाग पर फैला हुआ है।

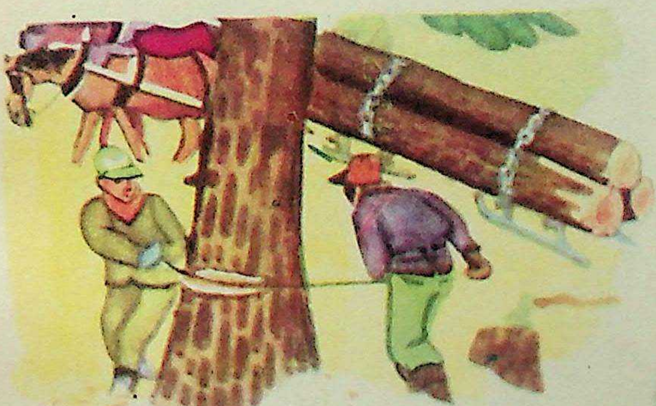

नार्वे में भी जंगलों से लकड़ी काटकर कागज़ की लुगदी बनाने का काम बड़े पैमाने पर होता है।

ग्रीस में अब भी बहुत-से किसान खेतीबारी के पुराने तरीकों का उपयोग करते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

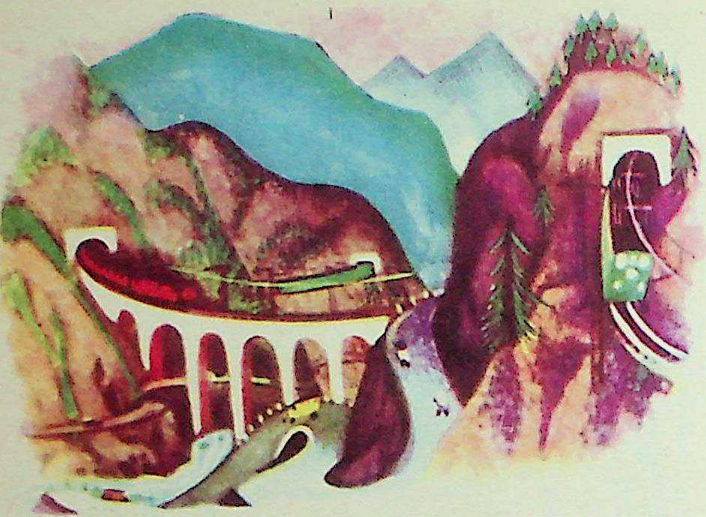

आल्प्स पर्वतमाला यूरोप के कई देशों में फैली हुई है। पहाड़ों में रेलों के लिए अनेक सुरंगें बनी हैं।

यूरोप के एक-तिहाई निवासी खेती या मछली पकड़ने का काम करते हैं, परन्तु फिर भी यूरोपीय देशों को बाहर से खाद्य सामग्री मंगानी पड़ती है। इसके बदले में यूरोपीय देश तैयार माल और मशीनें आदि बाहर भेजते हैं। इंग्लैंड, उत्तरी फ्रांस, इटली, उत्तरी जर्मनी और पश्चिमी रूस संसार के प्रसिद्ध औद्योगिक क्षेत्र हैं।

यूरोप अनेक देशों, विभिन्न भाषाओं, रीति-रिवाजों और विचारधाराओं वाला महाद्वीप है। इन प्रश्नों को लेकर पड़ोसी राष्ट्रों में कई बार युद्ध भी हुए हैं। यूरोप ने बहुत युद्ध देखे हैं। पहले मध्य एशिया की अनेक आक्रामक जातियों ने यूरोपीय देशों पर आक्रमण करके उन्हें तहस-नहस करने की कोशिश की, और फिर हमारे युग में दोनों विश्वयुद्धों में यूरोपीय देशों को प्रमुख भाग लेना पड़ा।

इंग्लैंड के कुछ भागों में गर्मी में अचानक वर्षा हो जाती है।

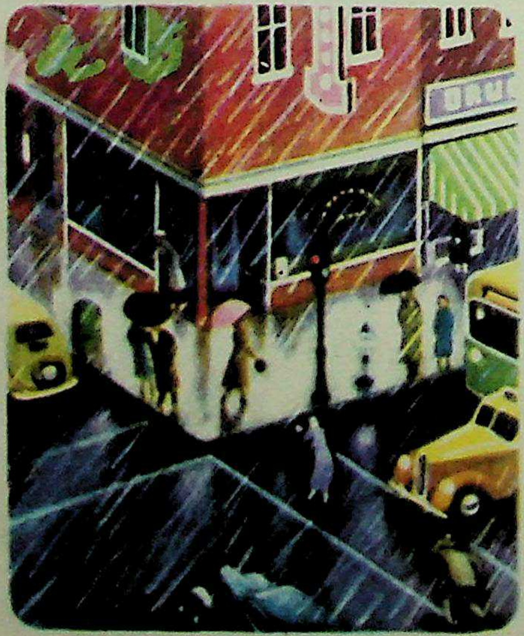

रवाण्डा (RWANDA) : मध्य अफ्रीका के पूर्व में स्थित यह राज्य पहले रुआण्डा-बुरुण्डी राज्य का एक भाग था, जिस पर बेल्जियम और संयुक्त राष्ट्रसंघ ट्रस्टी की हैसियत से शासन करते थे। 1961 से यह एक स्वतंत्र गणराज्य है और अब रवाण्डा कहलाता है। इसका क्षेत्रफल 10,166 वर्गमील और जनसंख्या 26,65,000 है। किगाली इसकी राजधानी है।

रूमानिया (RUMANIA) : दक्षिण-पूर्वी यूरोप के इस देश के पश्चिम में हंगरी, उत्तर-पूर्व में सोवियत संघ और दक्षिण में यूगोस्लाविया और बल्गारिया हैं। इसका क्षेत्रफल 91,654 वर्गमील और जनसंख्या 1,74,89,794 है।

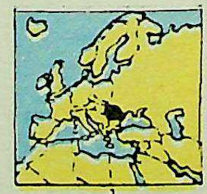

रूमानिया का मध्यवर्ती भाग पहाड़ी है, लेकिन पूर्व और पश्चिम की ओर नीचे होते चले गए मैदानों की ज़मीन बड़ी उपजाऊ है। वर्षा भी अच्छी होती है। यहां की मुख्य उपज मक्का और गेहूं है। इसके अलावा जौ, राई, चुकन्दर, अंगूर और तम्बाकू भी पैदा किया जाता है। कुछ लोग पशु-पालन भी करते हैं।

रूमानिया उन थोड़े-से यूरोपीय देशों में से है जिनमें तेल के कुएं हैं। यहां कपड़े के कारखाने और आटे की चक्कियां हैं। पिछले दिनों यहां की सरकार ने खेती के पुराने तरीकों में सुधार करने के लिए काफी काम किया है।

यहां की राजधानी और सबसे बड़ा नगर बुखारेस्ट है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

लंदन (LONDON) : यह ब्रिटेन की राजधानी और संसार का दूसरा सबसे बड़ा नगर है। केवल तोकियो इससे बड़ा है। इसकी जनसंख्या लगभग 82,00,000 है।

लंदन का इतिहास बड़ा पुराना है। रोमन साम्राज्य के युग में लंदन टेम्स नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा गांव था। तब इसका नाम लंदिनियम था। नार्मन युग में राजधानी बनने के बाद लंदन का बड़ी तेज़ी से विकास हुआ। धीरे-धीरे यह उद्योग और व्यापार का केन्द्र बन गया। पत्थर और ईंट के बड़े-बड़े महल और भवन बने, लेकिन अधिकांश लोग एक लम्बे समय तक लकड़ी के बने भवनों में ही रहते रहे। किसी ज़माने में लंदन की सड़कें और गलियां बहुत संकरी और गन्दी थीं। कोई महामारी फैलती थी या आग लग जाती थी तो उसे रोकना कठिन हो जाता था। सन् 1665 के प्लेग और 1666 की भयानक आग में लंदन तबाह हो गया। उस आग के बाद लंदन के काफी बड़े भाग को नये सिरे से बसाया गया।

लंदन अपने विशाल भवनों और ऐतिहासिक महलों के लिए प्रसिद्ध है। संसद भवन, वेस्टमिन्स्टर ऐबी नामक प्रसिद्ध गिरजाघर, लंदन टॉवर आदि यहां के दर्शनीय स्थान हैं। बकिंघम पैलेस में ब्रिटेन का राज-परिवार रहता है। लंदन का ब्रिटिश संग्रहालय संसार का सबसे महत्त्वपूर्ण संग्रहालय है। यहां ऐतिहासिक महत्त्व की बड़ी मूल्यवान वस्तुएं और पुस्तकें सुरक्षित हैं।

लंदन संसार का एक बहुत बड़ा व्यापारिक बंदरगाह भी है। ज्वार का पानी टेम्स नदी में काफी दूर तक आ जाता है, जिससे बड़े-बड़े जहाज़ यहां तक पहुंच सकते हैं।

लक्सेम्बर्ग (LUXEMBOURG): यूरोप के छः सबसे छोटे देशों में लक्सेम्बर्ग सबसे बड़ा है। यह जर्मनी, फ्रांस और बेल्जियम के बीच स्थित है। इसका क्षेत्रफल 999 वर्गमील और जनसंख्या 3,19,256 है। लक्सेम्बर्ग नगर इसकी राजधानी है। यहां के लोग खेती करते हैं, या लोहे की खानों और इस्पात के कारखानों में काम करते हैं।

लाइबेरिया (LIBERIA) : लगभग 140 साल पहले कुछ अमरीकी नीग्रो अफ्रीका के पश्चिमी तट पर बस गए और इस प्रकार लाइबेरिया देश का जन्म हुआ। लाइबेरिया भूमध्य रेखा के बहुत पास है। यह कड़ी गर्मी और भारी वर्षा वाला देश है जो जंगलों से ढका है। समुद्र के किनारे जंगलों को साफ करके खेत बनाए गए हैं। इसका क्षेत्रफल 43,000 वर्गमील और जनसंख्या 35,00,000 है। मनरोविया इसकी राजधानी है।

लंदन के कुछ दृश्य

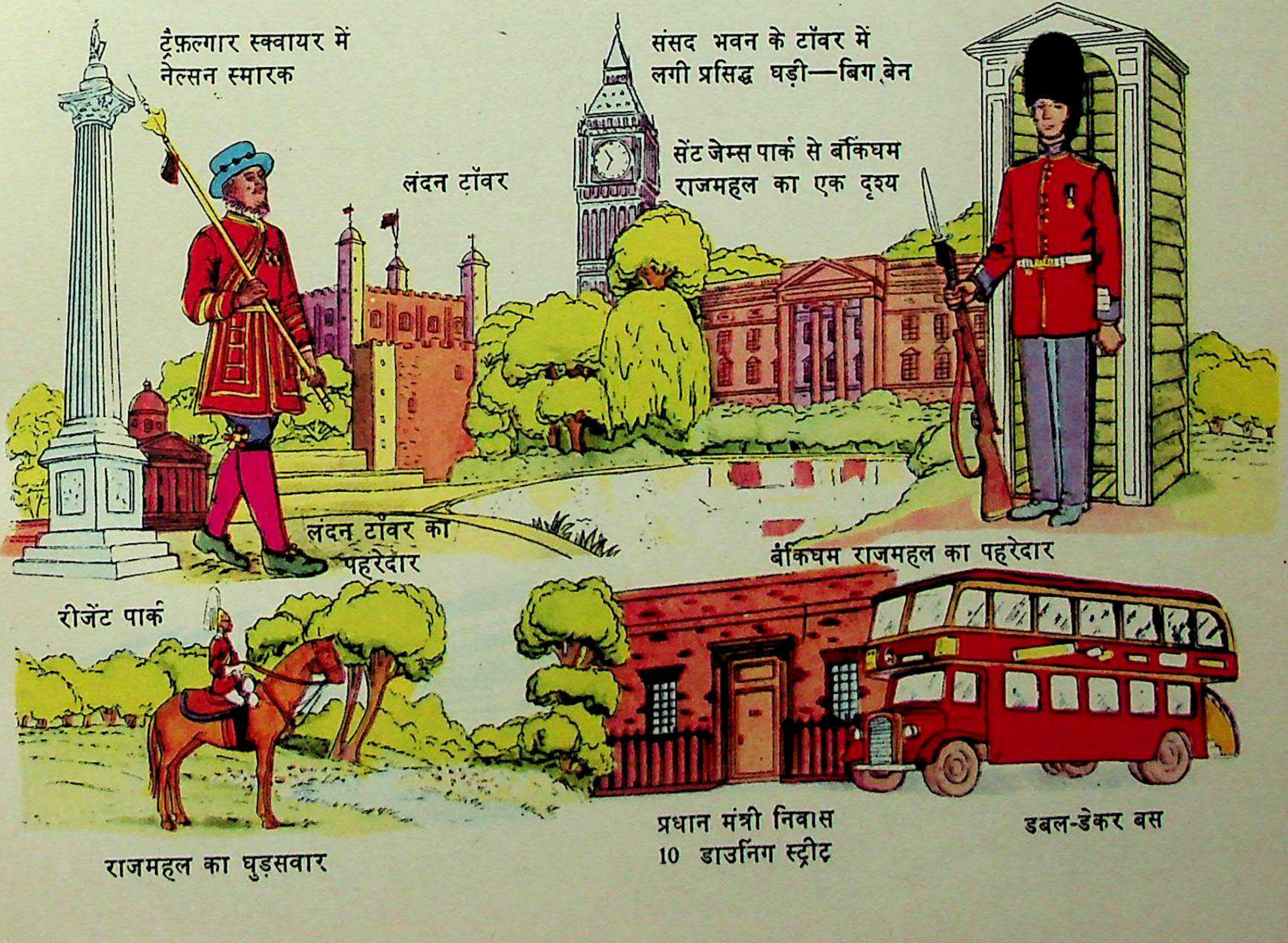

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

लाओस (LAOS) : दक्षिण-पूर्वी एशिया में स्थित लाओस पहले फ्रांस का एक संरक्षित क्षेत्र था। किन्तु 1949 से यह एक स्वतंत्र राज्य है और यहां संवैधानिक राजतंत्र है। इसका क्षेत्रफल 91,000 वर्गमील और जनसंख्या 25,00,000 है। इसकी राजधानी विएनतिएन है। यहां के 95 प्रतिशत लोग किसान हैं।

लिबिया (LIBYA) : उत्तरी अफ्रीका में मिस्र और ट्यूनीशिया के बीच स्थित यह देश भूमध्य सागर के तट से लगा है और दक्षिण में सहारा तक चला गया है। पहले यह इटली के अधीन था, किंतु 1951 से एक स्वतंत्र राज्य घोषित कर दिया गया है। यहां राजतंत्र है। इसका क्षेत्रफल 8,10,000 वर्गमील और जनसंख्या 15,59,400 है। यहां संघीय सरकार है और ट्रिपोली तथा बेनगाज़ी—दो राजधानियां हैं। पशुपालन यहां का मुख्य व्यवसाय है।

लीख्टेन्स्टाइन (LIECHTENSTEIN) : यूरोप का यह नन्हा-सा देश आस्ट्रिया और स्विट्ज़रलैंड के बीच स्थित है। इसका क्षेत्रफल 62 वर्गमील और जनसंख्या 18,400 है। इसकी राजधानी वादूज़ है। यहां के निवासी पशुपालन करते हैं, शराब बनाते हैं और संगमरमर की खानों में काम करते हैं।

लीख्टेन्स्टाइन की अपनी कोई सेना नहीं है और पुलिस की संख्या भी बहुत कम है। इसका शासक एक राजा है। इसकी डाक-तार व्यवस्था और परराष्ट्र संबंधों की देखरेख स्विट्ज़रलैंड करता है।

लेनिनग्राद के ऐतिहासिक विंटर पैलेस का मुख्य द्वार।

लेनिनग्राद (LENINGRAD) : यह सोवियत संघ का एक प्रमुख नगर और बंदरगाह है। पहले इसका नाम सेंट पीटर्सबर्ग था। यह कुछ समय तक रूस की राजधानी भी रह चुका है। इसे लगभग ढाई सौ साल पहले रूस के ज़ार पीटर महान ने बसाया था।

उस समय अटलांटिक महासागर में जाने के लिए रूस के पास अपना कोई बंदरगाह नहीं था। फिनलैंड की खाड़ी में नेवा नदी के मुहाने पर स्थित कुछ द्वीपों पर एक नया नगर बसाने का निश्चय किया गया। दलदल में खूंटे गाड़े गए और उन पर मकानों की नींव रखी गई। दलदली ज़मीन का पानी निकाला गया और बड़े-बड़े महल और सरकारी भवन बनाए गए। कुछ ही समय में एक सुन्दर नगर बस गया। लेकिन यहां की जलवायु नहीं बदली जा सकी। साल में लगभग पांच महीने तक बर्फ जम जाने के कारण यहां का बंदरगाह साधारण जहाज़ों के लिए लगभग बंद रहता है। पीटर ने अपने नाम पर इसका नाम रखा और इसे अपनी राजधानी बनाया।

ज़ारशाही का अन्त होने के बाद रूस की राजधानी फिर मास्को चली गई और सेंट पीटर्सबर्ग का नाम बदलकर लेनिनग्राद कर दिया गया। दूसरे विश्वयुद्ध में लेनिनग्राद का बड़ा नुकसान हुआ। लेकिन कुछ ही साल में यह फिर से मास्को के बाद सोवियत संघ का सबसे बड़ा नगर बन गया।

लेबनान (LEBANON) : भूमध्य सागर के तट के साथ यह देश ज़मीन की एक पट्टी के रूप में स्थित है और दक्षिण में इज़राइल और उत्तर व पूर्व में सीरिया से घिरा है। यह स्वतंत्र, जनवादी देश है जिसका ज़्यादातर भाग पहाड़ी है। अरब राज्यों में यह सबसे छोटा है। तम्बाकू, अंगूर, जैतून, गेहूं और रेशम यहां की मुख्य पैदावार हैं। इसका क्षेत्रफल 4,000 वर्गमील और जनसंख्या 21,51,900 है। बेरुत यहां की राजधानी है।

लैपलैंड (LAPLAND) : यहां के निवासी लैप जाति के कहलाते हैं। लैप लोगों की भाषा अलग है, लेकिन उनका कोई अलग देश नहीं है। लैपलैंड का क्षेत्र नार्वे, स्वीडन और फिनलैंड के उत्तरी भाग में फैला हुआ है। सोवियत संघ का एक कोना भी लैपलैंड में पड़ता है।

लैपलैंड इतना अधिक उत्तर में है कि यहां जाड़े की ऋतु बहुत लम्बी और ठंडी होती है। जाड़े की ऋतु में यहां बराबर रात रहती है। लैप लोग यहां के कठिन जीवन के आदी हैं। रेंडियर नामक बारहसिंगा इनका सबसे बड़ा सहायक पशु है। लैप लोग रेंडियर का दूध पीते हैं, उसका मांस खाते हैं और उसकी खाल से अपने लिए जूते, कपड़े और तम्बू वगैरह बनाते हैं। रेंडियर इनकी स्लेज गाड़ियां भी खींचता है। रेंडियर बर्फ पर होने वाली

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

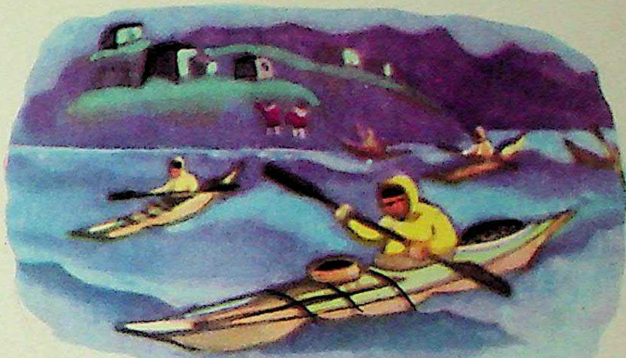

रेंडियर की खाल से नावें भी बनती हैं।

लैप लोगों के लिए रेंडियर बहुत उपयोगी जीव है। वे उसका दूध पीते हैं, उसकी खाल के कपड़े बनाते हैं और उसे स्लेज गाड़ियों में जोतते हैं।

एक प्रकार की काई खाता है। इसी काई की खोज में लैप चरवाहे अपने तम्बू लेकर एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहते हैं।

पिछले कुछ सालों में लैपलैंड में काफी परिवर्तन हुए हैं। यहां कच्चे लोहे की खानें मिली हैं।

बहुत-से लैप लोग मछली पकड़ने का काम करते हैं। कुछ लोग नदियों की घाटियों में खेती भी करते हैं। लेकिन फिर भी रेंडियर पालना लैप लोगों का मुख्य धंधा है।

वाशिंगटन नगर (WASHINGTON, D. C.) : अमरीका की राजधानी को 'वाशिंगटन, डी० सी०' (डिस्ट्रिक्ट कोलंबिया) कहा जाता है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का छोटा-

वाशिंगटन नगर के कुछ दृश्य

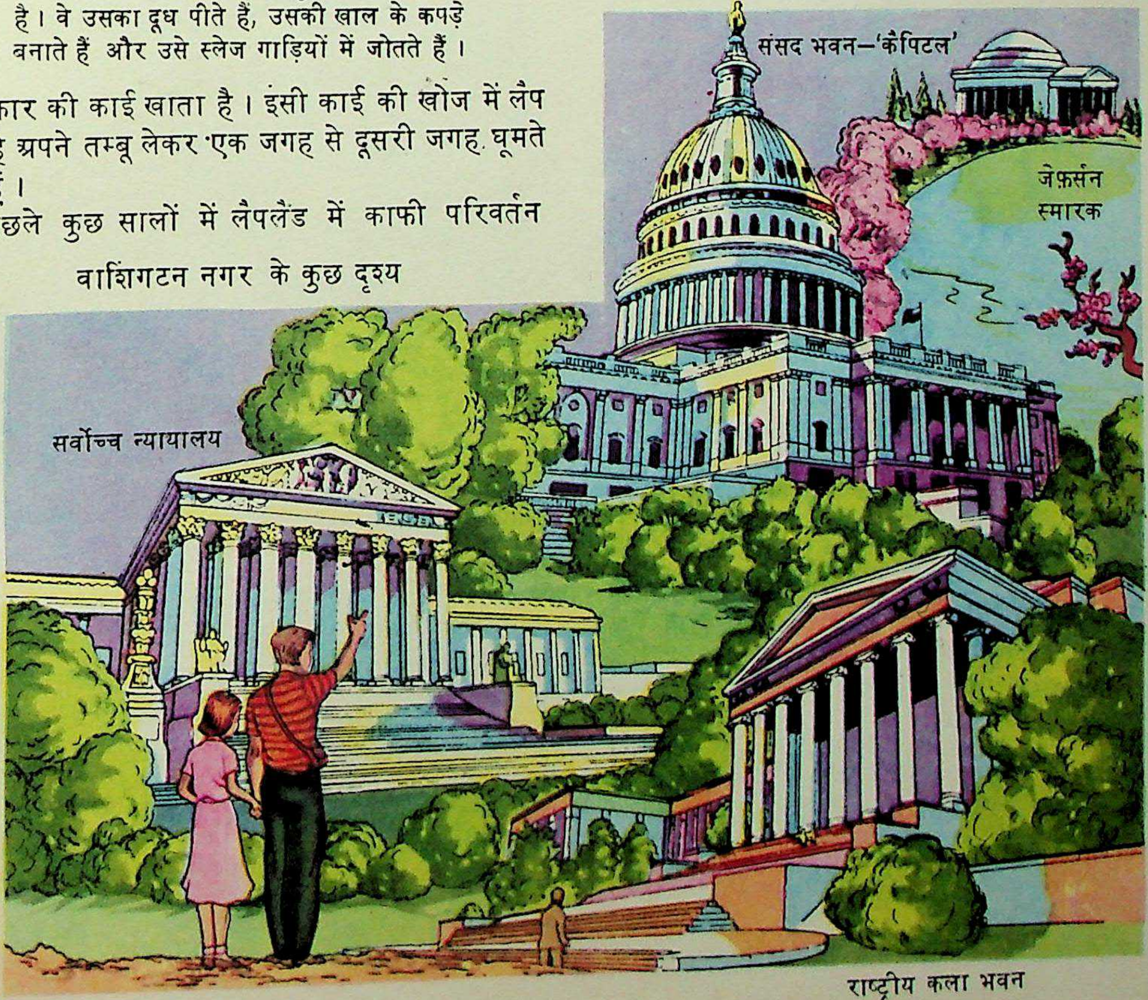

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

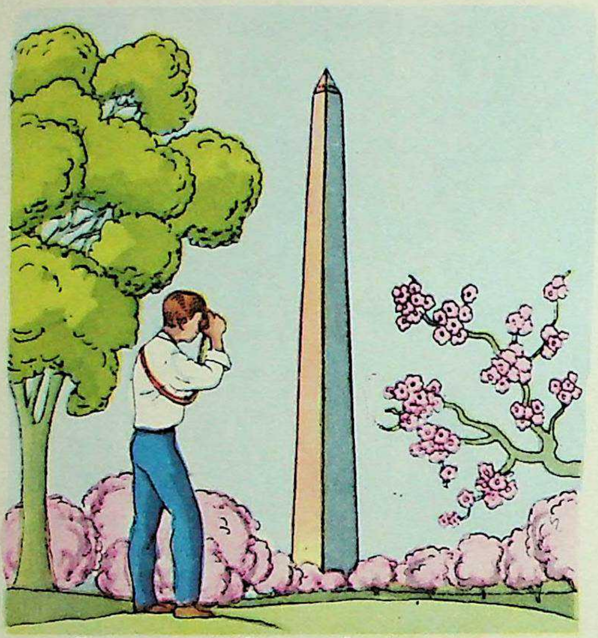

वाशिंगटन नगर में स्थित जॉर्ज वाशिंगटन स्मारक।

सा भाग है। कोलम्बिया ज़िला मेरीलैंड और वर्जीनिया राज्यों के बीच में है, लेकिन वह न तो इनमें से किसी राज्य में शामिल है, और न अलग से अमरीका का राज्य है। अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन ने नगर के लिए यह स्थान चुना था और उन्हीं के सम्मान में नगर का नाम वाशिंगटन रखा गया।

'कैपिटल' नाम से विख्यात अमरीकी संसद भवन और राष्ट्रपति भवन 'ह्वाइट हॉल' यहां के देखने योग्य भवन हैं।

वियतनाम, उत्तरी (NORTH VIETNAM) : वियतनाम दक्षिण-पूर्वी एशिया में दक्षिणी चीन सागर के साथ-साथ एक संकरी पट्टी के रूप में फैला है। पहले यह फ्रांस के अधीन था, किन्तु 1954 में एक स्वतंत्र गणराज्य हो गया। बाद में गृहयुद्ध के कारण वियतनाम उत्तरी और दक्षिणी – इन दो भागों में बंट गया।

उत्तरी वियतनाम का क्षेत्रफल 62,000 वर्गमील और जनसंख्या 1,60,00,000 है। यहां कम्यूनिस्ट शासन है। इसकी राजधानी हनोई है। यहां की अर्थव्यवस्था खानों और कृषि पर आधारित है। धान यहां की मुख्य पैदावार है। उत्तरी वियतनाम में अन्नामी, चीनी और फ्रेंच भाषाएं बोली जाती हैं।

वियतनाम, दक्षिणी (SOUTH VIETNAM): वियतनाम का दक्षिणी भाग, जिसमें पहले का कोचीन-चीन राज्य और अन्नाम का दक्षिणी भाग शामिल है, अब एक पृथक राज्य है और दक्षिणी वियतनाम कहलाता है। इसका क्षेत्रफल 65,000 वर्गमील और जनसंख्या 1,49,29,000 है। इसकी राजधानी सैगोन की गणना एशिया के बड़े नगरों में होती है। दक्षिणी वियतनाम में अभी भी गृहयुद्ध की ज्वाला धधक रही है।

वियना (VIENNA) : यह नगर आस्ट्रिया की राजधानी है और यूरोप की सभी राजधानियों में सबसे सुन्दर है। इसके हरे वन, पर्वत और डैन्यूब नदी की घाटी के रमणीय दृश्य इसकी सुन्दरता को और भी बढ़ा देते हैं।

वियना का इतिहास बड़ा समृद्ध है। किसी ज़माने में यह नगर विशाल आस्ट्रिया-हंगरी साम्राज्य की राजधानी था। तब यह व्यापार का एक बड़ा केन्द्र था। वियना संगीत, कला और ज्ञान-विज्ञान का भी एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र था। बीथोवन, मोज़ार्ट, हाइडन और शूबर्ट जैसे महान संगीतकार इसी नगर में रहते थे। यह आमोद-प्रमोद और हास-विलास का नगर था।

आज वियना केवल 70 लाख की आबादी वाले छोटे-से देश आस्ट्रिया की राजधानी है। देश के एक-तिहाई लोग अपनी राजधानी में ही रहते हैं। वियना को कभी-कभी

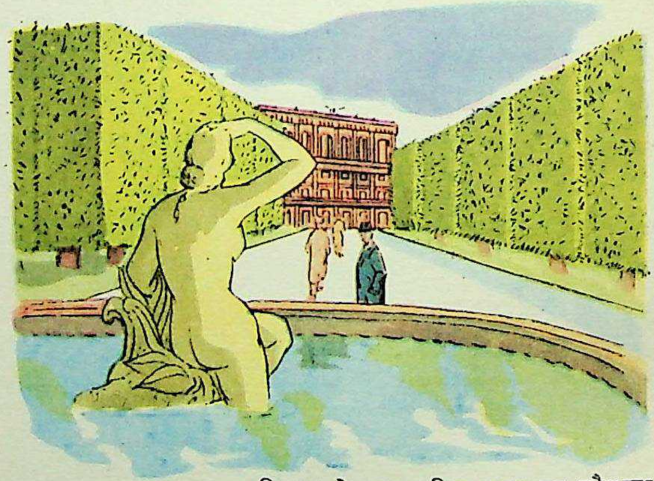

वियना के एक प्रसिद्ध बाग का फौवारा।

'बिना देश का नगर' कहा जाता है। यह इतना विशाल नगर है कि इस बात पर विश्वास करना कठिन हो जाता है कि आस्ट्रिया जैसे छोटे देश में वियना जैसा बड़ा नगर हो सकता है।

वेनेज़ुएला (VENEZUELA) : यह देश दक्षिणी अमरीका के उत्तरी किनारे पर स्थित है। कोलंबिया, ब्राज़ील और ब्रिटिश गायना इसके पड़ोसी हैं। इसका क्षेत्रफल 3,52,143 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 84,26,800 है।

इस देश के कुछ इलाके नीचे और कुछ ऊंचे और पहाड़ी हैं। भूमध्य रेखा के बहुत निकट होने के कारण निचले इलाके सारे साल गरम रहते हैं। कुछ ऊंचे इलाके

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

वेनेज़ुएला के कुछ दृश्य

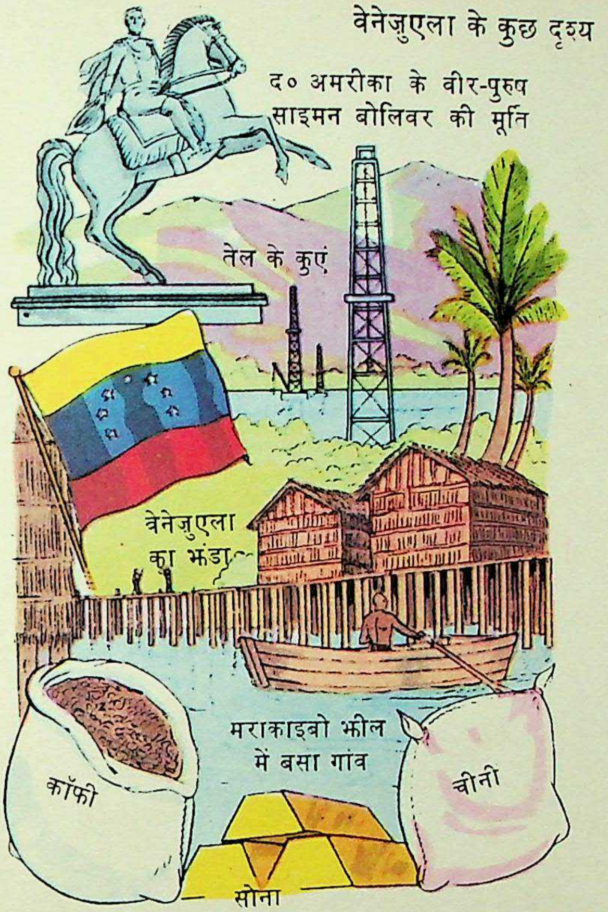

भी गरम रहते हैं। निचले इलाकों में तेल के कुएं हैं। लेकिन गरम जलवायु के कारण तेल की खुदाई में लगे हुए लोगों को छोड़कर अधिक लोग वहां नहीं रहते। वेनेज़ुएला तेल-उत्पादन की दृष्टि से संसार के प्रमुख देशों में माना जाता है। निचले इलाकों में लोग खेती और पशु-पालन करते हैं।

देश की राजधानी कराकस है। कराकस एक सुन्दर आधुनिक नगर है। इसके आसपास की चौड़ी घाटियों में गन्ने और मक्का की खेती होती है। पहाड़ी ढालों पर कॉफी पैदा की जाती है। यहां से बहुत-सी कॉफी विदेशों को भेजी जाती है। वेनेज़ुएला में लोहे की भी बहुत-सी खानें हैं।

वेस्ट इंडीज़ (पश्चिमी द्वीपसमूह) (WEST INDIES) : अमरीका के फ्लोरिडा राज्य से दक्षिणी अमरीका तक छोटे-बड़े द्वीपों की एक कतार चली गई है। इसे वेस्ट इंडीज़ या पश्चिमी द्वीपसमूह कहा जाता है। ये द्वीप अटलांटिक महासागर और कैरिबियन सागर को अलग करते हैं।

इन द्वीपों के तीन वर्ग हैं : बहामा, ग्रेटर ऐंटिलीज़ और लेसर ऐंटिलीज़। वेस्ट इंडीज़ में क्यूबा, हिस्पेनियोला, जमेका और प्यूर्टोरिको द्वीप सबसे बड़े हैं, और ये चारों ग्रेटर ऐंटिलीज़ में आते हैं।

क्यूबा एक स्वतन्त्र देश है। हिस्पेनियोला द्वीप के दो भाग हैं: हाइती और डोमिनिकन गणराज्य। ये दोनों ही अलग-अलग और स्वतन्त्र देश हैं। प्यूर्टोरिको और वर्जिन द्वीपों में से कुछ द्वीप अमरीका के अधीन हैं।

सन् 1958 में जमेका, ट्रिनिडाड, टोबागो, बारबाडोज़, सेंट किट्स और दूसरे बहुत-से द्वीपों ने मिलकर वेस्ट इंडीज़ संघ बनाया था। सन् 1962 में ट्रिनिडाड और टोबागो इससे अलग हो गए और उन्होंने मिलकर एक स्वतंत्र राष्ट्र का रूप ले लिया।

वेस्ट इंडीज़ को 'चीनी के द्वीप' कहा जाता है। हर साल यहां से सैकड़ों जहाज़ चीनी भरकर विदेशों को ले जाते हैं। चीनी के अलावा यहां से तम्बाकू, केले और कॉफी का भी निर्यात होता है।

यहां के निवासियों के चार वर्ग हैं—(1) गन्ने के खेतों में काम करने के लिए दास बनाकर लाए गए अफ्रीकी लोगों की संतानें; (2) ईस्ट इंडीज़ या पूर्वी द्वीपसमूह के निवासी, जो मुख्य रूप से ट्रिनिडाड में बसे हैं; (3) यूरोपीय लोग;

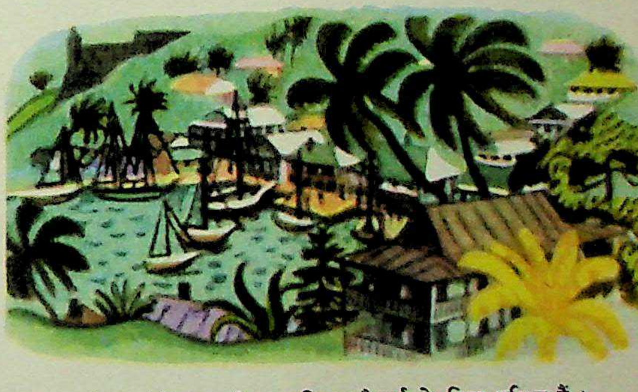

वेस्ट इंडीज़ अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध हैं।

और (4) अश्वेत निवासी। वेस्ट इंडीज़ के लोग कला और संगीत में रुचि रखने वाले, खेल-कूद के शौकीन और निश्चिन्त जीवन बिताने वाले लोग हैं।

वैटिकन नगर-राज्य (STATE OF VATICAN CITY) : वैटिकन नगर-राज्य की गिनती विश्व के सबसे छोटे देशों में होती है। यह एक स्वतन्त्र देश है जो इटली के रोम नगर के बीच में स्थित है। इसका क्षेत्रफल 100 एकड़ और जनसंख्या लगभग 1000 है।

इस देश का नाम वैटिकन नगर इसलिए पड़ा क्योंकि इसमें पोप का महल 'वैटिकन' है। इस देश का प्रधान पोप ही है। वही राज्य के गवर्नर को नियुक्त करता है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

वैटिकन नगर की सीमा पर स्थित प्रसिद्ध संत पीटर गिरजा। संसार का यह सबसे बड़ा गिरजाघर ईसाइयों का पवित्र तीर्थ है। यह क्रॉस के आकार का बना है।

वैटिकन नगर का एक स्विस पहरेदार

इस छोटे-से देश का अपना स्वतन्त्र प्रबन्ध है। इसके अपने डाक-तार घर, टेलीफोन और प्रसारण केन्द्र तथा रेलवे स्टेशन हैं। इसका झण्डा, मुहर और मुद्रा सब अलग हैं। ईसाइयों के रोमन कैथलिक सम्प्रदाय का प्रधान केन्द्र होने के कारण पोप के हज़ारों भक्त यहां रोज़ आते हैं।

शंघाई (SHANGHAI) : चीन का प्रमुख बंदरगाह शंघाई 70,00,000 से भी अधिक की जनसंख्या वाला एक महानगर है। यह चीन का सबसे बड़ा नगर है। शंघाई यांत्सी नदी की सहायक नदी ह्वांगपू के किनारे से लगभग 13 मील हटकर बसा है।

शंघाई बंदरगाह में छोटी-छोटी नावों की भीड़ लगी रहती है। इन नावों को साम्पान कहते हैं।

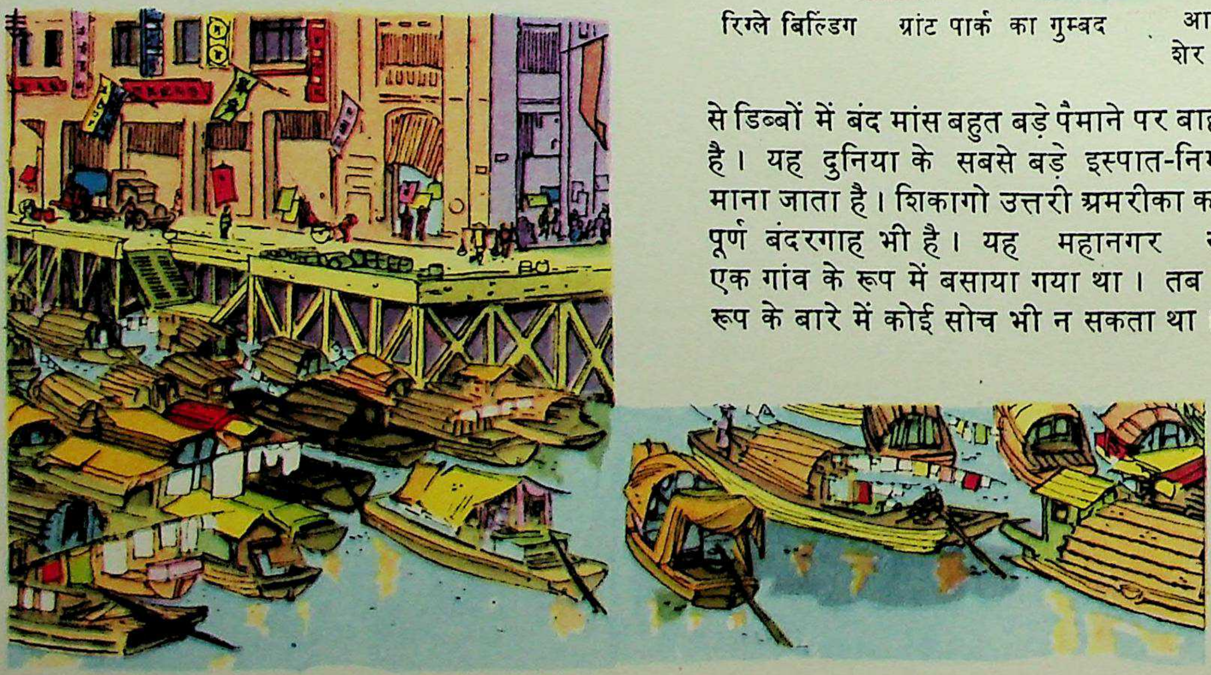

शंघाई विशाल यांत्सी घाटी का द्वार है। इस घाटी में लगभग बीस करोड़ चीनी रहते हैं। इस घाटी का केन्द्र शंघाई ही है। यह जल, स्थल और हवाई—तीनों मार्गों से घाटी से जुड़ा हुआ है।

शुरू में शंघाई मछेरों का एक छोटा-सा गांव था। उन्नीसवीं सदी में अंग्रेज़, अमरीकी और फ्रांसीसी व्यापारियों के आगमन से यह एक महानगर बना। शंघाई एक बहुत बड़ा औद्योगिक नगर भी है।

शिकागो (CHICAGO) : यह अमरीकी महानगर विश्व के दस सबसे बड़े नगरों में गिना जाता है। अमरीका में न्यूयार्क को छोड़कर सभी नगर इससे छोटे हैं।

शिकागो अमरीका का सबसे बड़ा रेलवे केन्द्र है। यहां

शिकागो के कुछ दृश्य

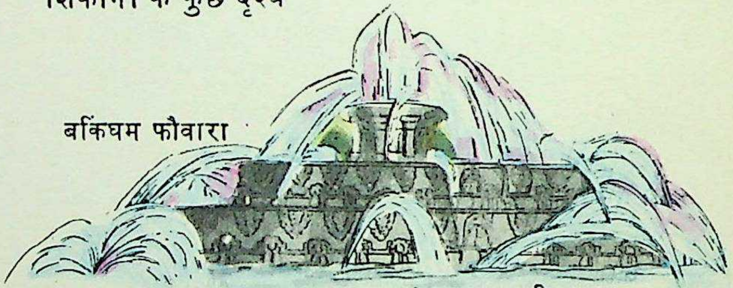

बकिंघम फौवारा

गगनचुम्बी भवन

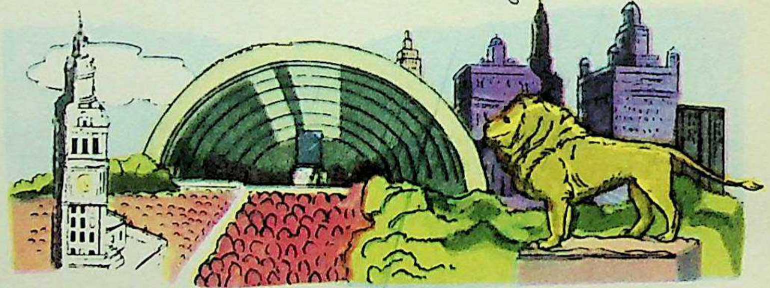

रिग्ले बिल्डिंग ग्रांट पार्क का गुम्बद आर्ट इंस्टीट्यूट में शेर की प्रसिद्ध मूर्ति

से डिब्बों में बंद मांस बहुत बड़े पैमाने पर बाहर भेजा जाता है। यह दुनिया के सबसे बड़े इस्पात-निर्माता क्षेत्रों में माना जाता है। शिकागो उत्तरी अमरीका का एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह भी है। यह महानगर सन् 1830 में एक गांव के रूप में बसाया गया था। तब इसके वर्तमान रूप के बारे में कोई सोच भी न सकता था।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

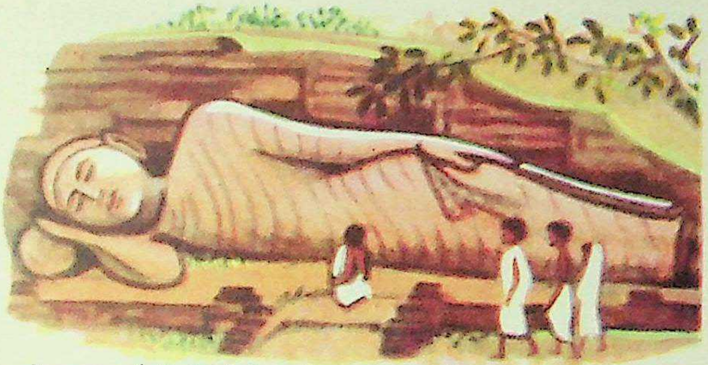

पोलन्नरुव (श्रीलंका) के समीप शयन-मुद्रा में बुद्ध की विशाल मूर्ति ।

श्रीलंका (CEYLON) : भारत के दक्षिण में, हिन्द महासागर में, श्रीलंका द्वीप स्थित है। यह भारत का एकदम निकट का पड़ोसी है। इन दोनों देशों को पाक जलसंधि अलग करती है, जो बहुत संकरी है। भारत के दक्षिणी छोर से श्रीलंका का उत्तरी छोर लगभग तेरह मील दूर है। श्रीलंका का क्षेत्रफल 25,332 वर्गमील और जनसंख्या 1,06,24,507 है।

श्रीलंका में बहुत गर्मी पड़ती है क्योंकि यह भूमध्य रेखा से बहुत दूर नहीं है। यहां के निवासियों के पूर्वज बहुत पहले उत्तरी भारत से गए थे। अब भी यहां लगभग 16,10,000 हिन्दू रहते हैं जिनमें से अधिकांश तमिल बोलते हैं। श्रीलंका के अधिकांश निवासी बौद्ध हैं। श्रीलंका की राष्ट्रभाषा सिंहली है।

दक्षिणी श्रीलंका में बहुत-से पहाड़ हैं। यहां की 'आदम की चोटी' बहुत प्रसिद्ध है। इस चोटी पर पैर के निशान की शक्ल का लगभग पांच फुट लम्बा एक निशान है जिसे आदम का पदचिह्न कहा जाता है। श्रीलंका के जंगलों में आबनूस की कीमती लकड़ी पाई जाती है। यहां कीमती जवाहरात और मोती भी मिलते हैं। इसके अलावा यहां लोहे की खानें भी हैं। श्रीलंका की मुख्य पैदावार चाय, कॉफी, चावल, रबर, तंबाकू और नारियल है।

कोलम्बो श्रीलंका की राजधानी और सबसे बड़ा नगर है। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक उत्तम और संसार के विशालतम मानव-निर्मित बन्दरगाहों में है।

संयुक्त अरब गणराज्य (UNITED ARAB REPUBLIC) : इसमें सन् 1961 तक तीन देश सम्मिलित थे—

मिस्र की एक प्राचीन समाधि के भग्नावशेष।

संयुक्त अरब गणराज्य का झंडा

राज्य-चिह्न

प्राचीन भग्नावशेष

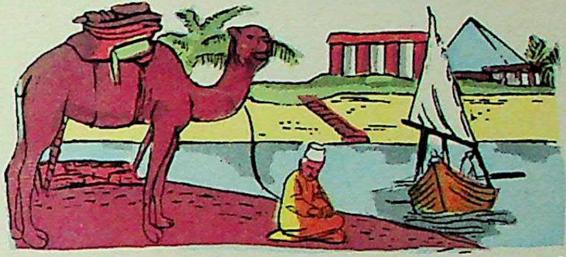

रेगिस्तान की यात्रा के लिए तैयार ऊंट नील नदी

मिस्र, सीरिया और यमन। इनमें से सीरिया बाद में एक स्वतन्त्र देश के रूप में अलग हो गया। यमन की स्थिति भी अस्पष्ट है। वास्तव में, इसमें अब अकेला मिस्र ही

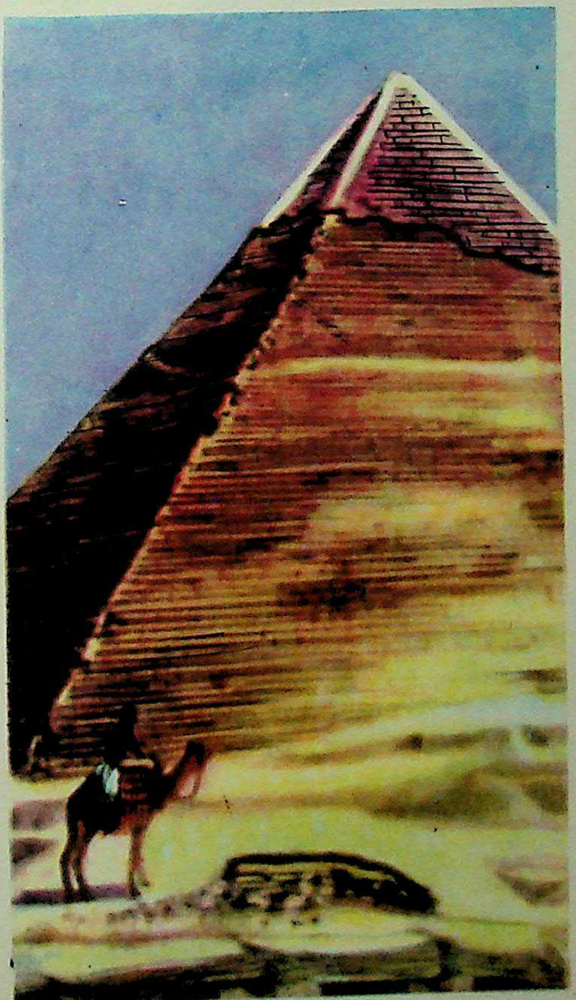

काहिरा के समीप ईसा से 2,600 वर्ष पूर्व निर्मित खूफू का पिरामिड संसार के सात आश्चर्यों में है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

स्वेज़ नहर में से बड़े से बड़े जहाज़ गुज़र सकते हैं ।

रह गया है । मिस्र एक अत्यन्त प्राचीन देश है। भूमध्य सागर के पूर्वी छोर पर नील नदी के उपजाऊ डेल्टा की भूमि को आम तौर से सभ्यता का गहवारा कहा जाता है। प्राचीन काल में यहां एक समृद्ध सभ्यता का विकास हुआ था। किसी ज़माने में मिस्र का साम्राज्य दूर-दूर तक फैला हुआ था। इस प्राचीन सभ्यता के आश्चर्यजनक भग्नावशेषों को देखने के लिए हर साल संसार के कोने-कोने से हज़ारों सैलानी यहां आते हैं।

मिस्र का क्षेत्रफल 3,86,100 वर्गमील और जनसंख्या 2,83,59,000 है। नील नदी की घाटी और उसका डेल्टा ही मिस्र की सबसे अधिक उपजाऊ भूमि है। मिस्र की रुई संसार-भर में प्रसिद्ध है। कपास के अलावा यहां धान, गेहूं, मक्का और गन्ना भी खूब होता है। मिस्र का काफी बड़ा भाग रेगिस्तान है, जिसमें जगह-जगह उपजाऊ ज़मीन के मरूद्यान पाए जाते हैं, जिनमें खजूर और फलों के बाग हैं। स्वेज़ की खाड़ी और लाल सागर के किनारे तेल के कुएं और फॉस्फेट की खानें हैं।

काहिरा मिस्र की राजधानी है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा नगर और अरब राजनीति का केन्द्र है। सिकंदरिया एक प्राचीन नगर और बहुत बड़ा बंदरगाह है। स्वेज़ नहर भूमध्य सागर को लाल सागर से मिलाती है। यह संसार का एक प्रमुख जहाज़ी मार्ग है।

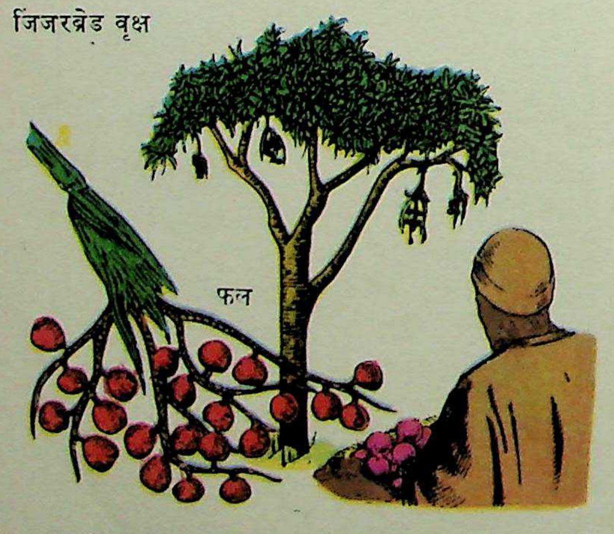

मिस्र में जिजरब्रेड के फल हज़ारों साल से खाए जाते रहे हैं।

सऊदी अरब (SAUDI-ARABIA) : अरब प्रायद्वीप का लगभग अस्सी प्रतिशत भाग सऊदी अरब राज्य के अंतर्गत है। मुसलमानों के दो प्रसिद्ध तीर्थस्थान मक्का और मदीना इसी में हैं। यहां राजतंत्र है और शाह को सलाह देने के लिए एक मंत्रि-परिषद है जिसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। सऊदी अरब का क्षेत्रफल 8,70,000 वर्गमील और जनसंख्या 80,00,000 है। रियाध इसकी राजधानी है। यहां तेल का विशाल भंडार है।

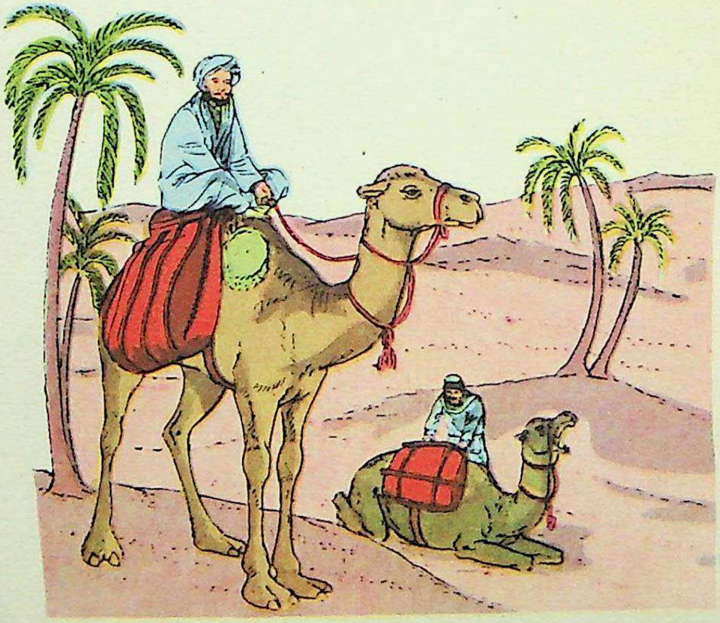

अरब के रेगिस्तान में ऊंट ही परिवहन के सर्वोत्तम साधन हैं। ऊंट तीन-चार दिन तक बिना पानी पिए रह सकते हैं।

साइप्रस (CYPRUS) : भूमध्य सागर का यह द्वीप पहले ब्रिटिश साम्राज्य का एक उपनिवेश था। अगस्त, 1960 में यह स्वतंत्र हुआ और 1961 में ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का सदस्य बन गया। साइप्रस में ग्रीक और तुर्क लोग रहते हैं और गणराज्य व्यवस्था है। इसका क्षेत्रफल 3,572 वर्गमील और जनसंख्या 5,80,000 है। निकोसिया इसकी राजधानी है।

सानमारिनो (SAN MARINO) : मोनाको और वैटिकन नगर-राज्य के बाद सानमारिनो विश्व का सबसे छोटा देश है। यह यूरोप में ऐपेनाइन पर्वतमाला में स्थित है और इसके चारों ओर इटली फैला हुआ है। सानमारिनो के प्रायः सभी निवासी किसान हैं। सानमारिनो यूरोप

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

सानमारिनो का संसद भवन किले जैसा लगता है।

का प्राचीनतम देश होने का दावा करता है। इसकी स्थापना लगभग 1500 वर्ष पहले हुई थी।

सिएरा लिओन (SIERRA LEONE) : अफ्रीका महाद्वीप के पश्चिमी तट पर यह एक प्रायद्वीप है, जो पहले ब्रिटेन का उपनिवेश और संरक्षित क्षेत्र था। 1961 में यह पूर्ण स्वतंत्र हो गया और तब से ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का सदस्य है। सिएरा लिओन का क्षेत्रफल 27,925 वर्गमील और जनसंख्या 21,83,000 है। फ्रीटाउन इसकी राजधानी है।

सिकंदरिया (ALEXANDRIA) : मिस्र को जीत लेने के बाद सिकंदर ने नील नदी के मुहाने पर एक नगर बसाया, जिसका नाम सिकंदरिया रखा गया। जल्दी ही सिकंदरिया दुनिया के सबसे महत्त्वपूर्ण और सुंदर नगरों में गिना जाने लगा और व्यापार का प्रमुख केंद्र हो गया।

सिकंदर के बाद मिस्र के बादशाह टोलेमी प्रथम ने सिकंदरिया में एक विशाल पुस्तकालय बनवाया, जिसमें लगभग सात लाख पुस्तकें थीं। सिकंदरिया में एक विशाल प्रकाश-स्तंभ था, जो बाद में एक भूकंप के कारण गिर गया। इस प्रकाश-स्तंभ की गणना प्राचीन विश्व के सात आश्चर्यों में की जाती थी। अठारहवीं सदी तक आते-आते

सिकंदरिया का प्राचीन प्रकाश-स्तंभ, जो संसार का एक आश्चर्य माना जाता था। यह चौदहवीं सदी में एक भूकम्प में नष्ट हो गया।

सिकंदरिया की पुरानी शान खत्म हो चली, क्योंकि अनेक बार विदेशियों ने इस नगर को लूटा और बरबाद किया। किन्तु उन्नीसवीं सदी में एक बंदरगाह बनाया गया और एक नहर खोदकर सिकंदरिया को उससे मिला दिया गया। इस तरह एक बार फिर सिकंदरिया एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह बन गया।

सिकंदरिया नगर के केन्द्रीय भाग का एक दृश्य।

आजकल सिकंदरिया मिस्र का एक प्रमुख बंदरगाह और दस लाख से अधिक आबादी वाला नगर है।

सिक्किम (SIKKIM) : यह हिमालय क्षेत्र में स्थित भारत का एक संरक्षित देश है। इसके दक्षिण में भारत का पश्चिमी बंगाल प्रदेश, उत्तर और पूर्व में तिब्बत और भूटान तथा पश्चिम में नेपाल स्थित है। इसका क्षेत्रफल 2,744 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 1,62,189 है। इसकी राजधानी गंगतोक है। सिक्किमी और गोरखाली यहां की मुख्य भाषाएं हैं। सिक्किम की वित्त और संचार-व्यवस्था, आवागमन के साधन, विदेशों से संबध और रक्षा की व्यवस्था का भार भारत सरकार के जिम्मे है। यहां

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

महाराजा का शासन है, जो भारत द्वारा नियुक्त दीवान की सहायता से राजकाज चलाते हैं। यहां नेपाली, भोटिया और लेप्चा जातियों के लोग रहते हैं जिनमें से अधिकांश बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। सिक्किम के एक-चौथाई भाग में फैले जंगल ही इस देश की सबसे बड़ी सम्पत्ति हैं। सिक्किम संसार में सबसे अधिक इलायची उत्पन्न करनेवाला देश है। यह अपने सुन्दर प्राकृतिक दृश्यों और स्वास्थ्यप्रद जलवायु के लिए प्रसिद्ध है। हिमालय का प्रसिद्ध पर्वतशिखर कंचनजंघा इसकी सीमा पर स्थित है।

सीरिया (SYRIA) : पश्चिमी एशिया में मरूद्यान के भीतर यह एक सूखा और बंजर देश है, जो कभी ओटोमन साम्राज्य का एक भाग था। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद यह फ्रेंच मेंडेट के अधीन आ गया और द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान एक स्वतंत्र गणराज्य बन गया। सीरिया 1958 में मिस्र के साथ संयुक्त अरब गणराज्य में शामिल हो गया था, किंतु 1961 में यह उससे अलग हो गया। आजकल यहां सैनिक शासन है। सीरिया का क्षेत्रफल 72,345 वर्गमील और जनसंख्या 53,98,700 है। इसकी राजधानी दमिश्क है।

सूडान के मरूद्यान खजूर के लिए प्रसिद्ध हैं।

सूडान (SUDAN) : अफ्रीका महाद्वीप में स्थित यह देश उत्तर में लिबिया और मिस्र, पूर्व में लाल सागर और इथियोपिया, दक्षिण में उगांडा, केनिया और कांगो तथा पश्चिम में चाड गणराज्य, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और लिबिया से घिरा है। 1936 की एक संधि के अनुसार इस पर पहले ब्रिटेन और मिस्र की ओर से गवर्नर-जनरल का शासन था, लेकिन 1956 से यह एक पूर्ण स्वतंत्र देश है। इसका अधिकतर भाग रेगिस्तान है। संसार को अरबी गोंद मुख्यतया सूडान से ही प्राप्त होता है। इसका क्षेत्रफल 9,67,500 वर्गमील और जनसंख्या 1,31,80,000 है। खर्तूम इसकी राजधानी है।

सेनेगल (SENEGAL) : पश्चिमी अफ्रीका में स्थित सेनेगल पहले फ्रांस के अधीन था, किंतु 1960 में यह एक स्वतंत्र गणराज्य बन गया। आरम्भ में यह माली संघ में शामिल हो गया था, पर शीघ्र ही उससे अलग हो गया। इसका क्षेत्रफल 77,814 वर्गमील और जनसंख्या 33,60,000 है। डाकार इसकी राजधानी है।

सैमोआ (SAMOA) : यह ज्वालामुखी-निर्मित नौ द्वीपों का समूह है और आस्ट्रेलिया से लगभग 2,000 मील दूर दक्षिण-पश्चिम प्रशांत महासागर में स्थित है। इसके छः पूर्वी द्वीपों का शासन अमरीका के हाथ में है और बाकी तीन का न्यूज़ीलैंड के।

यहां आम, नारियल और खजूर खूब होते हैं। नारियल का तेल यहां से बाहर भेजा जाता है।

सोमालिया (SOMALIA) : यह देश पूर्वी अफ्रीका में स्थित है और पहले के ब्रिटिश सोमालीलैंड और इटेलियन सोमालिया के मेल से बना एक स्वतंत्र गणराज्य है। यहां गणराज्य की स्थापना 1960 में हुई थी। सोमालिया उत्तर में अदन की खाड़ी, पूर्व और दक्षिण में हिन्द महासागर और पश्चिम में केनिया तथा इथियोपिया से घिरा है। इसका क्षेत्रफल 2,62,000 वर्गमील और जनसंख्या 45,00,000 है। मोगाडिशु इसकी राजधानी है।

सोवियत संघ (UNION OF SOVIET SOCIALIST REPUBLICS) : क्षेत्रफल की दृष्टि से सोवियत संघ संसार का सबसे बड़ा देश है। यह लगभग आधे यूरोप और एक-तिहाई एशिया में फैला हुआ है। इसका क्षेत्रफल 86,02,700 वर्गमील और जनसंख्या लगभग 22,62,00,000 है। सोवियत संघ की राजधानी मास्को की गणना संसार के प्रमुख नगरों में होती है।

सोवियत संघ का पूरा नाम सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ है। सोवियत संघ 15 गणराज्यों से मिलकर बना है—रूस, यूक्रेन, बेलोरूस, आज़रबैजान, जॉर्जिया,

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

मास्को के आँपेरा भवन में बेले प्रदर्शन का एक दृश्य । सोवियत बेले नर्तक संसार में प्रसिद्ध हैं ।

किस्तान, उज़बेकिस्तान, एस्तोनिया, लातीविया, लिथुआनिया और मोल्दाविया ।

सोवियत संघ पर पहले ज़ार सम्राटों का साम्राज्य था । इनके शासनकाल में प्रजा बहुत दुःखी थी । सन् 1917 में यहां क्रांति हुई । ज़ार का शासन समाप्त हो गया और लेनिन के नेतृत्व में साम्यवादी सरकार बनी । यह देश आज विश्व की महाशक्ति माना जाता है ।

सोवियत संघ में आधुनिक तरीकों से बड़े पैमाने पर सामूहिक खेती होती है । उद्योग-धंधों की दृष्टि से अमरीका के बाद यह संसार का सबसे बड़ा देश है ।

संगीत, नृत्य और साहित्य में यह देश हमेशा अग्रणी रहा है । अनेक रूसी लेखक और कलाकार विश्वविख्यात हो चुके हैं ।

खनिज पदार्थों की दृष्टि से सोवियत संघ विश्व के चोटी के देशों में माना जाता है । यहां प्रायः सभी धातुएं और खनिज पदार्थ पाए जाते हैं । यहां कोयले, क्रोमाइट, लोहे, पेट्रोल, सोने, तांबे मैंगनीज़ और दूसरी धातुओं के

एक रूसी नगर में हिमपात का दृश्य । सोवियत संघ के उत्तरी भागों में जाड़े में बहुत बर्फ गिरती है ।

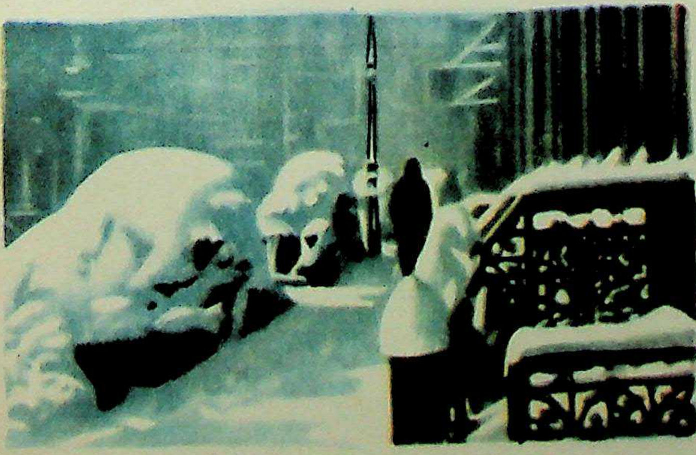

सोवियत संघ के कुछ दृश्य

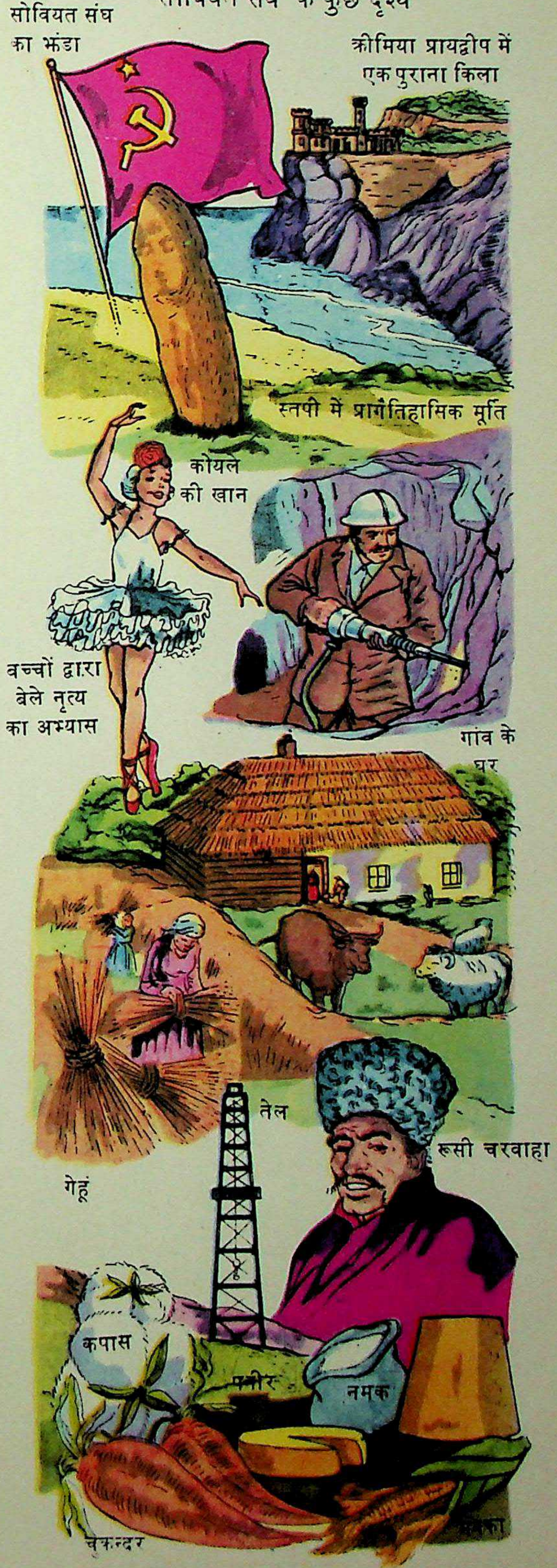

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

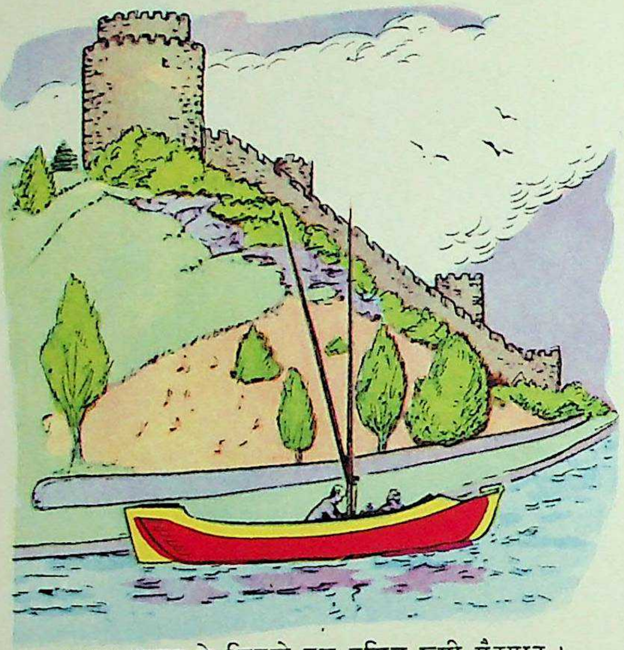

काला सागर के किनारे एक प्रसिद्ध रूसी सैरगाह ।

बड़े-बड़े भंडार हैं । गेहूं, आलू, कपास, और चुकंदर यहां की मुख्य फसलें हैं ।

सोवियत संघ की राष्ट्रभाषा रूसी है । यद्यपि रूस सोवियत संघ का एक गणराज्य है, फिर भी कई बार पूरे सोवियत संघ को 'रूस' कह दिया जाता है ।

स्पेन (SPAIN) : पुर्तगाल के पश्चिम में स्थित यह देश किसी जमाने में यूरोप का सबसे अधिक शक्तिशाली देश था । अनेक उत्थान-पतन देखने के बाद आज यह एक छोटा-सा देश रह गया है जिस पर एक निरंकुश तानाशाह का शासन है । इसका क्षेत्रफल 1,90,700 वर्गमील और जन-संख्या 2,96,00,000 है ।

स्पेन के ग्रैनाडा नगर के पास प्राचीन मूर लोगों का प्रसिद्ध किला —'अल्हाम्ब्रा'

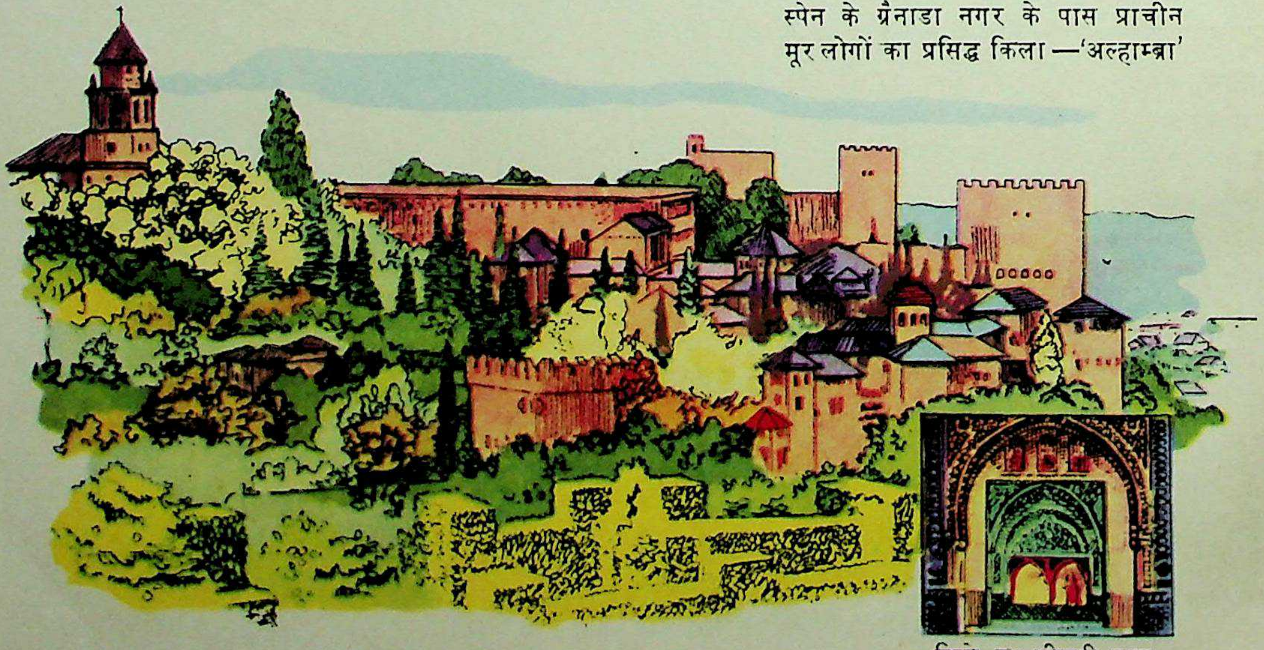

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

स्पेनी नर्तक अपनी अनोखी मुद्राओं के लिए प्रसिद्ध हैं।

स्पेन का अंदरूनी भाग एक बड़ा सूखा पठार है। पठार के मध्य में स्पेन की प्रसिद्ध राजधानी और सबसे बड़ा नगर मैड्रिड है। यह रेलों, हवाई मार्ग, व्यापार, शिक्षा और आमोद-प्रमोद का केंद्र है। स्पेन का प्रसिद्ध खेल 'बुल फाइटिंग' या सांड़ से युद्ध मैड्रिड में देखा जा सकता है।

स्पेन के समुद्रतट के पास के निचले प्रदेशों में लोहे की खानें हैं। वहां नदियों के पानी से बिजली प्राप्त की जाती है और उससे धातुओं का सामान बनानेवाले कारखाने चलते हैं।

बार्सीलोना स्पेन का दूसरा प्रमुख नगर है। यह कपड़े की मिलों के लिए प्रसिद्ध है।

स्पेन के भूमध्य सागरीय तट पर अंगूर, संतरा, नीबू और जैतून के बड़े-बड़े बाग हैं। यहां फलों से बढ़िया शराब बनाई जाती है।

स्विट्ज़रलैंड (SWITZERLAND) : स्विट्ज़रलैंड के चारों ओर फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रिया और इटली देश स्थित हैं। इस देश की अपनी कोई भाषा नहीं है। अधिकांश निवासी जर्मन का प्रयोग करते हैं, कुछ फ्रांसीसी और इटालियन भाषाओं का। इसका क्षेत्रफल 15,950 वर्गमील और जनसंख्या 52,00,000 है।

स्विट्ज़रलैंड धातुओं की दृष्टि से निर्धन है, किंतु फिर भी यह एक उद्योगप्रधान और संपन्न देश है। यहां अनेक कारखाने हैं जिनमें घड़ियां, कपड़े, रसायन और कल-पुर्जे बनते हैं। यहां की घड़ियां विश्वविख्यात हैं। स्विट्ज़रलैंड की राजधानी बर्न है, लेकिन यहां का सबसे बड़ा नगर ज़ूरिख है।

इस देश के लगभग बीस प्रतिशत लोग किसान हैं। दक्षिणी स्विट्ज़रलैंड में बड़े-बड़े चरागाह हैं।

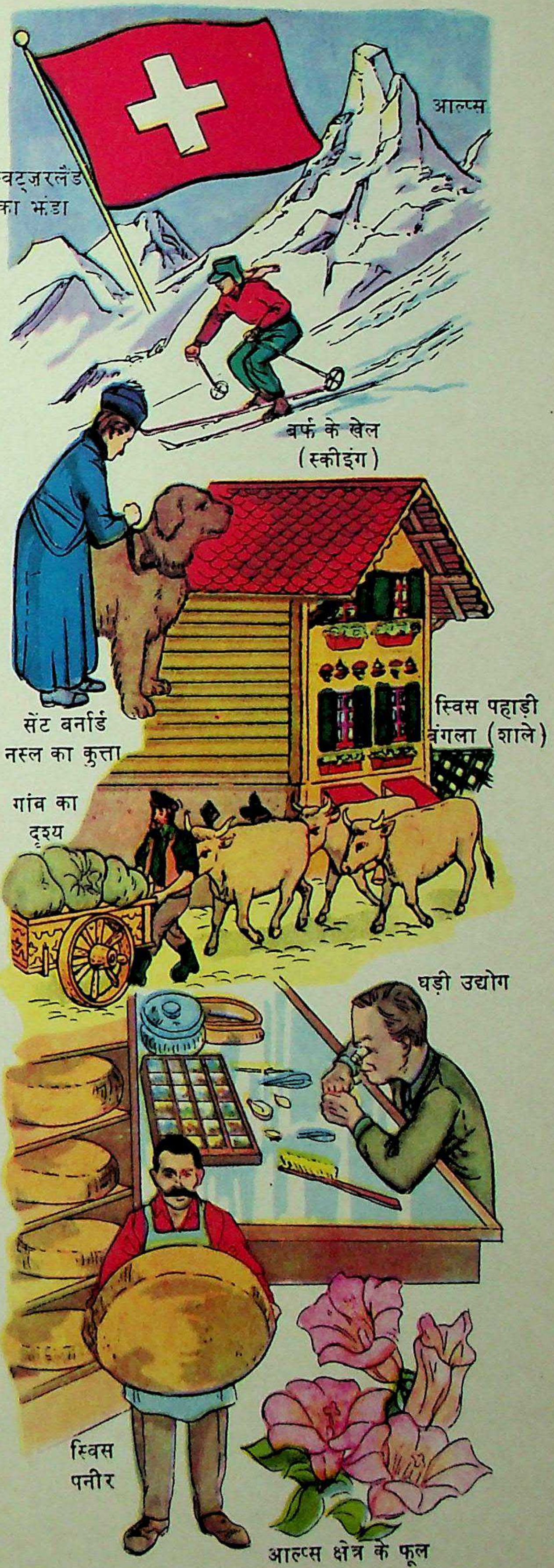

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

स्टॉकहोम स्वीडन का सबसे बड़ा नगर और प्रसिद्ध बंदरगाह है।

प्रतिवर्ष यूरोप के इस अत्यन्त रमणीय देश में लगभग दस लाख सैलानी आते हैं। सैलानियों के लिए यहां अधिक से अधिक सुविधाएं और मनोरंजन के साधन जुटाए गए हैं।

यहां के बर्फ से ढके पहाड़ और सुंदर झीलें सभी देशों के लोगों को आकर्षित करती हैं। बिजली की रेलों में बैठकर आसपास बर्फ से ढकी चोटियों के बीच से गुज़रना अपने-आपमें एक विचित्र अनुभव है।

स्विट्ज़रलैंड में विश्वयुद्ध के दिनों में शांति का वातावरण रहा। यह पूर्णरूपेण एक तटस्थ देश है।

स्वीडन (SWEDEN) : उत्तर-पश्चिमी यूरोप में स्केंडिनेविया प्रायद्वीप पर नार्वे के दक्षिण में स्वीडन स्थित है। स्वीडन के पश्चिमी तट पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ हैं। इसलिए

अटलांटिक महासागर से चलने वाली गरम हवाओं का असर इस देश पर नार्वे की तुलना में कम पड़ता है, और स्वीडन का पूर्वी तट और उसपर स्थित स्टॉकहोम आदि बंदरगाह सर्दियों में जम जाते हैं। स्वीडन का क्षेत्रफल 1,73,564 वर्गमील और जनसंख्या 73,41,122 है।

नार्वे के मुकाबले स्वीडन में मछलियां कम पकड़ी जाती हैं। लेकिन इस देश में खेती करने योग्य ज़मीन नार्वे से कहीं अधिक है। यहां घने जंगल भी हैं। सुदूर उत्तर में किरूना के पास बढ़िया लोहे की खानें हैं। स्वीडन एक समृद्ध देश है।

दक्षिणी स्वीडन सबसे घना बसा इलाका है। गेहूं और आलू यहां की मुख्य उपज है। इस प्रदेश में अनेक कारखाने

स्वीडन के कुछ दृश्य

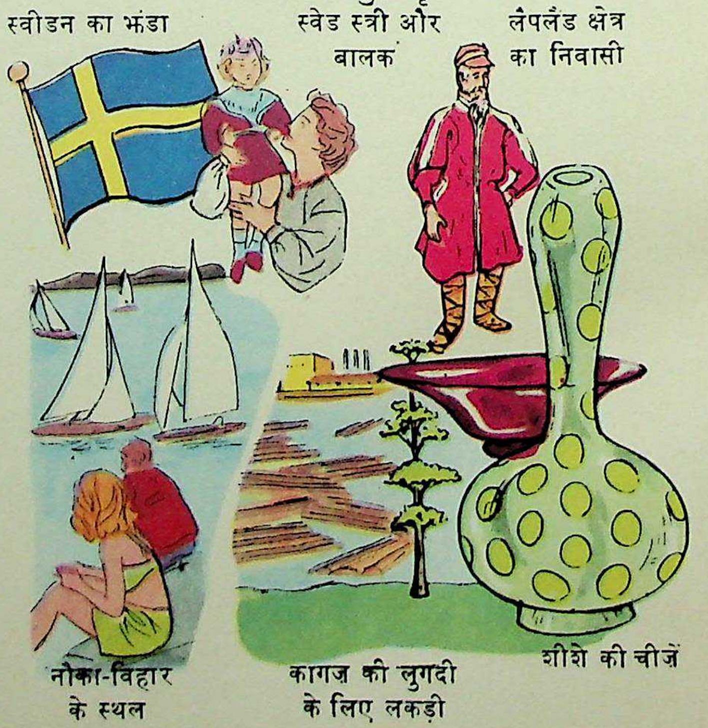

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

भी हैं। यहां का प्रमुख व्यवसाय डेरी-उद्योग है। स्वीडन मक्खन, पनीर, कागज़ और मशीनों का निर्यात करता है।

स्टॉकहोम यहां का सबसे बड़ा नगर और राजधानी है। यह एक सुन्दर और समृद्ध आधुनिक नगर है।

इस देश में प्रजातांत्रिक राजतंत्र है। पिछले 150 वर्षों से स्वीडन ने युद्ध में भाग नहीं लिया। विश्वविख्यात नोबेल पुरस्कार के लिए स्वीडन के ही नागरिक ऐल्फ़्रेड नोबेल ने प्रचुर धनराशि दी थी।

हंगरी (HUNGARY) : प्रथम विश्वयुद्ध के पहले आस्ट्रो-हंगरी यूरोप का एक काफी सम्पन्न और महत्त्वपूर्ण देश था। युद्ध के अंत में उसका एक भाग हंगरी बना और दूसरा आस्ट्रिया तथा शेष भाग अन्य देशों में मिल गए।

हंगरी के कुछ दृश्य

हंगरी एक खेतिहर देश है। डैन्यूब नदी के किनारे के मैदानों में गेहूं और जौ की पैदावार अच्छी होती है। घास के मैदानों में पशुपालन का काम होता है। हंगरी के लोग घोड़ों के बड़े शौकीन हैं। हंगरी में बॉक्साइट की कुछ खानें भी हैं।

स्वीडन के कुछ अन्य दृश्य

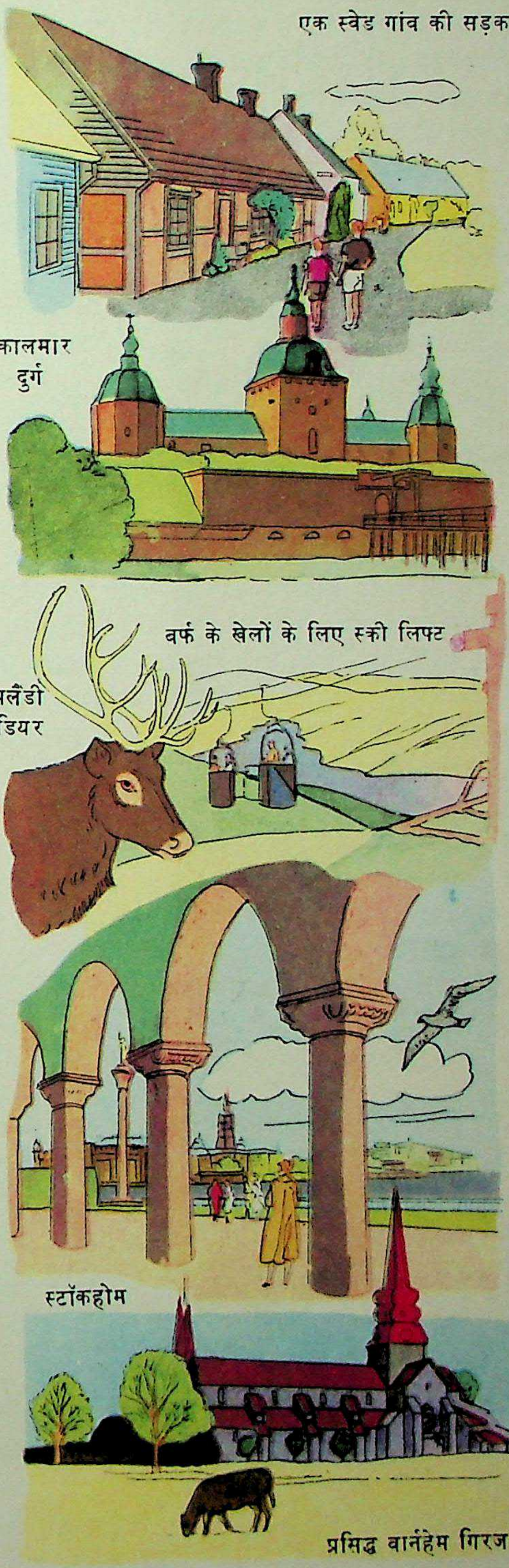

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

हंगरी का क्षेत्रफल लगभग 36,000 वर्गमील है और जनसंख्या लगभग 1,01,35,000 है। बुडापेस्ट इसका सबसे बड़ा नगर और राजधानी है। असल में यह नगर दो नगरों से मिलकर बना है—एक है बुडा और दूसरा है पेस्ट। डैन्यूब नदी इनके बीच से बहती है और ये एक पुल के ज़रिये एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

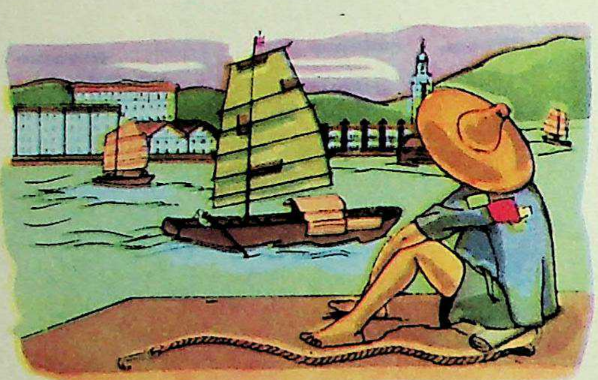

हांगकांग अपने प्राकृतिक बन्दरगाह के लिए प्रसिद्ध है।

हांगकांग (HONG KONG): यह दक्षिण-पूर्वी चीन की सीमा पर स्थित एक ब्रिटिश उपनिवेश है। इस उपनिवेश के तीन भाग हैं—एशिया की मुख्य भूमि का छोटा-सा प्रायद्वीप, हांगकांग का छोटा-सा पहाड़ी द्वीप और प्रायद्वीप के पास का वह क्षेत्र, जो ब्रिटेन ने 99 साल के लिए चीन से पट्टे पर लिया है। हांगकांग की जनसंख्या लगभग 30,00,000 है। विक्टोरिया और कौलून नगर हांगकांग के प्रसिद्ध बंदरगाह के पास ही स्थित हैं। हांगकांग एक बहुत बड़ा व्यापारिक केन्द्र बन गया है। यहां हज़ारों अंग्रेज़ और चीनी नागरिक व्यापार में लगे हुए हैं।

हाइती (HAITI) : कैरिबियन सागर में यह राज्य हिस्पेनियोला द्वीप पर स्थित है। यह एक नीग्रो गणराज्य है जहां फ्रेंच भाषा बोली जाती है। इसका क्षेत्रफल 10,714 वर्गमील और जनसंख्या 45,51,000 है। पोर्ट-औ-प्रिंस इसकी राजधानी है। यह एक कृषिप्रधान देश है जो मुख्य रूप से कॉफी निर्यात करता है।

होण्डुरास (HONDURAS) : मध्य अमरीका में स्थित यह गणराज्य उत्तर में कैरिबियन सागर, पूर्व और दक्षिण में निकारागुआ, दक्षिण और पश्चिम में अल सल्वाडोर और पश्चिम में ग्वाटेमाला से घिरा है। अटलांटिक तट पर यहां केले और नारियल बहुत होते हैं। इसका क्षेत्रफल 44,482 वर्गमील और जनसंख्या 20,91,700 है। टेगुसिगाल्पा इसकी राजधानी है। यह देश मुख्य रूप से केले, कॉफी और चांदी निर्यात करता है।

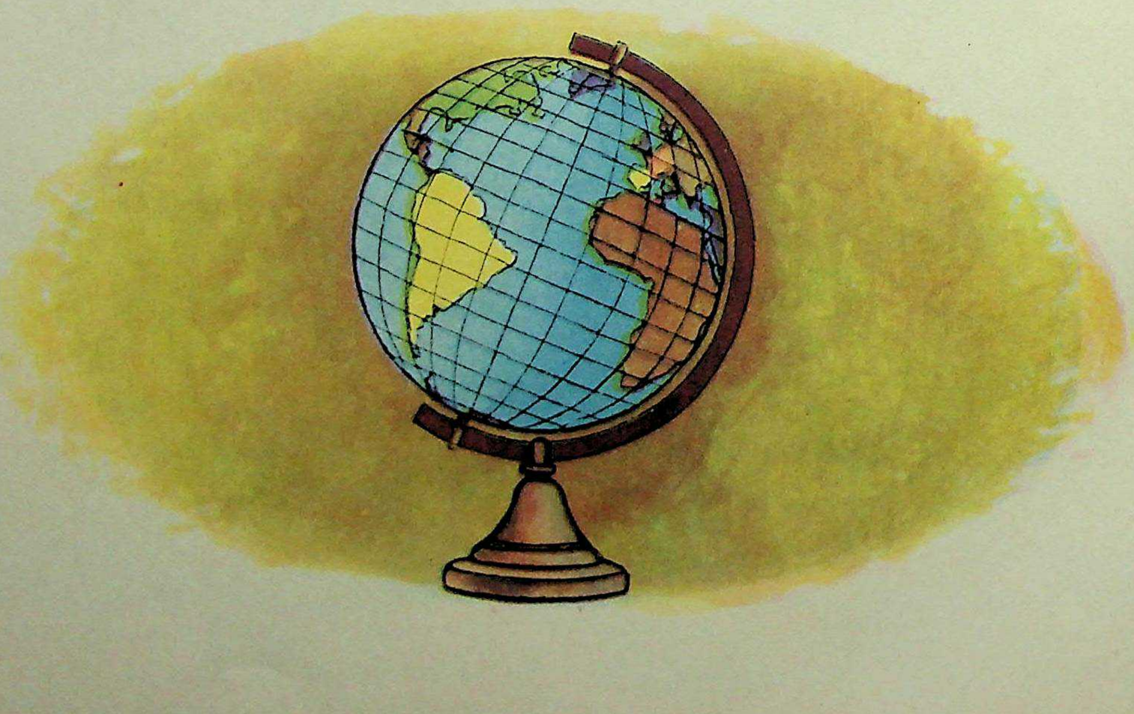

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अनुक्रमणिका

अपर वोल्टा (Upper Volta) 5
अफ़गानिस्तान (Afghanistan) 5
अफ्रीका (Africa) 6
अमरीका, उत्तरी (North America) 8
अमरीका, दक्षिणी (South America) 9
अमरीका, मध्य (Central America) 10
अमरीका, संयुक्त राज्य (United States of America) 11
अर्जेंटीना (Argentina) 21
अल सल्वाडोर (El Salvador) 21
अल्जीरिया (Algeria) 21
अल्बानिया (Albania) 22
आइवरी कोस्ट (Ivory Coast) 22
आइसलैंड (Iceland) 22
आयरलैंड (Ireland) 22
आस्ट्रिया (Austria) 23
आस्ट्रेलिया (Australia) 23
इंडोनेशिया (Indonesia) 25
इक्वेडोर (Ecuador) 26
इज़राइल (Israel) 26
इटली (Italy) 26
इथियोपिया (Ethiopia) 27
इराक (Iraq) 28
इस्तम्बुल (Istanbul) 29
ईरान (Iran) 29
उगांडा (Uganda) 29
उरुगुए (Uruguay) 30
एशिया (Asia) 30
एशिया, दक्षिण-पूर्वी (South-East Asia) 32
एशिया, पश्चिमी (Near East) 32
ऐंडोरा (Andorra) 33
ओसाका (Osaka) 33
कनाडा (Canada) 33
कम्बोडिया (Cambodia) 35
कलकत्ता (Calcutta) 35
कांगो, संघीय गणराज्य (Federal Republic of Congo) 35
कातार (Qatar) 36
कुवैत (Kuwait) 36
केनिया (Kenya) 36
केमेरून (Cameroun) 36
कोरिया (Korea) 36
कोलंबिया (Colombia) 36
क्यूबा (Cuba) 37
गाबून (Gabon) 37
ग्रीनलैंड (Greenland) 38
ग्रीस (Greece) 38
ग्रेट ब्रिटेन (Great Britain) 38
ग्वाटेमाला (Guatemala) 40
घाना (Ghana) 40
चाड (Chad) 40
चिली (Chile) 40
चीन (China) 41
चेकोस्लोवाकिया (Czechoslovakia) 42
ज़ंबिया (Zambia) 43
जमेका (Jamaica) 43
जर्मनी, पश्चिमी (West Germany) 43
जर्मनी, पूर्वी (East Germany) 43
जापान (Japan) 44
जॉर्डन (Jordan) 44
जेरूसलम (Jerusalem) 45
जोहान्सबर्ग (Johannesburg) 45
टंज़ानिया (Tanzania) 45
टोगो (Togo) 45
ट्यूनीशिया (Tunisia) 45
ट्रिनिडाड और टोबागो (Trinidad and Tobago) 46
डेनमार्क (Denmark) 46
डोमीनिकन गणराज्य (Dominican Republic) 46
तिब्बत (Tibet) 46
तुर्की (Turkey) 47
तोकियो (Tokyo) 48
थाईलैंड (Thailand) 48
दक्षिणी अफ्रीका संघ (Union of South Africa) 49
दमिश्क (Damascus) 50

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

दहोमी (Dahomey) 50
दिल्ली (Delhi) 50
नाइजर (Niger) 50
नाइजीरिया (Nigeria) 50
नार्वे (Norway) 50
निकारागुम्रा (Nicaragua) 52
नीदरलैंड (Netherlands) 52
नेपाल (Nepal) 52
न्यूज़ीलैंड (New Zealand) 53
न्यूयार्क नगर (New York City) 53
पनामा गणराज्य (Republic of Panama) 54
पर्ल हार्बर (Pearl Harbour) 54
पाकिस्तान (Pakistan) 54
पुर्तगाल (Portugal) 55
पेरिस (Paris) 55
पेरू (Peru) 56
पैरागुए (Paraguay) 56
पोलैंड (Poland) 57
फिनलैंड (Finland) 57
फिलिपाइन (Philippines) 58
फ्रांस (France) 58
फ्लोरेंस (Florence) 59
बम्बई (Bombay) 59
बरमूडा द्वीपसमूह (Bermudas) 59
बर्मा (Burma) 59
बर्लिन (Berlin) 60
बल्गारिया (Bulgaria) 60
बहामा द्वीपसमूह (Bahamas) 61
बुरुण्डी (Burundi) 61
बेथलहम (Bethlehem) 61
बेल्जियम (Belgium) 61
बोलीविया (Bolivia) 62
ब्यूनोस ग्रायर्स (Buenos Aires) 62
ब्राज़ील (Brazil) 62
भारत (India) 63
भूटान (Bhutan) 73
मंगोलिया (Mongolia) 73
मध्य ग्रफ्रीकी गणराज्य
(Central African Republic) 74
मलयेशिया (Malaysia) 74
मलागासी (Malagasy) 74
मालटा (Malta) 74
माली (Mali) 74
मास्को (Moscow) 75
मेक्सिको (Mexico) 75
मैंचेस्टर (Manchester) 76
मोनाको (Monaco) 76
मोरक्को (Morocco) 76
मौरिटानिया (Mauritania) 76
यमन (Yemen) 76
यूगोस्लाविया (Yugoslavia) 76
यूरोप (Europe) 77
रवाण्डा (Rwanda) 80
रूमानिया (Rumania) 80
लंदन (London) 81
लक्सेम्बर्ग (Luxembourg) 81
लाइबेरिया (Liberia) 81
लाग्रोस (Laos) 82
लिबिया (Libya) 82
लीख्टेन्स्टाइन (Liechtenstein) 82
लेनिनग्राद (Leningrad) 82
लेबनान (Lebanon) 82
लैपलैंड (Lapland) 82
वाशिंगटन नगर (Washington, D. C.) 83
वियतनाम, उत्तरी (North Vietnam) 84
वियतनाम, दक्षिणी (South Vietnam) 84
वियना (Vienna) 84
वेनेज़ुएला (Venezuela) 84
वेस्ट इंडीज़ (पश्चिमी द्वीपसमूह) (West Indies) 85
वैटिकन नगर-राज्य (State of Vatican City) 85
शंघाई (Shanghai) 86
शिकागो (Chicago) 86
श्रीलंका (Ceylon) 87
संयुक्त ग्ररब गणराज्य (United Arab Republic) 87
सऊदी ग्ररब (Saudi Arabia) 88
साइप्रस (Cyprus) 88
सानमारिनो (San Marino) 88
सिएरा लिग्रोन (Sierra Leone) 89
सिकंदरिया (Alexandria) 89
सिक्किम (Sikkim) 89
सीरिया (Syria) 90
सूडान (Sudan) 90
सेनेगल (Senegal) 90
सैमोग्रा (Samoa) 90
सोमालिया (Somalia) 90
सोवियत संघ
(Union of Soviet Socialist Republics) 90
स्पेन (Spain) 92
स्विट्ज़रलैंड (Switzerland) 93
स्वीडन (Sweden) 94
हंगरी (Hungary) 95
हांगकांग (Hong Kong) 96
हाइती (Haiti) 96
होण्डुरास (Honduras) 96

△△△

क्रम. 3825
प्राप्ति तिथि 1/7/78
State Museum, Library, Lko.

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

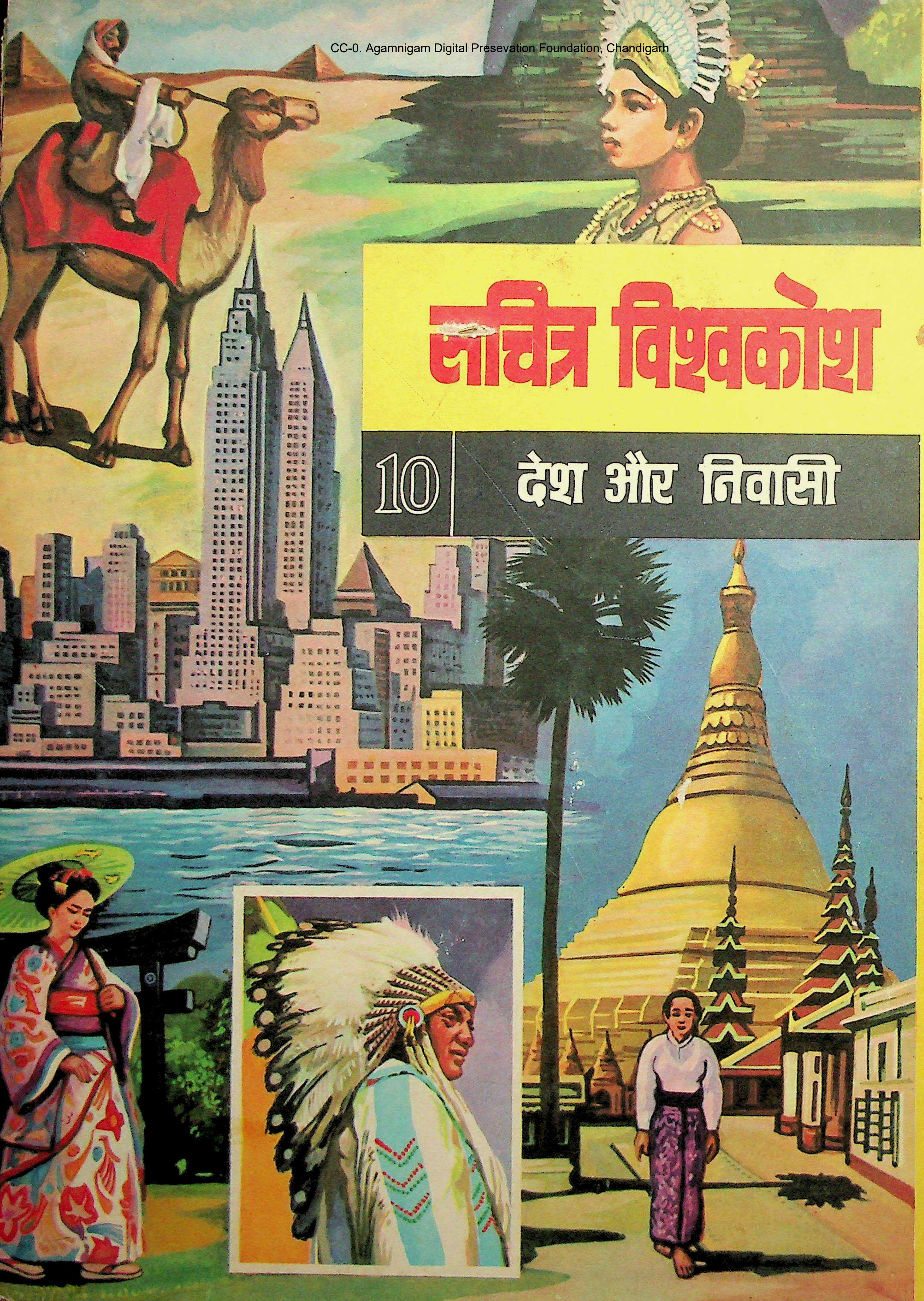

सचित्र विश्वकोश

10 देश और निवासी